चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्थी
विक्रम संवत 2080

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

शुक्रवार, 29 मार्च 2024
वर्ष 2, अंक 217, पृष्ठ-16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य -5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर नगर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

ब्रिटेन में सीसीटीवी से होगी मंदिरों की सुरक्षा 16

दीपिका पादुकोण का अजीब पोस्ट पढ़ परेशान हुए फैंस 15

नानकमत्ता के डेरा सेवा प्रमुख की हत्या

संवाददाता,नानकमत्ता/खटीमा

बाबा तरसेम सिंह बाइक सवार बदमाश।

- बाइक पर आए दो बदमाशों ने बाबा तरसेम सिंह को मारी दो गोलियां

एक ने पेट तो दूसरे ने चीरा बाबा का सीना

बाबा को पास से दो गोलियां मारी गईं। पहली गोली पेट में लगी और दूसरी गोली ने बाबा का सीना चीर दिया। डॉक्टरों का कहना है कि पहली गोली ने पेट के कई अंगों को प्रभावित कर दिया और दूसरी गोली सीने में लगी है।

अमृत विचार: गुरुद्वारा श्री गुरु नानकमता साहिब के डेरा सेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की गुरुवार सुबह बाइक सवार दो बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। डेरा में लगे सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद हो गई है। घटना के बाद नेपाल सीमा सहित क्षेत्रों में चेकिंग की जा रही है। एसओजी समेत कई टीमें बदमाशों की खोज में जुटी हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा पहुंचकर घटना की जानकारी ली और बाबा को श्रद्धांजलि दी।

पुलिस के अनुसार नानकमत्ता डेरा कारसेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह (60) के पास सुबह सवा छह बजे दो व्यक्ति बाइक से आए। बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने गोली मारी, जिसके बाद बाबा ने भागने की कोशिश की, तभी बाइक सामने लाकर दूसरी गोली मार दी और भाग गए। डेरा में मौजूद लोग बाबा को खटीमा के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां कुछ देर बाद बाबा की मौत हो गई। जानकारी पर एसएसपी मंजूनाथ टीसी, एसपी क्राइम चंद्रशेखर घोडके, एडीएम पंकज उपाध्याय, सीओ बीएस चौहान मौके पर पहुंचे।

सपा ने जारी किए स्टार प्रचारकों के नाम

लखनऊ। सपा ने लोस. चुनाव में पहले चरण के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इसमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव, शिवपाल यादव, जया बच्चन, डिंपल यादव, रामगोपाल यादव समेत 18 पार्टी नेताओं के नाम हैं। दिलचस्प यह है कि जेल में कैद आजम खां का नाम भी इस सूची में दर्ज है। अन्य स्टार प्रचारकों में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा, सांसद जावेद अली, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, सांसद रामजी लाल सुमन, राष्ट्रीय सचिव रामगोविंद चौधरी, इंद्रजीत सरोज, रमेश प्रजापति, ओमप्रकाश सिंह, राजपाल कश्यप, रामअसारे विश्वकर्मा, महबूब अली, शाहिद मंजूर शामिल है।

मुरादाबाद से हसन व रामपुर में आसिम समेत 71 नामांकन रद

रुचि वीरा व मोहिबुल्लाह लड़ेंगे चुनाव, पहले चरण में कुल 84 प्रत्याशी मैदान में

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 30 मार्च को प्रत्याशी वापस ले सकेंगे नाम

अमृत विचार: उप्र. में पहले चरण में कुल 84 प्रत्याशी चुनाव मैदान में रह गए हैं। गुरुवार को नामांकन पत्रों की जांच में 71 नामांकन खारिज हो गए। मुरादाबाद सीट से सपा की ओर से नामांकन कराने वाले वर्तमान सांसद डॉ. एसटी हसन का नामांकन निरस्त कर दिया गया है। उनकी जगह रुचि वीरा को अधिकृत प्रत्याशी मानते हुए पर्चा सही माना गया है। मुरादाबाद सीट के लिए 18 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। पांच नामांकन खारिज हो गये हैं और बाकी 13 नामांकन पत्र वैध पाये गये।

सीतापुर जेल में बंद आजम खां के करीबी और रामपुर नगर अध्यक्ष आसिम राजा सहित 12 प्रत्याशियों का नामांकन पत्रों को त्रुटियां मिलने के बाद खारिज कर दिया है। अब चुनावी दंगल में भाजपा से सांसद घनश्याम सिंह लोधी,बसपा से जीशान खां और सपा से मोहिबुल्लाह नदवी समेत छह प्रत्याशी मैदान में हैं।

आठ सीटों पर होगा मतदान

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि पहले चरण की आठ सीटों में पीलीभीत सीट के लिए 16 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। नामांकन पत्रों की जांच में छह नामांकन अस्वीकृत हुए और बाकी 10 नामांकन पत्र वैध पाये गये। सहारनपुर लोकसभा सीट के लिए 13 प्रत्याशियों ने नामांकन किया था, जिसमें नामांकन पत्रों की जांच में एक नामांकन अस्वीकृत हुआ और बाकी 12 नामांकन पत्र वैध पाये गये। कैराना सीट के लिए 17 प्रत्याशियों ने नामांकन किया था, जांच में दो नामांकन अस्वीकृत हुए। मुजफ्फरनगर सीट पर 38 में से 27 नामांकन अस्वीकृत हुए और बाकी 11 नामांकन पत्र वैध पाये गये। बिजनौर सीट पर 23 में से 12 नामांकन अस्वीकृत हुए। नगीना (अजा) सीट के लिए 12 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। छह नामांकन अस्वीकृत हुए और छह नामांकन पत्र वैध पाये गये।

दिल का दौरा पड़ने से मुख्तार की मौत

प्रदेश में पुलिस अलर्ट जारी, बांदा, मऊ में विशेष सतर्कता

- गुरुवार शाम बांदा जेल की बैरक में अचानक हो गया था बेहोश
- मेडिकल कॉलेज लाया गया, डॉक्टरों ने कर दिया मृत घोषित

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचार: माफिया से नेता बने मुख्तार अंसारी की गुरुवार देर शाम दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। प्रदेश के कई जिलों में हत्या, लूट, अपहरण, रंगदारी जैसी घटनाओं का आरोपी मुख्तार गुरुवार शाम जेल की बैरक में अचानक बेहोश हो गया था जिसपर उसे बांदा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां कुछ देर बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

इस बीच उत्तर प्रदेश पुलिस ने पूरे प्रदेश में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। बांदा, मऊ, गाजीपुर और वाराणसी जैसे जिलों में पुलिस की टीम गश्त लगा रही हैं। वहीं, समाजवादी पार्टी ने 'एक्स'पर लिखा, 'पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी का इंतकाल, दुःखद। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहने का संबल प्राप्त हो। विनम्र श्रद्धांजलि!'

बांदा मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य सुनील कौशल ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में दिल का दौरा पड़ने से अंसारी की मौत हो गई। कोर्ट ने उसे दो बार उम्रकैद की सजा सुनाई थी। जिले भर के बड़े अधिकारी बांदा मेडिकल कॉलेज पहुंचे और फोर्स को अलर्ट कर दिया गया। डीजीपी ने पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट की घोषणा की है। बांदा समेत पूरे प्रदेश में पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए फ्लैग मार्च किया। मऊ विधानसभा सीट से पांच बार विधायक रहे मुख्तार अंसारी को पंजाब की रोपड़ जेल से सात अप्रैल 2021 को बांदा जेल शिफ्ट किया गया था। बांदा जेल सूत्रों के मुताबिक गुरुवार देर शाम मुख्तार अंसारी बैरक में बेहोश पाया गया था। जेलकर्मियों ने उसे प्राथमिक उपचार के लिए जेल अस्पताल में भर्ती कराया। वहां हालत बिगड़ने पर जेल अधिकारियों ने आनन-फानन में उसे रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जहां कुछ देर इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज ने मीडिया बुलेटिन जारी करते हुए बताया कि मुख्तार को उल्टी व बेहोशी की शिकायत पर मेडिकल कॉलेज लाया गया था। मुख्तार के इलाज के लिए नौ डॉक्टरों की टीम लगाई गई थी, लेकिन कार्डिक अरेस्ट (दिल का दौरा) के कारण उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही बांदा डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी अंकुर अग्रवाल समेत जिले भर का फोर्स मेडिकल कॉलेज पहुंचा। मुख्तार की मौत की जानकारी जिला प्रशासन ने उसके परिजनों को दी। अधिकारियों के मुताबिक देर रात 2:30 बजे तक गाजीपुर और लखनऊ से परिजनों के बांदा आने की उम्मीद है। बांदा में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

भाजपा विधायक की हत्या का आरोप

मुख्तार अंसारी पर 29 नवंबर 2005 को गाजीपुर जिले की मोहम्मदाबाद सीट से भाजपा विधायक कृष्णानंद राय समेत सात लोगों की हत्या का आरोप भी था। घटना को अंजाम देने के लिए गैंग ने करीब 500 राउंड गोलियां चलाई थीं। इस घटना के बाद पूरा प्रदेश थर्रा गया था। इस कांड के बाद पूर्व मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह वाराणसी में धरने में बैठ गए थे। इसके अलावा मऊ में हुए दंगे में भी मुख्तार का नाम सामने आया था। बाद में बारी हो गया था।

हत्या,लूट, अपहरण समेत 65 मुकदमे दर्ज थे

मुख्तार के नाम से पूर्वांचल थरथर कांपता था। जिसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि माफिया पर 15 हत्या के मुकदमे दर्ज थे। मुख्तार पर अपहरण, रंगदारी, धोखाधड़ी, हत्या का प्रयास जैसे 65 संगीन मुकदमे प्रदेश भर के कई थानों में दर्ज हैं। इसके साथ ही मुख्तार पर पुलिस ने नौ बार गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की थी। वर्ष 1978 में गाजीपुर के सैदपुर थाने में मुख्तार के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने की धारा में एनसीआर दर्ज की गई थी। इसके बाद उसके अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता गया।

सोमवार को पेट दर्द की शिकायत पर हुआ था भर्ती

बीते सोमवार रात को ही मुख्तार अंसारी को पेट दर्द की शिकायत पर जेल प्रशासन ने मेडिकल कॉलेज के आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया था। हालत में सुधार होने के बाद मुख्तार को मंगलवार शाम छह बजे बांदा जेल में शिफ्ट किया गया था। तब बांदा मेडिकल कॉलेज ने हेल्थ बुलेटिन जारी करते हुए बताया था कि मुख्तार को चार-पांच दिनों से कब्ज की शिकायत थी। इस दौरान मुख्तार से मिलने के लिए उसका बड़ा भाई अफजाल अंसारी भी मेडिकल कॉलेज पहुंचा था। इससे पहले मुख्तार ने आरोप लगाया था कि उसे खाने में जहरीला पदार्थ दिया जा रहा है।

केजरीवाल को राहत नहीं, ईडी की हिरासत एक अप्रैल तक बढ़ी

ईडी के अनुरोध और केजरीवाल का पक्ष सुनने के बाद कोर्ट ने आदेश किया पारित

नई दिल्ली, एजेंसी

सीएम केजरीवाल को कोर्ट ले जाते ईडी के अधिकारी। ● एजेंसी

- ईडी ने छह दिनों की हिरासत अवधि पूरी होने पर कोर्ट में किया पेश

दिल्ली शराब नीति में कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के मामले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ईडी की हिरासत गुरुवार को चार दिन बढ़ाते हुए एक अप्रैल कर दी गई। राऊज एवेन्यू स्थित कावेरी बावेजा की विशेष अदालत ने ईडी के अनुरोध और केजरीवाल का पक्ष सुनने के बाद ये आदेश पारित किया।

ईडी का पक्ष रख रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने केजरीवाल पर पूछताछ में सहयोग नहीं करने का आरोप लगाते हुए अदालत के समक्ष सात दिनों की अतिरिक्त हिरासत की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि कुछ अन्य लोगों के सामने केजरीवाल से पूछताछ होनी है। केजरीवाल ने इसका विरोध नहीं किया और कहा कि ईडी उन्हें जब तक हिरासत में रखना चाहे, वह रहने को तैयार हैं। ईडी के आदेश पर छह दिनों की हिरासत अवधि पूरी होने पर जांच एजेंसी ने गुरुवार को फिर उन्हें विशेष अदालत में पेश किया। मुख्यमंत्री ने विशेष अदालत के समक्ष खुद अपना पक्ष रखते हुए कहा कि ईडी के पास उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है और उसका मकसद उन्हें फंसाना है। केजरीवाल ने अदालत से पहले मीडिया से कहा कि यह एक राजनीतिक साजिश है। जनता इसका जवाब देगी। केजरीवाल के वकील रमेश गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री खुद अपना पक्ष रखना चाहते हैं। अदालत ने इसकी अनुमति दी। कई बार बुलाने के बाद ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार कर 22 मार्च को विशेष अदालत में पेश किया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी के अलावा ईडी की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर बुधवार को कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। ईडी को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया था। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू की दलीलें सुनने के बाद जांच एजेंसी को नोटिस जारी करके दो अप्रैल तक जबाव देने का निर्देश दिया था। अगली सुनवाई तीन अप्रैल को होगी।

केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की याचिका खारिज

दिल्ली हाईकोर्ट ने धनशोधन मामले में फंसे केजरीवाल को मुख्यमंत्री के पद से हटाने की मांग वाली याचिका गुरुवार को खारिज कर दी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की खंडपीठ ने सुजीत सिंह यादव की याचिका ठुकराते हुए कहा कि जांच करना कार्यपालिका और राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र है। अदालत इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

एक नजर

मोइत्रा ईडी के सामने पेश नहीं हुईं, प्रचार में व्यस्त

कोलकाता। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ईडी के समन को नजरअंदाज करते हुए गुरुवार को कृष्णानगर लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार में व्यस्त रहीं। ईडी ने मोइत्रा को दिल्ली कार्यालय में पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा था। ईडी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन मामले में पूछताछ के लिए मोइत्रा और दुबई में रह रहे व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी को नया समन जारी किया था।

कर पुनर्मूल्यांकन के खिलाफ दायर याचिका रद

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को कांग्रेस की उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें कर अधिकारियों की ओर से उसके खिलाफ चार साल की अवधि के लिए कर पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही शुरू किए जाने को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति यशवन्त वर्मा और न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव की पीठ ने कहा कि अन्य वर्ष के लिए पुनर्मूल्यांकन शुरू करने में हस्तक्षेप से इनकार करने के पहले के फैसले के अनुसार याचिकाएं रद की जाती हैं। पिछले सप्ताह खारिज की गई अन्य याचिका में कांग्रेस पार्टी ने 2014-15 से 2016-17 मूल्यांकन वर्ष से संबंधित पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही शुरू किए जाने को चुनौती दी थी।

जुमे की नमाज़ को लेकर सतर्कता बरतने के निर्देश

लखनऊ। मुख्तार अंसारी की मृत्यु हो जाने के बाद राज्य में सुरक्षा और अमन-चैन बनाए रखने को लेकर गुरुवार देर रात पुलिस अधिकारियों ने एक बैठक कर मंथन किया। इस बैठक में डीजीपी प्रशांत कुमार और एडीजी लॉ आर्डर अमिताभ यश भी मौजूद रहे। वहीं, पूर्वांचल में भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देशों के साथ मऊ में भी मुख्तार अंसारी के घर की सुरक्षा बढ़ाई गई है। यहां मुख्यमंत्री आवास की भी सुरक्षा बढ़ी देखी गई।, डीजीपी प्रशांत कुमार ने शुक्रवार को जुमे की नमाज़ को लेकर भी पूरे प्रदेश में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये हैं।

बब्बर खालसा इंटरनेशनल के 4 आतंकियों को उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली। मोहाली में एनआईए की विशेष अदालत ने प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े आतंकी साजिश मामले में बृहस्पतिवार को चार आतंकवादियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। एनआईए की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए और सजा सुनाए गए आतंकवादियों में मुख्य साजिशकर्ता कुलविंदरजीत सिंह उर्फ खानपुरिया शामिल है, जो नब्बे के दशक में कनॉट प्लेस में बम विस्फोट और दिल्ली में लाल किले पर ग्रेनेड से हमला करने सहित कई आतंकी मामलों में शामिल था।

मां की गोद से छीन कर बच्चे को सड़क पर फेंकने से हुई मौत

संवाददाता, हरदोई

- युवकों को तेज रफ्तार बाइक चलाने से रोका तो महिला को पीटा, दिया घटना को अंजाम

अमृत विचार: बघौली थाने के चनोखर में नशे में धुत युवकों को तेज रफ्तार बाइक चलाने से रोका तो महिला की पिटाई की। वहीं, उसके चार वर्षीय बच्चे को गोद से छीन कर सड़क पर फेंक दिया। सिर में चोट लगने से बच्चे की मौत हो गई। वहीं पुलिस का कहना है बच्चा बीमार था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सच्चाई सामने आएगी।

जानकारी के अनुसार बघौली थाने के चनोखर निवासी अखिलेश पंजाब में रह कर वहां मज़दूरी करता है। उसकी पत्नी सोनी चार वर्षीय इकलौते बेटे शिवांश और तीन बेटियों के साथ गांव में रह रही है। सोनी ने बताया कि बुधवार शाम को गांव के कुछ युवक नशे की हालत में बीच गांव में सड़क पर बाइक दौड़ा रहे थे। इस पर मैंने किसी हादसे के डर से उन्हें ऐसा करने से रोका तो युवक मुझसे ही झगड़ा करने लगे। विरोध करने पर पीटा और फिर गोद से इकलौते बेटे शिवांश को छीन कर आरसीसी सड़क पर फेंक दिया। सिर में गहरी चोट लगने से शिवांश बेहोश हो गया। गुरुवार की सुबह घर वाले उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ला रहे थे, उसी बीच उसकी मौत हो गई। शिवांश के चाचा विमलेश ने पुलिस को गांव के गुड्डू, प्रदीप और प्रमोद के नाम तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि गांव वालों के अनुसार बच्चा बीमार रहता था। सिर में चोट की बात उचित नहीं है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है, उसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में सात रुपये बढ़कर 237 हुई मनरेगा की मजदूरी

लखनऊ, अमृत विचार : केंद्र सरकार ने सभी राज्यों में मनरेगा मजदूरी बढ़ाई है। इस क्रम में उत्तर प्रदेश में सात रुपये की बढ़ोतरी हुई है। यहां के श्रमिकों को 1 अप्रैल से प्रतिदिन काम करने पर 237 रुपये मिलेंगे।उत्तर प्रदेश में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के जॉब कार्ड श्रमिकों को गांवों में कच्चे-पक्के काम करने पर अब 237 रुपये प्रतिदिन मिलेंगे। बुधवार को केंद्र सरकार ने प्रदेश में सात रुपये की बढ़ोतरी की है। यह बढ़े रुपये 1 अप्रैल से लागू होंगे। जबकि अभीतक 230 रुपये मिलते प्रतिदिन मिलते हैं। हर वर्ष मार्च अंत में बढ़ोतरी की जाती है। इसी क्रम में पिछले वर्षों में 217, 213, 204 व 201 रुपये मिलते थे। वहीं, उत्तराखंड में 237, मध्य प्रदेश में 243, पंजाब 322, राजस्थान 266, आंध प्रदेश में 300, अरुणाचल प्रदेश 234, असम 249, बिहार 245, छत्तीसगढ़ 243, गोवा, 356, गुजरात 280, हरियाणा 374, जम्मू कश्मीर 259 में रुपये मिलेंगे

कोटा में नीट की तैयारी कर रही लखनऊ की युवती ने दी जान

कोटा, एजेंसी

- लोगों ने दरवाजा तोड़कर निकाला कोचिंग छात्रा का शव

कोटा में एक और कोचिंग छात्रा ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस वर्ष कोटा में कोचिंग छात्र के आत्महत्या का ये आठवां मामला है।

लखनऊ की रहने वाली सौम्या कोटा में रहकर नीट की तैयारी कर रही थी। सौम्या महावीर नगर तृतीय इलाके के एक मकान में पेइंग गेस्ट के रूप में रह रही थी। उसे आखिरी बार होली के दिन देखा गया था। उसके बाद से वह घर से बाहर नहीं निकली थी। सौम्या के कोटा में ही रहने वाले एक दोस्त ने बुधवार को उसे फोन किया तो उसने नहीं उठाया। उसके कई बार फोन करने पर भी जब कोई जवाब नहीं मिला तो चिंतित होकर दोस्त वह बुधवार शाम उसके मकान पहुंचा। बार-बार खटखटाने पर भी सौम्या ने दरवाजा नहीं खोला तो अन्य लोगों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया तो छात्रा सौम्या फांसी के फंदे से लटकी मिली। पुलिस की सूचना पर सौम्या के परिजन कोटा पहुंचे। उनकी मौजूदगी में गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम करवाया गया।

टक्कर से दो ट्रकों में आग, चालक जिंदा जले

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- कानपुर-सागर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार देर रात हादसा

अमृत विचार: कानपुर-सागर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार देर रात करीब साढ़े बारह बजे दो ट्रकों में आमने-सामने टक्कर होने के बाद आग लग गई। दुर्घटना के बाद दोनों ट्रकों में फंसे दोनों चालक जिंदा जल गए। पुलिस ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन विफल रही। बाद में दमकल टीम ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दोनों चालकों के जले हुए शव ट्रक से बाहर निकालकर जिला अस्पताल भेजे गए।

जनपद उन्नाव के थाना सहारामऊ क्षेत्र के भैंसोरा गांव निवासी विपिन मौर्या (35) पत्थर मंडी कबरई से ट्रक में गिट्टी भरकर कानपुर की तरफ जा रहा था। कानपुर निवासी राजकुमार पाल (32) ट्रक में गिट्टी लेने के लिए कबरई जा रहा था। खन्ना टोल प्लाजा के 500 मीटर आगे दोनों ट्रक हाईवे पर आमने-सामने टकरा गए। दुर्घटना के बाद दोनों ट्रकों में आग लग गई और दोनों ट्रकों के चालकों की केबिन के अंदर जलकर मौत हो गई। पुलिस, यातायात पुलिस, एएसपी, सीओ भारी फोर्स के साथ पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन लपटें काबू में नहीं आईं। बाद में दमकल विभाग के कर्मचारियों ने आग बुझाया। आग बुझने के बाद कटर से काटकर दोनों ट्रक चालकों के शवों को बाहर निकाला गया। इस दौरान लंबा जाम लग गया। पुलिस ने रात में ही क्रेन बुलाकर दोनों जले ट्रकों को हाईवे से हटवाकर किनारे किया तब जाकर जाम खुल सका। पुलिस अधीक्षक महोबा अपर्णा गुप्ता ने बताया कि दोनों चालकों की जलकर मौत हो गई।

प्रतिक्रिया वकीलों के पत्र पर मोदी ने कहा - दूसरों को डराना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति, 140 करोड़ भारतीयों ने ठुकराया

न्यायपालिका पर दबाव डालने वालों के खिलाफ सीजेआई को पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा समेत 600 से ज्यादा प्रमुख वकीलों ने प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर न्यायपालिका पर दबाव डालने और अदालतों को बदनाम करने के प्रयास के आरोप लगाए। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और दावा किया कि 'दूसरों' को धमकाना और धौंस दिखाना विपक्षी पार्टी की 'पुरानी संस्कृति' है।

प्रधान न्यायाधीश को लिखे पत्र में आरोप लगाया है कि एक 'निहित स्वार्थी समूह बेकार के तर्कों और घिसे-पिटे राजनीतिक एजेंडा' के आधार पर न्यायपालिका पर दबाव डालने और अदालतों को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। इस पत्र की प्रति के साथ 'एक्स' पर की गई एक पोस्ट को टैग करते हुए प्रधानमंत्री ने लिखा, दूसरों को धमकाना और धौंस दिखाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति है। पांच दशक पहले ही उसने एक प्रतिबद्ध न्यायपालिका का आह्वान किया था। वे बेशर्मी से अपने हितों के लिए दूसरों से प्रतिबद्धता चाहते हैं लेकिन राष्ट्र के प्रति किसी भी प्रतिबद्धता से दूर रहते हैं। उन्होंने दावा किया, कोई आश्चर्य नहीं कि 140 करोड़ भारतीय उन्हें खारिज कर रहे हैं। सूत्रों द्वारा साझा किए पत्र में बिना नाम लिए वकीलों के वर्ग पर निशाना साधा गया है।

वकीलों के पत्र पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी पाखंड की पराकाष्ठा: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने वकीलों के समूह द्वारा सीजेआई को पत्र लिखे जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान को पाखंड की पराकाष्ठा करार देते हुए आरोप लगाया कि 10 वर्षों में चीजों को तोड़ने-मरोड़ने, ध्यान भटकाने और लोगों को बदनाम करने का काम किया गया है। हाल के हफ्तों में उच्चतम न्यायालय ने उन्हें कई झटके दिए हैं और चुनावी बॉण्ड योजना इसका उदाहरण है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, नरेन्द्र मोदी, आप न्यायपालिका की बात कर रहे हैं। आप भूल जाते हैं कि उच्चतम न्यायालय के 4 वरिष्ठतम न्यायाधीशों को एक अभूतपूर्व प्रेस वार्ता आयोजित करने और लोकतंत्र को नष्ट किए जाने के खिलाफ चेतावनी देने के लिए मजबूर किया गया था। वह आपके शासन में हुआ। महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, न्यायपालिका की रक्षा के नाम पर, न्यायपालिका पर हमले की साजिश रचने और इसमें समन्वय करने में प्रधानमंत्री की बेशर्मी पाखंड की पराकाष्ठा है। हाल के हफ्तों में उच्चतम न्यायालय ने उन्हें कई झटके दिए हैं।

एक नजर

पत्नी से झगड़ा कर गमछे से लटक गया पति

कानपुर। बिठूर थानाक्षेत्र में ब्रह्मनगर निवासी नाव चलाने वाले 24 वर्षीय गौरव पांडेय ने बुधवार शाम नशे में पत्नी निशा पांडेय से विवाद के बाद फांसी लगाकर जान दे दी। छोटे भाई अक्कू पांडेय ने बताया कि पत्नी से विवाद के बाद वह कमरे में गया और गमछे से फांसी लगा ली। देर रात दरवाजा तोड़ा गया तो उसका शव फांसी पर लटकता हुआ मिला।

पत्नी से किया विवाद, फिर दे दी जान

कानपुर। बाबूपुरवा थानाक्षेत्र में बगाही निवासी 30 वर्षीय वीरेंद्र सरोज ने बुधवार देर रात पत्नी अर्चना से किसी बात को लेकर हुए विवाद के बाद कमरे में जाकर दुपट्टे से फांसी लगा ली। मौसेरे भाई बब्लू ने बताया कि उन्होंने झगड़ा होने के बाद दोनों को अलग-अलग किया। इसके बाद घर चले गए। देर रात पता चला कि वीरेंद्र ने जान दे दी।

आग से बचाव के तरीके बताए गए

कानपुर। मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा के निर्देश पर एफएसएसओ पनकी ने अपने क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में जाकर आग से बचाव के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया। मॉक ड्रिल भी कराई।

○ आधा दर्जन बैंकों को लगाया दो करोड़ का चूना ○ शहर में दर्ज हैं नौ मामले

फर्जी आईडी पर लोन ले हड़पने की जांच अब करेगा ईओडब्ल्यू

कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। फर्जी आईडी पर आधा दर्जन बैंकों से तकरीबन दो करोड़ रुपये का लोन लेकर हजम करने के मामले की जांच अब ईओडब्ल्यू करेगा। इस घटना के करीब डेढ़ वर्ष बाद बैंक के अफसरों को जालसाजी की जानकारी हुई थी तब आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। बैंक अफसरों की भी इसमें मिलीभगत मिली थी। शहर में अब तक अफसरों को ऐसे कुल नौ ऐसे मामले मिले हैं।

जून 2021 से लेकर दिसंबर 2022 तक थानों में ऐसे मामले दर्ज किए गए। तहरीर के अनुसार बैंक के सर्वेयर और अधिकारियों ने लोन लेने वाले को पाक साफ बताया था। तमाम रिपोर्ट भी लगी हुई थीं और तो और पते का सत्यापन और दूसरी पहचान का सत्यापन भी हो चुका था। पुलिस के अनुसार 2021-22 में धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया था, तब से इसकी जांच अलग-अलग थानों में चल रही थी। क्राइम ब्रांच भी इसमें जांच कर चुकी है। तत्कालीन कमिश्नर असीम अरुण ने एसआईटी का गठन किया था पर एसआईटी किसी निर्णय पर नहीं पहुंच सकी। एक सप्ताह पहले ही ये जांच ईओडब्ल्यू को ट्रांसफर कर दी गई है।

● **2021-22 में दर्ज की गई थी धोखाधड़ी की रिपोर्ट, लटकी पड़ी है जांच**

"कमिश्नरेट से दो करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है जिस पर जांच ईओडब्ल्यू को सौंपी गई है।

–राजेश चौरसिया, एसीपी ईओडब्ल्यू

किसके नाम हुआ लोन	थाना	राशि
राहुल दीक्षित	गोविंद नगर	32 लाख
सीमा देवी	नवाबगंज	27 लाख
संजीव भारतीया	ग्वालटोली	22 लाख
रवि कुमार	चकेरी	22 लाख
विवेक कुमार	गुजैनी	21 लाख
दीपक शर्मा	चकेरी	21 लाख
शादाब खां	जाजमऊ	20 लाख
संत कुमार	नौबस्ता	18 लाख
विजय सिसोदिया	बर्रा	17 लाख

लंबे समय तक नहीं जमा की रकम तब हुई जानकारी

- लोन लेने के बाद लंबे समय तक रकम जमा नहीं की गई तब ये खेल खुलकर सामने आ गया। पुलिस की जांच में सामने आया कि तत्कालीन वरिष्ठ बैंक अधिकारी ने खुद को बचाने के लिए कनिष्ठ बैंक अधिकारी पर कार्रवाई करने के बजाय उनका तबादला करा दिया। जिन लोगों के नाम मामला दर्ज किया गया है, पहले पुलिस जांच करते हुए उन लोगों तक पहुंची तो पता चला कि खाते में रकम आने के तीन दिन बाद निकल जाती थी और उन्हें 5 से 10 हजार रुपये दिया जाता था। जो जगह कारोबार के लिए दिखाई गई थी वह भी नहीं मिली।

मार्च में ही रुलाने लगा बिजली संकट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● **अब तक केस्को पूरा नहीं कर सका है मेंटिनेस कार्य**
● **मेंटिनेस व पेड़ काटने के कारण कटौती जारी**

अमृत विचार। शहरवासियों को गर्मी में बिजली की समस्या न झेलना पड़े, इसलिए केस्को को फरवरी माह में मेंटिनेस कार्य पूरा करना था, लेकिन मार्च बीतने को है और कार्य अब भी पूरा नहीं हो सका। केस्को 29 दिनों का काम 58 दिन में भी पूरा नहीं कर सका है, जिसकी वजह से शहरवासियों को बिजली के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

केस्को ने ट्रांसफार्मर, केबिल बॉक्स आदि उपकरणों की मरम्मत के लिए फरवरी माह को मेंटिनेंस माह के रूप में मनाया, लेकिन फरवरी के पूरे 29 दिन बीत जाने के बाद भी केस्को मेंटिनेंस कार्य पूरा नहीं कर सका। कार्य अभी तक चल रहा है। तीन से चार घंटे हो रही बिजली कटौती की वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार को बर्रा आठ, ई-1 गंगा पॉलूशन बोर्ड की बिजली सुबह 10 बजे से दो बजे तक और रतनलाल नगर की बिजली सुबह 10 बजे से तीन बजे तक गुल रही। 33 केवी सेक्शन प्वाइंट, डबल सर्किट लाइन बनाने व पेड़ छंटाई के कारण किदवई नगर डी, एफ, एम,

पेड़ छांटते केस्को कर्मी।

बी व मार्केट की बिजली सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक, बाबू पुरवा कॉलोनी, एच, एच-1, 2 व एन ब्लॉक व साइट नंबर एक में 11 बजे से 15 बजे तक, 11 केवी ब्रेकर पर मेंटिनेस कार्य की वजह से गुजैनी ए, बी, सी, डी, ई, एफ, जी, एच व आई ब्लॉक और ट्रांसफार्मर में मेंटिनेंस कार्य की वजह से लवकुशपुरम, बंबा रोड, ईश्वरपुरम व कल्याणपुर कला में बिजली सुबह 10:30 बजे से दोपहर दो बजे तक नहीं रही। केस्को मीडिया प्रभारी श्रीकांत रंगीला के मुताबिक मेंटिनेस कार्य व पेड छंटाई के कारण शटडाउन लिया जा रहा है।

आज यहां होगी बिजली कटौती

- रतन लाल नगर, गोपाला, एमआईजी, एचआईजी, नवीन नगर एम, एल, एच-2 ब्लॉक, पांडू नगर, पुरानी बस्ती, इंद्रा नगर, दयानंद विहार, बिठूर रोड, गंगापुर, लुधावरी, सिंहपुर, बनियापुर, दल्लापुरवा, ईश्वरगंज, बैकुंडपुर, लवकुश नगर व विकास नगर में बिजली का संकट रहेगा। इन क्षेत्रों में बिजली दो से तीन घंटे तक गुल रहेगी।

आज, कल व परसों खुले रहेंगे कैश काउंटर

- केस्को के निदेशक राकेश वार्ष्णेय के मुताबिक केस्को ने मार्च माह के निर्धारित राजस्व लक्ष्य की शत प्रतिशत प्राप्ति के लिए योजना बनाई है, जिसके तहत 29 मार्च यानी गुड फ्राई-डे, 30 मार्च यानी गंगा मेला और 31 मार्च यानी रविवार को सभी कैश कलेक्शन काउंटर सुबह आठ बजे से शाम आठ बजे तक खुले रहेंगे।

जानवरों को खाना खिलाने पर पीटा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● **बर्रा विश्वबैंक में मोहल्ले वालों ने किया हमला**
● **10 आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज**

अमृत विचार। मवेशियों की देखभाल करने व खाना-खिलाने पर मोहल्ले के लोगों ने महिला और उसके परिजनों पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। जिससे वह लोग घायल हो गए। पीड़िता ने बर्रा थाने में 10 आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

बर्रा विश्वबैंक ई-ब्लॉक निवासी साधना सिंह ने बताया कि वह आवारा मवेशियों की देखभाल व खाना खिलाती हैं। इलाके के कई लोग इसका विरोध करते हैं। 27 मार्च को भी वह आवाना जानवरों को खाना खिला रही थीं तभी इसके विरोध में मोहल्ले के पंकज गुप्ता, गुड्डू सचान, रुपचंद्र, लक्ष्मी नारायण, ओमप्रकाश दीक्षित, माया ओझा, गीता सिंह, रन्नो, रुपा, यशोदा ने गाली गलौज शुरू कर दी।

उन्होंने बताया कि शोर-शराबा सुनकर उनके चचेरे भाई व मां आ गईं और विरोध किया तो आरोपियों ने सभी को लाठी-डंडों से पीटा और धमकी देते हुए हमलावर फरार हो गए। हमले से वे लोग घायल हो गए। बाद में उन्होंने बर्रा थाने में जाकर तहरीर दी।

इस संबंध में बर्रा थाना प्रभारी ने बताया कि 10 नामजद आरोपियों के खिलाफ बलवा, मारपीट सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही उनको जेल भेजा जाएगा।

स्पीड ब्रेकर पर बाइक उछलने से वृद्धा गिरी, मौत

कानपुर। चकेरी थानाक्षेत्र में गोपाल नगर निवासिनी 70 वर्षीय रामवती वर्मा बाइक से अपने बेटे आशीष के साथ जा रही थीं, तभी घर से कुछ दूरी पर स्पीड ब्रेकर पर उछलकर गिर गईं। परिजनों ने उन्हें हैलट अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

दूसरी ओर गुजैनी के जरौली फेस-2 के रहने वाले 50 वर्षीय लाखन सचान ई-रिक्शा चालक थे। भतीजे मनीष ने बताया कि वह बुधवार शाम को वह घर से ई-रिक्शा लेकर निकले थे। लेकिन शाम को पुलिस का फोन आया कि उनका शव बर्रा दो में बैंक ऑफ बड़ौदा के पास पड़ा है। पुलिस ने उन्हें बताया कि किसी गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई है।

जेल पहुंचे जिला जज और डीएम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गुरुवार को जिला जज प्रदीप कुमार सिंह, जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह, डीसीपी क्राइम आशीष श्रीवास्तव, सीएमएम कुमुदलता त्रिपाठी व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शुभी गुप्ता औचक निरीक्षण करने जेल पहुंची। इसके बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया।

आला अफसरों ने दो घंटे तक जेल अधीक्षक डॉ बीडी पांडेय के साथ महिला बैरिक, किचेन, स्टोर और पार्क समेत जेल की हर बैरिक की जांच की। अस्पताल में भर्ती मरीजों से बात की। जेल अधीक्षक को जेल में साफ सफाई दुरुस्त रखने और बंदियों की सुविधाएं बढ़ाने के लिए कहा गया।

जेल में आम दिनों की तरह मिलाई हो रही थी। इसी बीच जेल गेट पर तमाम गाडियां एक साथ आकर रुकीं। इसके बाद चंद मिनटों में जिला जज, डीएम, डीसीपी क्राइम, सीएमएम और सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाड़ियों से उतर कर जेल के अंदर दाखिल हुईं। जेल गेट से लेकर अंदर तक दो घंटे तमाम चेकिंग की गई। अफसरों ने संतोष व्यक्त कर कुछ निर्देश जेल अधीक्षक डॉ बीडी पांडेय को दिए। किसी भी बंदी ने कोई समस्या अफसरों को नहीं बताई। इस दौरान अफसरों ने बंदियो के द्वारा बनाए जा रहे मोजों को देखा और उनका मनोबल बढ़ाया।

बंदी द्वारा बनाए गए मोजे देखते जिला जज प्रदीप कुमार सिंह, साथ में डीएम राकेश कुमार सिंह, डीसीपी क्राइम आशीष श्रीवास्तव व जेल अधीक्षक डॉ. बीडी पांडेय।

● **दो घंटे तक आला अफसरों ने किया निरीक्षण, चेक किए गए सारे इंतजाम**

व्यापारी की पत्नी की संदिग्ध हालत में मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● **परिजनों ने जताई अनहोनी की आशंका, जांच**

अमृत विचार। नजीराबाद थानाक्षेत्र में विज्ञापन का काम करने वाले व्यापारी की पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके पक्ष के लोगों ने अनहोनी की आशंका जाहिर की है।

झांसी निवासी देवेंद्र आर्या ने पुलिस को बताया कि उनकी बहन 48 वर्षीय हेमा गुप्ता की शादी 24 वर्ष पहले आरके नगर निवासी व्यापारी चंद्र प्रकाश गुप्ता से हुई थी। 12 मई को उनकी शादी की 25 वीं सालगिरह थी। भाई देवेंद्र और सुजीत ने बताया कि 26 मार्च की रात दो बजे चंद्रप्रकाश ने फोन करके बहन की तबीयत खराब होने की जानकारी दी। थोड़ी देर बाद मौत की सूचना दी। उन्होंने चंद्रप्रकाश से वीडियो कॉल पर बहन को दिखाने के लिए कहा तो आनाकानी करते हुए फोन काट दिया। ससुरालीजनों ने हार्टअटैक तो कभी फूड पॉइजनिंग बताया। यहां पहुंचने पर देखा कि वह उन लोगों का इन्तजार किए बगैर शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जा रहे थे। उन लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। भाइयों का आरोप है कि बहन के साथ कोई घटना जरूर हुई है। नजीराबाद थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

हेमा गुप्ता।

सोना कारीगर ने घाटा होने पर की आत्महत्या

कानपुर। फीलखाना थानाक्षेत्र में स्थित गोवर्धन अपार्टमेंट के फ्लैट में एक सोना कारीगर ने घाटे से परेशान होकर फांसी लगाकर जान दे दी। उस दौरान पत्नी, बेटी को लेकर मायके गई हुई थी।

नंबर 204 निवासी 53 वर्षीय सिद्धनाथ गुप्ता सोने की पालिश करने का काम करते थे। परिजनों ने बताया कि घाटे की वजह से वह तनाव में थे। बुधवार को पत्नी नीतू बेटी सिद्धवी को लेकर कुलीबाजार स्थित मायके गई हुई थी। गुरुवार दोपहर एक कुरियर वाला आया और आवाज दी तो कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद फ्लैट के दरवाजे को धक्का दिया तो वह खुल गया। तब देखा कि उनका शव फ्लैट के अंदर दरवाजे की चौखट के सहारे लटक रहा था।

पनेशिया हॉस्पिटल ने 10 चौराहे लिए गोद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● **ऑपरेशन त्रिनेत्र के फेज-1 में अब तक 160 चौराहों को लिया गया गोद**

अमृत विचार। दि पनेशिया मल्टीसुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने सामाजिक जिम्मेवारी के तहत शहर को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए अपने हाथ आगे बढाए। ऑपरेशन त्रिनेत्र के फेज-02 में हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डॉ विकास शुक्ला ने पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार से मुलाकात करके 10 चौराहों को गोद लिया। ऑपरेशन त्रिनेत्र के अन्तर्गत कैमरों की स्थापना के लिए उन्हें सहमति पत्र प्रदान किया।

पुलिस कमिश्नर ने त्रिनेत्र एंबेसडर डॉ विकास शुक्ला की प्रशंसा करते हुए पुलिस एवं नगर निगम की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। कहा कि शहर के अन्य सम्भ्रांत व जिम्मेदार नागरिक आगे बढ़कर इसी प्रकार त्रिनेत्र एंबेसडर प्रोग्राम को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

पुलिस कमिश्नर को चौराहों की सूची सौंपते डॉ. विकास शुक्ला।

सभी के लिए जरूरी है एआई की जानकारी लेना

कानपुर। बीएनडी कॉलेज में गुरुवार को सेमिनार आयोजित हुआ जिसमें विशेषज्ञों ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसः वर्तमान युग की अनिवार्य आवश्यकता है और विकट चुनौती विषय पर विचार रखे।

सीएसजेएमयू के डीन प्रशासन प्रो. सुधांशु पाण्डिया ने कहा कि हम सभी को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के नए संस्करण में दक्षता प्राप्त करने की आवश्यकता है। सभी महाविद्यालयों को हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए एआई का प्रयोग करना चाहिए। एचबीटीयू की प्रो. राशि अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान युग में एआई को सीखना और जानना बहुत जरूरी है। विभिन्न प्रकार के शार्ट कोर्स मोबाइल पर भी उपलब्ध हैं। संचालन प्रो. रीता अवस्थी ने किया।

एयरफोर्स कर्मी बताकर तेल कारोबारी से ठगे तीन लाख

कानपुर। नजीराबाद थानाक्षेत्र में साइबर ठगों ने खुद को एयरफोर्स कर्मी बताकर तेल कारोबारी से तीन लाख रुपये की ठगी की। पीड़ित ने नजीराबाद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जीटी रोड निवासी तेल कारोबारी रोहित भाटिया ने पुलिस को बताया कि उन्हें दो अज्ञात नंबरों से कॉल आई और बात कर रहे युवक ने खुद को एयरफोर्स कर्मी बताकर एक टैंकर टायर ऑयल की मांग की। इसके बाद 23 मार्च को जाजमऊ स्थित एयरफोर्स मेट्रो सबस्टेशन पर डिलीवरी की मांग की। जिस पर उन्होंने टैंकर भेज दिया।

इसके बाद साइबर ठगों ने झांसा देकर उनसे नेट बैंकिंग के माध्यम से तीन लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। इस संबंध में नजीराबाद थाना प्रभारी कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि आईटी एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

अफसरों ने पैदल गश्त की

कानपुर। लोकसभा चुनाव और त्योहारों पर कानून व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर ने पुलिस उपायुक्त सेंट्रल, एसीपी अनवरगंज व पुलिस बल के साथ अनवरगंज सर्किल के संवेदनशील और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पैदल गश्त की। आम लोगों को सुरक्षा का एहसास दिलाया। संवेदनशील स्थानों पर ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत कैमरे लगवाने के लिए दिशा-निर्देश दिए।

थाने का निरीक्षण कर सफाई के निर्देश दिए

कानपुर। पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने थाना बेकनगंज का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यालय के अभिलेखों, सीसीटीएनएस कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, आगंन्तुकों के बैठने की व्यवस्था व थाना परिसर की साफ-सफाई आदि को चेक किया। साथ ही परिसर की साफ-सफाई व आगन्तुकों के लिए बेहतर व्यवस्था करने के लिए संबंधित को हिदायत देते हुए दिशा-निर्देश दिए।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

सूचना

सूचित हो कि मेरा प्लाट नं0– 14 की रजिस्ट्री जिल्द सं0– 3933, लेख पत्र सं0– 16799 दिनांक 09/08/1983 कहीं खो गई है। **प्रतीक बाजपेई पुत्र राम किशोर बाजपेई पता– शारदा नगर, कानपुर**

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने बेटे अनिल शर्मा व बहू शालिनी शर्मा के व्यवहार से क्षुब्ध होकर उनसे सभी सम्बन्ध समाप्त करते हुये उन्हें समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। इनके द्वारा किसी भी तरह के लिये गये ऋण व लेन–देन से मेरा व मेरे परिवार से कोई लेना देना नहीं है। ये दोनों स्वयं जिम्मेदार होंगे। **मुन्ना शर्मा पुत्र जादो लाल शर्मा निवासी– ए/39, राजीव नगर, इंदिरा नगर, लखनऊ।**

सूचना

मैं नं. 15134285L एक्स हवलदार शैलेन्द्र प्रताप यादव नि. प्रोफेसर कालोनी छिबरामऊ कन्नौज। मेरी पुत्री का नाम मेरे सर्विस रिकॉर्ड में प्रज्ञा (Pragya) दर्ज है जोकि गलत है जबकि सही नाम प्रज्ञा यादव (Pragya Yadav) है। अतः मेरे सर्विस रिकार्ड में पुत्री का नाम प्रज्ञा यादव (Pragya Yadav) व जन्म तिथि 21.01.2005 दर्ज किया जाए।

सूचना

मैं M. DASHVIN अपने पिता मुरली ई MURALI.E, के आर्मी नं.– 4192918L Vill.- Krishnavaram, Post- Palampakkam (Vellore) Tamil Nadu के सर्विस रिकॉर्ड में त्रुटिवश मेरा नाम M. DASWIN दर्ज है जबकि मेरा सही नाम M. DASHVIN है। अतः मेरे पिता के सर्विस रिकॉर्ड में मेरा सही नाम M. DASHVIN दर्ज किया जाये।

सूचना

सूचित हो कि मेरी डी0 फार्मा द्वितीय सेमेस्टर डिग्री जे0बी0एस0 इन्स्टीट्यूट ऑफ फार्मा बन्दी का पुर्वा, जिला बाराबंकी से उत्तीर्ण किया है। जिसका इनरोलमेंट नं0 E18276821400011 तथा अनुक्रमांक नं0– 222991214 7001 है। उक्त डी0फार्मा द्वितीय सेमेस्टर की मार्कशीट वास्तव में कहीं खो गयी है। **सुरेन्द्र प्रसाद पुत्र पन्नालाल निवासी– ग्राम पूरे नज्जू खां मजरे महमूदमऊ पोस्ट– मीरमऊ, तहसील– रूदौली, जनपद– अयोध्या**

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सम्पत्ति/भूखण्ड संख्या– सी–27, स्थित माधव ग्रीन, लखनऊ से सम्बन्धित मूल विक्रय विलेख पंजीकृत दिनाकं – 29–11–2014, बही संख्या–01, जिल्द संख्या– 16148 के पृष्ठ संख्या– 235 से 260 तक क्रमांक संख्या–20068 उप निबन्धक कार्यालय, द्वितीय, लखनऊ में पंजीकृत है, जो कि मेसर्स अर्षा इन्फ्रा डेवलपर्स प्रा0लि0 द्वारा निर्देशक, मथुरेश श्रीवास्तव द्वारा श्रीमती सुषमा यादव पत्नी श्री सुनील के पक्ष में निष्पादित है, वास्तव में कहीं खो गया है, जो कि बहुत खोजने के बाद भी नहीं मिला। सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति के विरूद्ध बैंक आफ बड़ौदा, शाखा– शहजादपुर, अम्बेडकरनगर में ऋण हेतु आवेदन किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा किसी भी प्रकार का दावा अथवा आपत्ति किया जाता है तो वह अपना दावा/आपत्ति 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी अथवा बैंक आफ बड़ौदा, शाखा– शहजादपुर, अम्बेडकरनगर के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। सूचना प्रकाशन के 15 दिनों उपरान्त किसी भी व्यक्ति/संस्था का दावा उक्त सम्पत्ति के विरूद्ध उक्त मूल बैनामा के आधार पर मान्य नहीं होगा।

प्राथिर्नी (हेमलता वर्मा) पता– 1/43, विकास नगर, सेक्टर–1, लखनऊ। मो0नं0– 7007914933

सूचना

सूचित हो कि मेरे बैंक के खाता सं0– 278800010010 8881 में मेरा नाम प्रिन्सी पटेल अंकित है जबकि मेरे आधार कार्ड सं0– 266937792274 में मेरा नाम दिव्या पटेल अंकित है। अतः प्रिन्सी पटेल के स्थान पर मेरा नाम दिव्या पटेल अंकित कर दिया जाये। **दिव्या पटेल पुत्री स्व0 मनोज कुमार नि0मो0– मिर्जापुर कस्बा मल्लावां तहसील बिलग्राम जिला हरदोई।**

समझौता स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों पर परामर्श और आर्थिक सहयोग देगा ग्लाइडर इंडिया लिमिटेड

आईआईटी के स्टार्टअप प्रोजेक्ट में मदद करेगा जीआईएल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर के साथ गुरुवार को डिफेंस पीएसयू ग्लाइडर इंडिया लिमिटेड (जीआईएल) का समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत देश की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों पर काम कर रहे आईआईटी के स्टार्टअप प्रोजेक्ट को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही जीआईएल संस्थान के प्रोजेक्ट पर वित्तीय सहायता भी देगा।

आईआईटी कानपुर में स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए यह सीएसआर समझौता किया है। इसके तहत ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड उन्नत चिकित्सा प्रौद्योगिकियों, डिजिटल स्वास्थ्य समाधान, टेलीमेडिसिन अनुप्रयोगों और स्वास्थ्य देखभाल बुनियादी ढांचे के नवाचारों पर सहयोग करेगी।

संबंधित स्टार्टअप को वित्तीय सहायता और सलाह प्रदान करेगा। एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर के प्रभारी प्रोफेसर प्रो. अंकुश शर्मा ने बताया कि ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड, स्टार्टअप्स को डोमेन विशेषज्ञों, उद्योग जगत और बाजार नेटवर्क से जोड़ेगा। ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक वी के तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय कल्याण में योगदान करने का अवसर मिल रहा है।

समझौता पत्र पर हस्ताक्षर करते आईआईटी कानपुर के स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर के असिस्टेंट मैनेजर विकास प्रसाद और जीआईएल के एमडी वीके तिवारी व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

आईआईटी की 'जीसा' सॉफ्टेक के साथ भी हुई साझेदारी

● **इसके तहत उन्नत हार्डवेयर सुरक्षा मॉड्यूल विकसित किया जाएगा**

कानपुर। आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर देबप्रिया बसु रॉय ने उन्नत हार्डवेयर सुरक्षा मॉड्यूल विकसित करने के लिए गुरुवार को जीसा सॉफ्टेक के साथ साझेदारी की।

आईआईटी कानपुर के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर देबप्रिया बसु रॉय के सहयोग से एक भारतीय डीप-टेक स्टार्टअप सी-एचईआरडी और जेआईएसए सॉफ्टेक के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इससे हार्डवेयर सुरक्षा प्रौद्योगिकी में देश की क्षमताओं को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे सुरक्षा चिप विकास में देश को आत्मनिर्भर बनाया जा सकेगा। प्रो. देबप्रिया बसु रॉय ने बताया कि हार्डवेयर सुरक्षा मॉड्यूल क्रिप्टोग्राफिक कुंजी और संवेदनशील डेटा को सुरक्षित रूप से संग्रहित और प्रबंधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आईआईटी के प्रोफेसर देबप्रिया बसु रॉय।

आज का मौसम तापमान में बढ़ोतरी की संभावना। तेज धूप रहेगी

36.0°	19.4°
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06 : 03	सूर्यास्त 06 : 24

इफ्तार (शुक्रवार)	सहरी (शनिवार)
सुन्नी-06 :24	सुन्नी-04 :45
शिया-06 :37	शिया-04 :31

नोट : रोजेदारों की सुविधा के लिए सहरी का समय एक दिन आगे का दिया जा रहा है।

एक अप्रैल से नौ टोल प्लाजा पर शुल्क बढ़ जाएगा

फतेहपुर हाईवे के बढ़ौरी व कटोघन टोल पर सबसे ज्यादा बढ़ोतरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एक अप्रैल से कानपुर-इटावा हाईवे स्थित बाराजोड़, अनंतराम टोल, हमीरपुर हाईवे स्थित अलियापुर टोल प्लाजा, महोबा स्थित खन्ना, कानपुर-झांसी हाईवे स्थित उसाका, फतेहपुर हाईवे पर बढ़ौरी व कटोघन टोल प्लाजा व उन्नाव-लालगंज फोरलेन पर स्थित अकवाबाद टोल प्लाजा, अलीगढ़ हाईवे के नेवादा कंठी टोल के शुल्क में बढ़ोतरी होगी। राहगीरों की सबसे ज्यादा जेब फतेहपुर हाईवे पर स्थित बढ़ौरी व कटोघन टोल प्लाजा पर ढीली होगी। पिछली दरों के मुकाबले बढ़ौरी में 79 व कटोघन टोल प्लाजा पर 73 प्रतिशत का इजाफा किया गया है।

सड़क एवं परिवहन मंत्रालय से मंजूरी के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) एक अप्रैल से टोल टैक्स की दरों में इजाफा करने जा रहा है। नई दरों का सीधा असर कानपुर से जुड़े आसपास के जिले इटावा, झांसी, हमीरपुर, महोबा, फतेहपुर, कानपुर देहात पर पड़ने जा रहा है। एनएचएआई की ओर से जारी नई दरों में फतेहपुर हाईवे पर स्थित बढ़ौरी व कटोघन टोल प्लाजा की दरों में सबसे अधिक बढ़ोतरी की गई है। वहीं महोबा के खन्ना व उन्नाव के अलियापुर टोल प्लाजा में चार पहिया समेत हल्के वाहनों व माल वाहक हल्के वाहनों की दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। उनके मासिक पास में करीब तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। अनंतराम टोल पर चार पहिया वाहनों पर 4.76 प्रतिशत की वृद्धि की है।

टोल प्लाजा पर अब और कटेगी जेब। अमृत विचार

बाराजोड़ टोल प्लाजा

एकल यात्रा	पुरानी दर	नई दर
चार पहिया व हल्के वाहन	175	180
बस व ट्रक	555	570
माल वाहन छोटे वाहन व मिनी बस	270	280

कुछ इस प्रकार होंगी नई दरें

अकवाबाद टोल प्लाजा

एकल यात्रा	पुरानी दर	नई दर
चार पहिया व हल्के वाहन	110	115
बस व ट्रक	380	390
माल वाहन छोटे वाहन व मिनी बस	180	185

अकवाबाद टोल प्लाजा

एकल यात्रा	पुरानी दर	नई दर
चार पहिया व हल्के वाहन	110	115
बस व ट्रक	380	390
माल वाहन छोटे वाहन व मिनी बस	180	185

कटोघन टोल प्लाजा

एकल यात्रा	पुरानी दर	नई दर
चार पहिया व हल्के वाहन	55	95
बस व ट्रक	185	325
माल वाहन छोटे व मिनी बस	90	155

बढ़ौरी टोल प्लाजा

एकल यात्रा	पुरानी दर	नई दर
चार पहिया व हल्के वाहन	70	125
बस व ट्रक	240	420
माल वाहन छोटे वाहन व मिनी बस	115	200

उसाका टोल प्लाजा

एकल यात्रा	पुरानी दर	नई दर
चार पहिया व हल्के वाहन	105	110
बस व ट्रक	360	365
माल वाहन छोटे वाहन व मिनी बस	170	175

खन्ना टोल प्लाजा

एकल यात्रा	पुरानी दर	नई दर
चार पहिया व हल्के वाहन	55	55
बस व ट्रक	185	190
माल वाहन छोटे व मिनी बस	90	90

अलियापुर टोल प्लाजा

एकल यात्रा	पुरानी दर	नई दर
चार पहिया व हल्के वाहन	50	50
बस व ट्रक	175	180
माल वाहन छोटे व मिनी बस	85	85

अनंतराम टोल प्लाजा

एकल यात्रा	पुरानी दर	नई दर
चार पहिया व हल्के वाहन	105	110
बस व ट्रक	355	365
माल वाहन छोटे वाहन व मिनी बस	170	175

टोल टैक्स बढ़ाने का किया विरोध

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रनिया और जैनपुर के उद्यमियों ने पास बनाने की मांग की

अमृत विचार। बारा टोल प्लाजा में रेट बढ़ने पर शहर के कारोबारियों ने विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि शहर से रनिया और जैनपुर औद्योगिक क्षेत्र में रोजाना आने-जाने वाले उद्यमियों और कर्मचारियों की जेब पर इससे और भाग बढ़ेगा। इस आर्थिक मार से राहत मिलनी चाहिए।

कहा कि तमाम प्रयासों के बावजूद उनलोगों के अब तक पास तक नहीं बने हैं। ऐसे में रोजाना उनपर अनावश्यक पड़ने वाले टैक्स का बोझ इससे और अधिक बढ़ गया है। उद्यमियों ने बताया कि टोल प्लाजा से सबसे अधिक प्रभावित जैनपुर के कारोबारी होते हैं। वहां पर फैक्ट्री लगाने वाले 99 फीसदी उद्यमी कानपुर शहर में रहते हैं। इसी तरह 80 फीसदी कर्मचारी भी शहर के निवासी हैं। उन लोगों को रोजाना टोल टैक्स देकर आना-जाना पड़ता है। इसी तरह रनिया में फैक्ट्री लगाने वाले उद्यमियों और कर्मचारियों को भी दिन में कई काम होने की वजह से टोल से गुजरना होता है। उन्हें निशुल्क पास जारी किया जाना चाहिए। उद्यमियों ने बताया कि दोनों जगह लगभग 800 इकाइयां इससे सीधे प्रभावित हैं। इनमें 600 इकाइयां सिर्फ जैनपुर की ही हैं। कारोबारियों ने कहा कि उनके व उनके कर्मचारियों के पास बनाए जाएं।

क्या बोले उद्यमी

"शहर से रोजाना अपनी फैक्ट्री जाने वाले उद्यमियों को टोल टैक्स से अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है, जो टोल टैक्स बढ़ने के बाद और अधिक बढ़ गया है। इसे खत्म होना चाहिए।
–लाडली प्रसाद, उद्यमी

"कारोबारियों के लिए यह रोज की समस्या है। वहां इकाई लगाना अब गलती साबित हो रही है। यदि आकलन करें तो एक यूनिट से महीने में यह 8 से दस हजार रुपये टैक्स लेते हैं।
अनुराग मालवीय

"कारोबारी लंबे समय से अपनी इस समस्या के लिए आवाज उठाते आ रहे हैं। अब तक उनकी सुनवाई नहीं हुई है। कारोबारी की मांगों को लगातार अनदेखा किया जा रहा है।
– हरेन्द्र मुरजानी, प्रदेश उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती

"फ्री पास बनाने के लिए हम लोगों से कानपुर देहात का आधार कार्ड मांगा जाता है। यदि जीएसटी प्रमाण लेकर इकाई के मालिक और उसके कर्मचारियों के पास जारी कर दिए जाएं तो आसानी होगी।
–सलिल गुप्ता, लघु उद्योग भारती

मुख्तार की मौत के बाद पुलिस अलर्ट

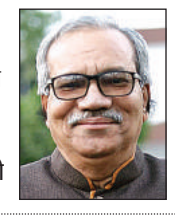

कानपुर। यूपी के माफिया डॉन मुख्तार अंसारी की मौत की खबर के बाद सरकार ने पूरे प्रदेश को हाई अलर्ट कर दिया है। कानपुर में भी अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। आदेश के तुरंत बाद रात दस बजे कानपुर के चौराहों पर पुलिस तैनात हो गई।

मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती की गई है। इस बारे में कानपुर के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर विपिन मिश्रा का कहना है कि शुक्रवार को जुमे की नमाज के मद्देनजर सुरक्षा इंतजाम चौकस किए गए हैं। नमाज के 12 घंटे पहले सुरक्षा इंतजाम तगड़े कर दिए गए हैं। साथ ही पुलिस फोर्स ने गाड़ियों से मार्च करना शुरू कर दिया है।

चाय से महिला को जलाया, तेजाब डालने की धमकी

कानपुर। बजरिया थानाक्षेत्र में झोपड़पट्टी रिजवी रोड निवासी रमेश प्रजापति ने सोनी नाम की महिला के खिलाफ मारपीट व पत्नी को तेजाब से नहलाने की धमकी देने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रमेश के अनुसार गुरुवार सुबह वह नाला रोड पर मजदूरी का काम ढूंढ़ने पत्नी काजल के साथ खड़े थे। इसी दौरान काजल चाय पीने चली गई।

आरोप है कि वहां बैठी सोनी नाम की महिला काजल से झगड़ने लगी। उसने मारपीट कर गर्म चाय उस पर फेंक दी और तेजाब से नहलाने की धमकी दी। पीड़ित ने बजरिया थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया रिपोर्ट दर्जकर मामले में कार्रवाई की जा रही है।

एक नजर

ई रिक्शा से महिला का पर्स चोरी

कानपुर। हरबंश मोहाल थानाक्षेत्र में गुवाहाटी निवासी महिला का ई रिक्शा से पर्स चोरी हो गया। जिसमें मोबाइल, दस्तावेज व 4200 रुपये थे। गुवाहटी निवासिनी नोविता डेका ने पुलिस को बताया कि 23 मार्च को सुबह आठ से नौ बजे के बीच बस स्टैंड से वह रेलवे स्टेशन जाने के लिए ई रिक्शे पर बैठीं। जब वह ई रिक्शा से उतरीं तो उसमें रखा पर्स गायब था। वह हरबंश मोहाल थाने पहुंची जहां से उसे सुतरखाना चौकी भेज दिया गया। उन्होंने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। थाना प्रभारी विनीत कुमार ने बताया रिपोर्ट दर्ज की गई है।

पेट्रोल पंप मालिक समेत पांच पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट

कानपुर। फजलगंज थानाक्षेत्र में शास्त्री नगर निवासी नवीन भाटिया ने फजलगंज स्थित गुरुनानक पेट्रोलियम, मैनेजर रामशंकर सिंह, मालिक वरुणजीत, सेल्स ऑफिसर बलराम व पीयूष अग्रवाल के खिलाफ कोर्ट के माध्यम से धोखाधड़ी के मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

खुशखबरी: कानपुर के निवेशकों की संपत्ति 1600 करोड़ बढ़ी

शेयर बाजार

कार्यालय संवाददाता कानपुर

- वित्तीय वर्ष के अंतिम कारोबारी दिन शेयर बाजार ने भरी रफ्तार
- शहर के निवेशक बोले गंगा मेला से पहले बाजार ने दिया तोहफा

अमृत विचार। त्योहारों के मौसम में शेयर बाजार के हिस्सेदार शहर के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी है। इस वित्तीय वर्ष 2024 के अंतिम कारोबारी दिन गुरुवार को शेयर बाजार ने शानदार तेजी दिखाई। इसके चलते कानपुर के निवेशकों की संपत्ति में करीब करीब 1600 करोड़ रुपये की वृद्धि होने का अनुमान लगाया जा रहा है। निवेशक इसे गंगा मेला से पहले बाजार का बड़ा तोहफा मान रहे हैं। 29 मार्च को गुड फ्राइडे के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेगा। अब अगले हफ्ते शेयर बाजार पहली अप्रैल को खुलेगा। गुरुवार को सेंसेक्स 655.04 अंक की तेजी के साथ 73,651.35 अंक पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 203.25 अंक की बढ़त के साथ 22,326.90 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के लिहाज से बैंकिंग और फाइनेंशियल शेयरों में काफी अच्छी तेजी देखने को मिली। वहीं सरकारी कंपनियों के शेयरों में भी शानदार तेजी देखी गई।

अगले माह शहर का म्यूचुअल फंड एयूएम 30 हजार करोड़ हो सकता

कानपुर। आर्थिक विशेषज्ञ राजीव सिंह के अनुसार आम चुनाव के दौरान बाजार में तेज उठा-पटक हो सकती है। संतुलन बनाये रखने के लिए निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में लार्ज, मिडकैप और स्मॉलकैप सभी को जोखिम क्षमता के अनुसार जगह देनी चाहिए। उनके अनुसार बढ़ते शेयर बाजार का सकारात्मक असर कानपुर के म्यूच्यूअल फण्ड निवेश पर भी हुआ है। अप्रैल माह में शहर का म्यूचुअल फण्ड एयूएम (एसेट अंडर मैनेजमेंट) 30,000 करोड़ रुपये को पार कर सकता है। इसकी वजह युवाओं की बढ़ी सक्रियता है। आज का युवा निवेश के परंपरागत तरीकों से हटकर जोखिम लेने को तैयार है। फरवरी 2024 तक कानपुर का म्यूचुअल फण्ड में प्रबंधन के तहत औसत संपत्ति (एएयूएम) 28,353 करोड़ था। कानपुर की देश के म्यूचुअल फंड कारोबार में 0.52 प्रतिशत की हिस्सेदारी है वहीं प्रदेश में कानपुर की हिस्सेदारी 11.71 प्रतिशत है।

राजीव सिंह। अमृत विचार

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

गंगा मेला पर बदली रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। 30 मार्च को शहर में गंगामेला मनाया जाएगा। गंगा मेला के मौके पर हटिया से रंगों का ठेला निकल कर बिरहाना रोड जाता है। इसके साथ ही शाम के समय सरसैया घाट पर मेले का आयोजन किया जाता है। जिसको देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने शहर में रूट डायवर्जन व पार्किंग की व्यवस्था की है।

- 30 मार्च को शहर में लागू रहेगा रूट डायवर्जन
- पार्किंग की व्यवस्था भी ट्रैफिक पुलिस ने की

इस प्रकार रहेगा शहर का यातायात

- फूलबाग, चार्लिस चौराहा होते हुए मेघदूत चौराहा से सरसैया घाट होकर ग्रीनपार्क की ओर कोई भी वाहन नहीं जा सकेंगे। ऐसे वाहन मेघदूत चौराहा से बड़ा चौराहा से कारसेट से दाहिने एमजी कॉलेज होते हुए जाएंगे।
- ग्रीनपार्क चौराहा से वीआईपी रोड होते हुए सरसैया घाट, मेघदूत चौराहा की ओर कोई भी वाहन नहीं जाएंगे। सभी वाहन ग्रीनपार्क चौराहा से एमजी कॉलेज से बाएं मधुवन तिराहा, पुलिस ऑफिस, कचहरी होते हुए चेतना चौराहे से व्यायामशाला की ओर जाएंगे।
- गुप्तार घाट से सरसैया घाट की तरफ कोई वाहन नहीं जा सकेंगे। ऐसे वाहन गुप्तार घाट से बाएं मुड़कर मेघदूत चौराहा से बड़ा चौराहा होते हुए जाएंगे।

वीआईपी पार्किंग

- जिला निर्वाचन कार्यालय मैदान के अंदर
- वीआईपी पार्किंग महिला थाने से जेल तक सड़क के दोनों ओर
- सरसैया घाट स्थित पीडब्ल्यूडी अधिशासी अभियंता कार्यालय में मीडिया पार्किंग

सामान्य पार्किंग

- चेतना चौराहा से जेएनके इंटर कॉलेज मैदान के अंदर
- ग्रीनपार्क स्टेडियम के तीनों ओर सड़क पर वीआईपी रोड को छोड़कर
- फूलबाग अंडरग्राउंड पार्किंग
- क्राइस्ट चर्च कॉलेज मैदान

टनल में खुशी का इजहार करते अधिकारी और कर्मचारी। अमृत विचार

नयागंज तक अपलाइन में टनल तैयार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सेंट्रल स्टेशन से 1250 मीटर लंबी टनल तैयार की गई
- अब स्वदेशी कॉटन मिल से टनल निर्माण की तैयारी

अमृत विचार। मेट्रो रेल परियोजना के कॉरिडोर-1 (आईआईटी से नौबस्ता) के अंतर्गत 4.24 किमी लंबे कानपुर सेंट्रल-ट्रांसपोर्ट नगर भूमिगत सेक्शन की पहली टनल का निर्माण गुरुवार को पूरा कर लिया गया। 'आजाद' टीबीएम मशीन कानपुर सेंट्रल से नयागंज 'अप-लाइन' पर लगभग 1250 मीटर लंबे टनल का निर्माण पूरा कर पहुंची। मोतीझील से बढ़ते हुए नयागंज तक टनल निर्माण पहले ही पूरा किया जा चुका है, अब इस अपलाइन टनल के माध्यम से मेट्रो ने कानपुर सेंट्रल स्टेशन तक अपनी राह बना ली है।

कानपुर सेंट्रल से ट्रांसपोर्ट नगर अंडरग्राउंड सेक्शन पर 'आजाद' और 'विद्यार्थी' टीबीएम मशीन द्वारा टनल निर्माण का कार्य किया जा रहा है। सबसे पहले कानपुर सेंट्रल से नयागंज स्ट्रेच पर टनल निर्माण कार्य पूरा किया जा रहा है। आजाद टीबीएम मशीन ने लगभग 1250 मीटर के टनल का निर्माण किया है। दूसरी तरफ डाउनलाइन में विद्यार्थी टनल बोरिंग मशीन भी लगभग 465 मीटर तक टनल का निर्माण पूरा कर चुकी है।

अब स्वदेशी मिल से होगी लॉन्च

- आजाद और विद्यार्थी टीबीएम मशीनों को पहले ब्रेकथ्रू यानी कानपुर सेंट्रल से नयागंज स्टेशन पहुंचने पर रिट्रीवल शाफ्ट से बाहर निकाला जाएगा। टीबीएम मशीन के सभी हिस्सों को बारी-बारी शाफ्ट से निकालने के बाद इन्हें स्वदेशी कॉटन मिल, श्याम पैलेस सिनेमा के निकट स्थित लॉन्चिंग शाफ्ट से दोबारा लॉन्च किया जाएगा। यहां से लॉन्च होने के बाद टीबीएम मशीनें ट्रांसपोर्ट नगर और झकरकट्टी स्टेशन होते हुए कानपुर सेंट्रल मेट्रो स्टेशन के रिट्रीवल शाफ्ट तक पहुंचेंगी। इस तरह कानपुर सेंट्रल वापस पहुंचकर इस सेक्शन के टनलिंग की प्रक्रिया पूरी होगी।

तारीख पर तारीख आगजनी केस में गुरुवार को भी नहीं हो सका कोर्ट का फैसला

इरफान केस में चौथी बार टला फैसला, सुनवाई चार को

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सपा विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ आगजनी मामले में आने वाला फैसला जजमेंट तैयार न होने के कारण गुरुवार को एक बार फिर टल गया। चौथी बार फैसला टला है। एमपीएमएलए सेशन कोर्ट ने अगली तारीख चार अप्रैल निर्धारित की है। पेशी के दौरान सपा विधायक, उनके भाई समेत पांच आरोपी कोर्ट में पेश हुए।

जाजमऊ निवासी नजीर फातिमा की झोपड़ी में आगजनी के मामले में गुरुवार को फैसला आना था। इससे पहले 14 मार्च, 19 मार्च, 22 मार्च को भी फैसला टल गया था। गुरुवार को सपा विधायक को कड़ी सुरक्षा में महाराजगंज जेल से कोर्ट में लाया गया। अन्य आरोपी उनके भाई रिजवान सोलंकी, इजरायल आटेवाला, मो. शरीफ व शौकत पहलवान भी कोर्ट में पहुंचे। सपा विधायक मुस्कुराते हुए पुलिस वैन से उतरे और इंसाफ होकर रहेगा कहते हुए कोर्ट में पेश हुए। सुनवाई के बाद डीजीसी दिलीप अवस्थी ने बताया कि जजमेंट तैयार न होने के कारण मामले में फैसला नहीं सुनाया जा सका। कोर्ट ने अगली तिथि चार अप्रैल की निर्धारित की है।

रिजवान सोलंकी। अमृत विचार

सच परेशान हो सकता है पराजित नहीं

फैसला टलने के बाद सपा विधायक के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। कोर्ट से बाहर आने के बाद इरफान सोलंकी ने मीडिया से कहा कि इंसाफ होगा। सवाल किया गया कि कब होगा, जिस पर इरफान ने कहा कि देर से होगा, सच परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं, इंसाफ होगा।

पत्नी और बच्चों के साथ सपा विधायक इरफान सोलंकी। अमृत विचार

मार्च में ही 36 डिग्री पारा मई-जून में आफत होगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- इस मौसम की सबसे गर्म रात 19.4 रहा न्यूनतम तापमान

अमृत विचार। शहर में इस सीजन का सबसे अधिक न्यूनतम पारा गुरुवार को दर्ज किया गया। मौसम विभाग की ओर से इसे 19.4 रिकॉर्ड किया गया। अधिकतम तापमान ने भी उछाल मारी। अधिकतम तापमान 36 डिग्री से. दर्ज किया गया। मौसम विभाग की ओर से और अधिक गर्मी पड़ने की आशंका जताई गई है। लोग कह रहे हैं कि मार्च में ही यह हाल है तो मई-जून में क्या होगा।

सीएसए विवि के मौसम वैज्ञानिकों ने गुरुवार को रात का सबसे अधिक पारा दर्ज किया। नवंबर के बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब न्यूनतम पारा 19 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। इससे रात में लोगों को एसी और पंखा चलाने को मजबूर होना पड़ा। दोपहर को भी तेज धूप ने शहरवासियों को परेशान किया। बीच-बीच में आ रहे तेज हवाओं के झोंकों ने धूल का गुबार उड़ाया। इससे भी वाहन सवारों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शाम को मौसम में लोगों को थोड़ी राहत मिली। मौसम वैज्ञानिक डॉ.एसएन सुनील पाण्डेय ने कहा कि गुरुवार तक हल्के बादल रहेंगे। मौसम गर्म रहेगा। आने वाले दिनों में मौसम और अधिक गर्म रहने की पूरी संभावना है।

जिम ट्रेनर का शारीरिक शोषण, रिपोर्ट दर्ज

कानपुर। पनकी थानाक्षेत्र के शताब्दी नगर स्थित एक अपार्टमेंट के फ्लैट में रहने वाली जिम ट्रेनर ने सुंदर नगर काली मठिया के पास रहने वाले आशीष सिंह पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है। आरोप है कि प्रेग्नेंट होने पर आशीष ने उसका गर्भपात भी करा दिया। शादी का दबाव बनाने पर आशीष ने युवती को तेजाब से नहलाने की बात कहते हुए पूरे मारने की धमकी दी।

अब घर बैठे आपके जीवन की जटिल समस्याओं का 100% पक्का समाधान
फ्री सलाह
अभी फोन करें :
GURU AADIL JI
9717810465
1% विश्वास आप करें
99% विश्वास हम बनाएंगे
स्पेशलिस्ट – प्रेम विवाह, पति–पत्नी में अनबन, दुश्मनों से छुटकारा, कारोबार में रुकावट, मनचाहा प्यार, रूठे प्रेमी को मनाना, वशीकरण आदि।

पेशी पर जा रहा गैंगस्टर कचहरी से हो गया फरार

29 फरवरी को पुलिस ने भेजा था जेल, सिपाहियों पर रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गुरुवार को पेशी पर लाया जा रहा गैंगस्टर पुलिस को चकमा देकर कचहरी से फरार हो गया। उसके खिलाफ नौबस्ता पुलिस ने वर्ष 1999 में गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की थी, जिसके बाद से आरोपी फरार था। एनबीडब्ल्यू जारी होने के बाद नौबस्ता पुलिस ने बीते 29 फरवरी को उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

पुलिस ने फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमों का गठन कर सीसीटीवी कैमरों की जांच कराई। पुलिस ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। उधर, फरार आरोपी और उसे ले जाने वाले दो सिपाहियों अमरेश

- पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया

और अमित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

जूही गढ़ा निवासी सोनू सिंह, रवि अवस्थी, लालजी शर्मा, संतोष, भानु प्रताप, मो. उस्मान के खिलाफ नौबस्ता पुलिस ने वर्ष 1999 में गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी। इसके बाद भानु प्रताप व मो. उस्मान को पुलिस ने जेल भेजा था, जबकि अन्य चारों आरोपी फरार चल रहे थे।

कोर्ट ने फरार आरोपियों के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी किया था। जिसके बाद नौबस्ता पुलिस ने 29 फरवरी को सोनू को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। गुरुवार को मामले की सुनवाई एडीजे 26 की कोर्ट में होनी थी। पुलिस सोनू को कोर्ट में पेशी के लिए ले जा रही थी, इसी दौरान आरोपी कचहरी से पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। सूचना पर एसीपी कोतवाली अर्चना सिंह मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। एसीपी अर्चना सिंह ने बताया कि शातिर की तलाश के लिए पांच टीमों का गठन किया गया है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच कराई जा रही है।

एटीएस ने सेंट्रल पर ट्रेन से पकड़े चार रोहिंग्या

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- असम से ट्रेन से जा रहे थे दिल्ली, खुफिया विभाग की सूचना पर कार्रवाई

अमृत विचार। अवैध तरीके से बांग्लादेश से घुसपैठ करके आए चार रोहिंग्या नागरिकों को उत्तरप्रदेश एटीएस ने कानपुर सेंट्रल से गिरफ्तार किया है। ये चारों असम सिलचर से ट्रेन से दिल्ली जा रहे थे। चारों को राजधानी स्थित एटीएस मुख्यालय लाकर पूछताछ शुरू की गई। चारों के पास से फर्जी आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं।

रोहिंग्या आमिर हमजा।

आईजी एटीएस नीलाब्जा चौधरी ने बताया कि एटीएस को पुख्ता सूचना मिली थी कि कुछ रोहिंग्या नागरिक भारत-बांग्लादेश सीमा के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के बाद भारतीय नागरिकता के फर्जी दस्तावेज बनाकर अलग-अलग राज्यों में जाकर बस रहे हैं। एटीएस ने खुफिया एजेंसियों की सूचना पर कानपुर सेंट्रल पर चार रोहिंग्या को ट्रेन से उतार लिया। एटीएस मुख्यालय ले जाकर पूछताछ शुरू की। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे म्यांमार के बूटीडांग जिले के रहने वाले हैं। उनके नाम आमिर हमजा, मीना जहां, सकरा बेगम व ओनारा बेगम हैं। वह भारत में बसने के उद्देश्य से बांग्लादेश के रास्ते से म्यांमार से आ रहे थे। असम में उन्होंने अपना फर्जी आधार कार्ड बनवाया था। गिरफ्तार किए गए चारों रोहिंग्या की उम्र 19 से 22 है।

डीसीपी विजय ढुल का स्वागत करते बैंक के अधिकारी। अमृत विचार

फ्रॉड से बचने के लिए जागरुकता जरूरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पब्लिक को फ्रॉड से बचाने के लिए गुरुवार को डीसीपी विजय ढुल ने बैंकों को और सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया। वे एचडीएफसी बैंक की विकास नगर ब्रांच की शुरुआत के दौरान बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जागरुकता की कमी की वजह से पब्लिक के साथ साइबर फ्रॉड हो रहा है। अभी भी लोग फेक कॉल और रियल कॉल में अंतर नहीं कर पाते हैं।

उन्होंने ये भी कहा कि बैंकों के प्रयास और पारदर्शिता से काफी हद तक फ्रॉड पर रोक लगी है। रिपोर्ट होने या सूचना मिलने पर पुलिस भी तत्काल एक्शन ले रही है। एचडीएफसी बैंक कानपुर के क्लस्टर हेड संजय पाण्डेय, ब्रांच हेड दीपक कटियार ने चीफ गेस्ट का स्वागत किया। इस दौरान बैंक के स्टाफ भी मौजूद रहा।

नशेबाजी के विरोध पर लाठी-डंडों से पीटा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सनिगवां और महाराजपुर में हुईं घटनाएं
- दोनों थानों में की गई शिकायत, जांच

अमृत विचार। सनिगवां में नशेबाजी का विरोध करने पर आरोपियों ने युवक को लाठी उंडों से पीट दिया। पीड़ित ने चकेरी थाने में मामले की शिकायत की है। सनिगवां निवासी अनिल कुमार इलेक्ट्रीशियन हैं। उनके अनुसार बुधवार की रात करीब दस बजे वह वापस घर लौट रहे थे। तभी घर से कुछ दूरी पर इलाके का आरोपी अपने एक साथी के साथ शराब के नशे में खड़ा था और गाली गलौज कर रहा था। जिस पर उन्होंने मोहल्ले में इस तरह से चिल्लाने से मना किया तो आरोपी गाली गलौज करने लगा। जिसका विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट की। साथ ही लाठी डंडों से पीट दिया। घटना के बाद पीड़ित ने चकेरी थाने में मामले की शिकायत की है। दूसरी ओर महाराजपुर थानाक्षेत्र के ग्राम भदासा के रहने वाले सत्यम ने पुलिस को बताया कि 26 मार्च को शाम करीब छह बजे गांव के ही रहने वाले चार युवकों ने बेवजह गालियां देना शुरू कर दीं। आरोप है कि लोगों को गाली गलौज देने से मना किया तो युवकों ने लाठी डंडों व लात घूसों से मारा पीटा। जिससे उसका सिर फट गया। मारपीट के दौरान उसका मोबाइल भी कहीं गुम हो गया है। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लापरवाही से कोमा में गई महिला की मौत, 15.48 लाख हर्जाना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कानपुर देहात के एक अस्पताल में बरती गई थी लापरवाही
- राज्य उपभोक्ता आयोग ने अपील खारिज कर बढ़ाई हर्जाना राशि

अमृत विचार। कानपुर देहात के एक अस्पताल में दोबारा ऑपरेशन करने से महिला कोमा में चली गई और चिकित्सक की लापरवाही से उसकी मौत हो गई। बच्चे छोटे होने पर जिला उपभोक्ता आयोग ने चिकित्सक व अस्पताल पर लाखों रुपये हर्जाना लगाया था। इसके विरोध में राज्य उपभोक्ता आयोग में की गई अपील खारिज कर दी गई।

कानपुर देहात के थाना डेरापुर बड़ा गांव भिक्खी निवासी अरुण कुमार ने 2003 में पत्नी मीरा का पुष्पेय हास्पिटल हास्पिटल गांधी नगर अकबरपुर में गाल ब्लैडर में स्टोन होने पर भर्ती कराया था। डा. अनिल सिंह (सर्जन) सिविल लाइंस कानपुर नगर ने ऑपरेशन किया। लेकिन, आराम न मिलने पर दोबारा ऑपरेशन किया। इससे मीरा कोमा में चली गई और इसके बाद स्टाफ ने कानपुर नगर के तुलसी हास्पिटल में भर्ती करा दिया। वहां दो दिन बाद मौत हो गई।

पोस्टमार्टम में सेप्टीसीमिया से मृत्यु होने की पुष्टि हुई। यह जानलेवा है जो ऑपरेशन थिएटर में वायरस, बैक्टीरिया व पेथोजेन से मुक्त न होने पर होता है। इस लापरवाही पर जिला उपभोक्ता आयोग में डॉ. अनिल व पुष्पेय अस्पताल पर वाद दायर किया था। आयोग ने दोबारा ऑपरेशन करने का कारण पूछा तो चिकित्सक

नहीं बता पाए। इस पर मानसिक पीड़ा, वाद व अस्पताल व्यय, बच्चों के मातृत्व सुख से वंचित होने पर अस्पताल व चिकित्सक पर कुल 2,05,000 रुपये हर्जाना लगाया था। इसके विरोध में पुष्पेय हास्पिटल ने राज्य उपभोक्ता आयोग में अपील थी। प्रिसाइडिंग जज राजेंद्र सिंह ने खारिज कर जिला उपभोक्ता आयोग का आदेश बरकरार रखा। साथ ही अरुण की मांग पर क्षतिपूर्ति राशि बढ़ाकर कुल 4.40 लाख रुपये कर दी। जो ब्याज समेत दोनों को 30 दिन के अंदर 15.48 लाख रुपये अदा करनी होगी।

साइबर फ्रॉड ने खाते से पार किया पौने तीन लाख

कानपुर। सचेंडी थानाक्षेत्र के ग्राम कटरा घनश्याम निवासी त्रिवेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि घर के बाहर उनका मोबाइल कहीं गिर गया। जिसके बाद साइबर अपराधियों ने उनके बैंक के खाते से 2,67,309 रुपये पार कर दिए। उन्होंने बताया कि काफी खोजबीन करने पर भी जब मोबाइल नहीं मिला तो उसी दिन शाम को अपना सिम बन्द करवा करके नया सिम इश्यू करवा लिया। बताया कि 18 मार्च को उनके मोबाइल मे 67,309 रुपये कटने का मैसेज आया तो वह बैंक शाखा पहुंचे तो पता चला कि खाते से दिनाँक 16 मार्च को एक लाख व 17 मार्च को एक लाख यूपीआई से धोखाधड़ी करके निकाल लिए। एसीपी अमोल मुर्कुट ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की है।

13 हजार लोग पाबंद 4300 असलहे जमा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- छह लाख साठ हजार रुपये कैश किए बरामद

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव आचार संहिता के मद्देनजर शहर में 13 हजार लोग पाबंद किए गए हैं और 4300 असलहे जमा कराए गए हैं।

एडिशनल सीपी हरीश चंदर ने बताया कि जिले में कुल 28000 लाइसेंसी असलहा हैं। जिसमें से 4300 लाइसेंसी हथियार पुलिस ने जमा करा लिए हैं। 13000 लोगों के खिलाफ 107/16 की कार्रवाई की गई है। 450 लोगों के खिलाफ 110 जी की कार्रवाई की गई है। छह लाख साठ हजार रुपये कैश बरामद किया गया है। अब तक 32 अवैध शस्त्र पुलिस ने पकड़े हैं। 720 लीटर अवैध शराब भी बरामद की गई है। पुलिस ने भारी मात्रा में नारकोटिक्स भी बरामद किया है। एडिशनल सीपी ने बताया कि तीन कंपनी सेंट्रल पैरामिलिट्री फोर्स और कानपुर को मिल रही हैं। कुल चार कंपनी हो जाएगी। डीसीपी सेंट्रल आरएस गौतम ने बताया कि सीसामऊ और चमनगंज इलाके में चेकिंग अभियान और गश्त की गई।

पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने निर्देश दिए हैं कि ऐसे लोग जिनके खिलाफ पिछले वर्ष मारपीट, हत्या का प्रयास, हत्या, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मुकदमा दर्ज हुआ और चार्जशीट लगी है, उन सभी को पाबंद किया जाएगा। साथ ही सीएए और एनआरसी के आरोपियों के साथ-साथ बलवा और मारपीट के बड़े मामलों के आरोपी भी पाबंद होंगे।

मुंह, नाक में रंग जाने से बढ़ी दिक्कत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

हैलट अस्पताल की ओपीडी में लगी मरीजों की भीड़। अमृत विचार

- हैलट, मुरारी लाल व उर्सला अस्पताल में चार दिन में पहुंचे 350 मरीज
- सांस और अस्थमा के रोगियों को हो रही ज्यादा समस्या, रंग से बचने की सलाह

अमृत विचार। होली पर लोगों ने जमकर रंग, अबीर व गुलाल खेला। रंग, अबीर व गुलाल नाक और मुंह में जाने से लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। सांस रोगियों को अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। चार दिनों में हैलट, मुरारी लाल व उर्सला अस्पताल में 350 से अधिक मरीज सांस लेने में तकलीफ के पहुंचे, जिनमें कुछ पुराने सांस रोगी भी शामिल हैं।

हैलट व उर्सला अस्पताल की ओपीडी में होली के बाद से सांस रोगियों की संख्या बढ़ गई है। बीते चार दिनों की बात करें तो ओपीडी में 350 से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंचे। इनको सांस लेने में दिक्कत होने के साथ ही खांसी, सिर दर्द व आंसू आने की समस्या थी। कुछ मरीज गले में दर्द होने की समस्या भी बता रहे हैं। कुछ मरीजों को जांच के लिए मुरारी लाल चेस्ट अस्पताल भी भेजा जा रहा है। मुरारी लाल चेस्ट अस्पताल के विभागाध्यक्ष डॉ.संजय कुमार वर्मा ने बताया कि रंग व गुलाल की वजह से सांस रोगियों की समस्या बढ़ जाती है। रंग व गुलाल में बहुत से छोटे कण होते हैं, जिससे न सिर्फ फेफड़ों की दिक्कत बढ़ती है बल्कि श्वसन तंत्र को भी यह प्रभावित करते हैं। रंग, गुलाल व अबीर मुंह व नाक के माध्यम से शरीर के अंदर जाते हैं, जिससे एलर्जी की समस्या बढ़ती है। सांस रोगियों के साथ ही एक्यूट ब्रोंकाइटिस भी अस्थमा के रोगियों में सबसे ज्यादा मिल रहा। सांस रोगियों को गंगा मेला में विशेष सावधानी पूर्वक रंग, अबीर व गुलाल से खेलना चाहिए।

किसानों को दिया गया प्रशिक्षण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर में गुरुवार को किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को आधुनिक कृषि संयंत्रों से रुबरु कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान एस्कॉर्ट कोबोटा लिमिटेड सीएसआर फाउंडेशन के तहत सस्टेनेबल डेवलपमेंट फाउंडेशन के माध्यम से कृषकों को आधुनिक कृषि यंत्रों के लाभ भी बताए गए। कार्यक्रम में किसानों को आधुनिक मशीनों से धान की रोपाई एवं ट्रैक्टर में उपयोग होने वाले आधुनिक कृषि यंत्रों के बारे मंत प्रशिक्षण भी दिया गया। किसानों को यह भी बताया गया कि पैडी ट्रांसप्लांटर से समय, धन,श्रम शक्ति में बचत तथा फसल उत्पादन में वृद्धि होती है। जिससे किसानों की आय में वृद्धि होती है। कार्यक्रम में केंद्र के वैज्ञानिक, सस्टेनेबल डेवलपमेंट फाउंडेशन की टीम और ट्रेनर गौरव शुक्ला, गौरव मिश्रा, अनिमेष अवस्थी मौजूद रहे।

स्कूल में अभिभावकों ने जताया आक्रोश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- स्कूल वाले बता रहे बुक स्टॉल का नाम
- अभिभावक जता रहे विरोध मर्सी मेमोरियल का मामला

अमृत विचार। स्कूल की ओर से किताबों की लिस्ट न दिए जाने पर मर्सी मेमोरियल स्कूल में गुरुवार को अभिभावकों ने अपना आक्रोश जताया। अभिभावकों ने स्कूल पर एक ही दुकान से सभी किताबों को खरीदे जाने का दबाव डालने का भी लगाया है। स्कूल की ओर से अभिभावकों के सभी आरोपों को नकारा गया है। स्कूल की प्रिंसिपल ने कहा कि अभिभावक यह सिर्फ लोकप्रियता पाने के लिए कर रहे हैं।

किदवई नगर स्थित मर्सी मेमोरियल स्कूल में दोपहर को कुछ अभिभावक उस वक्त भड़क गए जब उन्हें स्कूल की ओर से किताबों की लिस्ट देने से इनकार कर दिया गया। अभिभावक अमित कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि स्कूल की ओर से उन लोगों पर जैन बुक स्टॉल से किताबों को खरीदने का दबाव बनाया जा रहा है। स्कूल की ओर से बुक लिस्ट इसलिए नहीं दी जा रही जिससे अभिभावक किसी अन्य दुकान से किताबें न खरीद लें। अभिभावकों ने कहा कि स्कूल की ओर से किताबों की लिस्ट दिए जाने के बजाए बुक स्टॉल से कक्षावार किताबों का पूरा बंडल लिए जाने की बात भी कही गई। इस मामले पर स्कूल की प्रिंसिपल मरीना सिरील्स ने कहा कि छुट्टियों की वजह से बच्चों को 4 अप्रैल को स्कूल बुलाया गया था। उस दिन बच्चों को बुक लिस्ट दी जानी थी। अचानक अभिभावकों ने स्कूल आकर बुक लिस्ट मांगनी शुरू कर दी। कुछ अभिभावक ऐसे हैं जिन्हें फीस न जमा करने पर नोटिस भेजी गई है।

सार-संक्षेप

नशेबाजी का विरोध करने पर किया पथराव

कानपुर। खाड़ेपुर में नशेबाजी का विरोध करने पर दबंग भाइयों ने छत से पड़ोसी के घर पर पथराव कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को संज्ञान में लिया। खाड़ेपुर योगेंद्र विहार निवासी गुड़िया ने बताया कि वह गुरुवार शाम घर के बाहर झाड़ू लगा रही थीं। इसी दौरान घर के सामने रहने वाले दो भाई नशे की हालत में पहुंचे और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर मारपीट कर दी। इसके बाद दोनों भाई छत की घर पर चढ़ गए और छत से पथराव कर दिया। पथराव में दो महिलाएं घायल हो गईं। हनुमंत विहार थाना प्रभारी उदय प्रताप ने बताया कि महिलाओं का मेडिकल कराया गया है। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

माउंडी थर्स डे मनाया गया

कानपुर। प्रभु यीशु के अंतिम भोज की यादगार में शहर के चर्चों में गुरुवार को 'माउंडी थर्स डे' मनाया गया। इस दौरान चर्चों में परंपरा निभाते हुए विशेष प्रार्थना के बीच पुरुषों के साथ महिलाओं के भी पैर धोए गए। सेंट फ्रांसिस जेवियर्स चर्च, सेंट थॉमस चर्च और दि गुड शेफर्ड चर्च में विशेष आयोजन हुए। यहां पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की ओर से शिरकत किया गया। समारोह में यादगारी में मिस्सा बलिदान भी अर्पित किया। वहीं, गिरजाघरों में गुड फ्राइडे की तैयारियां पूरी हो गई। गुड फ्राइडे प्रभु यीशु के सलीब पर चढ़ाए जाने की याद में मनाया जाता है। सेंट फ्रांसिस जेवियर्स चर्च में फादर दीपक ओस्वाल्ड डिसूजा, फादर मनोज स्टीफेन, फादर जार्ज मेडापल्ली के साथ प्रभु यीशु के अंतिम भोज की यादगारी में मिस्सा के बलिदान की कहानी सुनाई गई।

केडीए नाला ओवरफ्लो 150 बीघा खेत जलमग्न

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- उचटी, दीपपुर, टिकरा, छतमरा गौरिया के खेतों में किसानी कार्य बंद

अमृत विचार। केडीए नाला ओवरफ्लो होने की वजह से उचटी, दीपपुर, टिकरा, छतमरा, गौरिया में 150 बीघा कृषि भूमि जलमग्न हो गई है। जिससे किसानी का कार्य पूरी तरह से बंद हो गया है। किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। सिल्ट न निकालने के कारण सीवेज ओवरफ्लो होकर खेतों में घुस रहा है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी ने नगर निगम व संबंधित विभागों को नाले की सफाई करने के निर्देश दिये हैं।

सजारी सीवर ट्रीटमेंट प्लांट से संबद्ध केडीए नाला कई वर्षों से साफ नहीं हुआ है। जिसकी वजह से नाले में सिल्ट जमा हो गई है। सजारी एसटीपी के शोधित सीवेज को केडीए नाले के माध्यम से पांडु नदी में निस्तारित किया जाता है। सफाई न होने की वजह से सीवेज ओवरफ्लो होकर आस-पास के खेतों में पहुंच रहा है। क्षेत्रीय अधिकारी यूपीपीसीबी अमित मिश्रा ने बताया कि नर्वल तहसील में लगे समाधान दिवस में यह शिकायत आई है। जिसमें बताया गया कि नाले में गंदगी की वजह से सीवर का पानी ओवर फ्लो होकर आस-पास के गावों में भर गया है। जिसकी वजह से यहां के किसान खेती कार्य नहीं कर पा रहे हैं। नगर निगम को पत्र लिखकर कहा गया है कि केडीए नाले से हो रहे ओवरफ्लो को तत्काल रोका जाए।

विकास की बात नगर आयुक्त ने गल्ला मंडी का किया निरीक्षण, डीपीआर बनाने के निर्देश

कलक्टरगंज में बिजनेस सेंटर का सर्वे शुरू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कार्यकारिणी की बैठक में मिली स्वीकृति

अमृत विचार। क्षेत्रीय व्यापारियों के विरोध के बीच कलक्टरगंज गल्ला मंडी में बिजनेस सेंटर बनाने को लेकर सर्वे कार्य शुरू हो गया है। गुरुवार को नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन ने जोन-1 स्थित मंडी का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिशाषी अभियन्ता प्रोजेक्ट आरके सिंह से सर्वे कार्य पूरा होने के बाद जल्द डीपीआर बनाने के निर्देश दिये।

नगर आयुक्त ने बताया कि कलक्टरगंज गल्ला मंडी 26000 वर्गमी में है। म्युनिस्पिल बांड के तहत कलेक्टरगंज गल्ला मंडी में आधुनिक बिजनेस सेन्टर (व्यवसायिक काम्प्लेक्स) का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है। पूर्व में हुई कार्यकारिणी की बैठक में म्यूनिस्पिल बांड के तहत आधुनिक बिजनेस सेन्टर (व्यवसायिक काम्प्लेक्स) के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। वर्तमान में सर्वे का कार्य प्रारम्भ हो चुका है, सर्वे के कार्य खत्म होने के बाद योजना की डीपीआर बनाये जाने की कार्यवाही शुरू की जायेगी। नगर आयुक्त ने बताया कि सदन की स्वीकृति के पश्चात म्युनिस्पिल बांड के तहत इसकी धनराशि आरक्षित कर ली गयी है।

गल्लामंडी में निरीक्षण करते नगर आयुक्त। अमृत विचार

व्यापारी कर रहे हैं विरोध

कलक्टरगंज मे नगर निगम की ओर से प्रस्तावित व्यवसायिक काम्प्लेक्स के प्रस्ताव को वापस लिए जाने की मांग को लेकर व्यापारियों ने पिछले दिनों महापौर को ज्ञापन सौंपा था। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश वरिष्ठ महामंत्री व कलक्टरगंज उद्योग व्यापार मंडल के मुख्य संरक्षक ज्ञानेश मिश्र ने बताया कि यहां वर्षों से व्यापार कर रहे व्यापारियों को उजाड़कर कॉमर्शियल काम्प्लेक्स के प्रस्ताव को नगर निगम ने पास किया है। ज्ञानेश मिश्र ने बताया कि कलक्टरगंज के व्यापारी अपने बाबा व पिता के साथ सौ वर्षों से अधिक समय से व्यापार कर रहे हैं और कई व्यापारियों की यह पांचवी पीढ़ी है।

प्रवेश प्रारम्भ
प्रवेश प्रारम्भ
वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय
वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ
पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)
जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992
पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

भाजपा संगठन ने 'केवट' बन संभाली कमान

प्रत्याशी के रोड शो में सांसद पचौरी और विधानसभा अध्यक्ष महाना के शामिल नहीं होने से गया था गलत संदेश

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के साथ विक्ट्री साइन बनाते भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी और अन्य नेता। अमृत विचार

महापौर ने नगर निगम में खेली फूल और गुलाल से होली। अमृत विचार

कानपुर लोकसभा

अभिषेक वर्मा, कानपुर

- भाजपा पदाधिकारियों के नेतृत्व में प्रत्याशी रमेश अवस्थी ने वरिष्ठ नेताओं के घर पर जाकर की शिष्टाचार भेंट
- टिकट घोषणा के बाद उपजी कथित नाराजगी दूर करने और जनता में सबका साथ का संदेश देने के लिए की गई पहल

अमृत विचार। कानपुर लोकसभा सीट पर भाजपा संगठन ने 'केवट' बनकर पार्टी के प्रत्याशी रमेश अवस्थी को चुनावी वैतरणी पार लगाने का निर्णय लिया है। राजनीति के धुरंधरों के टिकट कटने से अंदरखाने उपजी नाराजगी दूर करने के लिए कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र से जुड़े पदाधिकारियों ने जिम्मेदारी संभाल ली है। इसी क्रम में गुरुवार को भाजपा पदाधिकारियों के नेतृत्व में प्रत्याशी रमेश अवस्थी मुलाकात करने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और सांसद सत्यदेव पचौरी के घर पहुंचे। यह दोनों नेता टिकट की रेस में थे और बुधवार को रमेश अवस्थी के रोड शो में नहीं पहुंचे थे। इसके बाद तमाम चर्चाएं शुरू हो गई थीं। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने रमेश अवस्थी को जीत की अग्रिम बधाई दी।

भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल के अनुसार टिकट तय होने के बाद भाजपा में वरिष्ठ नेताओं से शिष्टाचार भेंट की परंपरा है। इसी के तहत गुरुवार को वरिष्ठ नेताओं से भेंट कार्यक्रम हुआ। क्षेत्र के सह मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी ने क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, उत्तर जिला अध्यक्ष दीपू पांडेय, दक्षिण जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह व अन्य पदाधिकारियों के साथ पूर्व विधायक प्रेमलता कटियार, पूर्व मेयर जगतवीर सिंह द्रोण, सांसद सत्यदेव पचौरी, पूर्व विधायक व वरिष्ठ नेता बाल चंद्र मिश्रा, वरिष्ठ नेता गोपाल अवस्थी और विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना से शिष्टाचार भेंट की। शुक्रवार से मंडल प्रभारियों से मुलाकात के साथ ही बूथ पर जाकर कार्यकर्ताओं से भेंट करके चुनावी रणनीति पर विचार मंथन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कोई विशेष भेंट नहीं है। पार्टी में वरिष्ठ नेताओं को हमेशा सम्मान दिया जाता है।

खींचतान की बातें अफवाह, इस बार बड़े अंतर से जीतेंगे चुनाव : पचौरी

कानपुर। भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी से मुलाकात के दौरान सत्यदेव पचौरी ने कहा कि मेरा परिवार व टीम के साथ लोकसभा चुनाव में पूरा समर्थन है। अंर्तकलह की बातें अफवाह हैं। आपको चुनाव जीतने में कोई परेशानी नहीं होगी। आप चुनाव जीत रहे हैं। उन्होंने जीत की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने मुलाकात के दौरान भाजपा नेताओं और लोकसभा संयोजक मणिकांत जैन के साथ बैठक कर चुनाव के संदर्भ में विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम कानपुर सीट बड़े अंतर से जीतने जा रहे हैं। महापौर से भी होगी मुलाकात : जिलाध्यक्ष भाजपा दक्षिण शिवराम सिंह ने कहा कि आज पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से प्रत्याशी के साथ मुलाकात की गई है। इसी क्रम में महापौर प्रमिला पांडेय से भी मुलाकात की जाएगी।

महापौर ने महाना, पचौरी व प्रत्याशी को लगाया गुलाल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर निगम मुख्यालय स्थित नगर निगम गेस्ट हाउस में गुरुवार को महापौर प्रमिला पांडेय ने होली मिलन समारोह एवं फूलों की होली का आयोजन किया। समारोह में फूलों की होली खेलकर और लोकगीतों का आनंद उठाकर लोग भाव विभोर हो उठे। इस दौरान महापौर ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, कानपुर से भाजपा के उम्मीदवार रमेश अवस्थी, निवर्तमान सांसद सत्यदेव पचौरी, विधायक नीलमा कटियार के अलावा पार्टी के पदाधिकारियों नवीन पंडित, सौरभ देव, कमलेश त्रिवेदी, पार्षद, सरोज सिंह, प्रियंका सिंह, प्रीति आदि को अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं। समारोह में लोगों ने जमकर फूलों की होली खेली। महिला मोर्चा की तरफ से खूब अबीर गुलाल उड़ाया गया।

होली मिलन समारोह में खिलखिलाते भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशी।

... जब खिल उठे होली के रंग प्रतिद्वंदी के साथ

कानपुर। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सलिल विश्नोई द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में भाजपा के प्रत्याशी रमेश अवस्थी व कांग्रेस के प्रत्याशी आलोक मिश्रा आमने सामने आए तो दोनों ने खिलखिलाते हुए एक दूसरे को गले लगाया फिर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की कांग्रेस प्रत्याशी से मुलाकात हुई। बाद में मंच पर सांसद सत्यदेव पचौरी की विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के साथ गुफ्त-गू होती रही।

The Ano Rectal Clinic
अत्याधुनिक विधि द्वारा
गुदाद्वार में होने वाली बीमारियों का परीक्षण
Dr. Sanjay Kumar Yadav
M.S. (Ano-Rectal Surgeon)

Video Recto Scope
लेज़र विधि एवं DGHAL विधि द्वारा
बवासीर (Piles) भगन्दर (Fistula)
एवं गुदाद्वार में होने वाली
अन्य बीमारियों का उचित* इलाज

क्लीनिक का पता
एस-80, गोल चौराहा, महानगर कोतवाली के सामने, महानगर, लखनऊ
7388913338
8005423919
www.anorectalclinic.com

क्षेत्र कार्यालय में बैठक करते भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल।

नामांकन के साथ नजर आएगी वाम दलों की सहभागिता

महेश शर्मा, कानपुर

अमृत विचार। इंडिया गठबंधन से कांग्रेस के प्रत्याशी आलोक मिश्रा ने सपा के साथ साझा चुनाव अभियान को तो गति प्रदान कर दी है, लेकिन गठबंधन के घटक वाम दलों के साथ अभी तक एक भी समन्वय बैठक नहीं हो पायी है। इसे देखते हुए माना जा रहा है कि नामांकन के साथ ही सभी दलों की सहभागिता चुनाव अभियान में नजर आएगी।

माकपा (भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी और भाकपा (भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी) का कानपुर में कभी प्रभावशाली वर्चस्व हुआ करता था। कई चुनावों में कांग्रेस और वामदलों में खासा तालमेल रहा है। इसे लेकर वामपंथी नेताओं का कहना है कि यह सही है कि स्वाभाविक रूप से उनका वोट भाजपा के खिलाफ कांग्रेस के आलोक मिश्रा को ही जाएगा, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि साझा प्रचार अभियान से जनता के बीच जीत का माहौल बनाने में मदद मिलेगी।

कानपुर में कभी सूती मिलों के कारण लाखों प्रत्यक्ष व परोक्ष मजदूरों की रोजी-रोटी चलती थी। मजदूरों के हक की लड़ाई माकपा की ट्रेड यूनियन सीटू और भाकपा की एटक लड़ा करती थी। 1957 के चुनाव में भाकपा के समर्थन से कांग्रेस को हराकर निर्दलीय प्रत्याशी एसएम बनर्जी लोकसभा में पहुंचे थे। इस चुनाव में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू चुनावी सभा करने आए थे, इसके बावजूद कांग्रेस प्रत्याशी हार गया था। भाकपा के राज्य सचिव अरविंदराज स्वरूप ने बताया कि एमएम बनर्जी भाकपा के प्रत्याशी थे। उनका चुनाव चिह्न शेर था। 1962 व 1967 के चुनाव में भाकपा के समर्थन से ही बनर्जी जीते थे। लेकिन भाकपा के विभाजन से बनी माकपा ने बनर्जी के खिलाफ 1967 में राम आसरे को प्रत्याशी बना दिया था। कांग्रेस से गणेश दत्त वाजपेयी मैदान में थे। यह चुनाव बनर्जी पांच हजार से वोटों से ही जीत सके थे। 1971 में कांग्रेस व वामदलों में सीटों के समझौते में कानपुर सीट कांग्रेस के खाते में चली गई थी। लेकिन कांग्रेस ने प्रत्याशी न उतारकर एसएम बनर्जी को ही समर्थन देने का निर्णय लिया। नतीजतन वह चौथी बार लोकसभा पहुंचे। इसके बाद माकपा की पोलिट ब्यूरो सदस्य सुभाषिनी अली सहगल 1989 में कानपुर से सांसद चुनी गई थीं।

- कांग्रेस ने सपा के साथ चुनाव प्रचार अभियान को गति दी, लेकिन माकपा और भाकपा के साथ मंत्रणा करना अभी बाकी

अभी नहीं हुई चुनावी चर्चा : अरविंदराज

- भाकपा के राज्य सचिव कॉमरेड अरविंदराज स्वरूप बताते हैं कि कानपुर से कांग्रेस ने प्रत्याशी तो घोषित कर दिया है, लेकिन अब तक कांग्रेस और सपा ने चुनावी रणनीति पर कोई मंत्रणा नहीं की है। भाकपा काडर बेस पार्टी है। कानपुर में पार्टी का वोट है। आलोक मिश्रा करीब तीन महीने पहले मिलने आए थे, तब बताया था कि वह चुनाव लड़ रहे हैं। शायद अभी व्यस्तता में समय नहीं निकाल पाए हैं।

माकपा का अभी है वोट बैंक : सुभाषिनी

- माकपा पोलित ब्यूरो की सदस्य कानपुर की पूर्व सांसद सुभाषिनीअली सहगल ने कहा कि कानपुर से प्रत्याशी घोषित हो चुका है, लेकिन अभी तक किसी ने उन्हें फोन तक नहीं किया है। बातचीत करनी चाहिए थी। इंडिया गठबंधन का घटक दल माकपा भी है। कारखाने बंद होने के बावजूद अभी भी माकपा का शहर में वोट है। वह तीन अप्रैल को कानपुर में रहेंगी। संभव है कि तब मुलाकात और मंत्रणा हो सकेगी।

पहली से भाजपा करेगी साइबर योद्धा सम्मेलन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कानपुर लोकसभा सीट पर आठ अप्रैल को आयोजित होगी सोशल मीडिया वालंटियर मीट
- अकबरपुर लोकसभा क्षेत्र में माहौल बनाने के लिए दो अप्रैल को जुटेगी सोशल मीडिया टीम

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के मतदान से पहले भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र की सभी 10 लोकसभा सीटों पर सोशल मीडिया वालंटियर मीट आयोजित करेगी। एक अप्रैल से 10 अप्रैल तक होने वाली इस मीट में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रदेश सरकार के मंत्री भी हिस्सा लेंगे। यह जानकारी गुरुवार को भाजपा के क्षेत्र अध्यक्ष प्रकाश पाल ने क्षेत्रीय पदाधिकारियों एवं आईटी सोशल मीडिया के संयोजकों की बैठक में दी। बैठक में तय किया गया कि इस वालंटियर मीट को साइबर योद्धा सम्मेलन का नाम दिया जाएगा, जिसमें प्रत्येक लोकसभा से एक हजार सोशल मीडिया, आईटी कार्यकर्ता एवं इनफ्लुएंसरों को सूचीबद्ध करके बुलाया जाएगा।

प्रकाश पाल ने बताया कि तीन अप्रैल को सोशल मीडिया के कार्यकर्ता कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी 20845 बूथों पर साइबर योद्धा तैनात करते हुए बूथ समिति से लेकर पन्ना प्रमुखों तक एक व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ेंगे। यह सभी साइबर योद्धा इंडी गठबंधन के भ्रष्टाचारी नेताओं द्वारा लगातार देश की जनता के सामने जो झूठ परोसा जा रहा हैं, उसके एक-एक बिंदु का पर्दाफाश करते हुए बूथ स्तर तक हर साजिश को बेनकाब करेंगे। छह अप्रैल को भाजपा का स्थापना दिवस प्रत्येक बूथ पर मनाया जाएगा। इस दौरान भाजपा का ध्वज लगाते हुए बूथ पर जनसंपर्क करके कार्यकर्ता आमजन से संपर्क संवाद स्थापित करेंगे।

क्षेत्र के मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने बताया कि साइबर योद्धा सम्मेलन फतेहपुर लोकसभा में एक अप्रैल, हमीरपुर और अकबरपुर में दो अप्रैल, बांदा, झांसी और कन्नौज में चार अप्रैल, इटावा व जालौन में पांच अप्रैल इसी तरह फर्रुखाबाद में सात अप्रैल और कानपुर लोकसभा क्षेत्र में आठ अप्रैल को आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। बैठक में पूनम द्विवेदी, अनीता गुप्ता, पवन प्रताप सिंह, सुनील तिवारी, सोशल मीडिया के क्षेत्रीय सह संयोजक हर्ष द्विवेदी, आईटी संयोजक मयंक भट्ट, अनिल दिक्षित, प्रमोद अग्रहरी बॉर्डर, पवन पांडे सहित क्षेत्र के मॉनिटरिंग टीम के सदस्य रहे।

दोनों वामपंथी दलों से जल्द होगी बातचीत

कानपुर। शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी ने बताया कि इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों से समन्वय बनाकर रखा जा रहा है। भाकपा नेताओं के साथ अब तक बैठक नहीं हो पायी है। उनके साथ कांग्रेस नेता एक-दो दिन में भाकपा के नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे। माकपा के प्रताप साहनी से बात हुई थी।

गठबंधन प्रत्याशी को जिताने को लेकर चर्चा हुई है, जल्दी ही बात आगे बढ़ेगी। पूर्व सांसद सुभाषिनी अली से प्रत्याशी आलोक मिश्रा मिलेंगे। प्रताप साहनी ने बताया कि व्हाट्सएप पर बात हुई है। नामांकन की तैयारी में सभी दलों के झंडे लगाना तय हुआ है।

आलोक चौतरफा वोटों की घेरेबंदी में जुटे

कानपुर। कानपुर लोकसभा सीट पर सपा-कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी आलोक मिश्रा लगातार गर्मजोशी के साथ लोगों से मेल मिलाप में जुटे है। वह सुबह से घर से निकलकर लोगों से संपर्क साधने का काम कर रहे हैं। गुरुवार को आलोक मिश्रा समर्थकों के साथ मिक्की हाउस के पास, पीरोड, गुमटी, चमनगंज, उस्मानपुर समेत आधा दर्जन से ज्यादा क्षेत्रों में लोगों से मिलने पहुंचे। इस दौरान लोगों ने माला पहनाकर उनका जगह-जगह स्वागत किया। समर्थकों ने चुनाव का माहौल बनाया। उनके मुताबिक वह जहां भी जा रहे हैं, लोगों का आशीर्वाद मिल रहा है। जन संपर्क में राहुल सचान, शहर कांग्रेस सचिव नीरज तिवारी, पूर्व पार्षद राजेश कठेरिया, भानू प्रताप सिंह आदि शामिल रहे।

जनसंपर्क करते कांग्रेस के प्रत्याशी आलोक मिश्रा। अमृत विचार

कब जागेंगे जिम्मेदार | नगर निगम इन्क्लेव आवासीय योजना एसोसिएशन ने लिया चुनाव के बहिष्कार का फैसला

21 साल से हाल बदहाल, नहीं करेंगे लोकसभा चुनाव में मतदान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

मुख्य मार्ग पर मतदान बहिष्कार का टंगा बैनर। अमृत विचार

- ग्रीन बेल्ट पर कब्जे, कई आवंटियों की रजिस्ट्री नहीं हुई तो अनेक को नहीं मिला अभी तक कब्जा
- योजना के चारों तरफ और मुख्य मार्ग पर मतदान का बहिष्कार करने के पोस्टर और बैनर टांगे गए

अमृत विचार। नगर निगम इन्क्लेव आवासीय योजना कल्याणपुर में ग्रीन बेल्ट पर अवैध कब्जे, रजिस्ट्री न होने व भवनों के आवंटन के 21 साल बाद भी कब्जा न मिलने के विरोध में क्षेत्रीय लोगों ने लोकसभा चुनाव में मतदान का बहिष्कार करने का फैसला लिया है। तमाम शिकायतों के बाद भी नगर निगम की ओर से कब्जा दिलाने की कोई कार्यवाही न होने से नाराज लोगों ने कहा है कि जब तक समस्या दूर नहीं की जाएगी मतदान नहीं किया जाएगा। अपने फैसले के समर्थन में एसोसिएशन के लोगों ने योजना के चारों तरफ और मुख्य मार्ग पर मतदान बहिष्कार के पोस्टर और बैनर लगा दिए हैं।

नगर निगम के संपत्ति विभाग में दर्ज आंकड़ों के मुताबिक यहां 1.618 हेक्टेअर जमीन पर कब्जा है। आवासीय योजना के ले-आउट में ग्रीन एरिया ही दर्ज है। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक पहले भी कब्जा हटाने को लेकर प्रयास किए गए, लेकिन अराजक तत्वों के विरोध के आगे नगर निगम को बैकफुट पर आना पड़ा। स्थानीय लोगों ने मामले में एक हफ्ते पहले डीएम से मिलकर शिकायत की थी। जिसके बाद डीएम राकेश सिंह ने तहसीलदार और नगर निगम की टीम को मौके पर भेजा था।

योजना में रहते हैं करीब 500 लोग: नगर निगम इन्क्लेव आवासीय योजना एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन कुमार सिन्हा, एसके दीक्षित, राम शंकर, अमित यादव, बीआर पाल, राकेश वर्मा, गौरव यादव ने बताया कि अकबरपुर लोकसभा के अंतर्गत आने वाली कल्याणपुर विधानसभा में यह आवासीय योजना बनाई गई थी। इसमें करीब 500 से ज्यादा लोग रहते हैं। यहां रहने वाले सभी लोगों ने मतदान के बहिष्कार को समर्थन दिया है। जब तक समस्या का समाधान नहीं किया जाएगा यहां के लोग मतदान नहीं करेंगे।

"नगर निगम एंक्लेव आवासीय योजना 2003 में बसाई गई थी। 2013 में केडीए से ले-आउट पास हुआ। 2017-18 में रजिस्ट्री शुरू हो पाई लेकिन अभी भी दो लोगों की रजिस्ट्री नहीं हुई है। जिनकी रजिस्ट्री हुई उनमें से कई लोगों को कब्जा नहीं मिला है।

– संजीव मिश्रा, महामंत्री

"मूल आवंटी ने पैसा जमा कर दिया है, उनको भी कब्जा नहीं मिला है। ग्रीन बेल्ट में अराजक तत्व प्लाटिंग कर रहे हैं। पार्क उजाड़ पड़ा है। आवंटी सीवेज की समस्या और मार्ग प्रकाश की व्यवस्था से परेशान हैं।

– अमित यादव, आवंटी

"अराजक तत्व यहां एकत्र होते हैं। जिससे महिलाओं का निकलना तक दूभर रहता है। जाने कितनी बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई ध्यान नहीं देता है। कुछ दिन पहले अधिकारी आये थे नाप-जोख कर ले गये हैं।

मनीष निगम
आवंटी

शिक्षण संस्थान के पास नहीं होगा कार्यालय

कानपुर। चुनाव के दौरान एवं विभिन्न प्रत्याशियो एवं राजनीतिक दलो द्वारा खोले जाने वाले पार्टी कार्यालय को किसी सरकारी या निजी संपत्ति पर कब्जा करके नहीं खोला जाएगा। किसी धार्मिक स्थान अथवा उसके परिसर में नहीं खोला जाएगा। शैक्षणिक संस्थान व अस्पताल से सटा हुआ नहीं खोला जाएगा तथा वर्तमान में नियत किसी पोलिंग बूथ की 200 मीटर की परिधि में कार्यालय नहीं खोला जाएगा।

एक नजर

ढाई किलो गांजा के साथ दो लोग गिरफ्तार किए गए

बिधनू। बिधनू-किसान नगर रोड पर बुधवार रात चेकिंग के दौरान पुलिस ने ढाई किलो गांजा के साथ दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी प्रेम चन्द्र कनौजिया ने बताया कि चेकिंग के दौरान किसान नगर की ओर से पैदल आ रहे दो युवक पुलिस को देख लौटने लगे। पुलिस ने शक के आधार पर दौड़ाकर दोनों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान दोनों के पास से झोले में ढाई किलो गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में एक ने हरबसपुर निवासी शनि बताया तो दूसरे ने फतेहपुर जिले के बकेवर क्षेत्र के बेता का निवासी शोभित बताया। दोनों को गुरुवार को जेल भेज दिया गया।

हरे पेड़ काटकर बेचने का आरोप, पुलिस को तहरीर

बिधनू। हरदौली गांव निवासी किसान रामबाबू अवस्थी ने गुरुवार को गांव के चार लोगों पर हरे पेड़ काटकर बेचने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से शिकायत की है। आरोप है कि वह परिवार समेत पांच दिनों के लिए रिश्तेदार के घर गए थे। इस दौरान गांव के चार लोगों ने उनकी जमीन पर खड़े एक दर्जन हरे पेड़ों को कटवाकर लकड़ी बेच डाली। घर लौटने पर उन्होंने आरोपितों का विरोध किया तो सभी ने जान से मारने की धमकी दी।

एक तरफ मौत का गम दूसरी तरफ बच्ची से रेप

घाटमपुर थाना क्षेत्र में हुई वारदात, आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार: घाटमपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक मेहमतकश परिवार बेटे की मौत के गम में डूबा था, जिसका फायदा उठाकर एक सिरफिरे ने बच्ची के साथ दुराचार किया। बच्ची की आपबीती सुनकर परिवार टूट गया। हालांकि महिला ने हिम्मत दिखाई और बच्ची को लेकर थाने पहुंची। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

घाटमपुर क्षेत्र की रहने वाली महिला का पति और बेटा गुजरात के राजकोट में एक निजी कम्पनी में काम करते थे। महिला अपनी छह साल की बेटी के साथ गांव में रहती है। महिला के अनुसार पिछले मंगलवार को उसके बेटे का राजकोट में समुद्र तट के पास शव

पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी।

मिला। बेटे की मौत की खबर से वह गम और सदमें में डूबी थी। इधर, पड़ोस में रहने वाले एक युवक उसकी बेटी को टॉफी दिलाने का लालच देकर खाली प्लाट में ले गया और उसके साथ दुराचार किया।

करीब एक घंटे बाद आरोपी ही बेटी को लेकर घर पहुंचा। उसे इस बात का कतई भरोसा नहीं था कि बच्ची सब कुछ बता देगी। डरी-सहमी बच्ची ने अपने साथ हुई हैवानियत की पूरी बात अपनी मां को बता दी। वाक्या सुनकर मां के पैरों तले जमीन खिसक गई। वह बच्ची को लेकर घाटमपुर थाने पहुंची और पुलिस को तहरीर देकर पूरी घटना बताई।

वारदात सुनकर पुलिस के भी कान खड़े हो गए। पुलिस ने बच्ची को फौरन मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेजने के साथ ही गांव में दबिश देकर दुराचार के आरोपी युवक को भागने से पहले ही धर दबोचा और मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। रेप की घटना को लेकर थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। आरोपी को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

सेवानिवृत्त शिक्षक को दी गई विदाई

घाटमपुर। पतारा के प्राथमिक विद्यालय प्रथम के बच्चों व साथी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त शिक्षक को विदाई दी। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। प्रधानाध्यापक अरिमर्दन सिंह को फूल मालाएं पहनाकर विदाई दी गई।

प्रधानाध्यापक अरिमर्दन सिंह के सेवानिवृत्त होने पर कार्यक्रम हुआ। अरिमर्दन सिंह ने 20 वर्षों से अधिक की सेवा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। आशा है कि साथी शिक्षक भी अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। इस दौरान साथी शिक्षकों की आंखें नम हो गई। खंड शिक्षा अधिकारी सत्य प्रकाश ने कहा कि शिक्षक अरिमर्दन सिंह की सेवाएं हमेशा याद रहेगी और उनकी शानदार सेवाएं हमेशा याद आती रहेगी। इस मौके पर शिक्षक अरिमर्दन सिंह ने आए हुए सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर खण्ड शिक्षा अधिकारी सत्य प्रकाश, मुख्य लेखाकार पंकज सक्सेना, डायट मेंटर, एआरपी, विद्यालय स्टाफ, बच्चे एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

विधायक ने पीड़ितों का बांटा दर्द

संवाददाता, घाटमपुर

मुआवजे की मांग

- कुंवरपुर गांव पहुंचकर छात्रों के परिवारीजनों से मिलीं
- गांव वालों ने पुलिस की ओर से दर्ज केस वापस लेने की मांग की

अमृत विचार: पतारा में दर्दनाक सड़क हादसे में राजकीय पॉलीटेक्निक के तीन छात्रों की मौत के बाद गुरुवार को विधायक सरोज कुरील ने कुंवरपुर गांव पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मिलीं और परिवारों को हर संभव मदद दिलाने का भरोसा दिया। इस दौरान छात्र दीपक की मां विधायक से लिपटकर रोने लगीं और मुआवजा दिलाने की मांग रखी।

राजकीय पॉलीटेक्निक छात्रों की मौत के बाद पतारा में कानपुर-सागर हाईवे पर जाम लगाकर मुआवजा और बस चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी, लेकिन पुलिस ने सड़क जाम को लेकर 20 लोगों के खिलाफ नामजद और 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया है। इसको लेकर ग्रामीणों में गुस्सा है। गुरुवार को जब विधायक सरोज कुरील गांव पहुंचीं तो पीड़ित परिवारों ने मुकदमा वापस लेने के साथ मुआवजा दिलाए जाने की मांग रखी। ग्रामीणों ने कहा कि हादसे में तीन छात्रों की मौत हो गई, जिससे तीन परिवारों की खुशियां

पीड़ित परिवार से मिलने कुंवरपुर गांव पहुंचीं विधायक सरोज कुरील। अमृत विचार

छिन गईं। पुलिस ने बस ड्राइवर को पकड़ने के बजाय केस कर दिया।

इस दौरान विधायक सरोज कुरील ने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। उनके साथ विधायक प्रतिनिधि मनीष तिवारी, जिला पंचायत के पूर्व सदस्य तन्मय तिवारी, पूर्व प्रधान टुनटुन पांडेय, राजवीर सैनी, अंकुर मिश्रा, मनोज भदौरिया आदि मौजूद रहे।

इसके बाद विधायक ने मार्ग दुर्घटना का शिकार हुए सिपाही अनुराग सिंह यादव के घर रेउना पहुंचकर परिवार से मिलीं और शोक संवेदना व्यक्त की। विधायक ने सपा नेता विजय सचान के गांव गिरसी पहुंचकर दिवंगत मां के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोक संवेदना व्यक्त की।

तालाब में गिरी वृद्धा गांव वालों ने बचाया

संवाददाता, सरसौल

- कुत्तों के एकबारगी दौड़ाने पर भागी थी बुजुर्ग महिला

अमृत विचार: महाराजपुर थाना क्षेत्र के महोली गांव में बुधवार की रात एक 75 वर्षीय महिला तालाब में गिर गई। गनीमत रही कि गिरते समय ग्रामीणों ने देख लिया और बाहर निकाल कर उसकी जान बचा ली। बुजुर्ग महिला को कांशीराम ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज चल रहा है।

बताते हैं कि महोली गांव की रहने वाली फूलमती देवी का अपने घर में बहू और बेटे से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद वह नाराज होकर घर छोड़कर निकल गई। वह गांव के बाहर मंदिर के पास पहुंची थी, तभी कुत्तों ने उसे दौड़ा लिया। कुत्तों से बचने के लिए वह तालाब की ओर भागी और उसमें जा गिरी। आवाज सुनकर कुछ ग्रामीणों ने तालाब के पास जाकर देखा तो महिला औंधे मुंह पड़ी थी। जैसे-तैसे लोगों ने बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची महाराजपुर पुलिस ने आधी रात ही महिला को इलाज के लिए सरसौल सीएचसी भिजवाया, जहां से उसे कांशीराम ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई है। एसीपी चकेरी दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि पहले महिला को कार सवारों द्वारा तालाब में फेंके जाने की सूचना मिली थी, लेकिन महिला ने होश आने के बाद बताया कि वह घर से निकली थी, तभी कुत्तों ने दौड़ा लिया, जिसकी वजह से वह तालाब में गिर गई। मामले की जांच की जा रही है।

माफिया ने खोद डाली जमीन

संवाददाता, भीतरगांव

अनदेखी

- साढ़ थाना क्षेत्र के उदईपुर गुगरा गांव का मामला
- लगभग चार सौ ट्रॉली मिट्टी की खोदाई कर बेच डाली

अमृत विचार: साढ़ थाना क्षेत्र के भीतरगांव चौकी के उदईपुर गुगरा गांव में एक महीने से हरीपुर गांव के नाले के किनारे ग्राम समाज की जमीन पर अवैध खनन चल रहा है। लगातार चल रहे इस अवैध खनन से भीतरगांव पुलिस चौकी और साढ़ थाने की पुलिस जानकर भी अंजान बनी बैठी है।

साढ़ थाना क्षेत्र के हरीपुर गांव के बाहर नाले के किनारे ग्राम समाज की भूमि पर आठ ट्रैक्टर लगाकर खनन माफिया लगातार बलुई मिट्टी का खनन कर आसपास के भट्ठा मालिको को बेच रहा है। खनन माफिया की पुलिस में अच्छी पैठ है, जिससे उसके हौसले बुलंद हैं।

ग्रामीणों के अनुसार हरीपुर गांव में नाले के पास सुबह से ही खनन शुरू हो जाता है, जो दिन-रात चलता है। ग्राम समाज की जमीन को खोद कर माफिया ने तालाब बना

उदईपुर गुगरा गांव में माफिया ने मिट्टी खोद तालाब बना दिया। अमृत विचार

दिया है। ग्राम समाज की जमीन की बलुई मिट्टी भट्ठा मालिकों को बेच कर मोटी रकम कमाई जा रही है। यह काम दिन-रात चल रहा है, मगर इसकी तरफ ध्यान देने वाला कोई नहीं है। पुलिस खनन विभाग पर जिम्मेदारी डाल रही है। इस संबंध में जिला खनन अधिकारी से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन बात नहीं हो सकी।

त्योहारी मांगने गए युवक को पीटा

घाटमपुर। रेउना थाना क्षेत्र के घुघुवा गांव में ढोल बजाकर त्योहारी मांग रहे वाल्मिकी को नशेड़ियों ने लात-घूसों से पीटा और जेब में पड़े रुपये छीन लिया। पीड़ित ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

घुघुआ निवासी राकेश वाल्मीकि ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 25 मार्च की शाम करीब पांच बजे वह घर-घर ढोल बजाकर त्योहारी मांग रहा था, तभी गांव के ही दुर्रा कुशवाहा, उसके छोटा भाई बेनी कुशवाहा और राजकुमार नशे में धुत होकर आए गाली देते हुए लात-घूसों से पीटने लगे। इस दौरान त्योहारी मांगने में एकत्र हुए रुपये भी निकाल लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के परजा के साथ मारपीट करना गलत है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

कुत्ते ने बच्ची को नोचा गांव वालों ने मार डाला

संवाददाता, बिधनू

- घायल बच्ची को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया

अमृत विचार: विकास खंड क्षेत्र में आवारा कुत्तों और सांड़ों का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को भारतपुर गांव में दरवाजे के बाहर खेल रही बच्ची को कुत्ते ने नोच कर घायल कर दिया। नाराज ग्रामीणों ने कुत्ते को पीट-पीटकर मार डाला। बच्ची को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, गुरुवार को सीएचसी में 112 लोगों को एंटी रैबीज के टीके लगाए गए।

भारतपुर निवासी मानसिंह की 11 वर्षीय बेटी दीपिका दरवाजे के बाहर खेल रही थी, तभी एक आवारा कुत्ते ने बच्ची पर हमला कर दिया। कुत्ते ने बच्ची के चेहरे, हाथ व पैर में कई जगह नोचकर घाव कर दिए। आक्रोशित परिजनों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर कुत्ते को पीट-पीट कर मार डाला। इसके बाद घायल बच्ची एलएलआर (हैलट) अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया।

एक सप्ताह में 120 लोगों को कुत्तों ने शिकार बनाया है। गुरुवार को 120 लोग वैक्सीन लगवाने सीएचसी पहुंचे, जहां वैक्सीन खत्म होने की वजह से 112 लोगों को ही टीका लग सका। आठ लोगों को बिना टीका लौटना पड़ा। चीफ फार्मेसिस्ट जेपी प्रजापति ने बताया कि अधिकारियों को वैक्सीन खत्म होने की जानकारी दे दी गई है। 12 दिसंबर को तत्कालीन डीएम विशाख जी अय्यर ने नगर निगम की टीम भेजकर कुत्तों को पकड़ने का जिम्मा सौंपा था।

ट्रक चोरी, घटना कैमरे में कैद

संवाददाता, घाटमपुर

तहरीर दी

- फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में जुटी पुलिस
- होली की छुट्टी में दुकान के बाहर खड़ा कराया था ट्रक

अमृत विचार: सजेती थाना क्षेत्र के अनूपुर मोड़ पर बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान के बाहर खड़ा ट्रक चोरी हो गया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ट्रक और चोरों तक पहुंचने के प्रयास में जुट गई है। फिलहाल ट्रक और चोरों का कोई सुराग नहीं लगा है। ट्रक मालिक ने सजेती थाने में ट्रक चोरी की तहरीर दी है।

हमीरपुर जनपद के रमेड़ी निवासी अवध किशोर अवस्थी ने गुरुवार की दोपहर सजेती थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी सजेती थाना क्षेत्र के अनूपुर गांव के पास स्टेशन रोड पर बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान है। उन्होंने बताया कि होली के त्योहार पर उन्होंने अपना ट्रक दुकान के बाहर खड़ा करा दिया था। गुरुवार को अनूपुर निवासी ट्रक का ड्राइवर हरि नारायण ट्रक निकालने के लिए दुकान पहुंचा तो ट्रक गायब था। इसकी सूचना उसने फोन पर दी।

ट्रक चोरी की यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में साफ दिख रहा है कि दो युवक दुकान के बाहर बैठे इधर-उधर कुछ करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान सड़क से कोई गुजरता है तो दोनों युवक ट्रक और खंभे में छिप जाते हैं। उन्होंने पुलिस को दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज उपलब्ध कराए हैं।

थाना प्रभारी ब्रजमोहन ने कहा कि घटना की जांच-पड़ताल की जा रही है। सीसीटीवी कैमरे में कैद युवकों की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही घटना का खुलासा होगा।

कार से 10 बकरा चोरी कर ले गए चोर

घाटमपुर। रेउना क्षेत्र के गिरसी निवासी अरविंद कुमार सोनकर ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 21 मार्च की रात तीन बजे अज्ञात बोलेरो गाड़ी सवार लोग दरवाजे पर आए और 10 बकरा चोरी कर बोलेरो गाड़ी में लाद ले गए। पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद हो गई। अरविंद ने बताया की घटना वाले दिन से वह थाने के चक्कर काट रहा है, लेकिन पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। पुलिस की लापरवाही से ही चोरों के हौसले बुलंद हैं।

मारपीट के आरोप में चार के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बिल्हौर। ककवन थाना क्षेत्र के रहीमपुर विषधन गांव में मारपीट करने वाले चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है।

रहीमपुर विषधन गांव निवासी आदेश कुमार ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि गांव के चुन्ना, सूरज राम सिंह, विनोद आए दिन गालीगलौज करते हैं और घर आकर मारपीट भी करते हैं। इसके साथ ही जान से मारने की धमकी देते हैं। कई बार थाने में शिकायत की गई, लेकिन कभी ठोस कार्रवाई नहीं हुई। दो दिन पहले फिर चारों आरोपी घर में घुसकर मारपीट करने लगे और घायल कर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रेलवे कर्मचारियों से मारपीट में रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, बिल्हौर

कार्रवाई

- सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों को पकड़ने का प्रयास
- टिकट क्लर्क की तहरीर पर लिखी गई एफआईआर

अमृत विचार: रेलवे स्टेशन पर गुरुवार की देर रात यात्रियों और स्टेशन कर्मचारियों के बीच हुई मारपीट के मामले में कन्नौज जीआरपी पुलिस ने टिकट क्लर्क जितेंद्र कुमार की तहरीर पर लगभग एक दर्जन लोगों के विरुद्ध मारपीट, सरकारी कार्य में बाधा डालने और सार्वजनिक स्थान पर उत्पात मचाने की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

थाना प्रभारी ने बताया कि क्लर्क की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार क्षेत्र में टीमें भेजी जा रही हैं। गुरुवार रात रेलवे स्टेशन पर यात्रियों ने स्टेशन मास्टर और क्लर्क के साथ मारपीट करने के बाद आरोपी भाग निकले। अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद जीआरपी अब सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की मदद से आरोपियों की गिरफ्तारी करने का प्रयास कर रही है। पुलिस का कहना है कि संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। तहसील के रेलवे स्टेशनों पर अक्सर ही झगड़ालू प्रवृत्ति के लोगों का जमावड़ा रहता है। इसमें बिल्हौर रेलवे स्टेशन प्रमुख है, जहां पर देर शाम युवा शराब के नशे में यात्रियों के साथ स्टेशन कर्मचारियों से भी अभद्रता करते हैं।

सार-संक्षेप

मारपीट और पथराव में गिरफ्तार किए गए लोग। अमृत विचार

शादी में विवाद के बाद मारपीट और पथराव, सात गिरफ्तार

बिल्हौर। कोतवाली क्षेत्र के खजुरी के कंजर डेरा में बुधवार की रात शादी कार्यक्रम के दौरान आपस में विवाद होने लगा। दोनों पक्षों ने पथराव शुरू कर दिया। कुछ लोगों ने समझा-बुझाकर दोनों पक्षों को शांत कराया, लेकिन सुबह होते-होते दोनों पक्षों के बीच फिर विवाद शुरू हो गया। विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस के सामने ही दोनों पक्षों में पथराव होने लगा। झगड़ा कर रहे लोगों को पकड़ने के लिए पुलिस आगे बढ़ी तो महिलाओं ने पुलिस टीम को घेर लिया। पुलिस ने विवाद कर रहे मोहित, सागर, आसिफ, सचिन, अरुण, विपिन व रामू को पकड़कर थाने ले आई और शांति भंग के आरोप में चालान भेज दिया।

रामचरित मानस प्रवचन एवं संत सम्मेलन कल से

शिवराजपुर। काकूपुर रब्बन गांव में शनिवार 30 मार्च से बुधवार तीन अप्रैल तक 18वां श्री रामचरित मानस प्रवचन एवं संत सम्मेलन शुरू होगा। राम कथा में जबलपुर के नरसिंहपुर की उमा तिवारी, झांसी के संतोष शर्मा, जालौन के रामबिहारी तिवारी और बलिया के अरविंद शास्त्री सुबह 10 बजे से शाम छह बजे और रात्रि में आठ बजे से 11 बजे तक राम कथा सुनाएंगे। प्रमुख आयोजक बिंदू वाजपेई ने बताया कि यह कार्यक्रम सभी ग्रामवासियों एवं क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों के सहयोग से संपन्न होगा। रामचरित मानस और संत सम्मेलन को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप देने का काम चल रहा है। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटाने के लिए प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। कार्यक्रम स्थल पर पांडाल लगाया जा रहा है।

मारपीट और पथराव में गिरफ्तार किए गए लोग। अमृत विचार

पुलिस ने छापा मारकर तीन जुआरी पकड़े

बिल्हौर। कोतवाली पुलिस ने गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर एक कोल्ड स्टोर के निकट खंडहर में छापा मारा। पुलिस की छापेमारी होते ही भगदड़ मच गई। पुलिस खंडहर की घेराबंदी कर वहां जुआ खेल रहे तीन जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक छापेमारी में बीबीपुर गांव के रहने वाले सुरेंद्र कटियार और जितेंद्र कटियार के साथ सुभानपुर गांव के रहने वाले असलम को जुआ खेलते हुए पकड़ा गया है। पुलिस को आते देखकर तीन-चार लोग मौके से भाग निकले। छापेमारी के दौरान मौके से भागे जुआरियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस गांव में दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा।

ईश्वर पर कभी संदेह न करें: सौरभ जी महाराज

संवाददाता, बिधनू

अमृत विचार: ईश्वर पर किसी को संदेह नहीं करना चाहिए और न ही ईश्वर की परीक्षा लेनी चाहिए। अच्छे कर्म करते रहें और ईश्वर की ओर से दिए जाने वाले फल की प्रतीक्षा करें। यह बातें गुरुवार को क्षेत्र के जामू गांव में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दौरान आचार्य सौरभ जी महाराज ने कहीं। इस दौरान उन्होंने रुक्मणी व श्री कृष्ण विवाह का रोचक प्रसंग सुना कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।

श्रीमद् भागवत कथा में आचार्य सौरभ जी महाराज ने कहा कि जिसने भगवान की परीक्षा लेने का प्रयास किया, उसे नुकसान ही पहुंचा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र और समाज के लिए हित में यदि छोटा भी बनना पड़े, तो संकोच नहीं करना चाहिए।

कथा सुनाते आचार्य सौरभ।

प्रभु श्री राम के भक्त हनुमान जी से हमें यह शिक्षा लेनी चाहिए। इस दौरान आचार्य ने द्रोपदी के चीर हरण की कथा के बाद प्रतिदिन शाम को वृन्दावन के कलाकारों की तबला और हारमोनियम की संगत पर भागवत जी की आरती उतारी गई। कार्यक्रम में आयोजक पुत्तन त्रिवेदी, राजू त्रिवेदी, चन्दन त्रिवेदी, शुभम त्रिवेदी, पप्पू मिश्रा, राजीव मिश्रा, संदीप शुक्ला, ग्राम प्रधान सेन पश्चिम पारा काजल किरन के साथ श्रद्धालु मौजूद रहे।

लापरवाही बिधनू विकास खंड क्षेत्र के दर्जनों गांवों में आज भी नहीं हुआ पूर्ण विद्युतीकरण

बांस-बल्लियों के सहारे दौड़ रही बिजली

संवाददाता, बिधनू

अमृत विचार: बिजली विभाग की उदासीनता के चलते बिधनू ब्लाक के तमाम गांवों में आज भी बांस-बल्ली के सहारे बिजली आपूर्ति हो रही है। सालों से ग्रामीण उपभोक्ता बांस- बल्लियां गाड़कर उनके सहारे बिजली के तार घरों तक ले जाने को मजबूर हैं। जर्जर बांस बल्लियां कब धराशायी हो जाएं कोई नहीं जानता। एक तरफ तेज हवा चलते ही फाल्ट होने से घरों की बिजली गुल हो जाती है, वहीं तारों के मकड़जाल से राहगीरों को खतरा बना रहता है।

बिधनू स्थित दक्षिणांचल विद्युत वितरण उपकेंद्र से 150 गांवों को बिजली आपूर्ति की जा रही है। जिनमें जामू नई बस्ती, कुटिया रामपुर, देवसड़ नई बस्ती, कठेरुआ कालोनी, माधवपुरवा, हृदयपुर

बांस-बल्लियों के सहारे झूलते तार राहगीरों के लिए खतरा बने हैं। अमृत विचार

समेत दर्जनों गांवों में विद्युतीकरण नहीं हो सका। ग्रामीण उपभोक्ता कनेक्शन लेने के बाद काफी दूर से बांस बल्ली लगाकर उनके सहारे घरों तक तार लाने को मजबूर हैं। काफी समय पहले ग्रामीणों द्वारा लगाए गए बांस बल्ली सड़ चुके हैं, जो कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। इनपर बिछे हुए तार काफी नीचे आ चुके हैं जिससे राहगीरों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है। अक्सर तारों के उलझे होने की वजह से लोकल फाल्ट होने से आपूर्ति बाधित होती रहती है। जब भी तेज हवा चलती है, आसपास के लोगों को फाल्ट होने की चिंता सताने लगती है। वहीं रहागीरों के सिर पर खतरा मंडराता रहता है। आज भी विभाग इन्हीं जर्जर बांस-बल्ली के सहारे आपूर्ति कर रहा है। उपभोक्ताओं से नियत समय पर बिल की वसूली के लिए विभाग अभियान तो चलाता है, लेकिन लोगों की समस्याएं निस्तारित करने में कोई दिलचस्पी नहीं ले रहा है। इतना ही नहीं कई बार लोगों ने विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग भी की, लेकिन विभाग ने एक न सुनी। उपभोक्ता सत्य नारायण त्रिवेदी, ज्ञान प्रकाश, किशन लाल पासवान, मुन्नी देवी , महेश सोनकर, संजू पासवान, दिलीप पासवान समेत दर्जनों उपभोक्ताओं ने विभाग के अधिकारियों से विद्युतीकरण कराने की मांग की गई, लेकिन किसीने ध्यान नहीं दिया। यह समस्या कई दशकों से बनी है, फिर भी विभागीय अधिकारी इससे अंजान बने हुए हैं।

आग से राख हुईं अपनी दुकानें देख दुकानदारों के निकले आंसू

नौनिहालगंज में हुआ था हादसा, तहसील की टीम ने किया नुकसान का आकलन

अमृत विचार फॉलोअप

संवाददाता बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार। बांगरमऊ नगर के नौनिहालगंज कपड़ा बाजार स्थित फुलवाड़िया मैदान में लगी दुकानों में बीती बुधवार रात लगी आग से कई दुकानों में रखा कपड़ा, रेडीमेड गारमेण्ट, सिलाई मशीन, फुट वियर सहित लाखों का सामान जलकर खाक हो गया था। बांगरमऊ सहित अन्य स्थानों से पहुंचे दमकल कर्मियों देररात आग पर काबू पाया था। ईद और सहालग को देखते हुए दुकानदारों ने दुकानों में जमा पूंजी लगा कर माल भरा था। आग ने सब तहस-नहस कर दिया। जिसे देख सभी की आंखों में आंसू थे। तहसीलदार के निर्देश पर हल्का लेखपाल ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आंकलन किया और रिपोर्ट तहसील प्रशासन को भेजी है।

बता दें कि बीती बुधवार रात करीब 10 बजे फुलवाड़िया मैदान स्थित राजू टेलर पुत्र अजीज की दुकान में लगी आग कुछ ही देर में इतनी भड़क गई कि उसने उसी कतार में स्थित सादिकुल की सिलाई, मो. कलीम की कपड़े, नूर आलम की कास्मेटिक, महेश सिलाई, इमरान रेडीमेड गारमेण्ट व रिजवान की फुटवियर की दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी विकराल थी कि गुमटियों के चारों ओर लगी लोहे की टिन तक खाक हो गई थी। रेडीमेड गारमेण्ट दुकान के मालिक इमरान ने बताया कि सहालग के चलते उन्होंने दुकान में करीब 10 से 12 लाख का माल भरा था। आग से उसकी रोजी-रोटी जलकर स्वाहा हो गई। रिजवान के अनुसार रमजान माह में बिक्री देख उसने अभी एक पखवारा पहले कानपुर से करीब 5 लाख के नई डिजाइन के जूते-चप्पलों का स्टाक किया था। किंतु आग ने उसके पूरा धंधा बरबाद कर दिया। महेश ने भी अपनी दुकान में करीब 5 लाख का रेडीमेड गारमेण्ट का माल भरा था। इसी तरह सादिकुल व रिजवान की टेलरिंग की दुकानों में भी करीब 1 लाख से भी अधिक के ग्राहकों के सिले हुए कपड़े रखे थे। कपड़ों के साथ आधा दर्जन सिलाई व इंटरलॉकिंग मशीनें राख हो गईं। सभी दुकानों में रखा करीब 30 लाख का माल जल गया है।

आग लगने के बाद जली दुकान, मौके पर मौजूद भीड़। अमृत विचार

नगर पालिका से पहुंचे टैंकरों से मिली राहत

बांगरमऊ। बाजार में आग लगने की सूचना पर पालिका चेयरमैन रामजी गुप्ता ने रात में ही आग पर काबू पाने के लिए पालिका के पानी भरे टैंकर मौके पर मंगाए थे। जो आग बुझाने में काफी मददगार साबित हुए। इसके अलावा नगर उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष रविकांत गुप्ता भी आग की सूचना पर मौके पर पहुंचे और अन्य दुकानदारों को बुलाकर आग बुझाने में सहयोग किया। एसडीएम नम्रता सिंह भी राजस्व कर्मियों व एसएचओ राजकुमार भी फोर्स के साथ देर रात तक डटे रहे।

बचीं एक सैकड़ा दुकानें

बांगरमऊ। आग की सूचना पर बांगरमऊ से दमकल की गाड़ियां भी पहुंची और आग का विकराल रूप देख हसनगंज व सदर के फायर स्टेशन से भी दमकल गाड़ियों को भेजा गया। सक्रियता के चलते बाजार की करीब एक सैकड़ा दुकानें जलने से बच गईं।

> राजस्व कर्मियों की टीम भेजकर आग से नुकसान का आकलन करवाया गया है और अहेतुक सहायता हेतु रिपोर्ट शासन को भेजी गई है। सभी दुकान व प्रतिष्ठान मालिकों से दुकान में ताला डालने के पूर्व विद्युत आपूर्ति हर हाल में बंद करके जाएं।
>
> –नम्रता सिंह, एसडीएम

चोरों ने भी किया हाथ साफ

बांगरमऊ। फुलवड़िया बाजार अग्निकांड से दुकानदार इतना अधिक डर गए कि वे दुकानों से फटाफट सामान निकालने में जुट गए। इसी बीच आपदा में अवसर तलासते हुए चोर भी वहां पहुंच गए। मनोज, अशफाक, विपिन, रामबाबू व कल्लू आदि दुकानदारों ने बताया कि वे दुकानों से माल निकालकर दूर रखते जा रहे थे। इसी बीच चोर कपड़े के बंडल, रेडीमेड गारमेण्ट के गत्ते व सिले हुए कपड़े चोरी कर भाग गए।

दुकानदारों से वसूली का वीडियो वायरल

नवाबगंज। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के राजाबाग के परेंदा गांव स्थित सब्जी बाजार का एक वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें पुलिस पर दुकानदारों से वसूली का आरोप लगाया जा रहा है। किसी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है। वीडियों में कुछ लोग पुलिस कर्मियों पर पैसा न देने पर एक युवक को पकड़कर अपने साथ ले जाने का आरोप लगा रहे हैं। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी अवनीश सिंह ने बताया कि होली पर्व व आचार संहिता लागू होने पर पुलिस कर्मी बाजार में लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहे थे। जिन लोगों को पकड़ा गया था उनका शांतिभंग में चालान किया गया था। वीडियो निराधार व असत्य है।

मतदान में विघ्न डालने वाले बचेंगे नहीं

संवाददाता सफीपुर उन्नाव

अमृत विचार। आगामी लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्वक संपंन करवाने के लिए गुरुवार को एसडीएम व सीओ ने संवेदनशील व अति संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा किया। अधिकारियों ने लोगों से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की।

आगामी 13 मई को चौथे चरण के तहत उन्नाव लोकसभा क्षेत्र में होने वाले चुनाव को देखते हुए सफीपुर विधानसभा अंतर्गत प्रशासन ने अति संवेदशनल व संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके तहत एसडीएम नवीन चन्द्र व सीओ ऋषिकांत शुक्ला ने नगर के 20 व सफीपुर ग्रामीण के 5 गावों का भ्रमण करते हुए ग्रामीणों के साथ बैठक की। एसडीएम ने लोगों से कहा कि शांतिपूर्ण मतदान में किसी तरह का विघ्न डालने वालों को बख्शा नहीं जायेगा। इसके लिए गांव के संभ्रात लोगों को शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने की समिति का गठन करते हुए असामाजिक तत्वों को चिह्नित करने व किसी भी विवाद के संबंध में तत्काल सूचना देने का निर्देश दिया। सीओ ने समिति को किसी तरह के विवाद व अपराधिक प्रवृति के लोगों की गुप्त सूचना देने की बात कही। उन्होंने कहा कि सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रहेगा। एसडीएम व सीओ ने संयुक्त रूप मतदाताओं से लोकतंत्र हित में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की।

- **एसडीएम व सीओ ने गावों का दौरा कर लोगों से अधिक से अधिक मतदान की अपील की**

बीएसए ने दिए रैंप दुरुस्त कराने के निर्देश

उन्नाव। बीएसए संगीता सिंह ने एसडीएम से मिली रिपोर्ट के आधार पर सभी बीईओ को मतदान केंद्र बनाए जाने वाले परिषदीय विद्यालयों के रैंप दुरस्त कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रैंप निर्माण में लापरवाही पर कार्रवाई की जा सकती है। सभी बीईओ प्राथमिकता से यह कार्य पूर्ण कराकर उनके कार्यालय को रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। जिला प्रशासन ने अधिसूचना लागू होने के काफी पहले से लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 संपंन कराने की तैयारियां शुरू कर दी थीं। इसलिए जिले की सभी छह तहसीलों में तैनात एसडीएम ने सेक्टर मजिस्ट्रेटों से क्षेत्रीय मतदान केंद्रों में उपलब्ध एएमएफ सुविधाओं रिपोर्ट तैयार करा संबंधित अधिकारियों को भेजी है। इसके चलते बीएसए ने सभी बीईओ को पत्र जारी कर एसडीएम के निर्देश पर मतदान केंद्र बनाए जाने वाले विद्यालयों के रैंप की शीघ्र मरम्मत करा रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

राज योगिनी दादी जानकी को पुण्यतिथि पर किया याद

संवाददाता बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार। नगर के ब्लॉक रोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी राजयोग केंद्र में बुधवार को पूर्व मुख्य प्रशासक राज योगिनी दादी जानकी की पुण्यतिथि वैश्विक व आध्यात्मिक जागृति दिवस के रूप में मनाई गई। इस मौके पर राजयोग केंद्र संचालिका सरला बहन ने दादी जी को कर्मातीत स्थिति की अभूतपूर्व कर्मयोगी बताया।

राजयोग केंद्र संचालिका बहन सरला ने कार्यक्रम में मौजूद बहनों-भाइयों से उनके निष्काम जीवन चरित्र की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि एक बार ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय माउंट आबू के संस्थापक ब्रम्हा बाबा ने पुणे महाराष्ट्र में राजयोग केंद्र संचालित कर रहीं दादी जानकी को मुख्यालय आने के लिए पत्र लिखा। पत्र पाते ही बीमारी की अवस्था में भी दादी जी तुरंत माउंट आबू के लिए रवाना हो गईं।

बताया कि विश्व के एक सैकड़ा से भी अधिक देशों में राजयोग केंद्र स्थापित करने के लिए 18-18 घंटे हवाई यात्रा की और यात्रा के बाद भी बगैर थके वह जिज्ञासुओं को मुरली और परमात्म ज्ञान श्रवण कराती रहीं। दादी जी ने अपनी पवित्रता और योगबल से सभी दादियों से अधिक 104 वर्ष की आयु में पंचभूतों से निर्मित शरीर का त्याग किया। उनका व्यक्तित्व इतना आकर्षक और तेजोमय था कि अपनी दृष्टि डालते ही जिज्ञासु वशीभूत हो जाते थे। इसके पूर्व बहन जी ने लोगों को ज्ञान मुरली श्रवण कराई। तत्पश्चात सभी भाई-बहनों ने दादी जानकी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस दौरान महेश फौजी, सरोज यादव, अखिल रस्तोगी, सावित्री, उमा कटियार, राम औतार, अर्चना मिश्रा, मालती, सौम्या, सुशीला, नरेंद्र यादव, मिथिलेश कुमारी श्रीवास्तव, अरुणा सिंह, रामपाल व प्रीती आदि शामिल हुए।

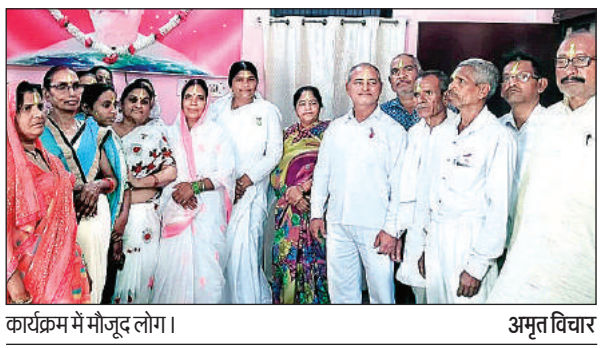

कार्यक्रम में मौजूद लोग। अमृत विचार

- **बांगरमऊ के ब्लॉक रोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी राजयोग केंद्र में हुआ कार्यक्रम**

हत्या के प्रयास के आरोपियों ने परिजनों को पीटा, रिपोर्ट

संवाददाता नवाबगंज उन्नाव

अमृत विचार। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के हरचंदपुर गांव में नशेबाजी में हुए विवाद के दौरान दबंगों ने युवक को गला दबाकर अधमरा कर दिया था। ग्रामीणों के दौड़ाने पर आरोपी मौके से भाग निकले थे। घायल का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। देरशाम आरोपियों ने पीड़ित के परिजनों से फिर मारपीट की। प्रार्थना पत्र के आधार पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

अजगैन कोतवाली क्षेत्र के हरचंदपुर गांव निवासी राजमोहन पुत्र छेदीलाल (20) बीती बुधवार दोपहर पड़ोसी सूरज के घर पर होली पार्टी में गया था। तभी वहां मौजूद युवकों में झगड़ा हो गया। आरोप है कि वहां मारपीट के दौरान आकाश, करन व सूरज आदि ने राजमोहन का गला दबाकर उसकी हत्या करने का प्रयास किया था। शोर सुन परिजन व ग्रामीण वहां पहुंचे तो दबंग युवक राजमोहन को मरणासन्न हालत में छोड़कर भाग निकले। आनन-फानन परिजनों ने घायल उसे नवाबगंज स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां उसे गंभीर देख चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। रजेपाल ने पुलिस को बताया कि घटना के बाद आकाश, करन, सूरज व लवकुश आदि ने पीड़ित के घर पहुंचकर देरशाम उनके परिजनों से फिर मारपीट की। जिसमें रजेपाल, सावित्री व सविता आदि को चोटें आई हैं।

- **बुधवार को दबंगों ने युवक का दबाया था गला**

वापस जाने वालों को ट्रेन में बर्थ नहीं

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। वापसी का आरक्षित टिकट लिए बिना होली मनाने घर आए प्रवासियों को अब मांगने पर भी बर्थ नहीं मिल रही हैं। इससे उन्हें वैकल्पिक साधन तलाशने सहित सामान्य कोच में सफर करने को मजबूर होना पड़ रहा है। मुख्य कोचिंग पर्यवेक्षक जगन्नाथ ने बताया कि यात्रियों की संख्या बढ़ने से यह दिक्कत आई है। लेकिन, अब त्योहार स्पेशल ट्रेन यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराती हैं।

उन्नाव रेलवे स्टेशन स्थित आरक्षण केंद्र की खिड़कियों पर होली मनाकर वापस लौटने वालों की दिनभर आवाजाही दिखाई देती है। हालांकि काउंटर पर दिल्ली सहित लंबी दूरी के स्टेशनों के लिए उसी दिन के आरक्षित टिकट नहीं मिल पा रहे हैं। क्योंकि, ट्रेनों में बर्थ ही नहीं खाली हैं। इससे काउंटर के कर्मचारियों को उन्हें आरक्षित बर्थ न उपलब्ध होने की जानकारी देकर वापस करना पड़ रहा है। बर्थ न मिलने पर प्रवासी तय समय पर अपने काम पर पहुंचने के लिए वैकल्पिक साधनों के रूप में बस पकड़ने को मजबूर हो रहे हैं। लंबी दूरी के स्थानों तक पहुंचाने वाली निजी बसों की सेवा न मिलने से उन्हें लखनऊ व कानपुर से अहमदाबाद, हैदराबाद व पुणे आदि स्थानों की बस पकड़नी पड़ रही हैं। जिससे वे अपने गंतव्य को जा सकें। मुख्य कोचिंग पर्यवेक्षक के अनुसार ऐसे जरूरतमंदों को तत्काल सेवा के तहत टिकट जारी कराना चाहिए। क्योंकि आमदिनों में भी यात्रा दिवस का टिकट जारी होना मुश्किल रहता है। हालांकि, अब बड़ी संख्या में त्योहार स्पेशल ट्रेनें चल रही हैं।

काउंटर पर आरक्षण की जानकारी लेते लोग। अमृत विचार

विदेश में नौकरी के नाम पर सभासद ने ठगे 1.40 लाख

संवाददाता सफीपुर उन्नाव

अमृत विचार। सफीपुर कोतवाली अंतर्गत एक सभासद, उसके भाई व पिता पर नौकरी के लिए विदेश भेजने के नाम ठगी करने का आरोप लगा है। एसपी से हुई शिकायत के बाद पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की है।

बता दें कि कस्बा के मोहल्ला राहतगंज बाजार निवासी सन्नू ने एसपी सिद्धार्थ शंकर मीना को प्रार्थनापत्र दिया है। जिसमें बताया कि उसे विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उम्मेदाराय बाजार निवासी वार्ड-12 के सभासद साकिब, उसके भाई शारिक पुत्र आशिक अली ने 26 दिसंबर-2022 से तीन जनवरी-2023 तक अलग-अलग दिनों में 1.40 लाख रुपए वीजा व नौकरी दिलाने के नाम पर लिए। इसके बाद से वह लोग उसे टरकाते रहे। इसके बाद आशिक ने उसे वीजा व कुछ कागज दिए और 15 दिन में विदेश भेजने का वादा किया। एक माह बाद भी कोई कार्रवाई न होने पर उसने वीजा व अन्य कागजात जानकारों को दिखाए तो सभी फर्जी निकले। एसपी के निर्देश पर सफीपुर कोतवाली पुलिस ने आरोपी पिता व उसके दोनों बेटों पर धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की जांच शुरू की है। आरोपियों पर पहले भी कई मामले दर्ज हैं। एसएचओ श्याम नारायण सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

- **एसपी से शिकायत पर सभासद उसके भाई व पिता पर रिपोर्ट**

फंदे से लटक युवती ने की खुदकुशी

सोहरामऊ। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के आशाखेड़ा गांव निवासी युवती ने कमरे में लगे छल्ले में दुपट्टे के फंदे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। उसे लटका देख परिजनों के होश उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव मोर्चरी भेज दिया है।

आशाखेड़ा गांव के मजरा बाबा खेड़ा निवासी सुषमा (23) पुत्री स्व. शिवकंठ गुरुवार शाम छह बजे कमरे में लगे छल्ले में अपने दुपट्टे का फंदा लगाकर लटक गई। घटना के समय वह घर पर अकेली थी। सभी लोग खेत में लाही पीटने गए थे। खेत से लौटी मां माधुरी बेटी को फंदे से लटका देख बदहवास हो गई। सूचना पर पुलिस पहुंची और जांच के बाद शव उतरवाकर मोर्चरी भेजा। दिवंगत युवती चार भाइयों में अकेली व चौथे नंबर थी।

चालक की मौत की सूचना से कोहराम

संवाददाता सोहरामऊ उन्नाव

अमृत विचार। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के गांव भैसोरा निवासी पूर्व प्रधान के ट्रक चालक बेटे की मौदहा में दूसरे ट्रक की टक्कर के बाद लगी आग में केबिन में जिंदा जलकर मौत हो गई थी। सूचना पर परिजन मौदहा के लिए निकल गए। वहीं पोस्टमार्टम के बाद युवक का शव घर आने के इंतजार में अन्य परिजन बेहाल हैं।

भैसौरा गांव निवासी पूर्व प्रधान सजन कुशवाहा का बेटा विपिन (35) ट्रक चालक था। बीते बुधवार वह लखनऊ से ट्रक लेकर जा रहा था। तभी हमीरपुर जिले के कस्बा मौदहा में सामने से आ रहे दूसरे ट्रक से टक्कर होने के बाद विपिन के ट्रक में आग लग गई। हादसे में वह ट्रक के केबिन में फंसा रह गया। राहगीरों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन, आग इतनी विकराल थी कि मदद को आए लोग पीछे हट गए। पुलिस व दमकल कर्मी जब तक पहुंचे वह केबिन में ही जिंदा जल गया।

ट्रक नंबर के जरिए मालिक को सूचना दी गई। इसके बाद उसने परिजनों को घटना की जानकारी दी। बेटे की मौत की सूचना पर परिजन बेहाल हो गए।

विपिन।

- **बुधवार को ट्रक की टक्कर के बाद केबिन में लगी आग से जलकर हुई थी मौत**

दुष्कर्म में वांछित युवक पकड़ा गया

पुरवा। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती से छह माह पूर्व तौरा निवासी गोलू ने दुष्कर्म किया था। इसके बाद से वह फरार चल रहा था। काफी प्रयास के बाद भी वह पुलिस के हाथ नहीं लग रहा था। गुरुवार को दरोगा राजेश यादव ने गोलू को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। कोतवाल कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि युवक को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुने जाएंगे राजस्व वाद : डीएम

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। डीएम गौरांग राठी ने सभी पीठासीन अधिकारियों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हाइब्रिड व्यवस्था के तहत 'न्यायालय आपके द्वार' को सफल बनाते हुए वादकारियों को त्वरित न्याय दिलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट, व राजस्व परिषद के निर्देशों का पालन करते हुए लंबित वादों का शीघ्रता से निपटारा कराया जाए।

डीएम ने कहा कि तय मानक व नियमों के अनुसार ग्राम में सुनवाई कराना सुनिश्चित करें। इसके तहत एक से तीन वर्ष से कम, तीन से पांच वर्ष से कम और अधिक समय से लंबित वादों का निस्तारण ग्राम न्यायालयों में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई की जानी है। एडीएम वित्त व ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को नोडल व प्रभारी अधिकारी नियुक्त करते हुए कलक्ट्रेट में इंटरनेटयुक्त वर्चुअल कोर्ट रूम स्थापित कराने के निर्देश दिए।

- **एडीएम व ई-डीएम को सौंपी व्यवस्था सफल साबित करने की जिम्मेदारी**

15 दिन में एसएमएस के जरिए कराएं तामीला

राजस्व वादों की वर्चुअल सुनवाई लैपटाप, कंप्यूटर व इंटरनेट का उपयोग करते हुए पीठासीन अधिकारी रीडर के माध्यम से अमल में लाई जाएगी। वादों के शीघ्र निस्तारण के लिए ग्रामवार सूची तैयार करा दोनों पक्षों को 15 दिन में एसएमएस से लेखपाल, संग्रह अमीन व चतुर्थ श्रेणी के जरिए समन व नोटिस का तामीला करा तामीला रिपोर्ट पत्रावली में संलग्न रखी जाए। संबंधित ग्राम के पंचायत भवन, प्राथमिक विद्यालय या किसी सार्वजनिक स्थान पर ग्राम न्यायालय वीडियो कांफ्रेसिंग से अधिवक्ता, वादी व प्रतिवादियों की उपस्थिति में सुनवाई सुनिश्चित करेंगे। वाद निस्तारण को अधिक गतिशीलता से निपटाने के लिए फोटोग्राफी, पैनड्राइव या पत्रावली के साथ रखना सुनिशित किया जाएगा। ग्राम न्यायालयों में सुनवाई करते हुए फैसला दिए जाने के दौरान आवश्यक पुलिस बल की तैनाती भी की जाए।

लोकसभा चुनाव-2024

कांग्रेस में रहते हुए वर्ष-2009 में जिले का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं मौजूदा सपा प्रत्याशी अन्नू टंडन

गठबंधन के बावजूद कांग्रेस का 'हाथ' नहीं दिख रहा साथ

चुनावी चकचक

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के लिए सपा व कांग्रेस के बीच गठबंधन जरूर हो गया है लेकिन, यहां कांग्रेस नेता सपा से लोकसभा उम्मीदवार अन्नू टंडन से अभी तक घुलमिल नहीं सके हैं। साथ ही जिला स्तरीय समन्वय समिति भी अभी तक नहीं बनी है। फिलहाल गठबंधन की प्रत्याशी व सपा को अकेले ही चुनावी जद्दोजहद करनी पड़ रही है।

बता दें कि सपा नेतृत्व ने कांग्रेस की टिकट से जिले की सांसद रह चुकीं अन्नू टंडन को पार्टी की सदस्यता देने के साथ राष्ट्रीय पदाधिकारी बना दिया था, लेकिन जिला संगठन में दखलंदाजी का कोई खास अवसर उन्हें नहीं दिया है। हालांकि, लोकसभा चुनाव की आहट मिलने के साथ ही सपा मुखिया ने पहले उन्हें जिले का लोकसभा प्रभारी फिर प्रत्याशी बनाया है। पार्टी को जीत दिलाने की मंशा से ज्यादातर सपा नेता व कार्यकर्ता पूर्व सांसद के चुनावी कार्यक्रमों में दिखाई दे रहे, लेकिन गठबंधन का हिस्सा कांग्रेस के कार्यकर्ता व पदाधिकारी अभी भी उनसे दूरी बनाए हुए हैं। गठबंधन के बावजूद अब तक संबंधित दलों के नेताओं को शामिल कर लोकसभा क्षेत्र की समन्वय समिति का गठन भी नहीं हो सका है।

चुनावी वैतरणी पार करने की जद्दोजहद

मालूम हो कि मौजूद सपा उम्मीदवार वर्ष-2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर चुनावी वैतरणी पार करने में कामयाबी पाई थी। इसके बाद हुए चुनाव में भी उन्होंने कांग्रेस के सिंबल पर किस्मत अजमाई थी लेकिन, पहले वर्ष-2014 फिर वर्ष-2019 में उन्हें भाजपा के प्रत्याशी साक्षी महाराज के सामने हार का मुंह देखना पड़ा था। प्रदेश प्रभारी बनाए जाने के बाद प्रियंका गांधी द्वारा पूर्व सांसद को कम तवज्जो दी गई थी। माना जाता है कि इसीलिए पूर्व सांसद से अनबन के बाद भी प्रदेश नेतृत्व ने पूर्व गृहमंत्री स्व. गोपीनाथ दीक्षित की बेटी आरती वाजपेयी को जिलाध्यक्ष बना दिया था। इसके चलते ही राष्ट्रीय व प्रांतीय नेतृत्व भी चुनावी व्यस्तताओं के चलते शायद ही कांग्रेस की जिलाध्यक्ष को मन से चुनाव प्रचार के अभियान में जुटा पाएगा। इसलिए गठबंधन का पूरा लाभ न मिलने से जिले में सपा व पूर्व सांसद खुद ही चुनावी वैतरणी पार करने की जद्दोजहद कर रही हैं।

कार्रवाई के लिए बार ने दिया ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। उन्नाव बार एसोसिएशन अध्यक्ष सतीश शुक्ला, महामंत्री अरविंद दीक्षित की अगुवाई में गुरुवार को बार एसोसिएशन सभागार में अधिवक्ताओं की बैठक हुई। इसमें हसनगंज तहसील में तैनात नायब तहसीलदार व अधिवक्ताओं में हुए विवाद पर अधिवक्ता पर एक पक्षीय कार्रवाई पर सभी ने नाराजगी जताई।

नायब तहसीलदार हसनगंज के ड्राइवर व दो अधिवक्ताओं में 18 मार्च को विवाद हो गया था। पुलिस ने अधिवक्ताओं के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करने की एकपक्षीय कर्रवाई की थी। वहीं तहसील अधिवक्ताओं का आरोप है कि नायब तहसीलदार का ड्राईवर कोर्ट से लेकर कार्यालय तक का काम देखता है। उसके न्यायिक पत्रावलियों मे हस्तक्षेप करने से वादकारियों को न्याय नहीं मिल पाता है। उसके द्वारा दाखिल खारिज की फाइलों के निस्तारण के एवज में धन उगाही की जाती है। अधिवक्ताओं ने शासन से ड्राइवर पर कार्रवाई करने की मांग की है। इसके बाद बार एसोसिएशन अध्यक्ष के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने डीएम को संबोधित ज्ञापन एसपी सिद्धार्थ शंकर मीना व अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा। अधिवक्ताओं ने ड्राईवर पर रिपोर्ट दर्ज करने, दोनों अधिवक्ताओं पर दर्ज रिपोर्ट वापस लेने व नायब तहसीलदार का स्थानांतरण करने की मांग की है।

एसपी सिद्धार्थ शंकर मीना को ज्ञापन देते अधिवक्ता। अमृत विचार

अलग-अलग हुईं दो हत्याओं के दोषियों को उम्रकैद

आसीवन थाना क्षेत्र में सन-2004 में हुई थी युवती व अधेड़ की हत्या, न्यायालय ने दोषियों पर जुर्माना भी लगाया

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

● मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद आया फैसला

अमृत विचार। आसीवन थानाक्षेत्र के अलग-अलग दो गावों में हुई दो हत्याओं के मामलों की सुनवाई गुरुवार को पूरी हुई। जिसमें कोर्ट ने ससुर के हत्यारे दामाद को आजीवन कारावास के साथ अर्थदंड के भी निर्देश दिये। वहीं इसी कोर्ट ने किशोरी की गोली मारकर हत्या करने वाले पड़ोसी को भी आजीवन कारावास के साथ जुर्माना लगाया है।

केस 01

आसीवन थानांतर्गत पाठकपुर गांव निवासी रामरती पासी ने गांव निवासी प्रेम यादव पुत्र श्यामलाल पर पति रामबली पासी की हत्या करने की रिपोर्ट 9 अगस्त-2004 को दर्ज कराते हुए बताया था कि उसकी बेटी केतकी को प्रेम यादव भगा ले गया था। बाद में उसने बेटी से शादी कर ली थी। इस पर परिवार ने बेटी से संबंध खत्म कर लिए थे। बताया था कि शादी के कुछ दिन बाद बेटी केतकी व उसका पति प्रेम यादव घर आए थे। इस पर उन लोगों ने बेटी व दामाद को घर में घुसने से मना कर दिया गया था। आठ अगस्त-2004 की शाम करीब पांच बजे पति रामबली आवागोझा गांव की बाजार जाने को निकला था। जहां पहले से घात लगाए बैठे दामाद प्रेम ने उस पर लाठी से हमला बोल दिया था। घटना के एक घंटे बाद उसके पति की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। तत्कालीन सीओ त्रिभुवन सिंह ने मामले की जांच कर साक्ष्य संकलित करते हुए 18 अगस्त-2004 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई में शासकीय अधिवक्ता जगन्नाथ कुशवाहा की दलीलों को सुनने के बाद एडीजे मो. असलम सिद्दिकी ने आरोपी प्रेम यादव को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास के निर्देश दिये। इसके साथ उस पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

केस 02

आसीवन थानाक्षेत्र के खानपुर सुरौली गांव निवासी मिथलेश ने गांव के मूलचंद्र पर अपनी भांजी करुणा की गोली मारकर हत्या करने व बहन रेखा को घायल करने की तहरीर 25 जून-2004 को देते हुए बताया था कि 24 जून-2004 को उसकी भांजी घर के दरवाजे पर खाना खा रही थी। तभी पड़ोसी मूलचंद्र माली पुत्र गंगा चरन नशे में गालीगलौज कर रहा था। परिवार वालों ने इसका विरोध किया तो उसने कमर से तमंचा निकालकर भांजी पर फायर झोंक दिया। गोली लगने से किशोरी खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर गई थी। छर्रे उसकी बहन के हाथ में भी लगे। परिजन किशोरी को सीएचसी लाए। जहां से उसे जिला अस्पताल फिर कानपुर के हैलट भेजा गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। तत्कालीन सीओ त्रिभुवन सिंह ने जांच के बाद 10 जनवरी-2006 को चार्ज शीट दाखिल की थी। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई पूरी हुई। जिसमें शासकीय अधिवक्ता जगन्नाथ कुशवाहा की दलीलें सुनने के बाद एडीजे मो. असलम सिद्दिकी ने मूलचंद्र को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास के साथ 26 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

किशोरी से दुष्कर्म पर 10 साल की कैद

उन्नाव। मौरावां थानांतर्गत एक महिला ने गांव निवासी चंद्रशेखर पर अपनी नाबालिग बेटी से दुष्कर्म करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तीन जनवरी-2016 को दी तहरीर में आरोप लगाया गया था कि दो जनवरी-2016 की दोपहर वह जानवरों का चारा लेने खेत गई थी। तभी गांव निवासी चंद्रशेखर उसके घर में घुसा और उसकी 13 वर्षीय बेटी को दो रुपए का लालच देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और गांव के बाहर बबूल के जंगलों में उससे दुष्कर्म किया था। किसी को बताने पर चाकू दिखाते हुए पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी दी थी। लेकिन बेटी ने पूरी घटना की जानकारी परिजनों को दी थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया था। एसएचओ धर्मप्रकाश शुक्ला ने किशोरी के कोर्ट में कलमबंद बयान कराए और आरोपी के विरुद्ध साक्ष्य जुटाते हुए 10 मार्च-2016 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई पॉक्सो एक्ट कोर्ट में पूरी हुई। शासकीय अधिवक्ता चंद्रिका प्रसाद बाजपेई व कविता सिंह की दलीलें सुनने के बाद एडीजे विवेकानंद विश्वकर्मा ने चंद्रशेखर को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष की सजा सुनाई और 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

रोडवेज बस चालक से मारपीट पर दो साल की सजा

उन्नाव। आफताफ आलम पुत्र हुकुमदार निवासी कुदरा थाना मौरावां ने 20 अप्रैल-1990 को रोडवेज बस चालक से मारपीट, गालीगलौज व जान से मारने की धमकी दी थी। चालक की तहरीर पर आरोपी पर हमला करने की धारा में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद अक्टूबर-1990 में कोर्ट में चार्जशीट दाखिल हुई थी। 34 साल बाद मुकदमे की सुनवाई पूरी हुई। इसमें न्यायाधीश ने अफताफ को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा और एक हजार का जुर्माना लगाया।

घरों में लगी आग बुझाते ग्रामीण। अमृत विचार

आग ने मचाया तांडव, तीन घरों की गृहस्थी जली

संवाददाता बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के गांव छतरापुर के मजरा कोलिया में अचानक आग लगने से लाखों की गृहस्थी जलकर खाक हो गई। साथ ही आग से एक लाख कीमत की भैंस की भी झुलसने से मौत हो गई। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

कोलिया गांव निवासी मनोहर पुत्र रामनरेश के घर में गुरुवार को अज्ञात कारणों से आग लग गई। इसमें घर में रखी गृहस्थी धू-धूकर जलने लगी। लपटें देख ग्रामीण दौड़े और बाल्टियों से पानी फेंककर आग बुझाने का प्रयास किया। किंतु आग बुझने से पहले ही पड़ोसी राधेश्याम पुत्र गया प्रसाद और अर्जुन पुत्र पूरन के घरों तक भी पहुंच गई। इसमें गृहस्थी व पंपिंग सेट सहित तीनों घरों की करीब 5 लाख रुपए की गृहस्थी खाक हो गई। जबकि मनोहर की भैंस झुलसकर मर गई। इसके अलावा कमलेश व चंद्रप्रकाश पुत्रगण गयारी का भी आग से नुकसान हुआ है।

सड़कें खोद आवागमन कर रहे मुश्किल

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। नगर में अमृत योजना के तहत गलियों में पाइन लाइन डालने का काम किया जा रहा है। इसमें ठेकेदार द्वारा बेहद लापरवाही करते हुए सड़कें खोदकर लाइन तो डाली जा रही है लेकिन इसके बाद सड़क को दुरुस्त नहीं किया जा रहा है। इससे लोगों को आवागमन में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

नगर पालिका गंगाघाट क्षेत्र में आने वाले चंपा पुरवा वार्ड में बीते दिसंबर व व जनवरी माह में अमृत योजना के तहत भूमिगत वाटर लाइन डालने का काम शुरू हुआ था। कुछ गलियों में लाइन बिछाने के बाद पूर्व की भांति इंटरलाकिंग बिछा दी गई लेकिन, कई गलियां बिना सड़क दुरुस्त किये ही छोड़ दी गई। जिससे वहां मलवा व मिट्टी के ढेर लगे हैं। वहीं काफी जगह पर करीब डेढ़ माह पहले खुदाई करने के बाद अभी तक कनेक्शन नहीं किये गए हैं। इससे खोदे गए गड्ढों में गिरकर लोग घायल हो रहे हैं।

चंपापुरवा मोहल्ला में लाइन डालने को खोदी गई गली।

● नगर में अमृत योजन के तहत चल रहा पाइपलाइन का कार्य

● कई गलियां बिना सड़क दुरुस्त किए छोड़ दी गईं

बोले जिम्मेदार

होली के चलते पाइन लाइन डालने में लगाए गए मजदूर छुट्टी पर चले गये थे। एक दो दिन में मजदूर छुट्टी से आ जायेंगे। इसके बाद ऐसी गलियों को बनवाया जाएगा।

-कौमुदी पांडेय, चेयरमैन नगर पालिका गंगाघाट

पाइप लाइन फटी, कई मोहल्लों की जलापूर्ति रही ठप

शुक्लागंज उन्नाव। नगर के कई मोहल्लों को जलापूर्ति करने वाली भूमिगत लाइन अचानक फट गई। जिससे संबंधित मोहल्लों की जलापूर्ति ठप रही। इससे सुबह से ही सैकड़ों घरों में पानी की समस्या बनी रही। परेशान लोग हैंडपंप सहित लोगों के यहां लगे सबमर्सिबल से पानी भरकर जरूरी दिनचर्या शुरु करने को मजबूर रहे। नगर के मुख्य मार्ग स्थित स्वास्थ्य केंद्र के सामने बुधवार को भूमिगत वाटर लाइन फट गई थी। इससे न सिर्फ उपभोक्ताओं के घरों में पानी पहुंचना बंद हो गया। बल्कि हजारों लीटर पानी बहकर बर्बाद हो गया। पाइप लाइन फटने की जानकारी पाकर पालिका के जलकल प्रभारी ने स्टाफ सहित मौके पर पहुंच मरम्मत कार्य शुरू कराया। काफी जद्दोजहद के बाद पालिका स्टाफ को क्षतिग्रस्त लाइन ठीक करने में सफलता प्राप्त हो सकी। इसके बाद देर शाम प्रभावित ऋषि आश्रम, गाजीखेड़ा, ऋषि नगर, गोपीनाथपुरम व नेहरू नगर आदि मोहल्लों की करीब 24 घंटे बाद जलापूर्ति शुरू कराई जा सकी।

गेहूं की बोरी सिर पर रख छत से उतर रहा युवक गिरा, मौत

बांगरमऊ उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के भिखारीपुर कस्बा में एक युवक मकान की छत पर रखी गेहूं की बोरी सिर पर लादकर ज़ीने से नीचे उतर रहा था। तभी वह लड़खड़ाकर बोरी सहित नीचे आ गिरा और गंभीर घायल हो गया। परिजन उसे लेकर हायर सेंटर लखनऊ जा रहे थे। तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई।

भिखारीपुर कस्बा निवासी रमेश लोधी (36) ने सूखने के लिये गेहूं मकान की छत पर फैलाए थे। गुरुवार सुबह वह बोरी रखकर जीने से नीचे उतर रहा था। तभी वह नीचे जमीन पर आ गिरा और गंभीर घायल हो गया। परिजन आनन-फानन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए। जहां चिकित्सक ने उसे हायर सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर हायर सेंटर जा रहे थे। तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही उसकी पत्नी मैना, पुत्री लक्ष्मी, पुत्र सचिन व नितिन का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही युवती ने दी जान

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

● पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई

अमृत विचार। माखी थानांतर्गत दिलवल गांव में घर का दरवाजा बंदकर युवती ने साड़ी के फंदे से लटककर जान दे दी। छोटी बहन के घर पहुंचने पर उसे इसकी जानकारी हुई। सूचना पर पुलिस पहुंची और जांच कर शव मोर्चरी भेजा। गुरुवार को हुए पोस्टमार्टम में हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई है। परिजनों ने बताया कि युवती स्नातक की छात्रा थी और पुलिस में भर्ती होने की तैयारी कर रही थी। निरस्त हुई पुलिस भर्ती परीक्षा मंत शामिल भी हुई थी।

दिलवल गांव निवासी आकांक्षा पासवान (20) बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। साथ ही वह पुलिस में भर्ती होना चाहती थी। वह इसकी तैयारी भी कर रही थी और परीक्षा में भी हिस्सा लिया था। बुधवार को घर के सभी लोग बाहर गए थे। तभी उसने दरवाजा बंद कर साड़ी का फंदा बना अपनी जान दे दी। छोटी बहन शिवानी ने दरवाजा बंद देख उसे आवाज दी लेकिन कोई जवाब न मिलने पर परिजनों ने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा खोला। सभी अंदर पहुंचे तो बेटी को लटका देख बेहाल हो गए।

सूचना पर पुलिस पहुंची और जांच के बाद शव मोर्चरी भेजा। गुरुवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस को दी तहरीर में परिजन युवती के आत्महत्या करने की वजह नहीं बता पाए। बेटी की मौत से मां सावित्री के साथ भाई रामखिलावन, अमर, रज्जन व तीन बहनें बेहाल हैं। एसओ संदीप मिश्र ने बताया कि युवती ने आत्महत्या की है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सार-संक्षेप

स्कूल वैन ने सड़क किनारे खड़ी महिला व बच्चों को मारी टक्कर

सोहरामऊ उन्नाव। सोहरामऊ कस्बे में सड़क पार करने के लिए रोड किनारे खड़ी महिला व चार बच्चों को वैन ने टक्कर मार दी। इसमें एक बच्चा व बच्ची की हालत गंभीर देख परिजनों ने सोहरामऊ कस्बे में प्राथमिक उपचार कराकर लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।सोहरामऊ कस्बे में रोड पार करने के लिए रोड किनारे सोमवती (60), आदित्य (12), खुशबू (17), दीपांशी (13) व शिखा (14) निवासी गांव लालपुर खड़ी थी। तभी लखनऊ जा रही तेज रफ्तार वैन ने सभी को टक्कर मार दी। इसमें आदित्य व खुशबू वैन के नीचे आ गए। परिजनों ने बताया कि वैन में महिलाएं बैठी थीं और वैन सोहरामऊ कस्बा स्थित एक कालेज की है। सोहरामऊ एसओ कमल दुबे ने बताया कि गाड़ी क्षेत्र के एक कालेज की है। परिजन तहरीर देंगे तो कार्यवाही की जायेगी।

व्यवसायिक शिक्षा के निःशुल्क प्रशिक्षण को आवेदन शुरू

उन्नाव। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ी जाति के युवाओं को व्यवसायिक शिक्षा के नए बैच के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। इसलिए वर्ष-2024-25 बैच में नि :शुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए कम से कम इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी अप्रैल माह के पहले सप्ताह में शैक्षिक व जाति प्रमाण-पत्र संलग्न करते हुए आवेदन कर सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को सामान्य हिंदी व अंग्रेजी के अलावा सामान्य ज्ञान, सचिवीय पद्धति सामान्य गणित, बुककीपिंग, एकाउंटेंसी, हिंदी टंकण व आशुलिपि के साथ कंप्यूटर विषय का सैद्धांतिक और व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

वायरस प्लेन के साथ अंबिका के एनसीसी कैडेट्स। अमृत विचार

अंबिका के एनसीसी कैडेट्स ने लिया फ्लाइंग प्रशिक्षण

शुक्लागंज उन्नाव। नगर के अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल के एनसीसी कैडेट्स ने फ्लाइंग प्रशिक्षण दिया। इस दौरान वायरस प्लेन पर उड़ान भर बच्चों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। एयर स्काडन ने बच्चों को वायरस प्लेन व प्रमुख पार्टस की जानकारी भी दी।विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स का गुरुवार को कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट में वायरस प्लेन उड़ाने का प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। एयर स्काडन विंग कमांडर संदीप भंडारी की टीम ने कैडेट्स को वायरस प्लेन के प्रमुख उपकरणों की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान कैडेट्स करीब 4000 फिट की ऊंचाई तक उड़ान भर वापस जमीन पर लौटे। प्रशिक्षण पाकर वापस विद्यालय पहुंचे कैडेट्स प्रबंधक अजय त्रिवेदी व प्रधानाचार्या डेफनी लेम्यूर के साथ अपने अनुभव साझा किए।

रेलवे अफसरों ने ब्लाक लेकर कराई ओएचई की मरम्मत

शुक्लागंज। रेलवे के अधिकारियों ने गुरुवार को कानपुर-लखनऊ रेलमार्ग स्थित गंगा नदी पर बने पुल पर डाउन लाइन पर ब्लाक लेकर ओएचई की मरम्मत कराई। इस बीच टेंनों का संचालन ठप रहा। गुरुवार दोपहर बाद डाउन लाइन पर रेलवे पुल से गुजरी ओएचई लाइन की मरम्मत के लिए 40 मिनट का ब्लाक लिया गया। जहां टावर वैगन से रेल कर्मियों ने इन्सुलेटर में जमे कार्बन की सफाई की।

38 के काटे कनेक्शन, 7.20 लाख राजस्व वसूला

शुक्लागंज। विद्युत विभाग के अफसरों द्वारा नगर में बकायेदारों से वसूली के लिये मार्च माह में अभियान चलाया जा रहा है। इसके चलते गुरुवार को करीब तीन दर्जन से अधिक बड़े बकायेदारों के कनेक्शन काटे गए। साथ ही लाखों का राजस्व भी वसूला गया। एसडीओ राजेंद्र प्रसाद के निर्देश पर गुरुवार को टीजी-2 वीरेंद्र प्रताप, अनुराग पाल के नेतृत्व में पहुंची टीम ने मिश्रा कालोनी, चंपापुरवा, राजधानी मार्ग व आजाद नगर में अभियान चलाकर 38 बकायेदारों के कनेक्शन काटे। जेई विष्णु शुक्ला व अक्षय तिवारी ने बताया कि अभियान के दौरान 7 लाख 20 हजार राजस्व भी वसूला गया है।

रैली में शामिल एसडीएम, ईओ व चेयरमैन। अमृत विचार

एसडीएम ने दिया मतदान करने का संदेश

उन्नाव। लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने व महिला मतदान में प्रतिशत की वृद्धि को लेकर एसडीएम हसनगंज हिमांशु गुप्ता, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत मोहान विपिन कुमार व अध्यक्ष समरजीत यादव द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। रैली नगर पंचायत कार्यालय से निकाली गई। जिसमें कस्बा मोहान के एक विद्यालय के सैकड़ों बच्चों ने हिस्सा लिया। कस्बे के सभी वार्डों में जाकर लोगों को आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर मतदान करने के लिए जागरूक किया। एसडीएम व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट हसनगंज ने बताया कि 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को मतदान करना चाहिए। मतदान प्रतिशत अच्छा हो इसलिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

अनुराग उत्पन्न करती है भागवत कथा

नवाबगंज उन्नाव। कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ गुरुवार को सोहरामऊ कस्बा के शिव मंदिर में महंत कमलेश द्विवेदी महाराज के सानिध्य में हुआ। इसमें कथावाचक कमलेश द्विवेदी ने पहले दिन भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहा कि मृत्यु को जानने से मृत्यु का भय मन से मिट जाता है। जिस प्रकार परीक्षित ने भागवत कथा का श्रवण कर अभय को प्राप्त किया था वैसे ही भागवत जीव को अभय बना देती है। कथावाचक ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा परमात्मा का अक्षर स्वरूप है। यह परमहंसों की संहिता है। भागवत हृदय को जागृत कर मुक्ति का मार्ग दिखाती है और भगवान के प्रति अनुराग उत्पन्न करती है।

14 मरीज ऑपरेशन के लिए चिह्नित

संवाददाता फतेहपुर चौरासी उन्नाव

अमृत विचार। क्षेत्र के एक बालिका विद्यालय में नेत्र परीक्षण शिविर लगाकर आखों की जांच की गई। इस नेत्र परीक्षण शिविर में चिन्हित एक दर्जन से अधिक मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन के लिए अस्पताल ले जाया गया।

फतेहपुर चौरासी क्षेत्र के गांव अख्त्यारपुर स्थित सुरजन देवी छोटेलाल मिश्र बालिका इंटर कॉलेज में गुरुवार को जिला अंधता निवारण समिति के तत्वावधान में सर्वोदय नगर कानपुर स्थित जवाहर लाल रोहतगी नेत्र चिकित्सालय द्वारा निशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया गया। इसमें आखों की जांच कर रहे नेत्र परीक्षक अनुराग यादव ने बताया कि शिविर में मोतियाबिंद के 14 मरीजों को चिन्हित किया गया है। जिन्हें अस्पताल के वाहन से कानपुर ले जाया जाएगा। कानपुर स्थित अस्पताल में मरीजों का ऑपरेशन होने के बाद उन्हें वापस विद्यालय छोड़ा जाएगा। शिविर का आयोजन कानपुर पनकी हनुमान मंदिर के महंत बालक दास महाराज द्वारा कराया गया है। इस दौरान ओम प्रकाश मिश्र, कैलाश नाथ बाजपेई, प्रेमचंद्र मिश्र, गोपाल मिश्र, एकता मिश्र, संजेश पांडेय, दीपक कुमार, राजेश शुक्ला, सत्यम, सुरेंद्र, शिवम, मोहित आदि रहे।

शिविर में महिला मरीज की आंख की जांच करते डाक्टर। अमृत विचार

● फतेहपुर चौरासी क्षेत्र के एक कॉलेज में जिला अंधता निवारण समिति ने लगाया शिविर

अच्छी खबर उद्यान निरीक्षक बोले, बागों में पर्याप्त मात्रा में दिख रहा बौर

इस बार पहुंच में फलों का राजा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। आम बागानों में फिलहाल आई बौर को देखते हुए खास के साथ आम आदमी तक भी फलों के राजा के आसानी से पहुंची की उम्मीद दिख रही है। हालांकि, उद्यान विभाग के निराला उद्यान प्रभारी संघप्रिय गौतम का कहना है कि आगे का मौसम आम की उत्पादकता तय करेगा।

बता दें कि जिले के हसनगंज व सफीपुर सहित आसपास के पांच ब्लाकों को शासन ने फल पट्टी क्षेत्र घोषित कर रखा है। जहां अधिकांश भूस्वामियों ने आम के बागान तैयार कर रखे हैं। इस बार आम के पेड़ों पर बौर (फूल) पर्याप्त मात्रा में आया है। इसलिए मौसम अनकूल रहने पर आम बहुत महंगा बिकने की संभावना नहीं है। आम की स्थानीय उपज बाजार पहुंचाने में बाग मालिकों व कारोबारियों को बहुत अधिक भाड़ा भी नहीं व्यय करना पड़ता है। इसलिए होने वाली उपज खरीदना सभी के बजट में रहना माना जा रहा है। बीते वर्ष शुरुआत में भले ही आम कुछ महंगा बिका था लेकिन, बाद में दाम काफी कम होने से लोगों ने जमकर आम का स्वाद चखा था। उद्यान प्रभारी के मुताबिक पेड़ पर आने वाला पूरा बौर फलों में नहीं तब्दील होता है। हालांकि, बौर के दाने में परिवर्तित होने के बाद भी फसल को काफी नुकसान पहुंचता है। खासकर आंधी आम उपज को सबसे अधिक क्षति पहुंचाती है। इसके बाद भी बागों की मौजूदा स्थिति आम का पर्याप्त उत्पादन होने का संकेत दे रहा है।

फल पट्टी क्षेत्र में आम के पेड़ पर लदा बौर।

● मौसम अगर ठीक रहा तो इस बार आम की पैदावार में बढ़ोतरी के आसार

पुराने पेड़ों में उत्पादकता कम

जिले के बागानों में आयु पूरी कर चुके आम के पेड़ों की संख्या बहुतायत है। काफी पुराने हो चुके पेड़ों की उत्पादकता कम हो जाती है। पेड़ों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए पेड़ों की छंटाई करानी होती है। लेकिन, बागान मालिकों को वन विभाग से इसकी स्वीकृति लेना टेढ़ी खीर साबित होता है।

अब संविदाकर्मी भी बनाए जाएंगे मतदान कार्मिक

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। निर्वाचन आयोग ने लोकसभा निर्वाचन-2024 में संविदा कर्मियों को कुछ शर्तों सहित मतदान कार्मिक बनाने की स्वीकृति दे दी है। इसलिए आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान के दिन आराम फरमाने के बजाए संविदा कमियों को भी मतदान कराने जाना पड़ सकता है।

समय बीतने के साथ विभिन्न विभागों में जहां संविदा कर्मियों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है वहीं आउट सोर्स कर्मियों की संख्या में वृद्धि का सिलसिला जारी है। इससे निर्वाचन ड्यूटी के लिए तय मानक के तहत कर्मचारी जुटाना कठिन होता जा रहा है। इसीलिए मातहतों की ओर से भेजे गए प्रस्ताव पर भारत निर्वाचन आयोग ने आगामी लोकसभा चुनाव में संविदा कर्मियों को भी मतदान कार्मिक बनाने की स्वीकृति दे दी है। प्रदेश के अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी चंद्रशेखर ने जिला निर्वाचन अधिकारी को पत्र जारी कर संविदा कर्मियों को शर्तों सहित निर्वाचन ड्यूटी देने की स्वीकृति दे दी है। इसमें कहा है कि नियमित कर्मिकों व मंडलीय पूल से प्राप्त कार्मिकों को मतदान कार्मिक बनाए जाने के बाद भी संख्या पूरी न होने पर ही संविदा कर्मियों की सेवाएं ली जाएं। साथ ही संविदा कर्मियों को जहां तक संभव हो आरक्षित पुल में रखा जाए। वहीं, शिक्षामित्रों को मतदान अधिकारी द्वितीय व संविदा कर्मियों को मतदान अधिकारी तृतीय बनाने की शर्त भी आयोग ने जोड़ी है।

● निर्वाचन आयोग ने कुछ शर्तें लागू करते हुए दी है स्वीकृति

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते मुख्य अतिथि सदर विधायक। अमृत विचार

क्रिकेट टूर्नामेंट में एक्सट्रीम ग्रुप विजेता

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। शहर के निखत स्टेडियम में किंग्सन इंटर कालेज के बैनर तले स्व. सैय्यद अहमद आदिल रिजवी मेमोरियल इंटर हाउस क्रिकेट टूर्नामेंट की शुरुआत हुई। प्रतियोगिता की शुरुआत से पहले सदर विधायक पंकज गुप्ता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

उन्होंने कहा कि हार-जीत से अधिक जोर खेल भावना पर दिया जाना चाहिए। अंत में खेले गए फाइनल मुकाबले में एक्सट्रीम ग्रुप ने अपेक्स ग्रुरप को शिकस्त देकर टूर्नामेंट की ट्राफी जीतने में सफलता हासिल की। आयोजकों ने आदित्य शर्मा को मैन आफ़ द मैच घोषित किया।

इस दौरान सचिव (माध्यमिक) नवीन सिन्हा, अभिषेक श्रीवास्तव शंकर, मो. वारिस, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, शरद व अवधेश पटेल ने टूर्नामेंट कराने में सहयोग किया। समापन पर विद्यालय की प्रधानाचार्य शाहिद फातिमा ने खिलाड़ियों रितिक सिंह, वंश व भारत के प्रदर्शन की सराहना करते हुए मुख्य अतिथि के प्रति आभार जताया।

इलाहाबाद बैंक के अधिकारी समेत पांच कर्मचारियों को कारावास

बैंक को करोड़ों रुपये की चपत लगाने के मामले में अदालत ने सुनाई सजा

लखनऊ, विधि संवाददाता

- दोषियों ने बैंक का 22.70 करोड़ रुपया हड़प लिया था

अमृत विचार: साजिश के तहत बैंक को करोड़ों रुपये की चपत लगाने के आरोपी इलाहाबाद बैंक, कानपुर के तत्कालीन अधिकारी राधा रमन बाजपेयी, तत्कालीन विशेष सहायक गोपीनाथ टंडन समेत पांच को दोषी ठहराते हुए, सीबीआई के विशेष न्यायाधीश ने सजा और जुर्माने से दंडित किया है। कोर्ट ने राधारमण बाजपेयी को सात साल की कठोर कैद और दो लाख रुपये जुर्माना, रिकेश कुमार शुक्ला को पांच साल की कठोर कैद और एक लाख पचास हजार का जुर्माना तथा गोपीनाथ टंडन, संजय सोमानी और दीपक सोमानी को तीन-तीन साल के कठोर कारावास व एक-एक लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है।

कोर्ट में सीबीआई की ओर से बताया कि सीबीआई ने 29 अप्रैल 1994 को मामला दर्ज किया था। रिपोर्ट में राधारमण बाजपेयी, गोपीनाथ टंडन, संजय सोमानी, रिकेश कुमार शुक्ला और दीपक सोमानी को आरोपी बनाया गया था। रिपोर्ट दर्ज कराते हुए आरोप लगाया गया था कि आरोपी संजय सोमानी ने अन्य आरोपीयो के साथ षड्यंत्र रचा और धोखाधड़ी करके 27 मार्च 1992 से 16 जनवरी 1994 के बीच कानपुर के फीलखाना स्थित इलाहाबाद बैंक से 22 करोड़ 70 लाख प्राप्त किया और सारा पैसा हड़प लिया। सीबीआई ने विवेचना के बाद आरोपीयो के खिलाफ 29 मई 1998 को चार्जशीट दायर की थी।

यूको बैंक के अधिकारी को भी कैद

लखनऊ। एक अन्य मामले में दो साल के भीतर करेंसी चेस्ट में धन निकासी का ग़लत प्रेषण भेज कर करोड़ों रुपये हड़पने के आरोपी कानपुर के हेल्सी रोड स्थित यूको बैंक के तत्काली सहायक शाखा प्रबंधक केके मेहता और प्राइवेट व्यक्ति सुनील कुमार अग्रवाल को सीबीआई के विशेष न्यायाधीश ने दंडित किया है। कोर्ट ने केके मेहता को पांच साल के कठोर कारावास और एक लाख साठ हज़ार रुपये के जुर्माने जबकि सुनील कुमार अग्रवाल को तीन साल की कैद और बीस हजार के जुर्माने की सजा सुनाई है। कोर्ट में सीबीआई की ओर से कहा गया कि सीबीआई ने शिकायत मिलने पर 28 सितंबर 2005 को यूको बैंक हेल्सी रोड कानपुर के अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। बताया गया कि रिपोर्ट दर्ज कराकर आरोप लगाया गया था कि बैंक के कर्मचारियों और अधिकारियों ने अप्रैल 2003 से अप्रैल 2005 के बीच आर्मापुर स्थित करेंसी चेस्ट को धन निकासी के लिए गलत प्रेषण (रिमिटेंसेज) दिखाए और इन दो सालो में कुल एक करोड़ 58 लाख रुपये गलत तरीके से प्राप्त करके ग़बन किया और बैंक को नुकसान पहुंचाया। सीबीआई ने मामला दर्ज करने के बाद विवेचना की और आरोपी तत्कालीन सहायक प्रबंधक केके मेहता समेत अन्य के खिलाफ 30 मार्च 2007 को कोर्ट में चार्जशीट दायर की थी।

मीटिंग, रैली, हेलीपैड की अनुमति के लिए सिंगल विंडो स्थापित

महोबा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम प्रकाश ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन-2024 के मद्देनजर प्रत्याशियों तथा राजनैतिक दलों को मीटिंग, रैली, वाहनों, अस्थायी निर्वाचन कार्यालय, माइक, हेलीकाप्टर तथा हेलीपैड से सम्बन्धित अनुमति प्राप्त करने के लिए सिंगल विण्डो सिस्टम (सुविधा पोर्टल) विकसित किया है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा उक्त पोर्टल एप के माध्यम से अनापत्ति प्रमाण-पत्र निर्गत किये जायेंगे। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के लिए बैठकों, रैली, वाहनों, अस्थायी निर्वाचन कार्यालय, लाउडस्पीकर, हेलीकाप्टर तथा हेलीपैड की अनुमति के लिए अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) महोबा के कक्ष में सिंगल विण्डों सिस्टम स्थापित की गयी है। नामांकन की तिथि तक अनुमतियां अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) स्तर से ले सकते हैं।

फर्जी अंकपत्र पर 35 साल नौकरी

बहराइच

- नलकूप विभाग में वर्ष 1984 में हुई थी चालक के पद पर तैनाती
- प्रमोशन मिलने के बाद बन गए सींच पर्यवेक्षक

अमृत विचार। नलकूप विभाग में फर्जी अंक पत्र के सहारे नौकरी करने के मामले का खुलासा जन सूचना अधिकार अधिनियम के तहत हुआ है। वर्ष 1984 में नलकूप चालक के पद पर भर्ती हुए कर्मचारियों ने बाराबंकी और मथुरा का भी अंक पत्र दिखाया, लेकिन जिला विद्यालय निरीक्षक और कुल सचिव ने यहां का अंक पत्र होने से इनकार कर दिया। इसके बाद भी विभाग की ओर से कोई कार्यवाई नहीं की जा रही है।

हुजूरपुर विकास खंड के ग्राम पंचायत बसंतपुर निवासी दिनेश प्रताप सिंह पुत्र चंद्रवीर सिंह इस समय नाक को विभाग में सीट पर्वेक्षक के पद पर तैनात हैं। उनके तैनाती वर्ष 1984 में नलकूप चालक के पद पर हुई थी। गांव निवासी सूर्य प्रताप सिंह ने फर्जी अंक पत्र पर नौकरी करने का आरोप लगाते हुए नलकूप विभाग के अधिशासी अभियंता से जानकारी मांगी थी। जानकारी में जुलाई 2021 को विभाग ने हाईस्कूल में दिनेश प्रताप सिंह द्वारा लगाए गए मार्कशीट की फोटो कॉपी देते हुए विद्यालय का विवरण दिया था। इस पर सूर्य प्रताप सिंह ने बाराबंकी में संचालित एसआरबी कॉलेज लखपेड़ाबाद के मामले में जिला विद्यालय निरीक्षक से जानकारी ली। बाराबंकी के तत्कालीन जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश वर्मा ने एसआरबी कॉलेज वर्ष 1982 में और वर्तमान समय में न संचालित होने की जानकारी दी गई, साथ ही अंक पत्र को फर्जी बताया। जिस पर पुनः सूर्य प्रताप सिंह ने नलकूप विभाग से जानकारी ली तो नलकूप विभाग की ओर से गुरुकुल विश्वविद्यालय मथुरा वृंदावन विद्यालय द्वारा जारी अंक पत्र दिया गया। वहां भी वर्ष 1982 में हाई स्कूल पास दिखाया गया। इस पर सूर्य प्रताप सिंह ने गुरुकुल विश्वविद्यालय मथुरा वृंदावन के कुल सचिव को पत्र भेद कर जानकारी दी गई। गुरुकुल विश्वविद्यालय मथुरा वृंदावन के कुल सचिव परमेंद्र पाल ने 5 दिसंबर 2023 को जन सूचना उपलब्ध कराई। जिसमें उनका कहना है कि अंक पत्र उनके विद्यालय का नहीं है न ही दिनेश प्रताप नाम के छात्र द्वारा यहां शिक्षा ग्रहण किया गया है। स्कूल का संचालन भी इस समय बंद चल रहा है। उस समय विश्व विद्यालय संस्था द्वारा संचालित था। कुल सचिव का कहना है कि हस्ताक्षर भी फर्जी बनाया गया है।

> नलकूप विभाग में दिनेश प्रताप सिंह शीश पर्यवेक्षक के पद पर तैनात हैं लेकिन उनकी तैनाती फर्जी पत्र के सहारे हुई है। इसकी जानकारी नहीं है अगर पूरे कागजात मिले तो वह जांच कराकर कार्रवाई करेंगे थाने में केस भी दर्ज करवाएंगे। धोखाधड़ी से नौकरी करना गलत है।
>
> -हरिओम वर्मा अधिशाषी अभियंता नलकूप विभाग

6 वर्ष की कार्रवाई में साम्राज्य खत्म

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मौत से पहले 605 करोड़ की आर्थिक सल्तनत भी खत्म हुई
- 15 महीने में माफिया को सात मामलों में सजा सुनाई गई

अमृत विचार। कभी पूरे उत्तर भारत को अपने माफिया गठजोड़ से आतंकित रखने वाले मुख्तार अंसारी पर योगी राज भारी पड़ गया। माफिया के खिलाफ अदालतों में प्रभावी पैरवी से एक के बाद एक कई जघन्य अपराधों में उसे सजा मिली। कोर्ट से बाहर भी मुख्तार के माफिया साम्राज्य को तहस नहस करने की कार्रवाई चलती रही। मुख्तार की अवैध तरीकों से बनाई गई 605 करोड़ से अधिक की संपत्ति को योगी सरकार ने जब्त और ध्वस्त करा दिया।

योगी सरकार की मुख्तार अंसारी के खिलाफ प्रभावी पैरवी का ही नतीजा है कि 15 महीने में माफिया को सात मामलों में सजा सुनाई गई। इसमें उम्रकैद की सजा भी शामिल है। मुख्तार के खिलाफ कुल 65 मामले दर्ज थे। माफिया के नेक्सस को तोड़ने के लिए उसके पूरे गैंग के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इसमें उसके 292 सहयोगियों के खिलाफ 160 मामले दर्ज किए गए।

186 सहयोगी गिरफ्तार, 18 ने किया सरेंडर, 5 शूटर ढेर

मुख्तार अंसारी गैंग के 186 सहयोगी अब तक गिरफ्तार हो चुके हैं। गैंग के 18 सदस्यों ने सरेंडर कर दिया था। मुख्तार के माफिया नेक्सस को तोड़ने की कार्रवाई में पुलिस ने 175 अवैध हथियारों को भी जब्त किया। अपने नेटवर्क के जोर से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बने मुख्तार गैंग पर एनएसए के तहत 6 मामले दर्ज हैं। माफिया के 5 शूटर्स पुलिस मुठभेड़ में ढेर किये जा चुके हैं।

317 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त

माफिया के आर्थिक साम्राज्य को नेस्तनाबूद करने के लिए धारा 14(1) के तहत 317 करोड़ 97 लाख 90 हजार 709 रुपये की सम्पत्ति जब्त की जा चुकी है। 287 करोड़ 56 हजार 810 रुपए की अवैध संपत्ति को कब्जा मुक्त और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को अंजाम दिया गया। योगी राज में कुल 604 करोड़ 98 लाख 47 हजार 519 रुपए की माफिया की संपत्ति को जब्त, ध्वस्त और कब्जामुक्त कराया जा चुका है। सबसे अहम बात ये कि माफिया के आतंक से चलने वाले ठेका, टेंडर और अवैध व्यवसायों पर भी योगी सरकार ने जबरदस्त चोट पहुंचाई है।

हजरतगंज पुलिस ने माफिया पर लगाया था गैंगस्टर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मुख्तार अंसारी पर विभिन्न थानों में दर्ज हुए आठ आपराधिक मामले

अमृत विचार: नब्बे के दशक में जरायम की दुनिया में कदम रखने के बाद माफिया मुख्तार अंसारी ने अपना सिक्का राजधानी लखनऊ में भी बुलंद किया। वर्ष 1999 में हजरतगंज पुलिस ने मुख्तार पर गैंगस्टर की कार्रवाई की थी। इसके बाद राजधानी के कई थानों में उसके खिलाफ आठ संगीन मामलों में एफआईआर दर्ज की गई। इनमें हत्या, हत्या का प्रयास और साजिश रचना व कूटरचना बेशकीमती जमीनों पर हक जताने के आरोप हैं।

वर्ष 1999 में माफिया मुख्तार अंसारी पर हत्या, हत्या का प्रयास व साजिश के आरोप में हजरतगंज कोतवाली में पहला मामला दर्ज किया गया था। इसी साल कृष्णानगर कोतवाली में जान से मारने की धमकी देने के आरोप में दूसरा मामला दर्ज हुआ। कुछ माह बाद हजरतगंज पुलिस ने गैंगस्टर लगाया। वर्ष 2000 में आलमबाग कोतवाली में चौथा मामला दर्ज हुआ। वर्ष 2002 में हजरतगंज पुलिस ने आर्म्स एक्ट की कार्रवाई की। वर्ष 2003 में सरकारी संपत्ति नष्ट कर जान से मारने धमकी देने के आरोप में आलमबाग कोतवाली में छठा मामला दर्ज किया गया। वर्ष 2004 में कैंट और 2020 में हजरतगंज पुलिस ने जालसाजी, कूटरचना व साजिश का आरोप लगाते हुए 8वां मामला माफिया मुख्तार पर दर्ज किया था।

बेशकीमती जमीनों पर माफिया की थी नजर

राजधानी में मुख्तार के इशारे पर उसके गुर्गे नामी बिल्डर की बेशकीमती जमीनों पर कब्जा कर लेते थे। अक्टूबर 23 में आयकर विभाग ने मुख्तार की डालीबाग में दो संपत्तियों को कुर्क किया था। दिसम्बर 23 में कैसरबाग पुलिस ने बिल्डर शोएब इकबाल, मोनिस, सिराज अहमद और माइकल पर रिपोर्ट दर्ज की थी।

नौ बार लगा गैंगस्टर

मुख्तार अंसारी के खिलाफ यूपी पुलिस ने 9 बार गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की। उसके खिलाफ गाजीपुर, वाराणसी, चंदौली, नई दिल्ली, सोनभद्र, आगरा, लखनऊ, मऊ, आजमगढ़, मोहाली (पंजाब), बाराबंकी और बांदा जिले में गैंगस्टर की कार्रवाई की गई।

46 वर्ष में 14 हत्या समेत 65 मामले हुए दर्ज

राज्य ब्यूरो लखनऊ। मुख्तार अंसारी के खिलाफ गाजीपुर जिले के सैदपुर थाने में पहली एफआईआर 1978 में धमकी देने के आरोप में दर्ज हुई थी। इसके 8 वर्ष के बाद 1986 में गाजीपुर के मोहम्दाबाद थाने में हत्या की पहली रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इसके बाद मुख्तार का आपराधिक इतिहास लंबा होता ही चला गया। 1988 में कोतवाली क्षेत्र में एक और हत्या तथा वाराणसी के कैंट इलाके में हत्या, बलवा व हत्या के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज की गई। इसके बाद मुख्तार का डंका पूरे पूर्वांचल में बजने लगा। पूर्व की सरकारों ने भी मुख्तार पर खूब हाथ रखा। मुख्तार पर 46 वर्ष में 14 हत्या करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज हुई। इतने समय में उस पर कुल 65 मामले दर्ज हो चुके थे। मुख्तार पर सबसे आखिरी एफआईआर गाजीपुर के मरदह थाना में धारा 452, 506 और 120 बी में दर्ज कराई गई थी।

एनएसए, मकोका, टाडा का आरोपी भी बना मुख्तार

मुख्तार पर एफआईआर की फेरहिस्त बहुत लंबी है। उसके खिलाफ दर्ज मामलों में रंगदारी, हत्या के प्रयास, हत्या की साजिश रचने, जालसाजी करने, कूटरचना करने की कार्रवाई हो चुकी है। इसके अलावा आर्म्स एक्ट, सेवेन सीएलए, फर्जी तरीके से असलहे का लाइसेंस बनवाने का भी आरोप लगा। 2009 में नई दिल्ली में मकोका की कार्रवाई हुई। लूट, आगजनी के अलावा दिल्ली में टांडा एक्ट में कार्रवाई हुई। मुख्तार अंसारी के खिलाफ चार बार राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत भी कार्रवाई हुई। मुख्तार दंगे का भी आरोपी बनाया गया था।

नाना की बंदूक से निकली गोली से नाती की गई जान

सीतापुर

- गोली चलने के बाद नाना को पड़ा अटैक, गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती

अमृत विचार। महोली कोतवाली इलाके में नाना की लाइसेंसी बन्दूक चलने से तीन साल के बच्चे की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस ने बंदूक को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसा उस वक्त हुआ जब नाना बंदूक को जमा करने जा रहे थे।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र के चड़रा गांव निवासी सुरेश त्रिवेदी के पास लाइसेंसी बंदूक है। लोकसभा चुनाव के चलते वह लाइसेंसी बन्दूक घर से उठाकर दुकान पर जमा करने के लिए गुरुवार की दोपहर घर के अंदर तख्त पर रखे हुए थे। होली पर्व पर लखनऊ से सुरेश की बेटी अपने तीन वर्षीय बेटे स्वास्तिक के साथ पिता के घर आई हुई थी। बताया जाता है कि तख्त पर बन्दूक रखकर सुरेश अपने नाती के साथ खेल रहे थे। खेलने के दौरान ही अचानक बन्दूक तख्त के नीच गिरते ही फायर हो गई। बंदूक से निकली गोली बेटे स्वास्तिक के पेट में जा धंसी जिससे उसका पेट फट गया। नाती की हालत देख सुरेश त्रिवेदी अचेत होकर जमीन पर गिर गए। तेज आवाज के बाद मां मौके पर पहुंची और जब बाप और बेटे की हालत की हालत देखी तो वह भी बेसुध होकर गिर गई। आनन-फानन में नाना और नाती को सीएचसी महोली लाया गया। जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया जबकि हार्ट अटैक पड़ने से नाना सुरेश को गंभीर हालत में जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा। हादसे के बाद से मृतक बेटे स्वास्तिक की मां व अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हिना अली से संगीता बन मंदिर में प्रेमी से शादी

सीतापुर

- बदायूं कांड से दहशत में आई युवती ने अपनाया हिन्दू धर्म, ढाई वर्षों से दोनों का था प्रेम सम्बन्ध
- हिन्दू शेर सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष की अगुवाई में हुई दोनों की शादी, लड़के वालों ने बहू को किया स्वीकार

अमृत विचार। कोतवाली नगर इलाके में समुदाय विशेष की एक युवती ने सामाजिक भेदभाव को पीछे छोड़कर हिन्दू प्रेमी के साथ मंदिर में शादी के बंधन में बंध गई। बदायू हत्याकांड से दहशत में आई युवती ने हिन्दू संगठन के नेताओं की अगुवाई में अपने प्रेमी के साथ मंदिर में शादी करने का फैसला किया। हिना अली से युवती संगीता मौर्या बनकर अपने प्रेमी महेश के साथ भगवान को साक्षी मानकर साथ जीने और मरने की कसमें खाकर एक साथ जीवन बिताने का फैसला कर घर रवाना हो गये। शादी के दौरान युवती के परिवार वालों ने दूरी बनाये रखी।

जानकारी के अनुसार खैराबाद थाना इलाके के कस्बे की निवासिनी युवती हीना अली (बदला हुआ नाम संगीता मौर्या) ने बताया कि उसकी कस्बे के ही युवक महेश मौर्या से मुलाकात करीब ढाई साल पहले हुई थी। दोनों के बीच दोस्ती प्रेम सम्बन्ध में बदलते देर नहीं लगी। इसी बीच बदायूं में बच्चों की निर्मम हत्या की घटना ने हिना को अंदर तक हिला के रख दिया। हिना उर्फ संगीता को जब पता चला कि इन बच्चों का हत्यारा साजिद है और वह नाई का कार्य करता है तो हिना डर गई क्योंकि हिना के पिता ताहिर अली भी नाई का कार्य करते हैं। हिना उर्फ संगीता ने अपने पिता से महेश से शादी करवाने की बात कही तो ताहिर अली ने इसका विरोध करते हुए लड़के से दूरी बनाये रखने की हिदायत दी। प्रेमी युगल ने शादी करने का फैसला किया लेकिन हिना के पिता की धमकी को देकर युवती ने हिन्दू शेर सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास हिन्दू से मिलकर शादी कराने व सुरक्षा की गुहार लगाईं। हिन्दू संगठन के अध्यक्ष विकास हिन्दू ने लड़के के परिवार वालों और युवती को शहर के बाहर स्थित काली माता मंदिर में बुलाकर दोनों की शादी वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ करा दी। हिना अली ने बताया कि उसने बदायूं कांड में पीड़ित महिला के नाम पर अपना नाम संगीता मौर्या रखकर महेश का साथ जीवन भर निभाने का वादा किया है।

हिन्दू शेर सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास हिंदू का कहना है कि दंपत्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी उसकी है। अगर कोई शख्स दंपत्ति को परेशान करता है तो प्रशासन से मिलकर उसकी सुरक्षा व परेशान करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी कराई जाएगी। इस शादी समारोह के दौरान लड़की के परिवार वालों ने दूरी बनाये रखी जबकि लड़के के परिवार वालों ने बहू को आशीर्वाद देकर अपनाया।

शादी समारोह के बाद मौजूद प्रेमी युगल व साथ में हिन्दू शेर सेना के कार्यकर्ता।

दो करोड़ की चरस के साथ नेपाली महिला गिरफ्तार

रूपईडीहा, बहराइच

- नेपाल से भारत ला रही थी 7.4 किलोग्राम मादक पदार्थ, पुलिस और एसएसबी ने की कार्रवाई

अमृत विचार। भारत-नेपाल सीमा पर जांच के दौरान पुलिस और एसएसबी के जवानों ने एक नेपाली महिला को 7.4 किलो चरस के साथ गिरफ्तार किया है। केस दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। एसएसबी के मुताबिक बरामद चरस की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग दो करोड़ रुपये है।

पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला और अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉक्टर पवित्र मोहन त्रिपाठी के निर्देशन में भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी और पुलिस आने-जाने वाले लोगों की जांच कर रहे थे। प्रभारी निरीक्षक शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि रूपइडीहा चेक पोस्ट पर एसएसबी और पुलिस क जवान चेकिंग लगाए हुए थे। गुरुवार को दोपहर में जांच के दौरान एक महिला नेपाल की ओर से भारत में प्रवेश करने के लिए आए। एसएसबी और पुलिस के महिला जवानों ने जांच की तो महिला के पास से सात किलो 400 ग्राम चरस बरामद हुआ। गया। महिला तस्कर की पहचान सयपुरा बुधा निवासी वार्ड न 09 कोल जिला रुकुम राष्ट्रा नेपाल के रूप में हुई है। उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। जांच टीम में एसआई विजय कुमार, हेड कांस्टेबल मुलायम यादव, सिपाही सन्दीप चौहान, महिला सिपाही नेहा सिंह, प्रिया पाण्डेय और एसएसबी के एसएसाई सन्तोष कुमार विश्वास, मुख्य आरक्षी विक्रम कुमार राय, सुनील कुमार, परमार जयदेव, नरेश नेहरा, महिला जवान रोशनी बेन, प्रीति कौर, निशा यादव, अर्चना कुमारी, सुरेश कुमार और डाग मैंन मय डाग जोशना शामिल रहे।

कवायद | निगरानी व बचाव में मिलेगी मदद, सरयू के घाट पर पहुंची स्टीमर की पहली खेप

जल पुलिस को मिले छह आधुनिक फाइबर स्टीमर

अयोध्या कार्यालय

- रामनवमी मेले की तैयारी के पहले चरण में हुई थी बैरिकेडिंग
- 40 हार्स पावर की फाइबर स्टीमर सरयू घाट पहुंची

अमृत विचार : रामनवमी मेले के पूर्व सुरक्षा और व्यवस्था को चाक-चौबंद करने की कवायद के तहत जल पुलिस को छह आधुनिक फाइबर स्टीमर की खेप मिली है। 40 हार्स पावर क्षमता वाली यह फाइबर स्टीमर सरयू के घाट पर पहुंचा दी गई है। इससे जल पुलिस को सरयू में निगरानी के साथ बचाव व राहत अभियान में बहुत मदद मिलेगी। स्टेयरिंग युक्त इस फाइबर बोट से दल की कार्यदक्षता बढ़ेगी। अभी कुछ और उपकरणों की खेप आनी है।

रामनगरी अयोध्या के किनारे-किनारे बहने वाली सरयू में निगरानी तथा सरयू में स्नान के दौरान होने वाली घटनाओं पर लगाम के लिए विभिन्न घाटों पर जल पुलिस की तैनाती की गई है। समन्वय व सहयोग तथा विशेष परिस्थिति के लिए एक कंपनी पीएसी बाढ़ राहत दल तथा राज्य आपदा मोचक बल की दो टीमें लगाई गई है। रामनगरी में विभिन्न मेला व पर्वों के दौरान स्नान के दौरान श्रद्धालुओं के डूबने की घटनाओं की रोकथाम और जनहानि को कम करने के लिए जिला प्रशासन के प्रस्ताव पर आपदा राहत विभाग की ओर से बचाव और राहत के लिए प्रदेश के आपदा राहत विभाग की ओर से सिंचाई विभाग बाढ़ खंड विभाग की मदद से कार्ययोजना पर काम शुरू कराया गया था। जिसके तहत श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए आरती घाट से लेकर नयाघाट समेत शहर के गुप्तारघाट और सरयू के अन्य घाटों पर सरयू में फ्लोटिंग बैरियर और जेटी का निर्माण कराया गया है। साथ ही अयोध्या में निगरानी कक्ष का निर्माण कराया गया है और लाइफ जैकेट, इजंन चलित बोट आदि उपकरण उपलब्ध कराया गया है। सरयू में आरती घाट तथा नयाघाट स्थित कच्चे घाट के सामने फैब्रिकेटेड निगरानी कक्ष से अनवरत निगरानी कराई जा रही है। मोटर बोट के जरिए गश्त निगरानी कराई जा रही है। योजना के तहत निगरानी के लिए आधुनिक मोटर बोट,ड्रैगन लाइट, नाइट विजन ग्लास आदि की उपलब्धता कराई जानी थी,जिसके तहत 40-40 हार्स पावर क्षमता की छह आधुनिक फाइबर स्टीमर पहुंच गई है।

अयोध्या आ गए आधुनिक स्टीमर। अमृत विचार

पहले से उपलब्ध हैं चार मोटर बोट

जल पुलिस के प्रभारी आरपी मौर्य का कहना है कि सरयू में निगरानी और बचाव व राहत के लिए जल पुलिस के साथ पीएसी व एसडीआरएफ की तैनाती है। पहले से चार मोटर बोट और जीवन रक्षक उपकरण रिंग, जैकेट, थ्रो बाल आदि उपलब्ध है। 40 हार्स पावर क्षमता की स्टेयरिंग युक्त छह फाइबर बोट मिली है। ड्रैगन लाइट समेत अन्य आधुनिक उपकरण की खेप उपलब्ध कराई जानी है। उन्होंने बताया कि बढ़ती भीड़ के मद्देनजर अतिरिक्त उपकरण और जन शक्ति भी बढ़ाई जाएगी। श्रद्धालुओं से बैरिकेटिंग के भीतर ही स्नान करने की अपील की जा रही है, जिससे हादसों को बचाया जा सके।

राम नवमी को अयोध्या में पहुंचेंगे 50 लाख श्रद्धालु

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/अयोध्या

- मुख्य सचिव और डीजीपी के सामने अफसरों ने पेश किया तैयारियों का खाका

अमृत विचार। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में पहली रामनवमी को लेकर विशेष उत्साह है। गुरुवार को प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र और डीजीपी प्रशांत कुमार ने अयोध्या पहुंचकर तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक की। इससे पहले दोनों अधिकारियों ने मंदिर परिसर का भ्रमण कर सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। बैठक में राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा को लेकर भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए। श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन, ठहरने, पेयजल, मेडिकल सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश अधिकारियों ने बैठक में दिए।

आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि श्रीराम नवमी के पर्व पर लगभग 50 लाख श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है। 17 अप्रैल को भव्य और दिव्य मंदिर में पहली रामनवमी मनाई जाएगी। मुख्य सचिव व डीजीपी ने क्राउड मैनेजमेंट के लिए कई दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मे किसी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। आईजी प्रवीण कुमार ने कहा सभी निर्देशों का पालन कराया जाएगा। गत दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अधिकारियों के साथ राम नवमी मेले में देश के कोने-कोने से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर बैठक की थी। बैठक में एडीजी जोन अमरेंद्र कुमार सेंगर, कमिश्नर गौरव दयाल, डीएम नीतीश कुमार, एसएसपी राजकरण नैय्यर व अन्य अधिकारी रहे।

पांच हजार रिश्वत लेते बाबू गिरफ्तार

उरई (जालौन)। एंटी करप्शन टीम झांसी ने बिजली विभाग के बाबू को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। रिश्वत की मांग खेत पर बिजली कनेक्शन करने के नाम पर मांगी गई थी। मामला उरई कोतवाली के कालपी रोड स्थित ऊर्जा भवन का है।

कैलिया निवासी युवा किसान विकास को अपने खेत पर बिजली कनेक्शन करवाना था, इस पर वह विभाग गया तो 18 मार्च को उससे 7 हजार की रिश्वत मांगी गई। किसान विकास की5 हजार में विभाग के बाबू मोहन यादव से बात तय हो गई। इस बीच किसान विकास ने एंटी करप्शन झांसी से संपर्क किया। गुरुवार को एंटी करप्शन टीम ने समय निर्धारित किया था, तय समय पर झांसी से उरई पहुंची एंटी करप्शन टीम, और युवा किसान ने उरई के ऊर्जा भवन पहुंच कर बिजली विभाग के बाबू मोहन यादव को पांच हजार रुपये दिए।

नारुन्तुद : स्यान्न नृशंसवादी न हीनत : परमभ्याददीत।
ययास्य वाचा पर उद्विजेत न तां वदेदुषतीं पापलोक्याम्॥

दूसरे के मर्म को चोट न पहुंचाए, चुभने वाली बातें न बोले, घटिया तरीके से दूसरे को वश में न करें, दूसरे को उद्विग्न करने एवं ताप पहुंचाने वाली, पापी जनों के आचरण वाली बोली न बोलें।

संपादकीय

वैश्विक चुनौती

दुनिया एक ओर बढ़ी हुई खाद्य मांग को पूरा करने की वैश्विक चुनौती का सामना कर रही है, वहीं 78 करोड़ लोगों को भरपेट भोजन नहीं मिलता। भोजन बर्बादी एक वैश्विक त्रासदी है। खाद्य हानि और बर्बादी को खाद्य सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में पहचाना जाता है। पोषण संबंधी असुरक्षा के संदर्भ में खाद्य बर्बादी एक गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि इससे मानव उपभोग के लिए भोजन की उपलब्धता कम हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की एक नई रिपोर्ट दर्शाती है कि एक तरफ, एक-तिहाई मानव आबादी, खाद्य असुरक्षा से जूझ रही है, वहीं हर दिन, एक अरब आहार खुराकों के समतुल्य खाद्य सामग्री बर्बाद हो जाती है। इस वजह से ना केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है बल्कि जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता हानि और प्रदूषण की चुनौतियां भी गहरी हो जाती हैं। यूएन एजेंसी की 'खाद्य अपशिष्ट सूचकांक' रिपोर्ट बताती है कि 2022 में लगभग एक अरब टन भोजन बर्बाद हो गया। करीब 20 फीसदी भोजन कूड़े में फेंक दिया जाता है। औसतन, हर व्यक्ति एक वर्ष में 79 किलोग्राम भोजन की बर्बादी के लिए जिम्मेदार है। यह विश्व में भूख से प्रभावित हर व्यक्ति के लिए हर दिन 1.3 आहार खुराकों के समतुल्य है। भोजन बर्बादी की चुनौती महज संपन्न देशों तक सीमित नहीं है और इस विषय में धनी व निर्धन देशों के बीच की दूरी कम हो रही है।

भारत में घरेलू भोजन की बर्बादी सालाना प्रति व्यक्ति लगभग 50 किलोग्राम या 68.76 मिलियन टन होने का अनुमान है। कृषि मंत्रालय के मुताबिक भारत में हर वर्ष लगभग 50,000 करोड़ रुपये का भोजन बर्बाद हो जाता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के अनुसार भारत में उत्पादित भोजन का एक तिहाई हिस्सा खाने से पहले ही बर्बाद या खराब हो जाता है। यह गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि इससे पता चलता है कि लोग न केवल जानबूझकर भोजन बर्बाद करते हैं, बल्कि उन्हें इसके बारे में पता भी नहीं चलता है। यूएन एजेंसी की रिपोर्ट यह भी बताती है कि खाद्य बर्बादी के स्तर और औसत तापमान में सीधा संबंध है। गर्म जलवायु वाले देशों में घर-परिवारों में प्रति व्यक्ति ज्यादा मात्रा में भोजन बर्बाद होता है, चूंकि वहां ताजा भोजन खाने की प्रवृत्ति है और खाद्य संरक्षण के लिए शीतलन उपकरण का अभाव हो सकता है। भोजन हानि और बर्बादी, 10 प्रतिशत वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है। भोजन की बर्बादी एक आर्थिक और पर्यावरणीय संकट है जिस पर हमें तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है और इस समस्या से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को इस दिशा में काम करना चाहिए। अच्छा खाना हर नागरिक का जितना अधिकार है, उतना ही हमारी जिम्मेदारी भी है कि इसे बर्बाद न करें।

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

दुखद है कि बरसात की हर बूंद को सारे साल जमा करने वाली गांव-कस्बे की छोटी नदियां बढ़ती गरमी, घटती बरसात और जल संसाधनों की नैसर्गिकता से लगातार छेड़छाड़ के चलते या तो लुप्त हो गईं या गंदे पानी के निस्तार का नाला बना दी गईं। देश के चप्पे-चप्पे पर छितरे तालाब तो हमारा समाज पहले ही चट कर चुका है। कुएं तो बिसुरी बात हो गए।

वर्षा जल संचयन के साधनों को रखना होगा जीवंत

इस बार भी अनुमान है कि मानसून की कृपा देश पर बनी रहेगी, ऐसा बीते दो साल से हुआ, उसके बावजूद बरसात के विदा होते ही देश के बड़े हिस्से में बूंद-बूंद के लिए मारामारी शुरू हो जाती है। जानना जरूरी है कि नदी-तालाब-बावड़ी-जोहड़ आदि जल स्रोत नहीं हैं, ये केवल जल को सहेज रखने के खजाने हैं, जल स्रोत तो बारिश ही है और जलवायु परिर्तन के कारण साल दर साल बारिश का अनयिमित होना, बेसमय होना और अचानक तेज गति से होना घटित होगा ही। आंकड़ों के आधार पर हम पानी के मामले में पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा समृद्ध हैं, लेकिन चिंता का विषय यह है कि पूरे पानी का कोई 85 प्रतिशत बारिश के तीन महीनों में समुद्र की ओर बह जाता है और नदियां सूखी रह जाती हैं।

यह सवाल हमारे देश में लगभग हर तीसरे साल खड़ा हो जाता है कि 'औसत से कम' पानी बरसा या बरसेगा, अब क्या होगा? देश के 13 राज्यों के 135 जिलों की कोई दो करोड़ हेक्टर कृषि भूमि प्रत्येक दस साल में चार बार पानी के लिए त्राहि-त्राहि करती है। असल में इस बात को लोग नजरअंदाज कर रहे हैं कि यदि सामान्य से कुछ कम बारिश भी हो और प्रबंधन ठीक हो तो समाज पर इसके असर को गौण किया जा सकता है।

जरा देश की जल-कुंडली भी बांच ली जाए। भारत में दुनिया की कुल जमीन या धरातल का 2.45 क्षेत्रफल है। दुनिया के कुल संसाधनों में से चार फीसदी हमारे पास हैं व जनसंख्या की भागीदारी 16 प्रतिशत है। हमें हर साल औसतन 110 सेंटीमीटर बारिश से कुल 4000 घन मीटर पानी प्राप्त होता है, जो कि दुनिया के अधिकांश देशों से बहुत ज्यादा है। यह बात दीगर है कि हमारे यहां बरसने वाले कुल पानी का महज 15 प्रतिशत ही संचित हो पाता है। शेष पानी नालियों-नदियों से होते हुए समुद्र में जाकर मिल जाता है और बेकार हो जाता है। जाहिर है कि बारिश का जितना हल्ला होता है, उतना उसका असर पड़ना चाहिए। हां, एक बात सही है कि कम बारिश में भी उग आने वाले मोटे अनाज जैसे ज्वार, बाजरा, कुटकी आदि की खेती व इस्तेमाल सालों-साल कम हुआ है, वहीं ज्यादा पानी मांगने वाले सोयाबीन व अन्य केश क्राप ने खेतों में अपना स्थान बढ़ाया है। इसके चलते बारिश पर निर्भर खेती बढ़ी है। तभी थोड़ा भी कम पानी बरसने पर किसान रोता दिखता है। यह आंकड़ा वैसे बड़ा लुभावना लगता है कि देश का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 32.80 लाख वर्ग किलोमीटर है, जबकि सभी नदियों को सम्मिलित जलग्रहण क्षेत्र 30.50 लाख वर्ग किलोमीटर है। भारतीय नदियों के मार्ग से हर साल 1645 घन किलोलीटर पानी बहता है, जो सारी दुनिया की कुल नदियों का 4.445 प्रतिशत है।

देश के उत्तरी हिस्से में नदियों में पानी का अस्सी फीसदी जून से सितंबर के बीच रहता है, दक्षिणी राज्यों में यह आंकड़ा 90 प्रतिशत का है। जाहिर है कि शेष आठ महीनों में पानी की जुगाड़ न तो बारिश से होती है और न ही नदियों से। दुखद है कि बरसात की हर बूंद को पूरे साल जमा करने वाली गांव-कस्बे की छोटी नदियां बढ़ती गरमी, घटती बरसात और जल संसाधनों की नैसर्गिकता से लगातार छेड़छाड़ के चलते या तो लुप्त हो गईं या गंदे पानी के निस्तार का नाला बना दी गईं। देश के चप्पे-चप्पे पर छितरे तालाब तो हमारा समाज पहले ही चट कर चुका है। कुएं तो बिसुरी बात हो गए। बाढ़-सुखाड़ के लिए बदनाम बिहार जैसे सूबे की 90 प्रतिशत नदियों में पानी नहीं बचा। गत तीन दशक के दौरान राज्य की 250 नदियों के लुप्त हो जाने की बात सरकारी महकमे स्वीकार करते हैं। सनद रहे बिहार में पानी के लिए हत्या का आंकड़ा देश में सर्वाधिक है। अभी कुछ दशक पहले तक राज्य की बड़ी नदियां-कमला, बलान, फल्गू, घाघरा आदि कई-कई धाराओं में बहती थीं, जो आज नदारद हैं। झारखंड के हालात कुछ अलग नहीं हैं, यहां भी 141 नदियों के गुम हो जाने की बात फाइलों में तो दर्ज हैं, लेकिन उनकी चिंता किसी को नहीं। राज्य की राजधानी रांची में करमा नदी देखते ही देखते अतिक्रमण के घेर में मर गई। हरमू और जुमार नदियों को नाला तो बना ही दिया है। यहां चतरा, देवघर, पाकुड़, पूर्वी सिंहभूमि जैसे घने जंगल वाले जिलों में कुछ ही सालों में सात से 12 तक नदियों की जल धारा मर गई।

नदियों की जीवन स्थली कहा जाने वाला उत्तराखंड हो या फिर दुनिया की सबसे ज्यादा बरसात के लिए मशहूर मेघालय छोटी नदियों के साल-दर-साल लुप्त होने का सिलसिला जारी है। प्रकृति तो हर साल कम या ज्यादा, पानी से धरती को सींचती ही है, लेकिन असल में हमने पानी को लेकर अपनी आदतें खराब कीं। जब कुएं से रस्सी डालकर पानी खींचना होता था या चापाकल चलाकर पानी भरना होता था तो जितनी जरूरत होती थी, उतना ही जल उलींचा जाता था। घर में टोंटी वाले नल लगने और उसके बाद बिजली या डीजल पंप से चलने वाले ट्यूबवेल लगने के बाद तो एक गिलास पानी के लिए बटन दबाते ही दो बाल्टी पानी बर्बाद करने में हमारी आत्मा नहीं कांपती है।

नदियों की जीवन स्थली कहा जाने वाला उत्तराखंड हो या फिर दुनिया की सबसे ज्यादा बरसात के लिए मशहूर मेघालय छोटी नदियों के साल-दर-साल लुप्त होने का सिलसिला जारी है। प्रकृति तो हर साल कम या ज्यादा, पानी से धरती को सींचती ही है, लेकिन असल में हमने पानी को लेकर अपनी आदतें खराब कीं। जब कुएं से रस्सी डालकर पानी खींचना होता था या चापाकल चलाकर पानी भरना होता था तो जितनी जरूरत होती थी, उतना ही जल उलींचा जाता था। घर में टोंटी वाले नल लगने और उसके बाद बिजली या डीजल पंप से चलने वाले ट्यूबवेल लगने के बाद तो एक गिलास पानी के लिए बटन दबाते ही दो बाल्टी पानी बर्बाद करने में हमारी आत्मा नहीं कांपती है। हमारी परंपरा पानी की हर बूंद को स्थानीय स्तर पर सहेजने, नदियों के प्राकृतिक मार्ग में बांध, रेत निकालने, मलवा डालने, कूड़ा मिलाने जैसी गतिविधियों से बचकर, पारंपरिक जल स्रोतों-तालाब, कुएं, बावड़ी आदि के हालात सुधारकर, एक महीने की बारिश के साथ सालभर के पानी की कमी से जूझने की रही है।

अब कस्बाई लोग बीस रुपए में एक लीटर पानी खरीदकर पीने में संकोच नहीं करते हैं तो समाज का बड़ा वर्ग पानी के अभाव में कई बार शौच व स्नान से भी वंचित रह जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि प्रकृति जीवनदायी संपदा यानी पानी हमें एक चक्र के रूप में प्रदान करती है और इस चक्र को गतिमान रखना हमारी जिम्मेदारी है। इस चक्र के थमने का अर्थ है हमारी जिंदगी का थम जाना। प्रकृति के खजाने से हम जितना पानी लेते हैं उसे वापस भी हमें ही लौटाना होता है। इसके लिए जरूरी है कि विरासत में हमें जल को सहेजने के जो साधन मिले हैं, उनको मूल रूप में जीवंत रखें। केवल बरसात ही जल संकट का निदान है।

प्रसंगवश

अपनी-अपनी पोथी की व्याख्या

भारत के लगभग सभी विश्वविद्यालयों के इस्लामिक स्टडीज तथा अरबी के विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। सेमिनार था-अकीदत के रंग हिंद तहजीब के संग। मकसद था-इस्लाम पर देशज प्रभाव को रेखांकित करना, लेकिन मकसद तो भटक गया। बात शुरू हुई थी इंडियन इस्लाम से, लेकिन उद्घाटन करने वाले वीसी ने ही चर्चा को इंडियन इस्लाम से मोड़कर इस्लामिक इंडिया बना दिया। अब वहां कुरान के शब्दों को बार-बार दोहराते हुए कहा जा रहा था-यह ईश्वरीय आदेश है। देशज प्रभाव की चर्चा किसको करनी थी? जो भी वक्ता आता, वह प्रकारांतर से इसी सूत्र का विस्तार कर देता। वही एक बात, फिर वही एक बात। एक ही बात को सुनते-सुनते जब थक गया तब मैंने अपने साथ ही बैठने वाले प्रतिभागी प्रोफेसर से (जो कश्मीर से थे) पूछा-ईश्वर केवल अरबी में ही क्यों बोला? या फिर सभी को वह एक ही भाषा सिखा देता। क्यों उसने भिन्न-भिन्न भाषाएं बना दीं? माना कि कुरान ईश्वर वाणी है, किंतु आप यह बताएं कि वेद ईश्वर-वाणी क्यों नहीं है? गीता ईश्वर वाणी क्यों नहीं है? बाइबिल ईश्वर वाणी क्यों नहीं है? समणसुत्तं ईश्वर-वाणी क्यों नहीं है? अवेस्ता ईश्वर वाणी क्यों नहीं है? गुरु ग्रंथ साहब या त्रिपिटक ईश्वर वाणी क्यों नहीं है? वे इसका उत्तर मुझसे ही पूछने लगे। चर्चा लंबी थी। 'संसार में प्रत्येक सांस्कृतिक समूह के पास सामूहिक जीवन का नियमन करने के लिए अपना एक ईश्वरी संविधान है, ईश्वरीय वाणी है। बाइबिल हो या कुरान या अवेस्ता या वेद या गुरु ग्रंथ साहब, त्रिपिटक, समणसुत्तं अथवा कोई अन्यः वहां के लोकमानस ने विभिन्न सांस्कृतिक समूहों ने इन्हें समष्टि विश्वास के साथ ईश्वरवाणी की प्रतिष्ठा दी है, इसलिए ये ईश्वरवाणी हैं। ईश्वरवाणी की प्रतिष्ठा लोकमानस करता है।

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

संसार में अपनी-अपनी पोथी या ईश्वरवाणी सभी सांस्कृतिक समूहों के पास है, लेकिन अपनी-अपनी पोथी या ईश्वरवाणी की व्याख्या प्रत्येक युग में होती रही। धर्म संस्थान की आलोचना प्रत्यालोचना निरंतर होती रहती है। ऐसा न होता तो मानव जीवन उस अंधकार युग में ही जी रहा आता। वे प्रोफेसर साहब सहमत तो हुए, किंतु बोले कि- 'मैं अपनी परिस्थिति में यह कह नहीं सकूंगा।'

ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए

समाज और अर्थव्यवस्था की स्थिरता और सामर्थ्य के लिए ऊर्जा संसाधनों की महत्वपूर्ण आवश्यकता को हम सभी समझ रहे हैं, क्योंकि यह हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए हमारी जिम्मेदारी की तरह हो गया है। प्रकृति पर सौर और जल विद्युत ऊर्जा दोनों ही आविष्कारी और सामर्थ्य पूर्ण ऊर्जा स्रोत हैं, जो स्थायी, प्रदूषण मुक्त और संवेदनशील ऊर्जा के लिए संभावनाएं प्रदान करते हैं।

सौर ऊर्जा और जल विद्युत के उपयोग से भारत स्वतंत्र और सामर्थ्य पूर्ण ऊर्जा स्रोतों की दिशा में अग्रसर हो रहा है, जो लंबे समय तक सतत ऊर्जा आपूर्ति की गारंटी प्रदान करता है। इसके अलावा यह प्रदूषण को कम करने में भी मदद करता है जिससे वातावरण को सुरक्षित रखा जा सकता है। इस प्रकार सौर ऊर्जा और जल विद्युत न केवल ऊर्जा संक्रांति के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि ये विकास के लिए भी एक महत्वपूर्ण चरण हैं, जो भारत को ऊर्जा स्वतंत्रता और संरचनात्मक सुरक्षा की दिशा में आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

ऊर्जा आवश्यकताओं में आत्मनिर्भरता हासिल करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रमुख फोकस क्षेत्र रहा है। सौर ऊर्जा, सूर्य से प्राप्त होने वाली ऊर्जा, हमारे प्राकृतिक संसाधनों में से एक है। इसकी प्राप्ति समय के साथ निरंतर रहती है और इसका उपयोग बिना किसी प्राकृतिक संसाधन की अनियंत्रित उपज किए हमेशा चला जा सकता है। इससे हम ग्लोबल वार्मिंग और अन्य पर्यावरणीय संकटों का सामना कर सकते हैं। सौर ऊर्जा का उपयोग हमें विद्यमान ऊर्जा स्रोतों के उचित उपयोग के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है। यह हमें ऊर्जा की स्थिरता में सुधार करने का अवसर प्रदान करता है और भविष्य के लिए बेहतर संभावनाएं सिद्ध करता है। इस प्रकार सौर ऊर्जा और जल विद्युत दोनों ही हमारे समाज और पर्यावरण के लिए आवश्यक हैं, जो हमें एक सुरक्षित, स्थिर और सामर्थ्यवान भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करते हैं। इसलिए हमें इन ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए और उन्हें विकसित करने के लिए प्रयास करना चाहिए।

डॉ. अमित वर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

इस दिशा में पिछले माह ही भारत ऊर्जा सप्ताह गोवा में आयोजित किया गया जिसमें यह भारत की सर्वोच्च और एकमात्र विशिष्ट ऊर्जा प्रदर्शनी और सम्मेलन रहा। यह मंच भारत के ऊर्जा पारगमन लक्ष्यों के लिए संपूर्ण ऊर्जा मूल्य श्रृंखला को एक मंच प्रदान करेगा और उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा। प्राकृतिक सौर ऊर्जा स्रोतों की स्वाभाविक उपस्थिति और अवैज्ञानिक उपयोग के संबंध में भारतीय सभ्यता एक प्रमुख योगदान कर रही है। इसे ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक लागू किया जा सकता है। इसमें सौर ऊर्जा पैनल, सौर ऊर्जा उत्पादन प्लांट्स, और सौर ऊर्जा को बैटरी स्टोरेज में भी संभावनाएं शामिल हैं। जल विद्युत भी एक महत्वपूर्ण साधन है, जो ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित और स्थायी बनाता है। हाइड्रोपावर प्लांट्स और मिनी हाइड्रोपावर स्थल जल विद्युत के प्रमुख उदाहरण हैं। ये स्थल सीमित जल स्रोतों का उपयोग करते हैं और साथ ही प्रदूषण को भी कम करते हैं। भारत में सौर ऊर्जा और जल विद्युत के विकास के लिए कई उदाहरण हैं, जैसे कि कायाकल्प विद्युत योजना, जो विशेष रूप से महानगरों एवं कुछ बड़े शहरों के लिए सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई है।

इस दिशा में पिछले माह ही भारत ऊर्जा सप्ताह गोवा में आयोजित किया गया जिसमें यह भारत की सर्वोच्च और एकमात्र विशिष्ट ऊर्जा प्रदर्शनी और सम्मेलन रहा।

पिछले दिनों भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के ऊर्जा दक्षता ब्यूरो तथा भारत सरकार के ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय के ऊर्जा विभाग और भूटान की शाही सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन के हिस्से के रूप में भारत का लक्ष्य ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा विकसित स्टार लेबलिंग कार्यक्रम को बढ़ावा देकर घरेलू क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने में भूटान की सहायता करना है। भूटान की जलवायु स्थिति के अनुरूप बिल्डिंग कोड तैयार करने में भारत के अनुभव के आधार पर मदद की जाएगी। ऊर्जा लेखा परीक्षकों के प्रशिक्षण को संस्थागत बनाकर भूटान में ऊर्जा पेशेवरों के एक समूह के निर्माण की परिकल्पना की गई है। यह समझौता ज्ञापन विद्युत मंत्रालय द्वारा विदेश मंत्रालय (एमईए) और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के परामर्श से तैयार किया गया है। यह समझौता ज्ञापन भारत और भूटान के बीच ऊर्जा दक्षता एवं ऊर्जा संरक्षण से संबंधित सूचना, डेटा और तकनीकी विशेषज्ञों के आदान-प्रदान को सक्षम करेगा। इससे भूटान को बाजार में ऊर्जा कुशल उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

सोशल फोरम

अकर्मण्यता को प्रोत्साहन

हमारे से पहले जेनरेशन के प्रोफेसर, जो हमारे शिक्षक या शिक्षक तुल्य रहे, क्यों जर्नल्स में लिखने और प्रकाशित करने में शिथिल या रुचि कृपण रहे। कुछ एक ने किताबें जरूर लिखीं, पर वे किताबें किसी कक्षा के सिलेबस की सेवा में थीं, न कि विषय की सेवा में। हमारे एक विद्वान शिक्षक ने लिखा है कि उन दिनों (1930) तक जर्नल्स समसामयिक रिसर्च और नए ज्ञान के वाहक हो चुके थे और इस मामले में किताबें पीछे छूट चुकी थीं, किंतु उन महोदय के काम को देखें तो स्पष्ट है कि उन्होंने जर्नल्स में लिखने में कोई रुचि नहीं दिखलाई। क्या वह विभागाध्यक्ष होकर इतने संतृप्त हो गए थे कि कुछ नया करने, लिखने, को नहीं था?

डॉ सुधांशु के. मिश्रा
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

ध्यातव्य है कि नहीं लिखने वाले अपने विद्यार्थियों को भी लिखने को नहीं कहते। इसका असर कई जेनरेशन तक रह सकता है और अकर्मण्यता को प्रोत्साहित कर सकता है। मुझे ऐसा लगता है कि सदियों की बाबू-साहबी की मातहती और गुलामी ने भारतीय मनोवृत्ति, खासकर कलेक्टिव अनकॉन्सस पर गहरा प्रभाव डाला है। हम जब तक अंडरडॉग रहते हैं, रोते हैं, शिकायत करते हैं, निंदा करते हैं, एकोमोडेट करते हैं, सिमट-सिकुड़ कर जीते हैं, लेकिन हम ज्यों ही बेहतर स्थिति में आते हैं तो वही करने लगते हैं जिसके विरुद्ध हमें शिकायत थी। हम जागीरदार की तरह व्यवहार करने लगते हैं। हमारा व्यवहार उन सामंती आर्किटाइप का हो जाता है। इसीलिए सरकारी नौकरी पाने वालों, एडमिनिस्ट्रेटिव पोस्ट पर नियुक्त लोगों, सत्ता से जुड़े लोगों, विभागाध्यक्षों, कुलपतियों आदि का व्यवहार प्रायः बाबू-साहबी हो जाता है। रिसर्च और पढ़ना-लिखना तो उनके काम हैं, जिन्हें मंजिल पानी है। जिन्हें मंजिल मिल गई वे ये छोटे काम क्यों करें?

अगर हम यूरोप और भारत की तुलना करें तो हम पाएंगे कि यूरोप नवप्रवर्तन, अन्वेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान, जोखिम उठाना और उद्यम का लाभार्थी रहा है, लेकिन भारत ने सदियों से देखा है कि उसके सामंत, नौकरशाह, शासक मजे में रहे हैं और बाकी जनता पैरों में लौटती रही है। अतः एक भारतीय जब बेहतर स्थिति में आता है तो अपनी पूर्व पहचान को छिपाना चाहता है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

-फेसबुक वॉल से

नैतिक- अनैतिक सत्य भी बदलता है

नैतिकता और चरित्र बस परिस्थिति जन्य होते हैं। काल, भूगोल और परिस्थितियों के अनुसार इनके मायने बदलते रहते हैं। रामायण में एक घटना है कि जब लक्ष्मण को माता सीता की पहचान के लिए उनके कर्ण फूल दिखाए जाते हैं तो वे उन्हें पहचानने से इंकार कर देते हैं कि उन्होंने तो मां सीता का चेहरा कभी देखा ही नहीं, उन्होंने तो सिर्फ उनके चरणों को देखा है, वे उनकी बिछीया पहचान सकते हैं।

यह सामान्यजनों के लिए देवर-भाभी के बीच आदर्श मिसाल है, लेकिन इसी रामायण में जिक्र है कि सुग्रीव ने अपने भाई बाली के मरने पर बाली की पत्नी यानी अपनी भाभी से विवाह रचा लिया था। रामायण के रचयिता वाल्मीकि भी इस बात का समर्थन करते हैं, लेकिन जब बाली ने सुग्रीव की पत्नी से ब्याह किया था तो बाली खलनायक हो गया था। रावण के मरने के बाद उसके भाई विभीषण ने भगवान श्रीराम की उपस्थिती में मंदोदरी से शादी की थी जो उसकी भाभी थी। आज भी समाज में कई उदाहरण देखने को मिल जाते हैं, जब बड़े भाई की मृत्यु होने पर विधवा भाभी की शादी देवर से करवा दी जाती है।

डॉ.धीरज सिंह
मुंबई

यह सामान्यजनों के लिए देवर-भाभी के बीच आदर्श मिसाल है, लेकिन इसी रामायण में जिक्र है कि सुग्रीव ने अपने भाई बाली के मरने पर बाली की पत्नी यानी अपनी भाभी से विवाह रचा लिया था। रामायण के रचयिता वाल्मीकि भी इस बात का समर्थन करते हैं, लेकिन जब बाली ने सुग्रीव की पत्नी से ब्याह किया था तो बाली खलनायक हो गया था।

बड़ी बहन के मरने पर छोटी बहन की शादी उसके जीजा से करवा दी जाती है। समाज ने नारी की मर्जी कब पूछी है? समाज हमेशा बस अपनी मर्जी थोपना जानता है। मुस्लिमों में पुरुष का बहु विवाह जायज है, लेकिन समाज में कई हिंदू पुरुष मिल जाएंगे जिनकी दो-दो पत्नियां हैं। संविधान इसे मान्यता नहीं देता पर समाज इसका विरोध भी नहीं करता। मुस्लिमों में चचेरी, फूफेरी और ममेरी बहन के साथ शादी आम बात है। ऐसा ही दक्षिण भारत के हिंदुओं में भी देखा जाता है, उनको समाज में यह मंजूर है। यह तो छोड़ो मामा और भांजी तक की शादी का रिवाज है। राजस्थान के पाली, बीकानेर और जैसलमेर के कुछ इलाकों में ऐसा नियम है कि किसी शख्स को किसी की पत्नी पसंद आ गई तो वह उसको मिले दहेज से ज्यादा मोल चुका कर उसे अपने साथ रख सकता है, उससे ब्याह कर सकता है, उनके समाज में इस बात का बुरा नही माना जाता है।

पाली जिले के ही एक समाज में लड़कियों के पैदा होने पर खुशियां मनाई जाती हैं, वह भी इसलिए की बड़ी होने पर जिस्मफरोशी कर वह घर चलाएगी और उसके लिए ग्राहक उसका पिता या भाई ही लाता है। यह सामाजिक नियम मुझे जरूर असहज कर देते हैं। भारत में कुछ दिन पहले तक लिव इन रिलेशनशिप और विवाहेत्तर संबंध असंवैधानिक था, होमो और लेस्बियन सेक्सुएलिटी गैर-कानूनी था, मगर अब यही संवैधानिक है। आपको यह मंजूर हो या न हो खुलेआम आप इसका विरोध नहीं कर सकते है। कानून की अवमानना का मामला बन सकता है। यह सामाजिक दोगलेपन की पराकाष्ठा नहीं तो और क्या है कि एक साली आधी घर वाली हो सकती है, लेकिन एक देवर आधा घर वाला नहीं हो सकता है? एक भाभी मां समान हो सकती है, लेकिन एक जीजा पिता समान नहीं हो सकता है और नैतिकता का पाठ पढ़ाने वाला समाज भी इस बात पर मजे लेता है।

पुरुष ही निर्णय लेता है और नियम बनाता है। दूसरी तरफ परिवार हो या समाज सबकी इज्जत का ठेका सिर्फ महिलाओं ने ले रखा है। सबकी इज्जत बचाने की जिम्मेदारी सिर्फ महिलाओं के सिर पर बंधी है और मजे की बात है कि महिलाओं को इसमे खुशी भी मिलती है, गर्व भी महसूस होता है।

अयोध्या : आज के नल-नील

निर्माण और शिल्प कर्म की बात जहां आएगी, वहां सनातनी विचारधारा वाला व्यक्ति रामकालीन नल -नील नामक वानर बंधुओं का नाम बड़े आदर से जरूर स्मरण करेगा, जिन्होंने तत्समय समुद्र पर पुल बांध दिया था। यह पुल यानी रामसेतु एक सच्चाई है जिसके अवशेष अभी भी विद्यमान हैं। कवियों ने मग्न होकर गाया, 'सिंधु सा विस्तृत और अथाह, एक निर्वासित का उत्साह। दे रही अभी दिखाई भग्न मग्न रत्नाकर की वह राह'। इतना ही नहीं, अब तो अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' मान चुकी है कि यहां कोई मानव निर्मित पुल था।

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

हमें इन सबकी लाज तो रखनी ही चाहिए। पहले इस हवाई अड्डे का नामकरण भी मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के नाम पर था, किंतु बाद में चुनावी जातीय समीकरण साधने के लिए इसे बदलकर वाल्मीकि के नाम पर कर दिया गया।

आध्यात्मिकता के गहरे रंग देते हुए हम यह भले मान लें कि नल-नील को ऋषि का श्राप की शक्ल में वरदान था कि 'तुम्हारे स्पर्श की वस्तु पानी में डूबेगी नहीं और वहीं स्थिर भी रहेंगी', किंतु वास्तविक धरातल पर वे निश्चय ही बहुत कुशल शिल्पकार यानी इंजीनियर रहे होंगे। लाखों वर्ष पूर्व के इस निर्माण के चिह्न अब तक विद्यमान हैं। कितनी मजबूती थी, कितना कौशल था। हम अगर अपने अतीत पर गर्व करते हैं तो क्या गलत है? हालांकि आज के हमारे नल-नील ऐसा काम कर रहे हैं जिससे सिर लज्जा से झुक जाता है। राम की ही नगरी अयोध्या में हवाई अड्डा बन रहा है। निर्माण भी केंद्र सरकार के नियंत्रण वाली 'एयर पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया' कर रही है। अभी तीन महीना नहीं हुए, दिसंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। खबर आई कि इसके एक भवन की फाल सीलिंग यानी छत के नीचे का हिस्सा गिर गया। संयोग से उस समय वहां नीचे लोग नहीं थे, अतःमौतें नहीं हुईं। प्राधिकरण के निदेशक ने बड़ी बेशर्मी से बयान दे दिया कि इसे फौरन ठीक कर दिया गया है। अब सवाल उठता है कि हम भक्त तो बहुत बड़े हैं। दर्शनार्थी मुफ्त भी ढोए जा रहे हैं, संख्या का प्रचार मीडिया में हो रहा है, लेकिन राष्ट्रीय और सरकारी चरित्र कहां जा रहा है? कैसी सामग्री लगाई गई? कितना भ्रष्टाचार हो रहा है। आदर्श केवल कागजों पर ही हैं क्या? सरकार के तमाम विभागों के प्रतीकों यानी 'लोगो' में गीता के श्लोकांश लिखे हैं, जैसे वायुसेना के लोगो में अंकित है ' नभः स्पृशं दीप्तं' जो गीता के ग्यारहवें अध्याय में भगवान के विराट रूप वर्णन का अंश है।

हमें इन सबकी लाज तो रखनी ही चाहिए। पहले इस हवाई अड्डे का नामकरण भी मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के नाम पर था, किंतु बाद में चुनावी जातीय समीकरण साधने के लिए इसे बदलकर वाल्मीकि के नाम पर कर दिया गया। निर्माणकर्ता आधुनिक नल-नीलों ने सोचा होगा कि जब राम का नाम ही इससे हट गया तो अब उनके आदर्श क्यों माने? कमा खा लें।

राम लहर में कमल खिला

मोदी असर से झांसी बना भाजपा का किला

मनोज त्रिपाठी, कानपुर।

- पिछले दस लोकसभा चुनावों में छह बार भाजपा, तीन मर्तबा कांग्रेस और सपा ने एक बार यहां से जीत हासिल की
- भाजपा ने सांसद अनुराग शर्मा को दोबारा मैदान में उतारा, कांग्रेस ने 2009 में जीते प्रदीप जैन आदित्य को टिकट थमाया
- लोकसभा क्षेत्र में लगभग एक चौथाई दलित मतदाताओं को देखते हुए बसपा किसी मजबूत दलित चेहरे की तलाश में

अमृत विचार। झांसी लोकसभा क्षेत्र बुंलखंड की सबसे महत्वपूर्ण सीट है। 1857 की क्रांति से जुड़े रहे इस शहर की पहचान वीरांगना लक्ष्मीबाई के कारण अगर देश- दुनिया में है, तो झांसी हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की कर्मस्थली और राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जन्मस्थली भी है। झांसी लोकसभा सीट पर पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा। वैद्यनाथ समूह के अनुराग शर्मा वर्तमान में यहां से सांसद हैं। भाजपा प्रत्याशी के रूप में उन्होंने 2019 के चुनाव में सपा के श्याम सुंदर सिंह को मात दी थी। इस बार विपक्षी इंडिया गठबंधन में यह लोकसभा सीट कांग्रेस के खाते में गई है। झांसी लोकसभा क्षेत्र में पांच विधान सभा सीटें बबीना, ललितपुर, झांसी नगर, महरौनी और मऊरानीपुर शामिल हैं, जिनमें मऊरानीपुर और महरौनी सुरक्षित सीटें हैं। इन पांच विससीटों में से चार पर भाजपा, जबकि एक पर सहयोगी पार्टी अपना दल (एस) का कब्जा है।

पिछले चार चुनावों में प्रमुख दलों को मिले मत (प्रतिशत में)

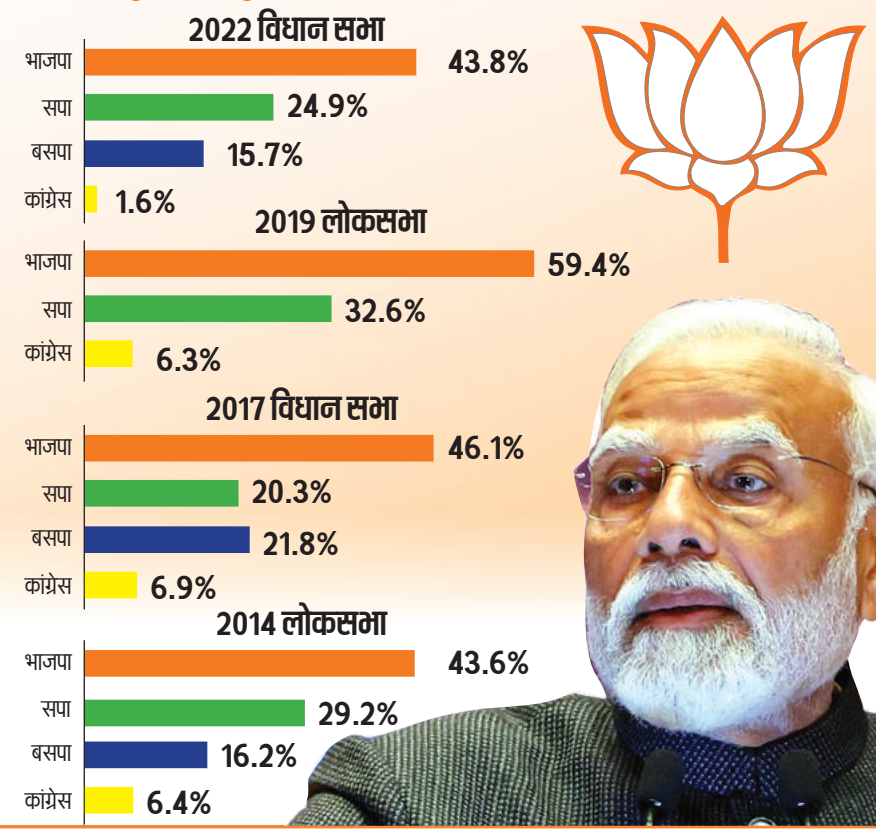

झांसी जिला बन रहा बुंदेलखंड के समग्र विकास का इंजन

- आज बुंदेलखंड में विकास की बयार बहाने की कोशिशों के बीच झांसी की तस्वीर भी तेजी से बदल रही है। यहां डिफेंस कॉरिडोर विकसित हो रहा है। शहर में स्मार्ट सिटी के काम चल रहे हैं । रेल कोच नवीनीकरण कारखाने में कोच बनने लगे हैं। ग्लोबल इन्वेंस्टर समिट में आए प्रस्तावों के तहत 100 से अधिक उद्यमी अपना निवेश धरातल पर उतारने का काम शुरू कर चुके हैं। बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) पूरे बुंदेलखंड में विकास की नई इबारत लिखने जा रहा है। बीडा की बदौलत झांसी की तस्वीर नोएडा और ग्रेटर नोएडा जैसी हो जाएगी ।
- **दलित मतदाता सबसे ज्यादा** झांसी सीट पर 9,60,595 पुरुष और 10,80,079 महिला मतदाता हैं। दलित मतदाता लगभग 24 प्रतिशत हैं। मुस्लिम नौ फीसदी तो यादव और ब्राह्मण मतदाता भी 20 फीसदी से अधिक होने के कारण निर्णायक भूमिका में हैं। सिख दो फीसदी से कुछ ज्यादा और जैन धर्म के मतदाता तीन फीसदी तक हैं।

सपा प्रत्याशी थाम चुके भाजपा का दामन

- झांसी लोकसभा सीट से भाजपा ने निवर्तमान सांसद अनुराग शर्मा को दूसरी बार टिकट दिया है। कांग्रेस ने 2009 में चुनाव जीते प्रदीप जैन आदित्य पर दांव लगाया है। उधर बसपा अपनी सोशल इंजीनियरिंग के तहत किसी मजबूत दलित चेहरे की तलाश में है, जबकि सपा से पिछली बार चुनाव लड़े श्याम सुंदर सिंह हाल ही में भाजपा का दामन थाम चुके हैं। इन हालात में इस सीट पर भाजपा को हराना आसान नहीं नजर आ रहा है।
- 2019 के चुनाव में झांसी लोकसभा सीट पर भाजपा ने केंद्रीय मंत्री और फायर ब्रांड नेता उमा भारती की जगह अनुराग शर्मा को मैदान में उतारा था। बसपा के साथ गठबंधन में सपा ने श्याम सुंदर सिंह को टिकट दिया था। भाजपा के अनुराग शर्मा को 8,09,272 और सपा के श्याम सुंदर सिंह यादव को 4,43,589 वोट मिले थे। कांग्रेस के शिवशरण कुशवाहा ने 86,139 वोट पाए थे।

जीत की हैट्रिक लगाने के लिए भाजपा ने बुना ताना-बाना

- भाजपा लोकसभा क्षेत्र की सभी पांचो विधान सभा सीटों पर आगे रही थी। 2014 में यहां भाजपा की उमा भारती ने सपा के डॉ. चंद्रपाल यादव को एक लाख 90 हजार 467 वोटों से मात देकर जीत हासिल की थी। उमा भारती को 5,75,889 वोट, डॉ. चंद्रपाल यादव को 3,85,422 तथा बसपा की अनुराधा शर्मा को 2,13,792 और कांग्रेस के प्रदीप जैन को 84,089 वोट मिले थे। इस सीट पर 1952 से 1971 तक लगातार कांग्रेस चुनाव जीतती रही लेकिन 1977 में जनता पार्टी की लहर में भारतीय लोकदल यहां कब्जा जमाने में कामयाब रही।
- हालांकि अगले ही चुनाव में फिर से कांग्रेस की वापसी हो गई और 1980 तथा 1984 में इस सीट पर कांग्रेस जीती। भाजपा ने 1989 में पहली बार यहां अपना खाता खोला। इसके बाद 1998 तक हुए लोकसभा के चार चुनावों में लगातार जीत दर्ज की। लेकिन, 1999 में कांग्रेस के हाथों उसे हार का मुंह देखना पड़ा। 2004 के चुनाव में सपा ने इस सीट पर पहली बार अपनी विजय पताका फहराई। 2009 में एक बार फिर कांग्रेस ने जीत हासिल की। इसके बाद 2014 और 2019 में कब्जा जमाने के बाद इस बार भाजपा जीत की हैट्रिक लगाना चाह रही है।

मिले दो महारथी

मध्य प्रदेश के ईसागढ़ में लोकसभा चुनाव से पहले यादव समाज के सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ मुख्यमंत्री मोहन यादव भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर जीत सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा की।

ताला नगरी में संघर्ष की त्रिकोणीय चाबी

अलीगढ़ संसदीय सीट

चुनाव डेस्क, कानपुर

अमृत विचार। ताले के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध अलीगढ़ लोकसभा सीट पर इस बार त्रिकोणीय मुकाबला होने के आसार हैं। अब यह क्षेत्र भाजपा का मजबूत गढ़ बन गया है। पार्टी ने से अपने दो बार के सांसद सतीश गौतम को फिर से मौका दिया है। सतीश जीत की हैट्रिक लगाने के लिए रात- दिन एक किए हैं तो उनकी जीत को रोकने के लिए इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक दल समाजवादी पार्टी ने इगलास सीट से चार बार विधायक और एक बार अलीगढ़ के सांसद चौधरी बिजेंद्र सिंह को मैदान में उतार दिया है। सपा की कोशिश मुस्लिम, यादव और जाट वोटों के सहारे भाजपा की हैट्रिक को रोकना है। हालांकि मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने के लिए बसपा भी पूरी मजबूती से मैदान में उतर चुकी है। पार्टी ने गुफरान नूर पर दांव लगाया है। अब देखना यह है कि सपा का पीडीए दांव कारगर होता है कि मोदी की गारंटी, राम लला की प्राण प्रतिष्ठा से उपजी लहर के बीच सतीश यहां तीसरी बार जीतने में कामयाब होते हैं।

अलीगढ़ में भाजपा ने पहली बार राम लहर में 1991 में जीत दर्ज की थी। तब यहां से शीला गौतम उम्मीदवार थीं। शीला लगातार चार बार सांसद बनीं, लेकिन 2004 के लोकसभा चुनाव में जब मतदाताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार के साइनिंग इंडिया के नारे को नकारा तो भाजपा को यहां हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद तब कांग्रेस के चौधरी बिजेंद्र सिंह ने यहां जीत दर्ज की थी लेकिन 2009 में यहां सीट बसपा के खाते में चली गई। हालांकि 2014 की मोदी लहर में सतीश गौतम सीट पर कमल खिलाने में कामयाब हुए। 2019 में जब सपा और बसपा का गठजोड़ हुआ तो लगा कि सतीश गौतम के हाथ से यह सीट निकल जाएगी लेकिन यहां भगवा रंग और भी गाढ़ा हो गया। अब सतीश हैट्रिक लगाने को बेताब हैं। वे सुबह से ही संघ की शाखाओं में स्वयंसेवकों से मिल रहे हैं। पार्कों में मार्निंग वॉकर से से अपने काम, मोदी की गारंटी के नाम पर वोट मांग रहे हैं। इन सबके बीच वे रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की उपलब्धि की चर्चा तो करते ही हैं अनुच्छेद 370 के खात्मे को भी गिनाना नहीं भूलते।

दूसरे दल से आए गुफरान पर बसपा का दांव

- एआईएमआईएम के जिलाध्यक्ष रहे गुफरान नूर ने पाला बदल कर बसपा का दामन थामा तो पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने उन्हें इसका इनाम भी दिया। बसपा ने गुफरान नूर को अलीगढ़ से उम्मीदवार बना दिया। गुफरान को उम्मीद है कि बसपा के परंपरागत मत और मुस्लिम मतों के सहारे वे इस बार मैदान मार लेंगे। 2009 की तरह ही यह सीट बसपा की झोली में वे डाल देंगे। तब बसपा की राज कुमारी चौहान ने यहां से जीत दर्ज की थी। 2014 में बसपा के अरविंद कुमार सिंह और 2019 में बसपा के ही अजित बालियान यहां दूसरे नंबर पर थे। हालांकि दोनों ही चुनाव भाजपा बड़े अंतर से जीती थी।

फिर से मैदान में

अभिनेता गोविंदा गुरुवार को मुंबई में शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हो गये। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के साथ उन्होंने मीडिया से बात की। गोविंदा पूर्व में कांग्रेस से सांसद रह चुके हैं। 2004 में उन्होंने मुंबई नार्थ लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार राम नाईक को हराया था। बाद में गोविंदा नें राजनीति से संन्यास ले लिया था।

मुरादाबाद में मुस्लिम मतदाता लिखते रहे हैं जीत की पटकथा

सलमान खान, मुरादाबाद

अमृत विचार। पीतल नगरी के रूप में पहचान रखने वाले मुरादाबाद में सियासत का घमासान कम नहीं है। लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन के अंतिम दिन सपा प्रत्याशी को लेकर यहां राजनीतिक ड्रामा भले खत्म हो गया है, लेकिन माना जा रहा है कि इसकी गूंज दूर तक जाएगी। मुरादाबाद लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। लेकिन हालिया इतिहास है कि यहां हर लोकसभा चुनाव में अलग पार्टी का सांसद बनता है, जैसे 2019 में सपा जीती, 2014 में भाजपा, 2009 में कांग्रेस से क्रिकेटर मो. अजरूद्दीन सांसद चुने गए थे। इस सीट पर सत्ता की चाबी मुस्लिम वोटरों के हाथ में मानी जाती है। यही वजह है कि 17 चुनावों में 11 बार मुस्लिम चेहरों ने नुमाइंदगी की है। आबादी के लिहाज से यहां हिंदू 53 और मुस्लिम 47 प्रतिशत हैं। इसके चलते पक्ष और विपक्ष दोनों को वोटों का ध्रुवीकरण भाता है।

मुरादाबाद उन सीटों में शामिल है, जिन्हें भाजपा ने 2014 में जीतने के बाद 2019 में गंवा दिया था। 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां से सपा-बसपा गठबंधन से सपा के डॉ. एसटी हसन ने जीते थे। उन्हें 6,49,538 वोट मिले थे, जबकि भाजपा के सर्वेश कुमार सिंह 5,51,416 वोटों के साथ दूसरे और कांग्रेस के इमरान प्रतापगढ़ी 59,198 वोट पाकर तीसरे नंबर पर पिछड़ गए थे। इस बार सपा का कांग्रेस से गठबंधन है। पार्टी ने पहले डॉ. एसटी हसन को टिकट दिया था। उन्होंने अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया था। लेकिन सपा नेता आजम खान उनकी प्रत्याशिता के पक्ष में नहीं थे। ऐसे में उनकी समर्थक कही जाने वाली पूर्व विधायक रुचि वीरा ने नामांकन पत्र दाखिल करके सपा का आधिकारिक उम्मीदवार होने का दावा कर दिया। उधर, बसपा ने इरफान सैफी को टिकट दिया है, तो एआईएमआईएम ने भी मुस्लिम प्रत्याशी उतारा है।

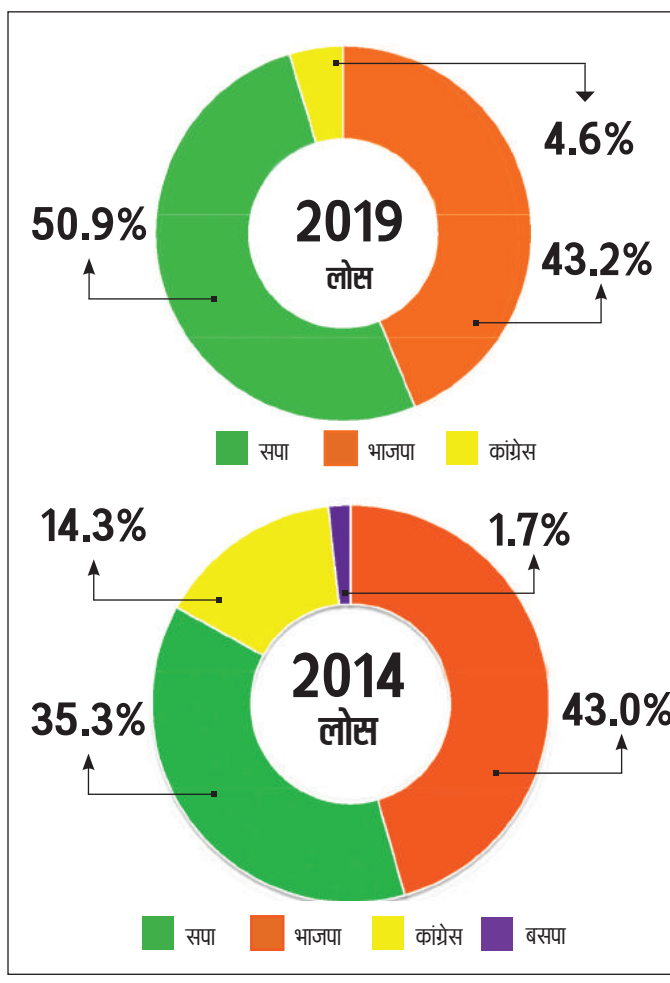

- आजादी के बाद से 17 लोकसभा चुनावों में 11 बार यहां से जीते मुस्लिम प्रत्याशी
- भाजपा 2019 में यहां हार गई थी चुनाव, सपा के लिए इस बार सीट बचाने की चुनौती
- बसपा के बाद एआईएमआईएम ने भी मुस्लिम प्रत्याशी उतार कर बढ़ाई गठबंधन की चिंता

सांसद डॉ. एसटी हसन और प्रत्याशी रुचि वीरा।

दो विधान सभा चुनावों में प्रमुख दलों को मिले वोट (% में)

चुनाव	भाजपा	सपा	बसपा	कांग्रेस
2022	39.7	47.3	9.7	1.0
2017	35.9	32.5	14.6	5.6

2009 में पूर्व क्रिकेट कप्तान अजहर ने की बैटिंग

- भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन को कांग्रेस ने 2009 में मुरादाबाद की पिच पर उतारा। जनता ने उन्हें भरपूर समर्थन दिया। अजहर को प्रत्याशी बनाकर 25 साल बाद यहां कांग्रेस ने जीत हासिल की। भाजपा दूसरे और बसपा तीसरे नंबर पर खिसक गई। सपा प्रत्याशी को महज दो प्रतिशत वोट मिले और जमानत गंवा बैठे।

आजादी के बाद तीसरे चुनाव में ही निर्दलीय को चुनकर चौंकाया

पहले दो चुनावों में कांग्रेस के रामसरन विजयी रहे, लेकिन 1962 में निर्दलीय सैयद मुजफ्फर हुसैन को जनता ने जिताया। 1967 और 71 में जनसंघ ने यहां से जीत हासिल की। 1977 में जनता पार्टी की आंधी में जनता पार्टी के गुलाम मोहम्मद खान सांसद बने। 1980 के चुनाव में भी जनता ने उन्हें ही मौका दिया। 1984 में हुए चुनाव में कांग्रेस ने वापसी की और भाजपा तीसरे नंबर पर पहुंच गई। 1989 और 91 में यहां से जनता दल के टिकट पर गुलाम मोहम्मद खान को फिर मौका मिला, लेकिन 1991 के बाद इस सीट पर भाजपा स्थायी प्रतिद्वंद्वी हो गई।

भाजपा के सर्वेश सिंह। अमृत विचार

बसपा के इरफान सैफी। अमृत विचार

बसपा कभी जीत नहीं पाई पर बनाती व बिगाड़ती रही खेल

मुरादाबाद की जनता बसपा को छोड़कर सभी प्रमुख दलों के प्रत्याशियों को चुनकर संसद भेज चुकी है। वर्ष1996 से चुनाव में बसपा ने यहां उम्मीदवार खड़े किए, लेकिन वह तीसरे नंबर पर ही रही, हालांकि पहला नंबर तय करने में उसके प्रदर्शन की भूमिका अहम रही। बसपा आज तक इस सीट पर खाता खोलने की संभावना तलाश रही है।

भाजपा और सपा के बीच सिमटी लड़ाई

90 के दशक में मंडल और कमंडल के प्रयोग के बीच राजनीति में नए खिलाड़ी उभरे। इसके बाद एकाध मौकों को छोड़कर मुरादाबाद में लड़ाई वोटों के ध्रुवीकरण में बदल गई। मुस्लिम-यादव वोटों की जमीन पर खड़ी हुई समाजवादी पार्टी के लिए मुरादाबाद की जमीन माकूल थी। 1996 में यहां से सपा के टिकट पर शफीकुर्रहमान बर्क ने जीत हासिल कर इसे साबित किया, हालांकि उनकी जीत का अंतर महज दो हजार वोटों का ही था। इस चुनाव में बसपा के मुस्लिम उम्मीदवार को भी 1.12 लाख वोट मिले। 1998 में फिर सपा और भाजपा में मुकाबला हुआ और इस बार शफीकुर्रहमान बर्क 36 हजार वोटों से जीते। साल 1999 में भाजपा ने इस सीट पर प्रयोग किया और अपना उम्मीदवार खड़ा न करके लोकतांत्रिक कांग्रेस के चंद्रविजय सिंह को समर्थन दिया था। इस चुनाव में सपा के बर्क को 1.53 लाख और बसपा के मोहम्मद अकील को 1.23 लाख वोट मिले। अल्पसंख्यक वोटों के बिखराव के बीच बहुसंख्यक वोटों की बदौलत चंद्रविजय 2.53 लाख वोट से चुनाव जीत गए। 2004 में बर्क ने एक बार फिर यहां साइकिल दौड़ाई और भाजपा को पछाड़ा।

2014 की मोदी लहर में यहां खिला कमल

वर्ष2014 में मोदी लहर में मुरादाबाद में भाजपा की जीत का इंतजार खत्म हुआ। चुनाव में मोदी लहर और मुजफ्फरनगर दंगों से बदली हवा के बीच वोटों का जबरदस्त ध्रुवीकरण हुआ। भाजपा के प्रत्याशी सर्वेश सिंह ने लगभग 88 हजार वोटों से जीतकर इस लोकसभा क्षेत्र में कमल खिला दिया। समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार डॉ. एसटी हसन 3.97 लाख वोट पाकर भी चुनाव हार गए।

एक नजर

रैलियों व साइबर योद्धाओं से भाजपा बनाएगी माहौल

चुनाव डेस्क। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में मिशन-80 का लक्ष्य पाने के लिए भाजपा ने दूसरे चरण के मतदान वाली सीटों पर नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही धुआंधार चुनाव प्रचार का पूरा खाका खींच लिया है। पार्टी रैलियों के साथ ही सोशल मीडिया को प्रचार का बड़ा हथियार बनाएगी। सूबे के 80 लोकसभा क्षेत्रों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी के साथ स्टार प्रचारकों की 200 से ज्यादा रैलियां करने की योजना बनी है। इसके लिए चार्टर्ड प्लेन और हेलीकॉप्टर बुक करा लिए गए हैं। इसके साथ ही हर लोकसभा क्षेत्र में भाजपा साइबर योद्धा सम्मेलन भी आयोजित करेगी। इनमें प्रत्येक लोकसभा से एक हजार सोशल मीडिया, आईटी कार्यकर्ता एवं इनफ्लुएंसरों को सूचीबद्ध करके बुलाया जाएगा।

सपा अभी बदल सकती और भी प्रत्याशी

चुनाव डेस्क। समाजवादी पार्टी की प्रदेश में मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछली बार 2019 में बसपा से गठबंधन करके चुनाव लड़ना पार्टी के लिए घाटे का सौदा साबित हुआ था। बसपा तो गठबंधन के चलते 10 सीटें जीत गई थी, लेकिन सपा को सिर्फ पांच सीटों पर ही जीत नसीब हो सकी थी। यही वजह है कि इस बार के चुनाव में सपा प्रमुख अखिलेश यादव एक-एक सीट पर सतर्कता बरत रहे हैं। यही वजह है कि अब तक दो सीटों पर सपा अपने घोषित प्रत्याशी बदल चुकी है। अब ऐसे कयास हैं कि पार्टी चार-पांच और सीटों पर प्रत्याशी बदल सकती है।

भाकपा का प्रदेश में आठ सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला

चुनाव डेस्क, कानपुर

- शाहजहांपुर, फैजाबाद, घोसी आजमगढ़ और राबर्ट्सगंज से पार्टी ने घोषित किए प्रत्याशी

अमृत विचार। इंडिया गठबंधन में शामिल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने उत्तर प्रदेश में आठ सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इंडिया गठबंधन में उनकी सुनवाई नहीं हो रही थी। भाकपा ने गुरुवार को पांच सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं, तीन अन्य सीटों पर जल्द निर्णय लेने की बात कही है।। इसके साथ ही दुद्धी विधानसभा उपचुनाव में भी पार्टी ने प्रत्याशी घोषित कर दिया है। हालांकि भाकपा का कहना है कि प्रदेश में अन्य सभी सीटों पर वह भाजपा को हराने के लिए प्रचार करेगी।

भाकपा के लखनऊ स्थित प्रदेश मुख्यालय में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व प्रदेश प्रभारी डॉ. गिरीश और राज्य सचिव अरविन्द राज स्वरूप ने बताया कि पार्टी ने शाहजहांपुर से सुरेश कुमार 'नेताजी', फैजाबाद से पूर्व आईपीएस अरविंद सेन यादव, लालगंज (आजमगढ़) से गंगा दीन और घोसी से विनोद राय व राबर्ट्सगंज से अशोक कुमार कनौजिया को प्रत्याशी बनाया है।

इसी के साथ पार्टी वाराणसी, धौरहरा, बांदा, बलिया व सलेमपुर लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने को लेकर विचार कर रही है। इनमें से किन्हीं तीन सीटों पर पार्टी प्रत्याशी उतारेगी।

माकपा ने 44 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

- मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने गुरुवार को लोकसभा चुनाव के लिए 44 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर दी। पार्टी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर साझा की गई सूची के मुताबिक इनमें केरल के 15 उम्मीदवार शामिल हैं। यहां अलाप्पुझा से मौजूदा सांसद एएम आरिफ, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री केके शैलजा और राज्यसभा सदस्य इलामारम करीम शामिल हैं। माकपा ने पश्चिम बंगाल के लिए भी 17 नामों की घोषणा की है, जिनमें मुर्शिदाबाद से मोहम्मद सलीम का नाम भी शामिल हैं। पार्टी की राज्य इकाई ने पहले ही नामों की घोषणा कर दी थी। तमिलनाडु से दो उम्मीदवारों के नाम हैं। मदुरै से मौजूदा सांसद एस वेंकटेशन और डिंडीगुल से आर सचिदानंदम को टिकट दिया गया है। पार्टी ने बिहार, झारखंड, असम, कर्नाटक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना तथा त्रिपुरा के लिए भी एक-एक उम्मीदवार की घोषणा की है।

जब अटल ने पदमसेन चौधरी को दिल्ली बुलाकर दिया था टिकट

राजू जायसवाल, बहराइच

पदमसेन चौधरी

अमृत विचार: बहराइच लोकसभा सीट पर सांसद रुद्रसेन चौधरी के निधन के बाद उनके बेटे पदमसेन चौधरी को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने दिल्ली बुलाकर लोकसभा का टिकट दिया था।

उन्होंने पूर्व मंत्री आरिफ मोहम्मद खान वर्तमान में केरल के राज्यपाल को चुनाव में हराकर जीत दर्ज की थी। कहने को कांग्रेस ने देश में 70 साल राज किया था, लेकिन बहराइच लोकसभा क्षेत्र की जनता ने ज्यादातर भाजपा और उससे जुड़े उम्मीदवार को अपना समर्थन देकर जीत दिलाई। वर्ष 1977 के बाद होने वाले लोकसभा चुनाव की बात करें तो कांग्रेस ने तीन और भाजपा ने चार बार लोकसभा चुनाव में बहराइच सीट से जीत दर्ज की है। वर्ष 2004 के चुनाव में सपा प्रत्याशी ने चुनाव जीता था। वर्ष 1996 में भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन सांसद रूद्र सेन चौधरी का निधन हो गया था। 2 मार्च 1996 को उनका अंतिम संस्कार हुआ। अंतिम संस्कार के पांचवें दिन पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी रुद्रसेन चौधरी के पैतृक आवास मैगला गांव पहुंचे। उन्होंने रुद्रसेन चौधरी के पुत्र पदम सेन चौधरी को कुछ दिन बाद दिल्ली बुला लिया। इसके बाद उन्होंने पदम सिंह चौधरी को बहराइच लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए तैयार किया। वर्तमान में विधान परिषद सदस्य पदम सिंह चौधरी ने बताया कि अटल जी ने सौम्यता के साथ बहराइच लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्हें टिकट मिला। उन्होंने भाजपा के टिकट पर वर्ष 1996 और फिर वर्ष 1999 के लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करते हुए पिता की सीट को बचाए रखा।

अतीत के झरोखे से

मजबूत जड़ व जमीनी पकड़ के नेता थे मित्रसेन

फैजाबाद से तीन बार सांसद और मिल्कीपुर से छह बार चुने गए थे विधायक, निर्दलीय चुनाव लड़कर दी थी मुलायम सिंह को चुनौती

इंदुभूषण पांडेय, अयोध्या

अमृत विचार : सन 1977 में फैजाबाद (अब अयोध्या) जिले की मिल्कीपुर विधानसभा सीट से पहली बार विधायक चुने गए खांटी वामपंथी विचारधारा वाले मित्रसेन यादव आगे चलकर जिले की राजनीति में सबसे मजबूत जड़ और जनता में पकड़ वाले नेता साबित हुए। फैजाबाद लोकसभा सीट से तीन दलों से तीन बार सांसद बनने का उनका रिकॉर्ड है। साथ ही वह जिले की मिल्कीपुर विधानसभा से छह बार विधायक भी चुने गए। और तो और वर्ष 1999 में सपा सांसद रहते मुलायम सिंह यादव ने मित्रसेन का टिकट काट दिया तो मित्रसेन यादव ने मुलायम सिंह यादव को खुली चुनौती देकर निर्दल चुनाव लड़ा और समाजवादी पार्टी की फैजाबाद सीट पर बुरी तरह से जमानत जब्त करवाई। हालांकि वह खुद भी जीत नहीं पाए।

आजादी के बाद से अब तक हुए लोकसभा चुनाव में फैजाबाद संसदीय सीट से समय- समय कुल नौ लोग सांसद चुने गए हैं। सन 1957 में पहले सांसद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजाराम मिश्र चुने गए तो वहीं 2019 के आखिरी चुनाव में मौजूदा सांसद लल्लू सिंह विजयी हुए थे। इस सीट पर सर्वाधिक तीन बार तीन दलों से सांसद चुने जाने का रिकॉर्ड मित्रसेन यादव के नाम है। 1989 में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़कर उन्होंने कांग्रेस के निर्मल खत्री को धूल चटाई थी तो वहीं 1998 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़कर भाजपा के तब के कद्दावर सांसद विनय कटियार को परास्त किया था। फिर 2004 के लोकसभा चुनाव में मित्रसेन यादव को बहुजन समाज पार्टी ने टिकट दिया और उन्होंने तब के मौजूदा भाजपा सांसद विनय कटियार को शिकस्त दी थी।

फैजाबाद की सियासी जमीन पर अपने दम और जमीनी पकड़

मित्रसेन यादव

1999 के लोकसभा चुनाव में निर्दल लड़कर मित्रसेन यादव ने साबित किया। दरअसल 1998 के लोकसभा चुनाव में मित्रसेन यादव सपा से सांसद चुने गए थे। सांसद रहते हुए मित्रसेन का टिकट 1999 के चुनाव में मुलायम सिंह यादव ने काट दिया और यहां से हीरालाल यादव को टिकट दे दिया। फिर क्या था, मित्रसेन यादव ने न सिर्फ खुली बगावत की बल्कि मुलायम सिंह यादव को चुनौती दे दी कि फैजाबाद में उनके प्रत्याशी की जमानत जब्त करा दूंगा। मित्रसेन यादव निर्दल चुनाव लड़ गए। मुलायम सिंह यादव ने उनके गढ़ मिल्कीपुर में ताबड़तोड़ तीन जनसभाएं कीं लेकिन जब चुनाव का परिणाम आया तो मित्रसेन यादव को 79343 और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी हीरालाल यादव को मात्र 85213 वोट हासिल हुए और जमानत बुरी तरह जब्त हो गई।

दरअसल जिले की राजनीति में मित्रसेन यादव की पकड़ अपने जातिगत्व यादव मतदाताओं के साथ-साथ दलित और मुसलमानों में गहरी पैठ थी। वह जिस भी दल से लोकसभा का चुनाव लड़े या विधानसभा का इन जातियों का बहुतायत वोट मित्रसेन के पक्ष में लामबंद हुआ। इसी कूबत पर फैजाबाद संसदीय सीट से तीन बार सांसद चुने जाने का उनका रिकॉर्ड तो है ही, मिल्कीपुर विधानसभा सीट से वह छह बार विधायक चुने गए। और तो और अपनी सियासी जमीन पर अपने बेटे आनंदसेन यादव को जब उन्होंने सियासी मैदान में उतारा तो वह भी तीन बार विधायक अब तक चुने जा चुके हैं। आज की तारीख में रुदौली विधानसभा सीट से भाजपा के विधायक रामचंद्र यादव को भी पहली बार मिल्कीपुर विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़वाकर मित्रसेन ने उन्हें विधायक बनाया था। फैजाबाद संसदीय सीट से मित्रसेन के बाद विनय कटियार भी तीन बार क्रमशः 1991, 1996 व 1999 में सांसद चुने जा चुके हैं। इसके अलावा कांग्रेस के रामकृष्ण सिन्हा का 1967 और 1971 में दो बार सांसद चुने जाने का रिकॉर्ड है तो वहीं कांग्रेस के निर्मल खत्री क्रमशः 1984 व 2009 में यहां से सांसद चुने गए। भाजपा के लल्लू सिंह हैं जिन्हें 2004 के बाद से भाजपा लगातार इस सीट से टिकट देती रही है।

वह 2004 के चुनाव में मित्रसेन यादव और 2009 के चुनाव में निर्मल खत्री के मुकाबले हारे। लल्लू सिंह 2014 और 2019 में सांसद चुने गए। इस बार फिर 2024 में भी भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने लल्लू सिंह पर दांव लगाया है। अगर वह बाजी मार ले जाते हैं तो यह भाजपा की इस सीट पर हैट्रिक होगी।

ये कर सकेंगे पोस्टल बैलेट से मतदान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रदेश के जिला निर्वाचन अधिकारियों को आयोग के निर्देश सुनिश्चित करने को कहा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 12 आवश्यक सेवाओं में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग (आकस्मिक एवं एम्बुलेंस सेवा), डाक विभाग, ट्रैफिक पुलिस, रेलवे, विद्युत विभाग, नागरिक उड्डयन विभाग, मेट्रो रेल कारपोरेशन, दूरदर्शन, ऑल इण्डिया रेडियो, भारत संचार निगम लिमिटेड के ऐसे कार्मिक जो मतदान दिवस से सम्बन्धित ड्यूटी पर व मतदान दिवस की कवरेज के आयोग द्वारा प्राधिकृत मीडिया प्रतिनिधि को पोस्टल बैलेट से मतदान की सुविधा दी गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इन 12 सेवाओं के कार्मिक मतदान दिवस के दिन ड्यूटी पर होने के कारण पोलिंग स्टेशन पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर मतदान करने की स्थिति में न हों, उनकी ओर से फार्म-12 डी भरा जाएगा व विभाग के नामित नोडल अधिकारी से सत्यापित कराकर अधिसूचना जारी होने के पांच दिन के अंदर रिटर्निंग आफिसर के पास जमा किया जाएगा।

गढ़ बचायें या सम्मान, चक्रव्यूह में घिरा गांधी परिवार

रायबरेली में प्रत्याशी की घोषणा पर सबकी निगाहें टिकी, घटते जनाधार को लेकर चिंतित हैं दिग्गज

दिलीप सिंह, रायबरेली

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। पहले दौर के नामांकन के साथ प्रचार-प्रसार भी प्रत्याशी करने लगे हैं। लेकिन सबकी निगाहें कांग्रेस के गढ़ कहे जाने वाले रायबरेली और अमेठी की सीट पर लगी हुई है। इन दोनों सीटों पर अभी तक कांग्रेस ने पत्ते नहीं खोले हैं।

भाजपा ने केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी को अमेठी से प्रत्याशी बना दिया है। रायबरेली सीट के लिए कांग्रेस, भाजपा और न ही बसपा की ओर से किसी उम्मीदवार की घोषणा की गई। सबसे अधिक उलझन कांग्रेस की है। वजह, दोनों सीटों को बचाने की चुनौती। भाजपा के चक्रव्यूह में फंसने के कारण ही पिछली बार अमेठी सीट से हाथ धोना पड़ा। इस बार भाजपा रायबरेली पर भी मजबूत दावा पेश कर रही है। राहुल गांधी पहले ही अमेठी से नहीं लड़ने का संकेत देते हुए लगभग स्मृति ईरानी को वाक ओवर दे चुके हैं। अब रायबरेली में प्रत्याशी की घोषणा में देरी और प्रियंका वाड्रा गांधी की ओर किसी तरह के संकेत नहीं मिलने से कांग्रेस कार्यकर्ता भी हताश होते जा रहे हैं। कांग्रेस की ओर से प्रत्याशी घोषणा में देरी का फायदा उठाते हुए भाजपा हर दिन खुद को मजबूत कर रही है।

पिछले चुनावों में घटते जनाधार को लेकर कांग्रेस के दिग्गज चिंतित हैं। यही वजह है कि कहीं न कहीं प्रत्याशी घोषणा में देरी हो रही है। यदि गांधी परिवार से प्रियंका वाड्रा गांधी आती है तो कार्यकर्ताओं में भले जान आ जाए। इसके अलावा यदि कोई और उतरता है तो कहीं न कहीं संगठन की कमजोर कड़ियां भी खुलकर सामने आ सकती हैं।

एक मंच पर सबको लाना भाजपा के लिए चुनौती

जीत के लिए दम भर रही भाजपा की राह भी आसान नहीं है। जिले में भाजपा नेता कई हिस्सों में बंटे हुए हैं। सबको एक मंच पर लाना किसी चुनौती से कम नहीं है। यही वजह है कि अभी तक यहां पर प्रत्याशी की घोषणा नहीं हो सकी। मजबूत दावेदार राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह के साथ पूर्व सांसद राघवेंद्र सिंह और पूर्व प्रत्याशी एडवोकेट अजय अग्रवाल दावा पेश कर रहे हैं। टिकट किसी को भी मिले, यदि आपसी मतभेद समाप्त नहीं हुआ तो हाल नगर निकाय चुनाव जैसा होने से भी इन्कार नहीं किया जा सकता है।

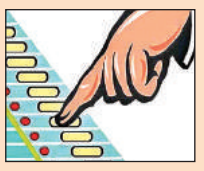

2014 से घटा जनाधार हवाबाजी करते रहे कांग्रेसी

गांधी परिवार के लिए अमेठी के बाद रायबरेली सबसे सुरक्षित सीट मानी जाती है। वजह, फिरोज गांधी से लेकर इंदिरा गांधी का सीधा आमजनमानस का जुड़ाव होना था। यही वजह है कि पहली बार जब सोनिया गांधी ने रायबरेली से चुनाव लड़ा तो लोगों ने हाथों हाथ लिया। सोनिया के पक्ष में प्रचार की बागडोर लेकर गांव-गांव लोग निकल पड़े। यह जरूर रहा कि इसका श्रेय लेने में पार्टी के नेता नहीं चूके। पोल खुली 2014 से जब चुनाव में जनाधार घटा। इसके बाद भी जिले के दिग्गज कांग्रेसी हवाबाजी करने से बाज नहीं आए। इसके बाद 2019 के चुनाव में भाजपा ने लंबा छलांग लगाते हुए जीत के अंतर को काफी कम कर दिया है। घटते जनाधार का सही मायने में संगठन का भी अहम रोल रहा है। वर्तमान में धरातल पर कम कागजों पर जिले में कांग्रेस कार्यकर्ता अधिक सक्रिय हैं। यह सबकुछ गांधी परिवार भी लगभग समझ चुका है। प्रत्याशी घोषणा में देरी की वजह पहले की तरह सीट महफूज न होना भी है।

वीआइपी सीट रायबरेली

मनोज का आना भाजपा के लिए शुभ संकेत

समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता ऊंचाहार विधायक डा. मनोज कुमार पांडेय द्वारा मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा देना और भाजपा का समर्थन करने से कहीं न कहीं जिले का समीकरण कांग्रेस के लिए गड़बड़ा गया है। ऊंचाहार विधायक डा. मनोज कुमार पांडेय का आना भाजपा के लिए शुभ संकेत माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों की माने तो इसका असर आगामी लोकसभा चुनाव में पड़ना तय है। अंदर खाने में तो डा. मनोज पांडेय को एक मजबूत दावेदार के रूप में भी पेश किया जाने लगा है। हाल ही में उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेताओं से भी मुलाकात की है।

अरविंद सेन पर भाकपा ने लगाया दांव

अयोध्या में वामपंथ बनाम दक्षिण

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

- भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी के प्रदेश सचिव रह चुके स्वर्गीय मित्र सेन यादव के पुत्र हैं अरविंद सेन

अरविंद सेन

अमृत विचार : वर्तमान सियासत के केंद्र बिंदु अयोध्या में इंडिया गठबंधन को तगड़ा झटका लगा है। गठबंधन में शामिल भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी ने फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतार दिया है। मंदिर आंदोलन के दौर में शायद यह दूसरा मौका है जब सियासी ऊर्जा केंद्र पर वामपंथी दल भाकपा ने अपना प्रत्याशी उतारा है। चुनावी हल्के में इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

भाकपा ने प्रदेश की चार अन्य लोकसभा सीटों शाहजहांपुर (अ.जा.), लालगंज, घोसी, राबर्टसगंज के साथ फैजाबाद लोकसभा सीट से अपना प्रत्याशी उतारा है। इस सीट से कामरेड अरविंद सेन को प्रत्याशी बनाया है। वह पूर्व आईपीएस अफसर हैं। भविष्य में कुछ अन्य सीटों से प्रत्याशी उतारे जाने की संभावना है। प्रदेश में इनकी कुल संख्या सात तक जा सकती है। ऐसा पार्टी सूत्रों से संकेत मिले हैं।

इंडिया गठबंधन ने फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी पहले ही उतार दिया है। प्रत्याशी मिल्कीपुर से सपा विधायक अवधेश प्रसाद को बनाया गया है। सियासी हल्के और पार्टी के अंदरखाने में तरह-तरह की चर्चा है। सियासी हल्के में गठबंधन धर्म न निभाने की बात कही जा रही है तो पार्टी में इंडिया गठबंधन में भाकपा की उपेक्षा किए जाने की बात कही जा रही है। इसे प्रदेश में भाकपा को एक भी सीट न दिए जाने का परिणाम कहा जा रहा है। अन्य सीटों को छोड़ दिया जाए तो अयोध्या के नाते फैजाबाद सीट खास महत्व रखती है। राम मंदिर आंदोलन के चलते इस सीट पर सियासी तौर पर सपा और भाजपा आमने सामने रही है। दोनों की हरसंभव कोशिश रही है कि इस सीट को जीतकर पूरे देश को सियासत का नया संदेश दिया जाए। दोनों के लिए यह सीट नाक का सवाल बनी हुई है। ऐसे में सपा ने इंडिया गठबंधन ने नया प्रयोग किया। सामान्य सीट पर अनुसूचित जाति से आने वाले अवधेश प्रसाद को मैदान में उतारा, लेकिन चुनाव के ठीक पहले भाकपा ने अपना प्रत्याशी देकर जंग का समीकरण बदलने का प्रयास किया। अब एक ओर सपा और भाजपा के बीच सियासी लड़ाई की स्थिति बनेगी तो दूसरी ओर दक्षिण और वामपंथ की वैचारिक लड़ाई को बल मिल सकता है। यह इसलिए भी कि इस सीट पर अतीत में भाकपा का जनाधार भी रहा है। मंदिर आंदोलन के बाद यह दूसरा मौका है जब पार्टी ने अपना प्रयोग दोहराया है। सन् 1989 में भाकपा ने कामरेड मित्रसेन यादव को चुनाव मैदान में उतारा था। उनको दूसरे दलों ने भी समर्थन किया था। उन्होंने यह सीट कांग्रेस से छीन ली थी। वह सांसद बन गए थे। वह अब नहीं रहे तो उनके पुत्र कामरेड अरविंद सेन को मैदान में उतार दिया। बताया गया कि सेवानिवृत्ति के साथ ही पूर्व आईपीएस अरविंद सेन ने इस पर काम करना शुरू कर दिया था। सेवानिवृत्त होने के साथ ही उन्होंने भाकपा की सदस्यता ले ली थी। फिलहाल भाकपा से प्रत्याशी उतारे जाने के बाद नए सियासी समीकरण बनेंगे व बिगडेंगे। जीत-हार से इतर इंडिया गठबंधन को झटका लगा है। हालांकि इंडिया गठबंधन से जुड़े लोग अब नई रणनीति से चुनाव लड़ने की बात करते है।

बसपा के दांव पर टिकी सपा, भाजपा की उम्मीदें

अरुण कुमार मिश्र, गोंडा

भाजपा व सपा के अलावा किसी दल का नहीं दिखा प्रचार

कीर्तिवर्धन सिंह

श्रेया वर्मा

- अभी तक बसपा ने नहीं उतारा उम्मीदवार
- सपा और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला होने के संकेत

अमृत विचार: लोकसभा हो या विधानसभा, कभी ऐसी परिस्थिति नहीं बनी जब चुनाव त्रिकोणात्मक या चतुष्कोणात्मक न हुआ हो। दलीय उम्मीदवारों में ऐसी परिस्थिति पहली बार दिख रही है जब गोंडा लोकसभा में बसपा व कांग्रेस सहित अन्य दलों में उत्साह खत्म होता दिख रहा है। कांग्रेस व सपा के मध्य गठबंधन होने के कारण गोंडा से सपा का उम्मीदवार तथा भाजपा से मौजूदा सांसद को ही मैदान में उतारा गया है। लेकिन चुनाव को त्रिकोणात्मक बनाने के लिए पहचान रखने वाली बसपा के मूक प्रदर्शन ने सीधी लड़ाई की रूपरेखा तय कर दी है।

भाजपा का 2019 का प्रदर्शन बेहतर रहा, लेकिन बसपा व सपा के गठबंधन के उम्मीदवार रहे विनोद कुमार उर्फ पंडित सिंह ने सीधी टक्कर दी थी, जबकि कांग्रेस से कृष्णा पटेल मैदान में थीं। पीस पार्टी से मसूद खां ने ताल ठोका था। तीन दलों की लड़ाई में मैदान भाजपा ने मारा था। इसी तरह 2014 में भाजपा से कीर्तिवर्धन सिंह, सपा से नंदिता शुक्ला, बसपा से अकबर अहमद डंपी और कांग्रेस से बेनी प्रसाद वर्मा मैदान में थे। इस चतुष्कोणीय चुनाव में भाजपा के कीर्तिवर्धन सिंह चुनाव जीते थे। चारों उम्मीदवारों को एक लाख से अधिक मत प्राप्त हुए थे। इसमें भाजपा के कीर्तिवर्धन सिंह को 359643, सपा की नंदिता को 199227, बसपा के अकबर अहमद डंपी को 116178 तथा कांग्रेस के बेनी प्रसाद वर्मा को 102254 मत प्राप्त हुए थे। 2009 में भी चतुष्कोणीय मुकाबला हुआ था। इसमें भाजपा से राम प्रताप सिंह, बसपा से कीर्तिवर्धन सिंह, सपा से विनोद कुमार सिंह उर्फ पंडित सिंह चुनाव मैदान में थे। इसमें कांग्रेस से बेनी प्रसाद वर्मा चुनाव जीत गए थे। 2004 में सपा से कीर्तिवर्धन सिंह, भाजपा से घनश्याम शुक्ला, कांग्रेस से डा विनय कुमार पांडेय मैदान में थे।

इसी तरह 1999 में बीजेपी से बृजभूषण शरण सिंह, सपा से कीर्तिवर्धन सिंह, कांग्रेस से दीप नरायन पांडेय व बसपा से अयोध्या नरेश पांडेय चुनाव मैदान में थे। 1998 में भाजपा, सपा, कांग्रेस व बसपा के उम्मीदवार चुनावों में त्रिकोण या चतुष्कोणीय मुकाबला बनाते देखे गए।

गोंडा लोकसभा से इस बार भाजपा व सपा के अलावा किसी अन्य दल के उम्मीदवार की घोषणा नहीं की गई है। बसपा चुप है तो अन्य छोटे क्षेत्रीय दल भी चुप्पी साधे है। कम्युनिस्ट पार्टी ने भी अभी तक चुप है। हालांकि इंडिया गठबंधन में कम्युनिस्ट भी शामिल है। इसके अलावा आप, पीस पार्टी व अन्य दल भी सामने नहीं आए हैं। हो सकता है कि आगे चलकर इसमें किसी दल का उम्मीदवार घोषित हो लेकिन वर्तमान परिदृश्य में सभी परदे के पीछे ही नजर आ रहे हैं।

गोंडा लोकसभा में विधानसभा वार मतदाता

विधानसभा	मतदाता	पुरुष	महिला	थर्ड जेंडर
गोंडा	352430	187839	164561	30
मेहनौन	372559	203352	172196	11
मनकापुर	333968	178042	155926	00
गौरा	327327	176726	150593	08
उतरौला	426913	231116	195767	30
योग-	1813197	977075	839043	79

251 बार जेल जाकर लिम्का बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज करा चुके हैं सपा उम्मीदवार रविदास मेहरोत्रा

दोहरी बिसात के सहारे हैट्रिक पर वार

जीशान कदीर, लखनऊ

अमृत विचार : 251 बार जेल जाकर लिम्का बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज कराने वाले सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा इस बार लखनऊ लोक सभा सीट से चुनाव मैदान में हैं। कांग्रेस ने सपा के साथ मिलकर इन्हें देश के रक्षा मंत्री व लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह के खिलाफ उतारा है। सांसद राजनाथ सिंह की हैट्रिक पर रोक लगाने के लिए इण्डिया गठबंधन दोहरी बिसात बिछा रहा है। ऐसे में वोटों की गुणा- गणित किस पक्ष को मजबूत करेगी, ये बड़ा और अहम सवाल बना हुआ है।

आंकड़ों पर गौर करें तो वर्ष 2019 में राजनाथ सिंह को 6,33,026 मत पाकर 56.70 प्रतिशत वोट मिले। ऐसे में दूसरे स्थान पर रहीं सपा की पूनम सिन्हा को 2,85,724 मत मिले, जो 25.59 प्रतिशत रहा। कांग्रेस के प्रमोद कृष्णन को 1,80,011 वोट मिले, इनके वोटों का प्रतिशत 16.12 रहा। चूंकि इस बार आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन से केवल रविदास मेहरोत्रा ही चुनाव मैदान में हैं। ऐसे में गुणा-गणित के बीच सपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों के वोटों को अगर एक साथ जोड़ लिया जाए तब भी ये 42 फीसद का आंकड़ा नहीं छू पा रहें हैं। ऐसे में रविदास मेहरोत्रा से हार -जीत को लेकर बात की गई तो उन्होंने कहा कि वे जमीन से जड़े हुए नेता हैं।

इस वजह से गठबंधन कर रहा भरोसा

लखनऊ का सियासी गणित

वर्ष 2017 के विधान सभा चुनाव में ब्रजेश पाठक के सामने रविदास मेहरोत्रा चुनाव लड़े थे। दोनों के बीच हार-जीत का फासला महज 5 हजार वोट का था। उस समय कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार अगर न उतारा होता तो फिर बृजेश पाठक को शिकस्त का सामना करना पड़ता। इसी आधार पर अखिलेश यादव ने रविदास मेहरोत्रा को पहले लखनऊ लोकसभा सीट इण्डिया गठबंधन के उम्मीदवार घोषित हुए।

केकेसी कॉलेज से शुरू हुआ सियासी सफर

रविदास मेहरोत्रा ने लखनऊ के केकेसी कॉलेज से अपना सियासी सफर शुरू किया। पहली बार छात्रसंघ चुनाव लड़ा और उपाध्यक्ष बने। मुलायम सिंह यादव के बेहद करीबी माने जाने वाले रविदास 1989 में लखनऊ पूर्व विधानसभा सीट से विधायक चुने गए। इसके बाद वर्ष 2012 में दोबारा लखनऊ मध्य से विधायक बने। सपा शासन में कैबिनेट मंत्री के साथ-साथ कई विभागों की जिम्मेदारी भी इन्हें मिल चुकी है।

कुछ इस तरह से है लखनऊ का जातिगत समीकरण

वर्ष 2011 के आंकड़ों पर गौर करें तो लखनऊ की जनगणना में 71 प्रतिशत हिंदू आबादी मिली। 26 फीसद से कुछ अधिक मुसलमान हैं। तीसरी बड़ी आबादी ओबीसी है, जो 28 प्रतिशत है। इसके बा दअनुसूचित जाति की आबादी है, ये 14 प्रतिशत के करीब हैं। .2 प्रतिशत की आबादी अनुसूचित जनजाति की है। ब्राम्हण और राजपूत वोटरों की संख्या भी है।

लखनऊ लोकसभा सीट में पांच विधानसभा क्षेत्र हैं शामिल

गोल्डेन सिटी कही जाने वाली लखनऊ संसदीय क्षेत्र में लखनऊ ईस्ट, लखनऊ वेस्ट, लखनऊ नार्थ, लखनऊ कैंट व लखनऊ सेंट्रल विधानसभाएं शामिल हैं। इनमें वेस्ट व सेंट्रल पर सपा के विधायक हैं। वहीं अन्य तीन सीटों पर भाजपा का कब्जा है।

लखनऊ सीट से कब कौन जीता

चुनाव	विजयी	उम्मीदवार
1952	विजय लक्ष्मी पण्डित	कांग्रेस
उप चुनाव	श्योराजवती नेहरू	कांग्रेस
1957	पुलिन बिहारी बनर्जी	कांग्रेस
1962	बीके धवन	कांग्रेस
1967	आनंद नारायण मुल्ला	निर्दलीय
1971	शीला कौल	कांग्रेस
1977	हेमवती नंदन बहुगुणा	जनता पार्टी
1980	शीला कौल	कांग्रेस
1984	शीला कौल	कांग्रेस
1989	मांधाता सिंह	जनता दल
1991	अटल बिहारी बाजपेई	भाजपा
1996	अटल बिहारी बाजपेई	भाजपा
1998	अटल बिहारी बाजपेई	भाजपा
1999	अटल बिहारी बाजपेई	भाजपा
2004	अटल बिहारी बाजपेई	भाजपा
2009	लालजी टण्डन	भाजपा
2014	राजनाथ सिंह	भाजपा
2019	राजनाथ सिंह	भाजपा

पिछले चुनावों के नतीजे

वर्ष 2019
राजनाथ -6,33,026
पूनम सिन्हा- 2,85,724
प्रमोद कृष्णन- 1,80,011

वर्ष 2014
राजनाथ सिंह-5,61,106
रीता बहुगुणा जोशी- 2,88,357
नकुल दुबे-64,449
अभिषेक मिश्र- 56,771

वर्ष 2009
लालजी टण्डन-2,04,028
रीता बहुगुणा जोशी- 1,63,127
अखिलेश दास गुप्ता-1,33,610
नफीसा अली-61,457

वर्ष 2024
कुल वोटर- 21.47 लाख
पुरुष मतदाताओं की संख्या-11.65 लाख
महिला मतदाताओं की संख्या-9.82

मतदान स्थलों पर हो पेयजल और धूप से बचने की व्यवस्था

- भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात कर रखा प्रस्ताव
- मतदाता पर्ची घर-घर पहुंचाने का भी किया अनुरोध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के नेतृत्व में पार्टी के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को लखनऊ स्थित निर्वाचन आयोग के कार्यालय पहुंच कर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात की।

इस दौरान भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन आयुक्त नवदीप रिणवा से कहा कि लोकसभा चुनाव के समय प्रदेश में भीषण गर्मी की संभावना है। ऐसे में मतदान स्थलों पर पेयजल की व्यवस्था सहित मतदाताओं को धूप से बचाने के लिए समुचित प्रबन्ध किए जाने का अनुरोध किया। साथ ही मतदान के दौरान प्रत्येक मतदाता की पहचान सुनिश्चित कर ही मतदान की अनुमति दिए जाने का आग्रह किया ताकि फर्जी वोटिंग को कड़ाई से रोका जा सके।

प्रतिनिधिमंडल ने बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को मतदान के लिए विशेष रूप से सुविधा जैसे व्हीलचेयर इत्यादि का प्रबंध कराए जाने का भी आग्रह किया। मतदाता पर्ची घर-घर पहुंचे इसका भी अनुरोध किया गया। प्रतिनिधिमंडल में पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार जेपीएस राठौर, प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह, मोहित बेनीवाल, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, सह प्रभारी हिमांशु दुबे, अखिलेश अवस्थी सहित अन्य प्रमुख नेता शामिल थे।

प्रदेश से पलायन कर चुकी कांग्रेस

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस को लेकर कहा कि कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश से पलायन कर चुकी है। उनके नेता राहुल गांधी 2019 में अमेठी से चुनाव हारने के बाद पलायन कर गए। उनकी नेता प्रियंका वाड्रा भी 2022 के विधान चुनाव के बाद पलायन कर गयी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा का गठबंधन बेमेल गठबंधन है, यह वैचारिक गठबंधन नहीं है।

राजधानी स्थित जनपथ सचिवालय में मुख्य चुनाव अधिकारी नवदीप रिणवा से मुलाकात के लिए जाते प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी व मंत्री स्वतंत्र देव सिंह। अमृत विचार

आजम को स्टार प्रचारक बनाया

आजम को स्टार प्रचारक बनाया : पूर्व मंत्री और सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां को समाजवादी पार्टी द्वारा स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किए जाने को लेकर पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि सपा अन्तर्कलह का शिकार है, निश्चित रूप से सपा का जो चरित्र है उसे जनता जानती है। सपा ने आजम खां को स्टार प्रचारक बनाया है, हो सकता है ये अन्य ऐसे लोगों को भी स्टार प्रचारक बना दें। इरफान सोलंकी को भी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया जा सकता है।

अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक करते मुख्यसचिव एवं पुलिस महानिदेशक। अमृत विचार

9 राज्यों के मुख्य सचिवों और डीजीपी के साथ समन्वय बैठक

- लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर हुई चर्चा
- डीएम, एसपी और एसएचओ को समन्वय रखने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में लोकसभा चुनाव की तैयारियों के संबंध में गुरुवार को अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में 9 राज्यों झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हरियाणा, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, राजस्थान व दिल्ली के मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक ने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से प्रतिभाग किया।

मुख्य सचिव ने सम्बन्धित राज्यों के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक से लोक सभा चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराने में सहयोग करने की अपेक्षा की। सीमावर्ती जनपदों में ऐसी कोई गतिविधि न हो, जिससे आम चुनाव प्रभावित हो। अवैध नकदी, अवैध शराब आदि के प्रवाह को रोकने के लिये सीमाओं पर निगरानी बढ़ानी होगी। कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचनाओं का आपस में आदान-प्रदान करना होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के अंतर्राज्यीय सीमाओं के आस-पास नशीले पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जाए। संवेदनशील व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विशेष तौर पर निगरानी रखी जाए। इसी प्रकार अंतर्राष्ट्रीय माफिया और असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखी जाए।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर निगरानी रखते हुए अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाये। बार्डर एरिया से संबंधित जिलाधिकारी, पुलिस अधिकारी व थानाध्यक्ष आपसी समन्वय बैठक कर लें। इसके अलावा निरन्तर संवाद बनाए रहें। सूचनाओं के आदान प्रदान के लिए व्हाट्सएप ग्रुप भी बना सकते हैं। पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए प्रदेशभर में पुलिस द्वारा प्रभावी रूप में निषेधात्मक कार्रवाई की जा रही है। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव राज्य कर नितिन रमेश गोकर्ण, मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा, प्रमुख सचिव आबकारी वीना कुमारी मीना, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुज कुमार झा सहित संबंधित विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एटीएस ने चार रोहिंग्या को किया गिरफ्तार

- रोहिंग्या आमिर हम्जा के साथ तीन अन्य विदेशी महिलाओं पर हुई कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : देश में घुसपैठ कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खुद को भारत का नागरिक बताने वाले आरोपियों के खिलाफ एटीएस लगातार कार्रवाई कर रही है। इस बार एटीएस ने म्यांमार के रहने वाले रोहिंग्या आमिर हमजा का तीन विदेशी महिलाओं के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास कूटरचित दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

आरोपियों को एटीएस मुख्यालय लाकर पूछताछ की जा रही है। एटीएस की पूछताछ में यह खुलासा भी हुआ है कि यह आरोपी न सिर्फ भारत की सीमा में घुसपैठ कर कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर खुद को भारत का नागरिक दर्शाते थे, बल्कि इनकी संलिप्तता देश विरोधी गतिविधियों में भी रहती है।

एटीएस के अधिकारियों ने बताया कि लंबे समय से यह सूचना मिल रही थी कि विदेशी नागरिक बांग्लादेश सीमा से भारत में प्रवेश करते हैं। इसके बाद कूटरचित दस्तावेजों की मदद से खुद को भारत का नागरिक बताते हैं। जानकारी मिलने के बाद एटीएस की एक टीम ने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि 27 मार्च 2024 को म्यांमार का रहने वाला आमिर हमजा अपनी तीन महिला सहयोगियों के साथ असम से दिल्ली पहुंचने वाला है। यहां पर वह कूटरचित दस्तावेजों की मदद से खुद को भारतीय नागरिक साबित करेगा।

इनपुट मिलने के बाद एटीएस की टीम ने कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार हुए आरोपियों ने बताया कि वह बांग्लादेश सीमा से भारत में प्रवेश किए थे। कुछ दिन असम में रुककर दिल्ली जा रहे थे। दिल्ली में रहकर कूटरचित दस्तावेज की मदद से खुद को भारत का नागरिक दर्शाते। एटीएस ने पहले ही चारों घुसपैठियों को गिरफ्तार कर लिया है।

अधूरे हास्टल, बैरक का निर्माण होगा पूरा

- कैसरगंज व मुर्तिहा में बन रहे बैरक के लिए शासन ने भेजी धनराशि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बहराइच जिले के कैसरगंज और मुर्तिहा में निर्माणाधीन 48 क्षमता के हॉस्टल, बैरक का निर्माण जल्द पूरा हो जाएगा। निर्माण के लिए बकाया धनराशि गृह विभाग ने स्वीकृत कर दी है। धनराशि अवमुक्त होने के बाद जल्द ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएंगे।

कैसरगंज में हॉस्टल, बैरक के निर्माण के लिए 217.54 लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति मिली थी। इसमें 108.77 लाख रुपए अवमुक्त कर दिए गए थे। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद बकाया धनराशि एक करोड़ आठ लाख रुपए अब अवमुक्त किया गया है। मुर्तिहा में 48 क्षमता के हॉस्टल, बैरक के निर्माण के लिए 217.97 लाख रुपए की स्वीकृति मिली थी। इसमें एक करोड़ आठ लाख रुपए अवशेष रह गया था, जिसे अब जारी कर दिया गया है।

गोंडा में 30वीं वाहनी पीएसी को बकाया धनराशि अवमुक्त

गोंडा में 200 व्यक्तियों की क्षमता वाले भवन निर्माण कार्य के लिए 1081.04 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली थी। 150 लाख रुपए जारी भी किए गए थे, लेकिन उपयोगिता प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं करने के कारण 60 लाख रुपए समर्पित कर दिया गया था। 31 मार्च 2021 को 270.26 लाख रुपए व्यय के लिए पुन: अवमुक्त किया गया था, लेकिन इस बार भी उपयोगिता प्रमाणपत्र नहीं मिलने से 180 लाख रुपए पुन: समर्पित कर दिया गया। फिलहाल शासन ने 60 लाख रुपए देने के लिए पुन: स्वीकृति प्रदान की है।

कसमंडीखुर्द के प्रधान सचिव से होगी वसूली

अमृत विचार, लखनऊ : मलिहाबाद की ग्राम पंचायत कसमंडीखुर्द में विकास कार्य के नाम पर धन का बंदरबांट हुआ। जांच में पुष्टि होने पर प्रधान व दो सचिवों से धनराशि वसूल की जाएगी। जिलाधिकारी ने यह आदेश दिया है और स्पष्टीकरण मांगा है।

दिसंबर में एक शिकायतकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए बिल व बाउचर के आधार पर सहायक अभियंता लघु सिंचाई व मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने जांच की थी। पाया कि अपव्यय धनराशि की गणना उन कार्यों में की गई, जिसके संबंध में पत्रावलियों में अभिलेख नहीं हैं। बिना आदेश सामान की खरीद और कार्य कराए गए। हैंडपंप रीबोर की संख्या सबसे अधिक दर्शाई गई। इस अनुसार कुल 47997 रुपये अपव्यय मिले। इसमें प्रधान सलीम पर 23998 रुपये, सचिव शैलेष यादव पर 16214 व सचिव तेज कुमार पर 7784 रुपये रिकवरी निकलने पर जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने ग्राम निधि में जमा करने का आदेश दिया है।

छात्रवृत्ति से वंचित अप्रैल में दोबारा कर सकेंगे आवेदन

- पोस्ट मैट्रिक्स योजना के तहत लगभग दो हजार से अधिक छात्र-छात्राएं छात्रवृत्ति से रह गए वंचित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : पोस्ट मैट्रिक्स छात्रवृत्ति से वंचित हुए दो हजार से अधिक छात्र-छात्राओं के लिए राहत की खबर है। वंचित छात्र अप्रैल में दोबारा आवेदन कर सकेंगे। आवेदन करने के लिए अप्रैल में पोर्टल खोला जाएगा।

बता दें कि पोस्ट मैट्रिक्स के लगभग दो हजार से अधिक छात्र-छात्राएं कॉलेज-विद्यालय की गलती के कारण छात्रवृत्ति से वंचित रह गए। विवरण का मिलान न होने के कारण उनके खाते में छात्रवृत्ति नहीं जा सकी। छात्र-छात्राएं कॉलेज-विद्यालय और समाज कल्याण निदेशालय के चक्कर काटते रहे। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं के लिए 26 अप्रैल से 3 मई तक आवेदन करने के लिए पोर्टल खोला जाएगा। ऐसे छात्र-छात्राएं जिनका डीएलडी और पैरा मेडिकल कोर्स की परीक्षाओं का परिणाम नहीं आया है, वे भी आवेदन कर सकते हैं। समाज कल्याण निदेशक कुमार प्रशांत ने बताया कि आवेदन करने के दौरान विवरण की जांच सावधानी से करा लें।

दाखिले के लिए 28,654 ने दी परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के 94 आश्रम पद्धति विद्यालयों में दाखिले के लिए आयोजित परीक्षा में 28,654 बच्चे शामिल हुए। जबकि 5976 ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा का परिणाम 31 मार्च को आएगा।

समाज कल्याण विभाग की ओर से 75 जनपदों के 94 आश्रम पद्धति विद्यालयों में कक्षा छह से नौ तक के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। 11,795 रिक्त सीटों पर दाखिला लेने के लिए कुल 37,313 ने आवेदन किया था। परीक्षा दो पाली में कराई गई। पहली पाली सुबह 9 से 11 और दूसरी पाली दोपहर 1:30 से 3:30 बजे तक हुई। परीक्षा परिणाम 31 मार्च को घोषित होगा। कक्षा 11 के लिए 1264 ने आवेदन किया है। कक्षा 11 में दाखिला मेरिट के आधार पर होगा।

कांधनी, नगला हीरालाल इटावा, कोछाभावर, दुनारा झांसी इन चार विद्यालयों में कुल 1425 प्राप्त आवेदन प्रवेश परीक्षा के लिए आए हैं और यहां परीक्षा शुक्रवार को होगी।

जय प्रकाश नारायण आश्रम पद्धति विद्यालय में परीक्षा देते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

- दो पालियों में 94 एटीएस में हुई परीक्षा, 5976 रहे अनुपस्थित

डिजी लॉकर से नहीं जुड़े तो छात्रवृत्ति से होंगे वंचित

- छात्रवृत्ति योजना में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए नए वित्तीय वर्ष से यूडाइस और आइस किया जाएगा लागू
- डिजी लॉकर से न जुड़ने वाले विद्यालय-कॉलेज के छात्रों को छात्रवृत्ति से धोना पड़ेगा हाथ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : छात्रवृत्ति योजना का लाभ अब फर्जी और अपंजीकृत विद्यालय या कॉलेज नहीं उठा सकेंगे। विद्यालय और कॉलेजों को डिजी लॉकर से जुड़ना होगा, साथ ही छात्रवृत्ति के लिए भेजे जाने वाले विवरण को डिजिटल हस्ताक्षर करके सत्यापित करना होगा।

योजना में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए यूडाइस (यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफार्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन) और आइस (इंफार्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन) को नए वित्तीय वर्ष से लागू किया जाएगा।। यूडाइस केंद्र सरकार का पोर्टल है। इसमें कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। जबकि आइस में इंटरमीडिएट कर चुके छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। खास बात यह है कि इस पोर्टल पर वही विद्यालय आवेदन कर सकेंगे, जिनके पास आईडी/प्रमाणपत्र में मुद्रित कोड के साथ नवीनतम मान्यता प्रमाण पत्र हो। आवेदन करते समय विद्यालय और कॉलेजों को आईडी दर्ज करनी होगी। इस प्रक्रिया के लागू होने के बाद परीक्षा परिणाम ऑटोफेच (स्वाचलित रूप से मिल जाएगा) कर लेगा।

> डिजी लॉकर से न जुड़ने वाले कॉलेज-विद्यालय छात्रवृत्ति के लिए आवेदन नहीं कर सकेंगे। प्रयास किया जाएगा कि 20 अप्रैल से यह व्यवस्था लागू कर दी जाए।
>
> – कुमार प्रशांत, निदेशक समाज कल्याण

चार अधिकारियों की होगी बायोमेट्रिक्स

लखनऊ : छात्रवृत्ति में व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए चार नोडल अधिकारी बनाए जाएंगे। इसमें कॉलेज-विद्यालय के प्राचार्य व नोडल अधिकारी, समाज कल्याण निदेशालय के नोडल और विभाग के जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों की बायोमेट्रिक्स कराई जाएगी। इनकी जिम्मेदारी होगी कि कॉलेज-विद्यालय डाटा को डिजिटल सत्यापित करने के बाद भी छात्रों के खाते में धनराशि जाएगी।

इस बार हुई पहले से सुरक्षित होली

अमृत विचार, लखनऊ : होली के त्योहार में हुड़दंग, बवाल, सड़क दुर्घटना न हो, यह कैसे हो सकता है, लेकिन यूपी पुलिस के प्रयासों से इस बार इसमें काफी लगाम लगा। यूपी पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले वर्ष की तुलना में इस बार की होली में सड़क दुर्घटनाओं में 65.63 और मृत्युदर में 54.96 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। पुलिस विभाग ने यह आंकड़ा जारी कर पूरे प्रदेश के पुलिस मुलाजिमों का आभार जताया है। शीर्ष अफसरों का कहना है कि पुलिस कर्मियों ने स्वयं होली न खेलकर आम जनमानस की होली अच्छी हो, इसमें सहभागिता निभाई।

वर्ग पहेली-23

बाएं से दाएं

1. 1. ठाकुर होने की अवस्था
3. ऐसा सूक्ष्म जीव जो कपड़ों और बालों में अक्सर पाया जाता है, जूं।
7. अभिमानी, अभिमान करने वाला व्यक्ति घमंडी।
8. मेंढक, दर्दुर।
9. 1. अंगीकार करना, अपना बनाना, ग्रहण करना, स्वीकार कर लेना 2. गले लगाना 3. अपने अधिकार या वश में करना 4. किसी को अपनी शरण में लेना।

ऊपर से नीचे

2. 1. फूलों से भरी हुई अंजली, पुष्पांजलि 2. पूजा में पुष्प अर्पण करने की विधि।
4. याचक को मनचाही चीज़ देकर निहाल कर देने वाला।
5. अत्यंत बलशालिनी।
6. 1. आकर्षक स्त्री, सुंदरी 2. गौतम बुद्ध की एक शक्ति।

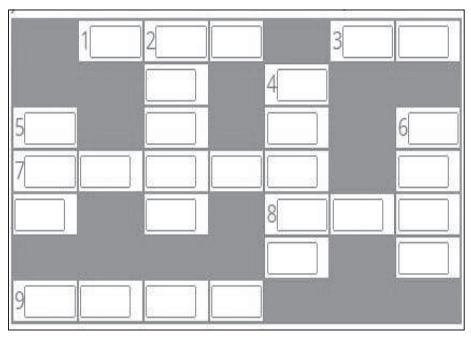

वर्ग पहेली -22 का हल

			1 गु			2 अ
3 भं	डा	फो	ड़			प
ग			गु			नी
ड़		4 थो	ड़ा	ब	5 हु	त
	6 पं		ना		जू	
	च			7 सु	री	ला
8 ब	म	भो	ला			

सुडोकू -102

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			2		8			3
6		8			1			
	7		6					1
		6			4	5		
	9						7	
		1	8			3		
4			3		2		9	
						6		2
3			9		7			

सुडोकू -101 का हल

1	5	6	7	9	4	2	3	8
8	4	7	1	2	3	6	9	5
9	3	2	8	5	6	4	1	7
6	9	8	5	3	1	7	2	4
4	2	3	6	7	9	5	8	1
7	1	5	4	8	2	3	6	9
2	6	4	9	1	5	8	7	3
5	8	1	3	6	7	9	4	2
3	7	9	2	4	8	1	5	6

आज का भविष्यफल
-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 मार्च, शुक्रवार 2024 संवत-2080, शक संवत 1945 मास-चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तिथि-चतुर्थी 20.20 तक तत्पश्चात पंचमी।

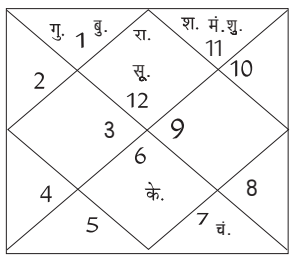

आज का पंचांग

दिशाशूल-पश्चिम। **ऋतु**-वसंत।
चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-विशाखा 20.36 तक तत्पश्चात अनुराधा।

मेष — आज दांपत्य सुख में वृद्धि होगी। मन में रचनात्मक विचारों का जमावड़ा लगा रहेगा। रुका हुआ सरकारी काम शुरू हो सकता है। शाम को पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बॉस से प्रशंसा मिल सकती है।

वृष — आज विरोधियों के बीच आपका खासा प्रभाव रहेगा। आपके सभी कार्य समय पर पूर्ण होंगे। वृद्धजनों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में आपको बड़ी सफलता मिल सकती है। निर्माण क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है।

मिथुन — आज ऑनलाइन गतिविधियों में बच्चे काफी रुचि लेंगे। प्रेम संबंधों को लेकर आप भावुक हो सकते हैं। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर काफी गंभीर रहेंगे। माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं।

कर्क — आज स्वास्थ्य के लिए आपको सावधान रहना चाहिए। बोलचाल के दौरान सभ्य भाषा का प्रयोग करें। महंगी वस्तुओं को खरीदने से आपके बजट पर असर पड़ सकता है। आपकी दिनचर्या में कुछ बदलाव आ सकता है।

सिंह — आज व्यापार में आपको अपेक्षा के अनुसार लाभ प्राप्त नहीं होगा। शुभ चिंतकों और मित्रों से आप सहायता ले सकते हैं। जॉब में बदलाव करने के मौके मिलने की प्रबल संभावना है। आपके आत्मबल और कार्यदक्षता में वृद्धि होगी।

कन्या — आज साझेदारी वाले व्यवसाय में एकाधिकार जताने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण आवश्यक है। अत्यधिक कार्यभार के कारण तनाव का सामना करना पड़ेगा। अधीनस्थ कर्मचारियों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखें।

तुला — आज प्रियजनों के साथ आपके मधुर संबंध रहेंगे। रचनात्मक कार्यों में कारण आपको प्रसिद्धि मिल सकती है। आपकी बातों से लोग काफी प्रसन्न रहेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। भोग-विलास की वस्तुओं पर धन खर्च करेंगे।

वृश्चिक — आज किसी भी काम को टालने की प्रवृत्ति से बचें। माता का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। मधुमेह के रोगियों को दवाइयों का सेवन सावधानी से करना चाहिए। आपको अकारण भागदौड़ करनी पड़ सकती है। आशावादी दृष्टिकोण बनाए रखें।

धनु — आज वित्तीय योजनाओं का सफल कार्यान्वयन कर पायेंगे। घर के सभी सदस्यों का रूख आपके प्रति सहयोगात्मक रहेगा। व्यस्तता के बावजूद परिवार को पर्याप्त समय देंगे। मित्रों से आपको उपयोगी सलाह प्राप्त होगी। दिल की अपेक्षा दिमाग से काम लें।

मकर — आज आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहने वाला है। बच्चों को माता-पिता से सलाह और विचार-विमर्श करना चाहिए। अविवाहित लोगों के रिश्ते की चर्चा चल सकती है। व्यापारिक प्रगति से मन उत्साहित रहेगा।

कुंभ — आज व्यापार के लिए यात्रा करने के योग बन रहे हैं। फोन के माध्यम से शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं। उच्च शिक्षा में बेहतरीन परिणाम प्राप्त होंगे। आप सेहत को लेकर थोड़े चिंतित हो सकते हैं। काम की अधिकता के कारण तनाव हो सकता है।

मीन — आज किसी के प्रति में गलत विचार न लाएं। बच्चों की गतिविधियों पर ध्यान रखें। बॉस से डांट खानी पड़ सकती है। शोध कार्यों में रुचि ले सकते हैं। दांपत्य संबंधों में नवीनता आएगी। बैंकिंग और आईटी से जुड़े क्षेत्र में कुछ समस्या हो सकती है।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
विरासत — सुबह : 10.44
वीरगति — रात : 07.00

&pictures
हसीना मान जाएगी — सुबह : 11.09
बंगाल टाइगर — शाम : 05.23

SONY PIX
एक्वामैन — सुबह : 09.33
व्हाइट हाउस डाउन — रात : 08.45

ZEE CINEMA
जब हैरी मेट सेजल — दोपहर : 12.00
गदर — रात : 08.05

colors CINEPLEX
भागम भाग — सुबह : 08.05
भेड़िया — रात : 07.02

आज की सुपरहिट फिल्म

जी सिनेमा पर दोपहर : 12.00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

भिखारी- साहब 20 रुपये दो न, कॉफी पीनी है।
आदमी- लेकिन कॉफी तो 10 रु. की आती है!
भिखारी- मेरी गर्लफ्रेंड भी साथ में है न
आदमी- अरे! भिखारी होकर तूने गर्लफ्रेंड बना रखी है।
भिखारी- नहीं जी, गर्लफ्रेंड ने मुझे भिखारी बना दिया है।

लड़की अपने बॉयफ्रेंड को अपनी मां से मिलवाने ले गई।
लड़की- मेरी मां को तुम बहुत पसंद आए।
लड़का- कुछ भी हो मैं शादी तो तुमसे ही करूंगा। तु मम्मी से बोल दे कि, वो मुझे भूल जाएं।

एक नजर

टोयोटा के चुनिंदा वहान होंगे एक प्रतिशत महंगे

नयी दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अपने कुछ वाहनो के विशिष्ठ मॉडल की कीमतों में एक अप्रैल से एक फीसदी की वृद्धि करने की आज घोषणा की। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि लागत बढ़ने और परिचालन व्यय में बढोतरी के कारण यह वृद्धि की जा रही है।

रुपया छह पैसे गिरकर 83.39 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और प्रमुख प्रतिद्वन्द्वियों मुद्राओं की तुलना में डॉलर के मजबूत होने के कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ 83 .39 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

किसानों को बारिश व ओलावृष्टि से रबी फसलों की क्षतिपूर्ति का इंतजार

2 व 3 मार्च को सर्वे पूरा, तय समय पर आकलन और भुगतान नहीं कर पाईं कंपनियां

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में 2 व 3 मार्च को बारिश और ओलावृष्टि से बर्बाद रबी फसलों की क्षतिपूर्ति का किसानों को इंतजार है। बीमा कंपनियों ने देर-सबेर और कृषि विभाग के दबाव में सर्वे तो पूरा कर लिया है लेकिन, नुकसान का आकलन और भुगतान अब तक नहीं कर पाई हैं। यह भी कहा जा रहा कि कंपनियां क्लेम बचाने के चक्कर में क्षतिपूर्ति के व्यक्तिगत दावों को अनदेखा कर रही हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत आठ हजार से अधिक किसानों ने व्यक्गित दावा किया था। इसमें कितने निरस्त और स्वीकृत हुए, कितनी क्षतिपूर्ति बनी यह कह पाना संबंधित कृषि विभाग के लिए भी मुश्किल है। क्योंकि कंपनियों ने झांसी को छोड़कर बाकी जिलों की रिपोर्ट नहीं दी है। वहीं, राजस्व विभाग तीन दिन के अंदर सर्वे कर रिपोर्ट सौंप चुका है।

> सभी जिलों में सर्वेक्षण हो गया है। सिर्फ झांसी की रिपोर्ट मिली है। जबकि अन्य जिलों का आकलन और भुगतान प्रक्रिया में है। रिपोर्ट मांगी है। इससे जल्द से जल्द किसानों को भुगतान किया जा सके।
> **– उमा शंकर सिंह, उपनिदेशक फसल बीमा एवं सांख्यिकी।**

14 लाख किसानों ने कराया था फसल बीमा

रबी में गेहूं, जौ, मटर, सरसों, मसूर, आलू आदि फसलों का योजना के तहत 14 लाख तक किसानों ने बीमा कराया है। बीमा कंपनियों ने किसानों के साथ केंद्र व राज्य अंश प्रीमियम के तौर पर लिया है और आपदा के समय इन्हीं किसानों ने टोलफ्री नंबर पर व्यक्तिगत दावा किया था। ऐसी स्थिति में गाइडलाइन के अनुसार 15 दिन के अंदर सर्वेक्षण व नुकसान का आकलन करना होता है और और एक माह के अंदर 25 प्रतिशत धनराशि देय होती है। जबकि शेष राशि कटाई के दौरान भुगतान की जाती है।

बैंक ऑफ इंडिया पर 564 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) पर 564.44 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) ने गुरुवार को कहा कि वह इस आदेश के खिलाफ आयकर आयुक्त, राष्ट्रीय फेसलेस अपील केंद्र (एनएफएसी) के समक्ष अपील दायर करने की प्रक्रिया में है। बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, "उसे आयकर विभाग, आकलन इकाई से आकलन वर्ष 2018-19 से संबंधित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 270ए के तहत आदेश प्राप्त हुआ है, जिसमें विभिन्न नियमों के उल्लंघनों पर 564.44 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है।" इसमें कहा गया कि बैंक का मानना है कि उसके पास इस मामले में अपनी स्थिति को उचित रूप से साबित करने के लिए पर्याप्त तथ्यात्मक और कानूनी आधार हैं।

अडाणी परिवार ने अंबुजा सीमेंट्स में किया निवेश

नयी दिल्ली, एजेंसी

- **6,661 करोड़ रुपये के निवेश से हिस्सेदारी 66.7 % हुई**

अडाणी परिवार ने अंबुजा सीमेंट्स में 6,661 करोड़ रुपये के निवेश की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इससे देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी में उसकी हिस्सेदारी 3.6 प्रतिशत बढ़कर 66.7 प्रतिशत हो गई है।

उद्योगपति गौतम अडाणी के स्वामित्व वाली कंपनी अंबुजा सीमेंट्स के एक बयान में कहा, निवेश अडाणी समूह के सीमेंट व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण होगा, जिसकी 2028 तक अपनी क्षमता 14 करोड़ टन प्रति वर्ष तक बढ़ाने की योजना है। इससे पहले अक्टूबर 2022 में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित वारंट जारी करने के लिए प्रवर्तक अडाणी परिवार ने कंपनी में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया गया था। अंबुजा सीमेंट्स के पास एक अन्य सीमेंट कंपनी एसीसी लिमिटेड में भी नियंत्रण हिस्सेदारी है। कंपनी ने बयान में कहा, '' इससे अडाणी परिवार की कंपनी में हिस्सेदारी 3.6 प्रतिशत बढ़कर कुल 66.7 प्रतिशत हो गई है। अंबुजा सीमेंट्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय कपूर ने कहा कि यह निवेश ''तेजी से विकास, पूंजी प्रबंधन पहल आदि'' हासिल करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, '' यह न केवल हमारे दृष्टिकोण तथा व्यवसाय मॉडल में दृढ़ विश्वास का प्रमाण है, बल्कि हमारे हितधारकों के लिए दीर्घकालिक टिकाऊ मूल्य सृजन प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है।''

कोल इंडिया की कोयला आपूर्ति सालाना लक्ष्य के पार

कोलकाता, एजेंसी

कोल इंडिया लि. की तापीय बिजलीघरों को कोयला आपूर्ति 61 करोड़ टन के लक्ष्य को पार कर गई है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में 27 मार्च तक 61.01 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की है। एक अधिकारी ने कहा, ''यह बिजली क्षेत्र को अबतक की सबसे अधिक कोयला आपूर्ति है।'' उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कोल इंडिया की कोयले की आपूर्ति पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2.93 करोड़ टन अधिक है।

कंपनी के बयान के अनुसार, कोयला आधारित संयंत्रों में वर्तमान औसत दैनिक आपूर्ति 17.6 लाख टन है। कोल इंडिया इस गर्मी में 250 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) बिजली की अनुमानित मांग के मद्देनजर उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। अधिकारी ने कहा कि 2022-23 में बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति 58.66 करोड़ टन थी। यह 56.5 करोड़ टन की प्रतिबद्धता से अधिक थी। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू कोयला आधारित बिजलीघरों में कोयले का भंडार 26 मार्च तक 4.71 करोड़ टन था।

एक अप्रैल को 2000 का नोट बदलने, जमा करने की सुविधा नहीं

मुंबई। बैंकों में वार्षिक लेखाबंदी से जुड़े कार्यों के कारण 2000 के नोट को बदलने या जमा करने की सुविधा एक अप्रैल, 2024 यानी सोमवार को उपलब्ध नहीं होगी। भारतीय रिजर्व बैंक ने गुरुवार को बयान में कहा कि अगले दिन मंगलवार को यह सुविधा केंद्रीय बैंक के 19 क्षेत्रीय कार्यालयों में बहाल हो जाएगी। आरबीआई ने कहा, " वार्षिक लेखाबंदी से जुड़े कार्यों के कारण भारतीय रिजर्व बैंक के 19 क्षेत्रीय कार्यालयों में 2000 रुपये के बैंक नोटों के विनिमय/जमा की सुविधा एक अप्रैल, 2024 दिन सोमवार को उपलब्ध नहीं होगी।"

रिलायंस ने अडाणी पावर की परियोजना में हिस्सेदारी खरीदी

नयी दिल्ली, एजेंसी

उद्योगपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने प्रतिद्वंद्वी कारोबारी गौतम अडाणी की कंपनी अडाणी पावर की मध्य प्रदेश में एक बिजली परियोजना में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। यह पहला मौका है जबकि दो प्रतिद्वंद्वी अरबपति उद्योगपतियों के बीच किसी तरह का गठजोड़ हुआ है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने संयंत्र की 500 मेगावाट बिजली का खुद इस्तेमाल (कैप्टिव यूज) करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों कंपनियों ने शेयर बाजार को अलग-अलग दी सूचना में कहा कि रिलायंस, अडाणी पावर लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी महान एनर्जेन लिमिटेड में 10 रुपये अंकित मूल्य (50 करोड़ रुपये) के पांच करोड़ इक्विटी शेयर खरीदेगी और निजी उपयोग के लिए 500 मेगावाट उत्पादन क्षमता का उपयोग करेगी। अंबानी की रुचि तेल और गैस से लेकर खुदरा और दूरसंचार तक है तो अडाणी का ध्यान बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों, कोयला और खनन तक फैले बुनियादी ढांचे पर है।

अर्थव्यवस्था 2047 तक 8 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है : सुब्रमण्यम

नयी दिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत के कार्यकारी निदेशक कृष्णमूर्ति वेंकट सुब्रमण्यम ने कहा कि अगर देश पिछले 10 वर्षों में लागू की गई अच्छी नीतियों को दोगुना कर सके और सुधारों में तेजी लाए तो भारतीय अर्थव्यवस्था 2047 तक आठ प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। सुब्रमण्यम ने कहा कि स्पष्ट रूप से आठ प्रतिशत की वृद्धि दर महत्वाकांक्षी है क्योंकि भारत पहले लगातार आठ प्रतिशत की दर से नहीं बढ़ पाया है, लेकिन इसे हासिल किया जा सकता है।

वेंकट सुब्रमण्यम ने गुरुवार को कहा, '' पिछले 10 वर्षों में भारत ने जिस तरह की वृद्धि दर्ज की है, अगर हम पिछले 10 वर्षों में लागू की गई अच्छी नीतियों को दोगुना कर सकते हैं और सुधारों में तेजी लाएं तो भारत यहां से 2047 तक आठ प्रतिशत की दर से वृद्धि कर सकता है।'' भारत की अर्थव्यवस्था 2023 के अंतिम तीन महीनों में उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो पिछले डेढ़ साल में सबसे तेज गति है। अक्टूबर-दिसंबर में चालू वित्त वर्ष के अनुमान को 7.6 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया। सुब्रमण्यम ने कहा, '' भारत आठ प्रतिशत की दर से बढ़ता है, तो 2047 तक भारत 55000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है।''

राष्ट्रीय

एक नजर

माफिया अतीक का 'शूटर' बल्ली पंडित गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज पुलिस ने माफिया अतीक अहमद गिरोह के 'शार्प शूटर' बल्ली पंडित उर्फ सुधांशु त्रिपाठी को बृहस्पतिवार को खुल्दाबाद थानाक्षेत्र में एडीसी ग्राउंड के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि बल्ली पंडित खुल्दाबाद थाने में पंजीकृत एक मुकदमे में वांछित था। एक व्यापारी से हर महीने दो लाख रुपये की रंगदारी मांगने के लिए उसके खिलाफ हाल में खुल्दाबाद थाने में भादंसं की धारा 386 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

मीरवाइज को नजरबंद किया : संगठन का दावा

श्रीनगर। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक के नेतृत्व वाले एक धार्मिक संगठन ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उन्हें नजरबंद कर दिया गया है। अंजुमन औकाफ़ जामिया मस्जिद ने एक बयान में कहा, "आज शहर की आली मस्जिद में होने वाले मीरवाइज के खुतबे (उपदेश) से पहले अधिकारियों ने उन्हें नजरबंद कर दिया।" हालांकि, यहां अधिकारियों ने मीरवाइज की नजरबंदी के दावे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। मीरवाइज को चार साल से अधिक समय के बाद पिछले साल सितंबर में नजरबंदी से रिहा किया गया था। उन्हें अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को जम्मू कश्मीर से निरस्त किए जाने के मद्देनजर नजरबंद कर दिया गया था।

झामुमो सिद्धांतों से भटकी: सीता सोरेन

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन ने बृहस्पतिवार को कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ''अपने सिद्धांतों से भटक गई है और भ्रष्टाचार में लिप्त है'' तथा झारखंड का विकास केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विचारधारा के जरिए ही संभव हो सकता है। सीता सोरेन ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) झारखंड की सभी 14 लोकसभा सीट पर जीत हासिल करेगी और '' अबकी बार 400 पार'' के अपने लक्ष्य को हासिल करेगी। सीता सोरेन 19 मार्च को भाजपा में शामिल हुई थीं। जामा से पूर्व विधायक सोरेन बृहस्पतिवार को झारखंड पहुंचीं और उन्होंने रांची में भाजपा मुख्यालय में मीडियाकर्मियों से बातचीत की।

आप राजनीतिक नाटक के लिए अदालत के इस्तेमाल की कोशिश कर रही : भाजपा

दावा- केजरीवाल और उनके वकीलों ने अदालत में पुराने आरोपों को ही दोहराया

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) पर आरोप लगाया कि वह अपने राजनीतिक नाटक के लिए अदालत का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रही है। पार्टी ने दावा किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके वकीलों ने अदालत में पुराने आरोपों को ही दोहराया। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को आबकारी मामले में गिरफ्तार किया गया है।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने संवाददाताओं से कहा कि आप ने निराधार आरोप लगाए हैं और वह न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही है। केजरीवाल ने इससे पहले एक स्थानीय अदालत से कहा था कि ईडी ने उन्हें निशाना बनाने के एकमात्र उद्देश्य से काम किया और महज कुछ बयानों के आधार पर उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्होंने दावा किया कि मामले में सरकारी गवाह बने आरोपी शरत चंद्र रेड्डी ने भाजपा को 55 करोड़ रुपये का चंदा दिया और यह धन के लेन-देन का मामला है। पूनावाला ने पलटवार करते हुए कहा कि आप ने अदालत को अपने राजनीतिक नाटक के लिए खेल का मैदान बना दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विपक्षी दलों का चरित्र है कि वे ''लूटें, झूठ बोले'' और पकड़े जाने पर खुद को पीड़ित बताएं तथा फिर संस्थानों पर दबाव डालें। उन्होंने कहा कि आप ने निराधार आरोप लगाए हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आबकारी मामले में कई आरोपियों को उच्चतम न्यायालय से भी कोई राहत नहीं मिली है।

केजरीवाल को इस्तीफा देना चाहिए : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा की दिल्ली इकाई ने अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग की और आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजधानी संवैधानिक संकट का सामना कर रही है। दिल्ली इकाई अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि केजरीवाल को हिरासत में लिए जाने के बाद आप में से किसी को भी मुख्यमंत्री बनाया जा सकता था। तिवारी ने कहा, जिन्होंने आपको चुना है, तो आप से किसी को भी मुख्यमंत्री बना सकते हैं। सचदेवा ने कहा कि मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए 'आप' में अंदरूनी खींचतान चल रही है। उन्होंने जांच एजेंसी की हिरासत से सरकार चलाने की संवैधानिक वैधता पर भी सवाल उठाया।

बर्मिंघम स्थित गुरु नानक निष्काम सेवक जत्था के स्वयंसेवकों ने गुरुवार को अमृतसर में स्वर्ण मंदिर की सोने की परत वाली दीवारों और गुंबद की सफाई की। ● एजेंसी

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की अधिसूचना जारी, 88 सीटों पर चुनाव

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की अधिसूचना गुरुवार को जारी कर दी। इस चरण में 12 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की 88 लोकसभा सीटों के लिए चुनाव होगा। बाहरी मणिपुर संसदीय सीट के 13 विधानसभा क्षेत्रों के लिए इसी चरण में मतदान कराया जाएगा। निर्वाचन आयोग के अनुसार बाहरी मणिपुर संसदीय सीट के 15 विधानसभा क्षेत्रों में अधिसूचना पहले चरण के साथ की गयी थी। दूसरे चरण में मणिपुर की इस सीट के अलावा असम , बिहार, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की 88 लोकसभा सीटों के लिए चुनाव कराया जाएगा।

आप की गोवा इकाई अध्यक्ष और तीन अन्य से पूछताछ

पणजी, एजेंसी

ईडी ने गुरुवार को आप की गोवा इकाई के अध्यक्ष अमित पालेकर और तीन अन्य लोगों से धनशोधन के एक मामले में पूछताछ की। ईडी ने पूछताछ के लिए पालेकर, आप नेता रामराव वाघ और दो अन्य लोगों-दत्ताप्रसाद नाइक तथा अशोक नाइक को तलब किया था। सूत्रों ने बताया कि चारों को कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। दत्ताप्रसाद नाइक और अशोक नाइक गोवा में भंडारी समुदाय के नेता हैं। पालेकर दोपहर 12.10 बजे यहां ईडी कार्यालय पहुंचे, वहीं तीन अन्य लोग उनसे पहले 11.15 बजे पहुंच गए। ईडी कार्यालय में प्रवेश से पहले पालेकर ने कहा, मुझे बुलाया गया है। मैं लौटकर आप सबसे बात करूंगा। दोपहर दो बजे ईडी कार्यालय से निकलने के बाद पालेकर ने कहा, ''जांच किस बारे में है, मैं इसकी जानकारी नहीं दे सकता। मैं जांच में शामिल हो गया हूं। वे मुझसे जो भी सवाल पूछ रहे हैं, मैं उनका उत्तर दे रहा हूं। दोपहर बाद एजेंसी ने फिर से पूछताछ की। पालेकर और अन्य नेताओं के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए गोवा के विधायक वेंजी वीगास और क्रूज सिल्वा समेत वरिष्ठ आप नेता ईडी कार्यालय के बाहर उपस्थित थे।

मनाली के कुल्लू में हिमस्खलन के बाद व्यक्ति लापता, रेस्क्यू जारी

शिमला, एजेंसी

मनाली जिले के कुल्लू में हिमस्खलन के बाद एक व्यक्ति लापता हो गया है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। हिमस्खलन बृहस्पतिवार दोपहर कुल्लू के जगतसुख गांव में हुआ। मौजूदा शुष्क मौसम में पहाड़ों पर बर्फ पिघलनी शुरू हो गई है। मनाली के उप संभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) रमन शर्मा ने कहा कि पुलिस, प्रशासन और स्थानीय निवासी बचाव अभियान में जुटे हैं और लापता व्यक्ति को तलाशने के लिए बर्फ हटाई जा रही है। मनाली के डीएसपी के.डी. शर्मा ने कहा कि अचानक हुए हिमस्खलन के चलते कांगड़ा निवासी राजेश कुमार बर्फ में दब गये। बीते 24 घंटे में मौसम मुख्य तौर पर शुष्क रहा है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले- सरकार अग्निवीर योजना में बदलाव को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि यदि सरकार को सशस्त्र सेनाओं में अग्निवीरों की भर्ती से संबंधित अग्निपथ योजना में कोई कमी दिखाई देती है तो जरूरत पड़ने पर वह इसमें सुधार को तैयार है। सिंह ने कहा कि यह एक सच्चाई है कि सेना में युथफुलनेस होनी चाहिए।

हमारे सेना के जवानों की उम्र 30, 35, 40 या 50 वर्ष की रही है, लेकिन जब हमारे 18 या 20 वर्ष के जवान होंगे अग्निवीर के माध्यम से तो मैं समझता हूं कि जोखिम उठाने का जज्बा जवानों में अधिक होता है। सेना को युवाओं की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह प्रौद्योगिकी का युग है और इसमें जवान प्रौद्योगिकी में पारंगत भी होने चाहिए। ऐसे नौजवानों की भर्ती अग्निवीर के रूप में की जा रही है। अग्निवीरों के कल्याण के लिए सरकार के किए जा रहे उपायों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे। इस बात की पक्की गारंटी है उसके लिए तंत्र में जो भी बदलाव किया जा सकता है वह किया जाएगा।

देश की सीमाएं सुरक्षित

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की सीमाएं सुरक्षित हैं और देश के लोगों को सशस्त्र बलों पर पूरा भरोसा होना चाहिए। अग्निवीर योजना की आलोचना को लेकर पर मंत्री ने कहा कि ऐसे सवालों का कोई औचित्य नहीं है। हर कोई मानता है कि सशस्त्र बलों का युवा स्वरूप होना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने लगभग 50 साल लंबे अपने राजनीतिक सफर के किस्से भी साझा किए। भारत-चीन सीमा मुद्दे पर विपक्षी दलों सहित कई लोगों के उठाए सवालों पर सिंह ने कहा कि देश के हितों को ध्यान में रखते हुए, मैं विपक्षी दलों को जो कुछ भी बता सकता हूं, बताता हूं, लेकिन रक्षा क्षेत्र में कई चीजें हैं जिनका रणनीतिक महत्व है।

महाकाल मंदिर में कपूर आरती में गुलाल गिरने से लगी थी आग

उज्जैन। उज्जैन के महाकाल मंदिर में 25 मार्च को आग लगने से 14 पुजारी और 'सेवक' के घायल होने संबंधी मामले में जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि आग कपूर आरती में गुलाल गिरने से लगी थी। होली के दिन शाम 5:50 बजे भस्म आरती के दौरान प्रसिद्ध मंदिर के गर्भ गृह में आग लगी थी। डीएम नीरज कुमार सिंह ने जांच रिपोर्ट के बारे में बताया कि मंदिर प्रबंधन द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया गुलाल 'कपूर' आरती पर गिर गया और आग लग गई। आग चार से पांच सेकंड में बुझा दी गई, लेकिन यह इतनी तेज थी कि कई लोग 25-30 प्रतिशत झुलस गए।"

बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में मास्टरमाइंड गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

एक बड़ी सफलता के तहत एनआईए ने बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया। एनआईए की कई टीम द्वारा कर्नाटक, तमिलनाडु और उप्र में 18 स्थानों पर छापे की कार्रवाई के बाद मुजम्मिल शरीफ को पकड़ा। एनआईए ने तीन मार्च को इस मामले को अपने हाथ में लिया था। एजेंसी ने इसके पहले आरोपी के रूप में मुसाविर शाजीब हुसैन की पहचान की थी जिसने विस्फोट को अंजाम दिया था।

बयान में कहा गया है कि एक अन्य षड्यंत्रकर्ता अब्दुल मथीन ताहा की भी पहचान की गई है जो अन्य मामलों में भी एजेंसी द्वारा वांछित है। इसमें कहा गया है दोनों आरोपी फिलहाल फरार हैं। एनआईए की जांच से पता चला है कि मुजम्मिल शरीफ ने एक मार्च को बेंगलुरु के आईटीपीएल रोड पर ब्रुकफील्ड स्थित कैफे में आईईडी विस्फोट से जुड़े मामले में पहचाने गए अन्य दो आरोपियों को जरूरी सहायता प्रदान की थी। इस विस्फोट में कई ग्राहक और होटल के कर्मचारी घायल हो गए और संपत्ति को काफी नुकसान पहुंचा। इस विस्फोट में कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने रामेश्वरम कैफे में ब्लास्ट के आरोपी की जानकारी के बदले 10 लाख रुपए का इनाम देने की पेशकश की है। एजेंसी ने बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा कि जो भी व्यक्ति ऐसी कोई जानकारी देगा जिसकी मदद से आरोपी गिरफ्तार हो सके, वह इनाम का हकदार होगा।

अंकतालिका

IPL

टीम	मैच	जीत	हार	टाई	अंक	रन रेट
चेन्नई सुपरकिंग्स	02	02	00	00	04	+1.979
राजस्थान रॉयल्स	02	02	00	00	02	+0.800
सनराइजर्स हैदराबाद	02	01	01	00	02	+0.675
कोलकाता नाइट राइडर्स	01	01	00	00	02	+0.200
पंजाब किंग्स	02	01	01	00	02	+0.025
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	02	01	01	00	02	-0.180
गुजरात टाइटंस	02	01	01	00	02	-1.425
दिल्ली कैपिटल्स	02	00	02	00	00	-0.528
मुंबई इंडियंस	02	00	02	00	00	-0.925
लखनऊ सुपर जायंट्स	01	00	01	00	00	-1.000

खेल डायरी

सिंधू मैड्रिड मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

मैड्रिड। भारत की दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू ने मैड्रिड स्पेन मास्टर्स में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को यहां चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन पर सीधे गेम में आसान जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस मुकाबले में पूरी तरह से सिंधू का दबदबा दिखा जिन्हें विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज ताइवान की क्वालीफायर खिलाड़ी से कोई चुनौती नहीं मिली। पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू ने 36 मिनट तक चले मैच को 21-14, 21-12 से अपने नाम किया। सिंधू के सामने अब थाईलैंड की सुपानिदा केटथोंग या जापान की नात्सुकी निदाइरा में से किसी एक की चुनौती होगी।

गिलेस्पी दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के कोच पद से देंगे इस्तीफा

एडिलेड। जेसन गिलेस्पी दक्षिण ऑस्ट्रेलिया और एडिलेड स्ट्राइकर्स के मुख्य कोच पद से जून के आखिर में इस्तीफा देंगे। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट एसोसिएशन (एसएसीए) ने गुरुवार को दिये एक बयान में कहा है कि जेसन गिलेस्पी जून के आखिर में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया और एडिलेड स्ट्राइकर्स के मुख्य कोच का पद छोड़ देंगे। गिलेस्पी ने कहा, "हमने एसएसीए में एक साथ मिलकर जो हासिल किया, उस पर मुझे अविश्वसनीय रूप से गर्व है और मैं उन यादों को हमेशा संजोकर रखूंगा। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल है।"

मेनन आईसीसी एलीट पैनल के अंपायर बने रहेंगे

दुबई। भारत के नितिन मेनन लगातार पांचवीं बार अंपायरों के आईसीसी एलीट पैनल में शामिल हुए जबकि बांग्लादेश के शरफुद्दौला इब्ने शाहिद इस सूची में जगह बनाने वाले अपने देश के पहले अंपायर बने। इंदौर के मेनन 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान में एलीट पैनल में शामिल हुए थे। वह गुरुवार को 2024-25 सत्र के लिए जारी आईसीसी की 12-सदस्यीय अंपायरों की सूची में एकमात्र भारतीय बने हुए हैं। एस रवि और पूर्व स्पिनर एस वेंकटराघवन के बाद एलीट पैनल का हिस्सा बनने वाले वह केवल तीसरे भारतीय हैं। रवि ने 33 जबकि वेंकटराघवन ने 73 टेस्ट में मैदानी अंपायर की भूमिका निभाई हैं।

आईपीएल 17 के पहले दिन दर्शक संख्या का रिकॉर्ड टूटा

मुंबई। आईपीएल के 17वें सत्र के पहले दिन उद्घाटन समारोह और चेन्नई सुपर किंग्स तथा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बीच मैच को रिकॉर्ड 16 करोड़ 80 लाख दर्शकों ने देखा। मेजबान प्रसारक ने यह जानकारी दी। इंडियन प्रीमियर लीग के आधिकारिक प्रसारक डिजनी स्टार ने कहा कि पहले दिन के खेल का 'वाचटाइम' (देखने का समय) 1276 करोड़ मिनट रहा जो किसी भी सत्र में पहले दिन का रिकॉर्ड है। आईपीएल के 17वें सत्र में पहले दिन डिजनी स्टार नेटवर्क पर छह करोड़ ये अधिक दर्शकों ने प्रसारण देखा। कंपनी ने कहा,'' डिजनी स्टार ने आईपीएल 2023 के पहले दिन 870 करोड़ मिनट रिकॉर्ड किये थे। पिछले सत्र की तुलना में वाचटाइम में 16 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।''

आडवाणी, सितवाला प्री-क्वार्टर फाइनल में

मुंबई। विश्व चैम्पियन पंकज आडवाणी और राष्ट्रीय चैंपियन ध्रुव सितवाला ने गुरुवार को यहां अपने-अपने मुकाबलों में जीत के साथ 'ऑल इंडिया सीसीआई बिलियर्ड्स क्लासिक 2024' प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। गत चैम्पियन आडवाणी ने ग्रुप ए के मैच में देवेंद्र जोशी को 1063-224 के बड़े अंतर से हराने के दौरान 529 का बड़ा ब्रेक बनाया। इंग्लैंड के डेविड कौजियर ने 465 और 301 के बड़े ब्रेक के दम पर भारत के विशाल मदान को 1183-301 से हराया। सितवाला ने ग्रुप ई मुकाबले में कमल चावला को 667-250 हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। मुंबई के रोहन जंबूसरिया ने ग्रुप एफ मैच में पूर्व विश्व चैंपियन कोलकाता के सौरव कोठारी पर 520-403 की शानदार जीत दर्ज की।

शरफुद्दौला आईसीसी एलीट समूह के अंपायरों में

दुबई। आईसीसी ने शरफुद्दौला को अंपायरों के अपने विशिष्ट पैनल में नियुक्त किया है। वह इस समूह में शामिल होने वाले पहले बांग्लादेशी हैं। मैच रेफरी के नए पैनल में अनुभवी क्रिस ब्रॉड शामिल नहीं हैं। ब्रॉड वर्ष 2003 से एलीट पैनल में हैं। उन्होंने 123 टेस्ट, 361 एकदिवसीय और 135 टी-20 मैचें में अंपायरिंग की है। वह 2009 टी-20 विश्वकप और 2021 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में मैच रेफरी थे। उनकी गिनती सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग वालों में है। आईसीसी के सीईओ ज्योफ एलार्डिस ने कहा, "क्रिस ब्रॉड कई वर्षों से एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के एक मूल्यवान सदस्य रहे हैं और उन्होंने अपनी भूमिका उत्कृष्टता के साथ निभाई है।"

राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज नांद्रे बर्गर टीम के साथियों के साथ डीसी बल्लेबाज मिशेल मार्श के विकेट का जश्न मनाते हुए।

रविचंद्रन अश्विन के विकेट का साथियों संग जश्न मनाते दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाज अक्षर पटेल।

रियान का अर्धशतक, राजस्थान की लगातार जीत

राजस्थान रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 12 रनों से हराया, रियान की अश्विन के साथ 54 व जुरेल के साथ 52 रन की साझेदारी

रियान पराग

जयपुर, एजेंसी

रियान पराग की 45 गेंदों में नाबाद 84 रनों की विस्फोटक पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के नौवें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल को 12 रन से हरा दिया है।

186 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स के डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट लिये 30 रन जोड़े। तीसरे ओवर में बर्गर ने मिचेल मार्श को बोल्ड कर दिल्ली को पहला झटका दिया। बर्गर ने 12 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 23 रन बनाये। इसके बाद रिकी भुई बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गये। कप्तान ऋषभ पंत ने 26 गेंदों में दो चौके और एक छक्के की मदद से 28 रनों की पारी खेली। अभिषेक पोरेल नौ रन बनाकर आउट हुये। ट्रिस्टन स्टब्स 23 गेंदों में नाबाद 44 रनों की पारी के बावजूद अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। अक्षर पटेल 15 रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली कैपिटल्स निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 173 रन ही बना सकी और मुकाबला 12 रनों से हार गई। राजस्थान रॉयल्स की ओर से नांद्रे बर्गर और युजवेंद्र चहल ने दो- दो विकेट लिये। आवेश खान ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले रियान पराग की 45 गेंदों में नाबाद 84 रनों की विस्फोटक पारी के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स को जीत के लिए 186 रनों का लक्ष्य दिया है।

गुरुवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल पांच रन का विकेट खो दिया। उसके बाद कप्तान संजू सैमसन भी 15 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। जॉस बटलर 11 रन बनाकर आउट हुये।

राजस्थान की लड़खड़ा रही पारी को अश्विन और पराग ने संभाला और अश्विन के आउट होने के बाद जिरेल ने भी पराग का साथ देते हुए अर्धशतकीय साझेदारी की। रवि अश्विन 29 रन और ध्रुव जुरेल 20 रन बनाकर आउट हुये। रियान पराग ने टीम के लिये 45 गेंदों में सात चौके और छह छक्को की मदद से नाबाद 84 रनों की पारी खेली। शिमरॉन हेटमायर सात गेंदों में 14 रन बनाकर नाबाद रहे। पराग ने आखिरी ओवर में चौकों छक्कों की बारिश करते हुए 25 रन ठोक डाले जिसकी बदौलत राजस्थान की टीम निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 185 रन का स्कोर खड़ा किया। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खलील अहमद, मुकेश कुमार, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और एनरिच नॉर्टे ने एक-एक विकेट लिया।

राजस्थान 185/5 — 20 ओवर, अतिरिक्त : 07

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
यशस्वी जायसवाल बो मुकेश कुमार	05	07	1/0
जोस बटलर पगबाधा कुलदीप	11	16	0/0
संजू सैमसन का पंत बो खलील	15	14	3/0
रियान पराग नाबाद	84	45	7/6
रविचंद्रन अश्विन का स्टब्स बो अक्षर	29	19	0/3
ध्रुव जुरेल बो नोर्किया	20	12	3/0
शिमरोन हेटमायर नाबाद	14	07	1/1

गेंदबाजी : खलील 4-0-24-1, मुकेश 4-0-49-1, नोर्किया 4-0-48-1, अक्षर 4-0-21-1, कुलदीप 4-0-41-1

दिल्ली 173/5 — 20 ओवर, अतिरिक्त : 05

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
डेविड वार्नर का संदीप बो आवेश	49	34	5/3
मिचेल मार्श बो बर्गर	23	12	5/0
रिकी भुई का सैमसन बो बर्गर	00	02	0/0
ऋषभ पंत का सैमसन बो चहल	28	26	2/1
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	44	23	2/3
अभिषेक पोरेल का बटलर बो चहल	09	10	0/0
अक्षर पटेल नाबाद	15	13	0/0

गेंदबाजी : बोल्ट 3-0-29-0, बर्गर 3-0-29-2, अश्विन 3-0-30-0, आवेश 4-0-29-1, चहल 3-0-19-2, संदीप 4-0-36-0

आईपीएल में जीत की लय बरकरार रखने उतरेंगे आरसीबी-केकेआर

बेंगलुरू, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशाक, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्जारी जोसफ, यश दयाल, टॉम करन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान। **कोलकाता नाइट राइडर्स :** श्रेयस अय्यर (कप्तान), नीतिश राणा, मनीष पांडे, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, शाकिब अल हसन, अनुकूल रॉय, वेंकटेश अय्यर, शेरफाने रदरफोर्ड, अंगकृष रघुवंशी, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, केएस भरत, फिल साल्ट, रहमानुल्लाह गुरबाज, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, दुष्मंता चामीरा, वरूण चक्रवर्ती, मिचेल स्टार्क, मुजीब उर रहमान, हर्षित राणा, सुयश शर्मा। **मैच का समय :** शाम 7.30 से।

पिछले मैच में मिली जीत से उनका हौसला बढा है लेकिन प्रदर्शन में परिपक्वता लाना बाकी है और शुक्रवार को आईपीएल 2024 के मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर तथा कोलकाता नाइट राइडर्स अपेक्षा के अनुरूप खेल दिखाने के इरादे से उतरेंगी। आरसीबी ने पिछले मैच में पंजाब किंग्स को चार विकेट से हराया जबकि केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को चार रन से मात दी। इसके बावजूद दोनों टीमों की शीर्ष और मध्यक्रम की बल्लेबाजी की समस्यायें बनी हुई हैं।

पंजाब के खिलाफ 177 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के अर्धशतक से आरसीबी खेमे ने राहत की सांस ली होगी। कप्तान फाफ डु प्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरन ग्रीन और रजत पाटीदार से अभी अच्छी पारी की उम्मीद है। पंजाब के खिलाफ आखिरी क्षणों में दिनेश कार्तिक का अनुभव और 'इंपैक्ट खिलाड़ी' महिपाल लोमरोर की उपयोगी पारी उनके काम आई। केकेआर के पास अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है और एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करने पर वे आरसीबी के बल्लेबाजों की परेशानी का सबब बन सकते हैं। आरसीबी के लिये तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और यश दयाल ने पंजाब के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की लेकिन बाकी गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

वॉर्नर, स्टोइनिस, एगर सीए के केंद्रीय अनुबंध से बाहर

मेलबर्न। वनडे और टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह चुके अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर, हरफनमौला एश्टोन एगर और मार्कस स्टोइनिस को वर्ष 2024-25 के लिये क्रिकेट आस्ट्रेलिया के केंद्रीय अनुबंध से बाहर रखा गया है। विक्टोरिया के सलामी बल्लेबाज मार्कस हैरिस और तेज गेंदबाज माइकल नासिर को भी अनुबंध नहीं मिल सका है। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के अनुसार 23 खिलाड़ियों को अनुबंध दिये गए हैं। आस्ट्रेलिया को अमेरिका और वेस्टइंडीज में जून में होने वाले टी20 विश्व कप के अलावा भारत के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला भी खेलनी है। वॉर्नर का अनुबंध से बाहर रखन तय था जो टी20 विश्व कप के बाद खेल को अलविदा कहने का ऐलान कर चुके हैं।

सूर्यकुमार को मैच के लिए फिट होने में समय लगेगा

नयी दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी से पूरी तरह नहीं उबर पाए हैं और आईपीएल के कुछ और मैचों में नहीं खेल पाएंगे। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) उनकी प्रगति पर नजर रखे हुए है। मुंबई इंडियन्स के लिए खेलने वाले सूर्यकुमार मौजूदा सत्र में अब तक कोई मैच नहीं खेल पाए हैं और उनकी टीम को दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है।

बीसीसीआई के सूत्र ने कहा, ''सूर्या (सूर्यकुमार) काफी अच्छी प्रगति कर रहा है और काफी जल्द मुंबई इंडियन्स की ओर से वापसी करेगा। शुरुआती दो मैच में नहीं खेल पाने के बाद हालांकि उसे कुछ और मुकाबलों से बाहर रहना पड़ सकता है।'' मुंबई इंडियन्स को सूर्यकुमार की कमी खल रही है लेकिन बीसीसीआई इस आक्रामक बल्लेबाज की फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता क्योंकि जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप में उनके बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीद है। सूत्र ने कहा, ''बीसीसीआई के लिए मुख्य चिंता यह है कि वह टी20 विश्व कप में खेलने की राह पर हैं या नहीं और वह इस स्थिति में है।''

बॉलीवुड हलचल

आलिया और शरवरी की फिल्म में विलेन बनेंगे बॉबी देओल

मुंबई, एजेंसी। यशराज प्रोडक्शन के स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म में आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आने वाली हैं। अब इस फिल्म से जुड़ी लेटेस्ट अपडेट सामने आई है। सुनने में आया है कि इस फिल्म में बॉबी देओल को विलेन के रोल में कास्ट कर लिया गया है। इस अनटाइटल्ड फिल्म में आलिया और बॉबी के अलावा शरवरी वाघ भी अहम रोल में नजर आएंगी। फिल्म से जुड़े एक सूत्र की मानें तो 'एनिमल' की सफलता के बाद बॉबी को विलेन के रोल ज्यादा ऑफर किए जा रहे हैं। इस फिल्म में भी वो आलिया और शरवरी से भिड़ते नजर आएंगे। बॉबी फिल्म से जुड़े पेपर वर्क पूरे कर चुके और इस साल के सेकेंड हाफ में वो इस फिल्म की शूटिंग पर जुटेंगे।' सूत्र ने यह जानकारी भी दी कि इस फिल्म में बॉबी स्पेशल लुक में नजर आएंगे। उन्हें इससे पहले कभी इस तरह के लुक में नहीं देखा गया। फिल्म के जरिए आलिया और बॉबी पहली बार किसी फिल्म में साथ काम भी करेंगे। बॉबी पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुई आलिया के हस्बैंड रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' में विलेन के रोल में नजर आए थे।

डिजिटल डेब्यू की तैयारी में अभिनेता अक्षय खन्ना

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड एक्टर अक्षय खन्ना 49 साल के हो चुके हैं। ये जाने-माने एक्टर विनोद खन्ना के छोटे बेटे हैं। अक्षय ने पिता विनोद खन्ना के प्रोडक्शन में बनी फिल्म हिमालय पुत्र से बॉलीवुड डेब्यू किया था, लेकिन 1999 में हिट फिल्म ताल से इन्हें पॉपुलैरिटी मिली। अक्षय ने ताल, बॉर्डर, हलचल, हंगामा, गांधी माय फादर, रेस, दिल चाहता है जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। हालांकि, तब भी इन्हें फिल्म इंडस्ट्री में वो मुकाम नहीं मिला जिसके ये हकदार थे। 22 साल की उम्र में डेब्यू करने वाले अक्षय 19 साल की उम्र में बाल झड़ने की समस्या से जूझने लगे थे। करियर आगे बढ़ा तो अक्षय की ये समस्या और गहरी हो गई, जिसका असर उनके फिल्मी करियर पर भी पड़ने लगा। अक्षय ने फिल्मों से कुछ सालों का दो बार ब्रेक भी लिया। 27 साल के करियर में अक्षय करीब पांच साल तक घर बैठे। इनकी पिछली फिल्म दृश्यम 2 थी जो कि 2022 में रिलीज हुई थी। अक्षय अब अपने डिजिटल डेब्यू की तैयारी कर रहे हैं। वो रवीना टंडन के साथ वेब सीरीज 'लीगेसी' में नजर आएंगे।

दीपिका पादुकोण का अजीब पोस्ट पढ़ परेशान हुए फैंस

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण जल्द ही मां बनने वाली हैं। रणवीर-दीपिका के घर जल्द ही नन्हा मेहमान आने वाला है। दीपिका इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में कपल ने पोस्ट शेयर कर अपने आने वाले बच्चे की खुशखबरी फैंस के साथ शेयर की थी। इसी बीच मॉम टू बी दीपिका पादुकोण ने एक ऐसा पोस्ट किया है जिसे पढ़ने के बाद उनके चाहने वाले टेंशन में आ गए हैं। अपने इस पोस्ट में दीपिका ने महिलाओं की सफलता को लेकर बात की है। इसके अलावा भी एक्ट्रेस ने काफी कुछ लिखा है। दीपिका पादुकोण ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट की है। अपने इस पोस्ट में दीपिका ने महिलाओं की सक्सेस पर तंज कसा है। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में लिखा कि "चारों तरफ देखें कि आप कहां हैं, देखें कि सफलता की परिभाषा बदलने के लिए आप क्या कर सकते हैं। ताकी आपके बाद आने वाली महिलाओं को ऐसा महसूस नहीं होगा कि सफलता और स्ट्रेस के बीच इसका चयन करना है।" दीपिका के प्रेग्नेंसी के दौरान के इस पोस्ट ने उनके फैंस की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि एक्ट्रेस ने ऐसा पोस्ट क्यों किया इसके पीछे की क्या वजह है इस बात की जानकारी नहीं हैं। मां बनने वाली हैं दीपिका पादुकोणबता दें कि रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने फरवरी में अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'सितंबर 2024' लिखा था। तस्वीर के चारों तरफ बच्चों के खिलौने बने हुए थे। इस पोस्ट के सामने आने के बाद कपल के फैंस और स्टार्स ने उन्हें जमकर बधाई दी थी। शादी के लगभग पांच साल बाद कपल पेरेंट्स बनने जा रहा है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), **ईमेल-** amritvicharkanpur@gmail.com. **आर.एन.आई नं0**-UPHIN/2022/85730 (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

मलयेशिया यात्रा से रणनीतिक साझेदारी बढ़ेगी

● विदेश मंत्रालय ने जारी किया बयान रक्षा और शिक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच हुई बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी

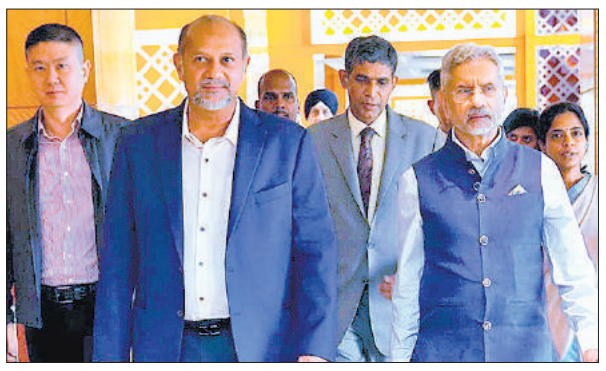

कुआलालंपुर में मलयेशिया के डिजिटल मंत्री गोबिंद सिंह देव के साथ जयशंकर।

सिंगापुर और फिलीपींस के दौरे के बाद केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर बुधवार को मलयेशिया पहुंचे। मलयेशिया की दो दिवसीय दौरे का समापन 28 मार्च को हो गया है। जयशंकर ने अपने दौरे का समापन मलयेशिया के डिजिटल मंत्री गोविंद सिंह देव से मुलाकात के साथ की।

विदेश मंत्रालय आधिकारिक बयान ने कहा है कि मलयेशिया पारंपरिक और नए युग दोनों क्षेत्रों में मजबूत भारत-मलयेशिया संबंधों के लिए उनका दृष्टिकोण, हमें रिश्ते के लिए एक अधिक महत्वाकांक्षी एजेंडा तैयार करने में मदद करेगा। क्षेत्रीय विकास पर उनके मार्गदर्शन और अंतर्दृष्टि से लाभ हुआ है। जयशंकर ने भारत-मलयेशिया रणनीतिक साझेदारी के तहत द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने में समर्थन के लिए प्रधानमंत्री अनवर का धन्यवाद किया। उन्होंने मलयेशिया के विदेश मंत्री हाजी मोहम्मद बिन हाजी हसन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इन दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक, व्यापार, आर्थिक, रक्षा और शिक्षा के क्षेत्र में बातचीत हुई। उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक हित के मुद्दों पर भी चर्चा की। केंद्रीय विदेश मंत्री जयशंकर ने डिजिटल मंत्री गोविंद सिंह देव से भी मुलाकात की। जयशंकर ने मलयेशिया दौरे का समापन करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा, "डिजिटल मंत्री गोविंद सिंह देव के साथ मिलकर मैंने मलयेशिया में अपना कार्यक्रम संपन्न किया। हमने व्यावसायिक अवसरों को तलाशने से लेकर डिजिटल सहयोग पर चर्चा की।

स्वदेशी निर्मित तेजस ने भरी सफल उड़ान

2200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकता है लड़ाकू विमान

नई दिल्ली। भारत में निर्मित स्वदेशी तेजस एमके1ए श्रृंखला का पहला लड़ाकू विमान ने गुरुवार को अपनी सफलतापूर्ण पहली उड़ान भरी है। बेंगलुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित यह विमान अपनी पहली उड़ान के दौरान 15 मिनट तक हवा में रहा।

15 मिनट तक हवा में रहा तेजस, पहली उड़ान पूरी की

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने हल्के लड़ाकू विमान (एलीएसी) तेजस एमके1ए सीरीज का पहला विमान तैयार किया है। विमान ने पहली सफल उड़ान बंगलूरू के आसमान में भरी है। एचएएल की तरफ से जारी बयान के मुताबिक 18 मिनट की सॉर्टी के बाद विमान की सुरक्षित लैंडिंग प्रक्रिया पूरी की गई। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बताया कि गुरुवार को बंगलूरू में मेड इन इंडिया स्वदेशी एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू विमान की पहली उड़ान पूरी की गई। एचएएल अधिकारी ने बताया कि विमान अपनी पहली उड़ान के दौरान 15 मिनट तक हवा में रहा।

फरवरी 2021 में हुआ था अनुबंध

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की तरफ से जारी बयान के मुताबिक वैश्विक भू- राजनीतिक माहौल में आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों से निपटने के लिए फरवरी 2021 में अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। इसके बाद एचएएल ने समय की मांग के अनुरूप डिजाइन तैयार किया। एचएएल के मुताबिक तेजस एमके1ए विमान श्रृंखला के पहले विमान एलए5033 का उत्पादन महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। गुरुवार को इस उड़ान का संचालन सर्टिफिकेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम (सीटीपी) से जुड़े ग्रुप कैप्टन केके वेणुगोपाल (सेवानिवृत्त) ने किया। बता दें, एचएएल इस मार्च के अंत तक वायुसेना को स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट सौंप सकता है। इस लड़ाकू विमान को वायुसेना पाकिस्तान की सीमा से सटे राजस्थान के बीकानेर स्थित नाल एयरक्राफ्ट स्टेशन पर तैनात किया सकता है।

50 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ने में सक्षम है तेजस, विमान 9 रॉकेट, बम और मिसाइल से भी हो सकता है लैस

एचएएल ने साझा किया वीडियो

स्वदेशी विमान विनिर्माता- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने गुरुवार को सोशल मीडिया हैंडल- एक्स पर लिखा कि तेजस एमके1ए विमान श्रृंखला के पहले विमान एलए5033 ने आज बंगलूरू में एचएएल के सेंटर से आसमान में उड़ान भरी। 18 मिनट की उड़ान (सॉर्टी) के साथ इसे सफल उड़ान की श्रेणी में गिना गया।

विशेषताएं

- इस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट की स्पीड की बात करें तो ये 2200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकता है। यह अधिकतम 50 हजार फीट की ऊंचाई तक जा सकता है। इसको 9 रॉकेट, बम और मिसाइल से लैस किया जा सकता है।
- इसमें हैमर और ब्रह्मोस जैसी मिसाइलें भी लगाने की तैयारी की जा रही है, जिससे पाकिस्तान जैसे दुश्मन की खैर नहीं होगी।
- तेजस मार्क 1 ए लड़ाकू विमान कई सुविधाओं से लैस है। इसमें मिशन कंप्यूटर, डिजिटल फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर, मल्टी फंक्शन डिस्पले, सेल्फ प्रोटेक्शन जैमर, उत्तम रडार सिस्टम आदि शामिल है।

एक नजर

पुरुष होली पर महिलाओं की तरह सजधजकर कामदेव की करते हैं पूजा

कुर्नूल। आंध्र प्रदेश के कुर्नूल जिले के संथेकुडलूर में होली को लेकर अनोखी परंपरा है। सदियों पुरानी इस परंपरा में यहां के पुरुष होली पर महिलाओं की तरह साड़ी-गहने पहनकर कामदेव की पूजा करते हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान कामदेव की पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

बेरोजगारी जैसी समस्याओं का समाधान नहीं कर सकती सरकार

नई दिल्ली। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि यह मानना गलत है कि सरकार बेरोजगारी जैसी सभी सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का समाधान कर सकती है। उन्होंने कहा, जब बेरोजगारी जैसी समस्याओं की बात आती है तो समाधान की तुलना में अंदाजा लगाना आसान होता है। नागेश्वरन अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और मानव विकास संस्थान की 'भारत रोजगार रिपोर्ट 2024' के लॉन्च के अवसर पर बोल रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, देश में कुल बेरोजगारों में शिक्षित युवाओं की हिस्सेदारी 2000 के 54 .2% से बढ़कर 2022 में 65 .7% हो गई।

मेक्सिको: 19 प्रांतों में फैली जंगल की आग, कई क्षेत्र प्रभावित

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको में 19 प्रांतों के 120 जंगलों में आग फैल गई है। 7 हजार से ज्यादा हेक्टेयर भूमि आग की चपेट है। मैक्सिको सरकार ने बुधवार को रिपोर्ट जारी कर जानकारी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि, देश के 19 राज्यों के 120 जंगलों में आग धधक रही है। हिडाल्गो प्रांत ज्यादा प्रभावित हुआ है, जहां अब तक 1,874 हेक्टेयर क्षेत्र आग की भेंट चढ़ गया है। हाल के दिनों में 42 स्थानों पर आग पर काबू पाया है, अब तक आग से दो हजार से ज्यादा हेक्टेयर भूमि प्रभावित हुई है। मैक्सिको प्रशासन ने कहा कि आग से आबादी क्षेत्र को कोई खतरा नहीं है।

आतंकवादी इस्तेमाल कर रहे अमेरिकी हथियार : पाकिस्तान

रावलपिंडी। टीटीपी, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और अन्य आतंकवादी संगठन अमेरिका निर्मित हथियारों से पाकिस्तान के खिलाफ हमले कर रहे हैं। हाल के महीनों में आतंकवादी हमलों में वृद्धि देखी गई है, देश भर में आतंकवादी समूहों ने नागरिकों के साथ-साथ सुरक्षा बलों को निशाना बनाए जाने के कारण कई लोगों की जान चली गई है। आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान में छोड़े गए हथियारों का पाकिस्तान पर हमले के लिए जमकर उयोग कर रहे हैं।

सीमा विवाद पर भारत-चीन के बीच शांति बनाए रखने पर बनी सहमति

बीजिंग में डब्ल्यूएमसीसी 29वीं बैठक में दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल ने लिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-चीन सीमा विवाद के बीच दोनों देशों ने इस मामले को सुलझाने के लिए बीजिंग में एक बैठक की। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में बताया कि भारत-चीन सीमा विवादों को लेकर बुधवार को चीन की राजधानी बीजिंग में एक बैठक आयोजित की गई।

समन्वय के लिए कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की 29वीं बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव ने की, उन्होंने बीजिंग में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। दूसरी ओर से चीन की तरफ से चीनी विदेश मंत्री इस बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में दोनों देशों के प्रतिनिधि के बीच भारत-चीन सीमा के पश्चिमी क्षेत्रों में वास्विक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर जारी विवाद पर चर्चा की गई। बैठक के बाद दोनों पक्ष राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने पर सहमत जताई है। मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया, दोनों पक्ष राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से नियमित संपर्क बनाने और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने पर सहमत हुए हैं। इससे पहले दोनों पक्षों के बीच पिछले साल नवंब में बैठक हुई थी। हाल ही में चीन अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताया था। हालांकि, भारत ने इस दावे को खारिज कर दिया था। इससे पहले भी चीन कई बार अरुणाचल प्रदेश पर दावा कर चुका है, लेकिन विदेश मंत्रालय ने चीन के इन निराधार दावों को खारिज करते हुए कहा कि अरुणाचल उत्तरपूर्वी राज्य होने के साथ भारत का एक अभिन्न हिस्सा है। अरुणाचल के लोगों को भारत के विकास कार्यक्रम और परियोजनाओं का लाभ मिलता रहेगा।

बुधवार को बीजिंग में डब्ल्यूएमसीसी की 29वीं बैठक में मौजूद भारत-चीन का प्रतिनिधिमंडल।

भारत-चीन के बीच संतुलन बनाना सबसे बड़ी चुनौती: जयशंकर

सिंगापुर में जयशंकर ने कहा था- मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती ये है कि भारत-चीन के बीच संतुलन कैसे बनाएं, दोनों देश 2 बड़ी ताकतें हैं जो आपस में पड़ोसी भी हैं। दोनों देशों का इतिहास और उनकी क्षमताएं उन्हें दुनिया से अलग करती हैं। ऐसे में दोनों देशों के बीच बातचीत जारी रखना अहम है। विदेश मंत्री ने कहा कि 2020 में हमें हैरानी हुई, जब चीन ने बॉर्डर पर कुछ ऐसा किया जो दोनों देशों के बीच हुए समझौते का उल्लंघन था। चीन ने दोनों देशों के बीच संतुलन बनाने की बजाए उसे बिगाड़ दिया।

भारत से व्यापार की नीतियों में नहीं आया कोई बदलाव

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने साफ किया है कि भारत के साथ व्यापार संबंध फिर से कायम करने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। पाकिस्तान ने 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के भारत सरकार के फैसले के बाद व्यापार संबंध तोड़ने की घोषणा की थी।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की ओर से विदेश मंत्री इशाक डार के भारत के साथ व्यापार संबंधों पर लंदन में दिए बयान के बाद शुरू हुई थी। उक्त बयान में डार ने कहा था कि भारत के साथ व्यापार संबंध फिर से कायम करने के बारे में पाकिस्तान गंभीरता से विचार कर रहा है। डार का यह बयान पाकिस्तान के व्यापार जगत की भारत के साथ संबंध सामान्य करने की लगातार मांग के बाद आया था।

पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली को दूर करने के लिए भारत के साथ व्यापार संबंधों को जरूरी माना जा रहा है। अब पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जेहरा बलोच ने गुरुवार को कहा कि भारत के व्यापारिक संबंध 2019 से अस्तित्व में नहीं हैं। पाकिस्तान की नीति में फिलहाल कोई बदलाव नहीं आया है।

पाकिस्तान सुरक्षा में फेल, हम अपनी सेना लगाएंगे : चीन

बीजिंग, एजेंसी

● चीन की पाक को दो टूक- बलूच कबाइली के निशाने पर चीनी

चीन पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर यानी सीपैक पर बढ़ते हमलों ने पाकिस्तानी सुरक्षा की पोल खोल दी है। चीन ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ को दो टूक कहा है कि सुरक्षा मुहैया कराने में पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा एजेंसियां फेल रही हैं। चीन सीपैक वाले बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वाह प्रांत में अपने सैनिक तैनात करेगा। चीन के राजदूत जियांग जायडोंग ने शहबाज को राष्ट्रपति शी जिनपिंग का ये संदेश बता दिया।

बता दें, पिछले सात दिन में बलूच हमलों में ग्वादर पोर्ट पर तीन चीनी अफसर घायल हो गए जबकि खैबर में कबाइली हमले में पांच चीनी इंजीनियर मारे गए। चीन इस बात से नाराज है कि पाक ने पहले भी चीनी नागरिकों को सुरक्षा देने का भरोसा दिया था, लेकिन हमले नहीं रुके। सुरक्षा जानकारों के अनुसार बलूचिस्तान और खैबर में चीन के सीपैक प्रोजेक्ट के प्रति स्थानीय लोगों में बेहद गुस्सा है। बलूच लिबरेशन आर्मी और खैबर में कबाइली हमलों के खिलाफ चीन हथियारबंद फौजियों की तैनाती के साथ-साथ जासूसी नेटवर्क भी तैयार करेगा। इसमें स्थानीय लोगों से मुखबिरी कराई जाएगी। चीन सरकार ने अलग से फंड देने का ऐलान किया है।

हमले के बाद चीनी कंपनी ने बंद किया कारोबार

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में दासू जलविद्युत परियोजना पर आतंकी हलमे में पांच चीनी नागरिकों की मौत हो गई थी, जिसके बाद चीन की कंपनी ने अशांत क्षेत्र में एक अन्य जलविद्युत परियोजना में अपने काम को बंद कर दिया है, साथ ही 2,000 से अधिक श्रमिकों को नौकरी से निकाल दिया गया है। गौरतलब है कि जलविद्युत परियोजना पर काम कर रहे चीन के कर्मियों पर यह दूसरा आत्मघाती हमला था। हालांकि किसी भी आतंकी समूह ने इस बम विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है।

बसंत की आहट...

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर में राजधानी श्रीनगर के बाहरी इलाके में बादाम के पेड़ों में इन दिनों फूल खिले हुए हैं। कश्मीर में ये बसंत ऋतु के आने का संकेत भी माना जाता है। इसे देखने के लिए हर साल हजारों पर्यटक भी यहां आते हैं। डाउनटाउन के रैनावाड़ी इलाके में स्थित बादामबाड़ी में लगे बादाम के सैकड़ों पेड़ों पर फूलों की कोपलें फूटने लगी हैं। मौसम अनुकूल रहा तो कुछ दिनों में यह कोपलें अपनी गुलाबी बहार के साथ पर्यटकों के स्वागत के लिए तैयार होंगी। ● एजेंसी

गाजा: विमानों से गिराए फूड पैकेट के लिए मारामारी, 18 की मौत

गाजा। 23 लाख की आबादी वाले गाजा में भोजन संकट गंभीर होता जा रहा है। बुधवार को उत्तर गाजा से बेट लाहिया में विमानों से गिराए गए फूड पैकेज पाने की कोशिश में 18 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 12 लोग समुद्र में डूब गए और 6 की मौत भगदड़ में हुई।

फिलिस्तीन ने कहा कि विमान से राहत सामग्री गिराना बेकार है, इसे तुरंत बंद किया जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन के विशेष दूत फ्रांसेस्का अल्बानीज ने आरोप लगाया कि इजराइल ने 6 माह से कम समय में गाजा पर 25 हजार टन विस्फोटक गिराया है, जो दो परमाणु बम के बराबर है। गौरतलब है कि जापान के हिरोशिमा पर गिराया गया अमेरिकी परमाणु बम 15 हजार टन का था।

यूक्रेन के विदेश मंत्री कुलेबा ने बापू को किया नमन

● जयशंकर के न्योता पर नई दिल्ली पहुंचे यूक्रेन के विदेश मंत्री कुलेबा वैश्विक मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों के बीच भारत की अपनी पहली यात्रा पर आज नई दिल्ली पहुंचें हैं। यहां उनका भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद वे राजधानी दिल्ली स्थित महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पहुंचे। यहां उन्होंने बापू को नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

गौरतलब है कि इससे पहले, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बुधवार को उनके दौरे के बारे में जानकारी दी थी। विदेश मंत्रालय ने बताया था कि उनकी यात्रा विदेश मंत्री एस जयशंकर के निमंत्रण पर हो रही है।

राजघाट पर बापू की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते दिमित्रो कुलेबा।

यात्रा के दौरान कुलेबा क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर द्विपक्षीय साझेदारी और सहयोग पर चर्चा करेंगे। वह व्यापार जगत के लोगों के साथ बातचीत भी करेंगे। कुलेबा ने कहा, मेरे दौरे से भारत-यूक्रेन के रिश्ते और मजबूत होंगे। यूक्रेन और भारत को दो 'बड़े लोकतंत्र' बताते हुए कुलेबा ने कहा कि उन्हें यकीन है कि हम अच्छे साझेदार बनने के लिए तैयार हैं।

रूस-यूक्रेन जंग का बातचीत से निकाले हल

नई दिल्ली। भारत ने गुरुवार को कहा कि बातचीत और राजनय के जरिए रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रोत्साहन जारी रखेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्विट्जरलैंड शांति शिखर सम्मेलन में भारत के रुख पर यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, हम बातचीत और राजनय के माध्यम से रूसी-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान को प्रोत्साहित करते रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 20 मार्च को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ अलग-अलग बातचीत की थी और जोर दिया था कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए बातचीत और राजनय ही आगे का रास्ता है। मोदी ने हालिया चुनाव में पांचवीं बार जीत हासिल करने के लिए पुतिन को बधाई देने की खातिर टेलीफोन पर बातचीत की थी।

विज्ञान ब्लैकहोल की नई तस्वीर से खुला आश्चर्यजनक रहस्य, वैज्ञानिकों ने कहा- ब्लैकहोल जेट बेहद खतरनाक

आकाशगंगा के ब्लैकहोल में जेट छिपे होने का संकेत मिला

नैनीताल कार्यालय

अमृत विचार : ब्लैकहोल के रहस्यों की परतें खुलनी शुरू हो गई हैं। यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला ने आकाशगंगा के ब्लैक होल की एक नई तस्वीर कैद की है। जिससे खुलासा हुआ है कि हमारी मिल्की वे के केंद्र में मौजूद सुपरमैसिव ब्लैकहोल में एक छिपा हुआ जेट हो सकता है।

आज से कुछ समय पहले तक माना जाता माना जाता था कि ब्लैकहोल अदृश्य महाशक्ति है, जिसकी तस्वीर भी शायद नही ली जा सकती है। उसके पास मौजूद तारों के जरिए इसकी पहचान संभव हो सकती है। मगर यह धारणा गलत साबित हुई है और ब्लैकहोल की तस्वीरें सामने आने लगी हैं, जो आधुनिक तकनीक के जरिए संभव हो पाया है। खगोलविदों ने मिल्की वे के सुपरमैसिव ब्लैक होल सैजिटेरियस ए की पहली तस्वीर इवेंट होराइजन टेलीस्कोप से कैद की है।

यह रोमांचक तस्वीर है और ब्लैकहोल के कई राज उजागर कर सकती है। इसके भीतर एक छिपा हुआ जेट होने मौजूद होने की जानकारी मिली है। दरअसल ब्लैकहोल के जेट बेहद खतरनाक होते हैं। इसके सामने आने वाली किसी भी वस्तु को छिन्नभिन्न करने की शक्ति रखता है। इस तस्वीर से यह पता भी लगा है कि सभी ब्लैक होल मजबूत चुंबकीय क्षेत्र हो सकते हैं। इस जानकारी पिछली समझ को चुनौती देते हैं। अथार्थ भविष्य में ब्लैकहोल के कई नई जानकारी सामने आएंगी और पुरानी धारणाओं में बदलाव आएगा। इवेंट होराइजन टेलीस्कोप वही दूरबीन है, जिसने किसी महाविशाल ब्लैक होल की पहली प्रत्यक्ष तस्वीर खींचने में बड़ी उपलब्धि हासिल की थी। अब नई तस्वीर ब्लैकहोल की समझ को आगे बढ़ाने वाली है। खोजकर्ता वैज्ञानिकों ने द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स में खोज को प्रकाशित किया है।

आकाशगंगा के केंद में मौजूद ब्लैकहोल की पहली तस्वीर।

2019 में मिली थी ब्लैकहोल की पहली तस्वीर

2019 में ब्लैक होल की पहली तस्वीर मिली थी। यह 5तस्वीर आकाशगंगा एम 87 के केंद्र में सुपरमैसिव ब्लैक होल की थी। इवेंट होरिजन टेलीस्कोप ने यह तस्वीर खींची थी। तस्वीर मे प्रकाश का छल्ला नजर आया। जिसका केंद्र अंधकार में डूबा हुआ था। वास्तव में अंधेरे में डूबे केंद्र को ब्लैकहोल की छाया कहा जाता है। वास्तविकता यह है कि ब्लैक होल को नहीं देख सकते, क्योंकि प्रकाश भी उससे बच नहीं सकता।

ब्रिटेन में सीसीटीवी से होगी मंदिरों की सुरक्षा

● सुनक 50 करोड़ आवंटित करेंगे सुरक्षा को लेकर लिया फैसला 2022 में कई मंदिरों पर हुए थे हमले

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन में चुनावों से कुछ माह पहले भारतवंशी प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हिंदू मंदिरों की सुरक्षा के लिए बड़ा फैसला किया है। सुनक सरकार ने ब्रिटेन में रहने वाले हिंदुओं की मांग के बाद मंदिरों की सुरक्षा के लिए 50 करोड़ रुपये का बजट आवंटित करने का फैसला लिया है।

ब्रिटिश सरकार का कहना है कि गृह मंत्रालय हिंदुओं के धर्मस्थलों और चर्चों की सुरक्षा के लिए एक नई नीति बनाने पर काम कर रहा है। इस नई नीति के बनने के बाद में ब्रिटेन में मंदिरों को भी मस्जिदों की तरह सुरक्षा के लिए फंडिंग मिलेगी। गौरतलब है कि पीएम सुनक कई मंदिरों का दौरा करते रहते हैं।

दो साल पहले ब्रिटिश सरकार ने 300 करोड़ की धर्म स्थल सुरक्षा फंडिंग स्कीम की घोषणा की थी। इसमें से अधिकांश हिस्सा इस्लामिक संस्थाओं को जाता था।

वहीं, 35 करोड़ रुपये ही गैर मुस्लिमों को मिलते थे। इसमें से गुरुद्वारा को 7 करोड़ जबकि हिंदू मंदिरों को 2.5 करोड़ रुपये मिलते थे। जिसे लेकर ब्रिटेन में हिंदू समुदाय में नाराजगी थी। कई हिंदुओं का कहना है कि धर्मस्थलों की सुरक्षा की फंडिंग में भेदभाव सही नहीं है। ब्रिटेन में 400 से अधिक हिंदू मंदिर हैं। सरकार द्वारा आवंटित राशि से हिंदू मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे लगेंगे। जिससे चौबीसों घंटे सुरक्षा निगरानी हो सकेगी। पुलिस को हिंदू मंदिरों पर हमले के मामलों से निपटने के तरीकों की ट्रेनिंग पर खर्च किया जाएगा। 2022 में ब्रिटेन के लेंसेस्टर में कई मंदिरों को निशाना बनाया गया था।

अमेरिका में चाकू मारकर चार लोगों की हत्या, 7 घायल

रॉकफोर्ड। अमेरिका के उत्तरी इलिनोइस में बुधवार को कई स्थानों पर एक व्यक्ति द्वारा चाकूबाजी की घटना में चार लोगों की मौत हो गई और सात घायल हो गए। मरने वालों में 15 वर्षीय किशोरी, 63 वर्षीय महिला, 49 वर्षीय व्यक्ति और 22 वर्षीय युवक शामिल है। उनके नाम पुलिस ने अभी उजागर नहीं किए हैं।

पुलिस ने एक युवक को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। घटना के पीछे की मंशा का पता नहीं चल पाया है। राकफोर्ड पुलिस प्रमुख कार्ला रेड ने कहा कि दोपहर 1.14 बजे स्वास्थ्यकर्मियों की ओर से इस संबंध में पहली काल मिली। उसके बाद अन्य कई काल आए। वहीं, इस जघन्य अपराध को अंजाम देने के पीछे के कारण का पता नहीं चल पाया है।